༄༅།།བོད་ཀྱི་རིང་བསྲེན་དཔེ་ཆོག་ལྷེ་གནས།།

Tibetan Buddhist Resource Center

Text Scan Input Form - Title Page

Work:	W4CZ332276	***ImageGroup:***	I4CZ332865
LCCN:	n/a	***ISBN:***	n/a

Title:	ཀླུ་འབུམ་དཀར་ནག་ཁྲ་གསུམ། klu 'bum dkar nag khra gsum/
Author:	n/a
Descriptor:	n/a
Original Publication:	n/a;n/a
Place:	khams/
Publisher:	[s.n.]
Date:	[n.d.]
Volume:	1
Total Volumes:	1
TBRC Pages:	2
Introductory Pages:	n/a
Text Pages:	n/a
Scanning Information:	Scanned at Tibetan Buddhist Resource Center, 1430 Massachusetts Avenue, Cambridge, MA 02138 US.

།ཤེས་རབ་ཀྱི་ཕ་རོལ་ཏུ་ཕྱིན་པའི་སྙིང་པོ།

ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་

ཀྱི་ཡི་ཀྱི་ཡི་ཀྱི་ཡི་

ཐོག་ཏུ་ཡང་ཡང་ཞུ་བ་ལྟ་བུ་ཡིན་ཏེ། ཁྱོད་ཀྱི་ཐུགས་ཀྱི་ཁྱབ་བདག་ཏུ་ཡོད་པ་ཡིན་ཡང་

ཀཱཾ ཀཱཾ ཀཱཾ

ཀཱ་ཡ་ཀཱ་ཡ་ཀཱ་ཡ་

ཀྱི་ཡི་ཀྱི་ཡི་ཀྱི་ཡི་

ཀུན་ཏུ་སྤྱོད་པའི་སྨོན་ལམ་ལས་ཀྱང་ཐེག་པ་ཆེན་པོ་ཡི་ཡོན་ཏན་ཡང་དག་པར་ཤེས་ཏེ། ཐེག་པ་ཆེན་པོ་ཡི་ཡོན་ཏན་ཡང་དག་པར་ཤེས་ནས་ཀྱང་།

ཀ་ཀ་ཀ་

ཀཱ་ཤྱ་པ་ཡ་ཏ་ཐཱ་ཏ་ཝ་ཏ་ཏ་ཐཱ་ཏ་ཝ་ཏ་ཏ་ཐཱ་ཏ་ཝ་ཏ

ཡིན་ཏེ། ཁྱོད་ཀྱི་ཐུགས་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཆོས་ཀྱི་སྐུ་ཡང་

ཀུན་ཏུ་སྤྱོད་པ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡང་དག་པ་ཉིད་ཀྱི་ཏིང་ངེ་འཛིན

ཀཱཡཱ་ཝཱཙཱ་མནསཱ་ཀརྨ་ཀུརྭནྟི།

ཡིན། རེ་ཤས་ཀྱང་ཡོད། ཁ་ཤས་ཀྱང་ཡོད། ཕྱི་ཤས་ཀྱང་ཡོད། ནང་ཤས་ཀྱང་ཡོད། ཤར་ཤས་ཀྱང་ཡོད། ནུབ་ཤས་ཀྱང་ཡོད། ཡང་ཤས་ཀྱང་ཡོད། ཐུར་ཤས་ཀྱང་ཡོད། ཐོག་ཤས་ཀྱང་ཡོད། ཐད་ཤས་ཀྱང་ཡོད། ཐོག་ཐད་ཀྱང་ཡོད། ཐད་ཐོག

ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་

ॐ नमो भगवते वज्रसत्त्वाय महासत्त्वाय महाकारुणिकाय महाभैषज्यगुरुवैडूर्यप्रभराजाय तथागतायार्हते सम्यक्संबुद्धाय तद्यथा ॐ भैषज्ये भैषज्ये महाभैषज्ये समुद्गते स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते भ

ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय भूरिभयभैरवभीषणाय महाकायकायाय महाकालरूपिणे
यमान्तकाय हूं हूं फट् फट् स्फुर स्फुर प्रस्फुर प्रस्फुर घोरघोरतरतनुरूपचटचटाहासय सर्वबन्धान्
मोचय मोचय सर्वदुष्टान् ग्रस ग्रस सर्वदुष्टान् भक्षय भक्षय विद्राविणि विद्राविणि सर्वदुष्टान्
त्रासय त्रासय कम्पय कम्पय मर्दय मर्दय तापय तापय शोषय शोषय उत्सादय उत्सादय सहस्रबाहो
सहस्रशिरः सहस्रनेत्र सहस्रपाद सहस्रशूलपाणे सहस्रशक्तिधर सहस्रवज्रधर सहस्रदण्डधर
सहस्रखड्गधर सहस्रचक्रधर सहस्रशङ्खधर सहस्रगदाधर सहस्रपद्मधर सहस्रभिन्दिपालधर
सहस्रमुसलधर सहस्रपरशुधर सहस्रपाशधर सहस्रांकुशधर सहस्रघण्टाधर सहस्रसर्पाभरण
सहस्रहारनूपुरकेयूरकुण्डलमुकुटधर सहस्रविकृतरूपविकृतवदन सहस्रभृकुटीतटोत्कटललाट
सहस्रभीषणदंष्ट्राकरालवदन सहस्रभीमाट्टहासभीषणवदन सहस्रसिंहनादभीषणवदन
सहस्रगजगर्जितभीषणवदन सहस्रवृकोदरभीषणवदन सहस्रोल्कामुखभीषणवदन
सहस्रविद्युज्जिह्वभीषणवदन सहस्रभीमभीषणवदन सहस्रभीमभीषणभयानकवदन
सहस्रभीमभीषणभयानकमुखविवर सहस्रभीमभीषणभयानकमुखविवरजिह्वा
सहस्रभीमभीषणभयानकमुखविवरजिह्वाकरालवदन सहस्रभीमभीषणभयानकमुखविवरजिह्वा
करालवदनोग्रदंष्ट्रा सहस्रभीमभीषणभयानकमुखविवरजिह्वाकरालवदनोग्रदंष्ट्रा
सहस्रभीमभीषणभयानकमुखविवरजिह्वाकरालवदनोग्रदंष्ट्रा सहस्रभीमभीषणभयानक
मुखविवरजिह्वाकर

ཀཱཏྱཱཡནཱིཔུཏྲཱཡ།

ཀུན་གསལ། ཡེ་ཤེས་ཀུན་གསལ། ཡེ་ཤེས་ཀུན་གསལ། ཡེ་ཤེས་

ཀུན་ཏུ་སྤྱོད་པ་ཡི་ཏིང་ངེ་འཛིན་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡང་རྩེ་ཞེས་བྱ་བ་ཐོབ་པ་ཡིན་ནོ། །དེ་ནས་བཅོམ་ལྡན་འདས་ཀྱིས་ཐུགས་ཀྱི་ཆོས་ཉིད་ཀྱི་ཏིང་ངེ་འཛིན་ལས་བཞེངས་ཏེ། ཇི་སྐད་དུ་བཅོམ་ལྡན་འདས་ཀྱིས་ཐུགས་ཀྱི་ཆོས་ཉིད་ཀྱི་ཏིང་ངེ་འཛིན་ལས་བཞེངས་ཏེ་ཞེས་བྱ་བ་ནས་

ཞེས་བྱ་བ་ཐེག་པ་ཆེན་པོ་ཡོན་ཏན་ཡོངས་སུ་རྫོགས་པ་

ཀཀཀ

ॐ ॥ ॥ ॥

॥ ७७ ॥

ཀཱཡཱ་ཝཱཙཱ་ཙིཏྟེན་ཡཾ་ཀིཉྩི་ཀུསལཾ་ཀམྨཾ་ཀཏཾ་ཏཾ་སབྦཾ་ཨཱཡཱཙཱམི་ཏཱ་ཡཱཙཱམི་ཏཱ་ཡཱཙཱམི་ཏཱ་

ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་

ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ཞིང་ཁམས་ཀྱི་ཐ་མ་ཡན་ཆད་ཀྱི་ཞིང་ཁམས་ཀྱི་རྡུལ་ཕྲ་རབ་ཀྱི་ཁྲོད་ན་ཡང་ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཡི་ཕྱག་གི་ཐུགས་ཀྱི་ཐིག་ལེ་ཡོད་པ་ཡིན་ཏེ།

ཀཀ

ཀྱི་ཡི་ཀྱི་ཡི་ཀྱི་ཡི་

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ ७७ ॥

ཀཱཡ་ཝཱཀ་ཙིཏྟ་ཀརྨ་ཀཱ་

ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय भूरिभयभैरवभीषणाय महाकायकायाय महाकालमहाकायाय महाकालमहाकायाय महाकालमहा

ཀཀ

ཀཱཡཱ་ཝཱཙཱ་མནསཱ་ཡཏ་ཀིཉྩི་ཀུསལཾ་ཀརྨ་ཀཱ་ཡཱ་ཝཱཙཱ་མནསཱ་ཏཏྲ་ཏཏྲ་ཏཏྲོཔཔཏྟིཀཾ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो नारायणाय ॥ ॐ नमो विष्णवे प्रभविष्णवे ॥ नमः सकलकल्याणकारणाय ॥ नमः प्रणतपालनाय ॥ नमः सकलजगदुत्पत्तिस्थितिसंहारकारणाय ॥ नमः सकलजगदाधाराय ॥ नमः सकलजगदुपजीव्याय ॥ नमः सकलजगदुपकारकाय ॥ नमः सकलजगदुपजीवना

ཀཱཡཱ་ཝཱཙཱ་མནསཱ་ཀརྨ་ཀུརྦནྟི་ཏཏྟྭཱ་ཡ་ཏཱ་ཡ་ཏཱ་ཡ་ཏ

ཀཀཀ

ཀྱི་ཐུགས་ཀྱི་ཐིག་ལེ་ཡིན་ཏེ། ཐིག་ལེ་ཡང་ཐིག་ལེ་ཆེན་པོ་ཡིན་ཏེ། ཐིག་ལེ་ཆེན་པོ

॥ ६८ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥

ཀཱཡཱ་ཝཱཙཱ་ཙིཏྟེན་ཡཾ་ཡཾ་ཀུསལཾ་ཀཱཡཀམྨཾ་ཀཱཡཝཙཱིཀམྨཾ་ཙིཏྟཀམྨཾ་ཀཱཡཱ་ཝཙཱཙིཏྟེཧི་ཀཱཡཀམྨཾ་ཝཙཱིཀམྨཾ་ཙིཏྟཀམྨཾ་ཀཱཡཱ་ཝཙཱཙིཏྟེཧི

ཀཱཡཱ་ཝཱཙཱ་ཙིཏྟེན་ཡཾ་ཀིཉྩི་ཀུསལཾ་ཀམྨཾ་ཀཏཾ་ཏཾ་སབྦཾ་ཨཱཡཱཙཱམི་

ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय महाभयविदारणकराय महाकायाय महाविद्याराजाय महारोद्राय महाभैरवाय नीलाञ्जनचयप्रख्याय दंष्ट्रोत्कटाय भीषणमुखाय भृकुटीविडम्बितमुखाय ऊर्ध्वकेशजटामुकुटशोभिताय नागयज्ञोपवीतिने महानागकुण्डलधराय महानागहाराय महानागकङ्कणकेयूरधराय महानागोत्तरासङ्गाय महानागकक्षोदराबद्धाय महानागराजसटाटोपस्फारिताय कैलासशिखरशिखरिणे यमान्तकाय महिषवाहनाय दक्षिणदिगधिपतये ॐ हूं फट् स्वाहा ॥

ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་

ॐ नमो भगवते वज्रकुमाराय महाबलपराक्रमाय भूरिभयभैरवरूपाय महाविद्याराजाय महाबलाय महाबलपराक्रमाय महाप्रतिसरे महावज्रशृङ्खले महावज्रजाले महावज्रधरे महावज्रधारिणि महाप्रत्यङ्गिरे महाकालि महामानसि महामायूरि महाकालदण्डि महाशीतवति महाशीतवनवासिनि महाशीतवनविभूषिते महाशीतवनविभूषणे महाशीतवनविभूषितशरीरे महाशीतवनविभूषितशरीरधारिणि महाशीतवनविभूषितशरीरधारिणि महाशीतवनविभूषितशरीरधारिणि

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो नारायणाय ॥

ཀུ་ཀུ་ཀུ་

ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय भूरिभयभैरवभीषणाय महाकालरूपिणे त्रिपुरान्तकाय त्रिशूलडमरुकपालखट्वाङ्गधराय
भूतवेतालप्रमथनाथसहिताय सर्वविघ्नविनाशकाय सर्वसिद्धिकराय सर्वभूतप्रेतपिशाचब्रह्मराक्षसयक्षकिन्नरकिंपुरुषभयोत्सादनाय
सर्वग्रहनिवारणाय सर्वव्याधिविनाशनाय सर्वदुष्टभयंकराय सर्वदुष्टप्रदुष्टानां सर्वदुष्टान्नपानखादकानां सर्वदुष्टसत्त्वानां
सर्वदुष्टविषोपविषसंघातानां सर्वदुष्टजनानां सर्वदुष्टस्त्रीणां सर्वदुष्टपुरुषाणां सर्वदुष्टकुलानां सर्वदुष्टदेशानां
सर्वदुष्टनगराणां सर्वदुष्टग्रामाणां सर्वदुष्टक्षेत्राणां सर्वदुष्टगृहाणां सर्वदुष्टपशूनां सर्वदुष्टधनधान्यानां
सर्वदुष्टवस्त्राभरणानां सर्वदुष्टशयनासनानां सर्वदुष्टयानवाहनानां सर्वदुष्टकर्मणां सर्वदुष्टशस्त्रास्त्राणां
सर्वदुष्टमन्त्रतन्त्रयन्त्रविद्यानां सर्वदुष्टदुर्भिक्षदुर्वृष्टिदुर्व्याधिदुर्मरणदुर्गतिदुर्भगदुर्यशदुर्वचनदुर्मतिदुर्बुद्धिदुर्लक्षणदुर्निमित्तदुःस्वप्नदुःशकुनदुर्गन्धदुर्वर्णदुरास्वाददुरासदानां
सर्वदुष्टदुःखदुर्मनोदुरितदुर्भावदुर्जातदुर्वासनानां सर्वदुष्टदुःखदुर्मनोदुरितदुर्भावदुर्जातदुर्वासन

ཀཱཾ ཀཱིཾ ཀཱུཾ ཀྲཱཾ

ꣳ ꣳ ꣳ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः शिवाय नमः प्रजापतिभ्यो नमः इन्द्राग्निभ्यां नमो द्यावापृथिवीभ्यां नमो मित्रावरुणाभ्यां नमः सोमाय नमो वनस्पतिभ्यो नमोऽग्नये नमः पृथिव्यै नमोऽन्तरिक्षाय नमो दिवे नमो दिग्भ्यो नमो विश्वेभ्यो देवेभ्यो नमो ब्रह्मणे नमोऽस्तु सर्पेभ्यो नमोऽस्त्वोषधीभ्यः ॥

ཐོབ་པ་ཡིན་ནོ། ། ཞེས་ཐོབ་པ་ཡིན་ནོ། ། ཞེས་ཐོབ་པ་ཡིན་ནོ། ། ཞེས་

ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ཞིང་ཁམས་ཀྱི་ཐ་མ་ཡས་ཀྱི་ཐ་མ་ཡི་བར་དུ་ཡང་ཞིང་ཁམས་ཀྱི་རྡུལ་ཕྲ་རབ་ཀྱི་གྲངས་ཙམ

ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ཞིང་ཁམས་ཀྱི་རྡུལ་ཙམ་ཞིང་ཁམས་སུ་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་བྱང་ཆུབ་ཀྱི་སེམས་དཔའ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐུགས་ཀྱི་ཚུལ་ཁྲིམས་ཀྱི་ཕུང་པོ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡོན་ཏན་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ

ཀཱཡཱ་ཝཱཙཱ་མནསཱ་ཀརྨཎཱ་ཡཏ་ཀིཉྩིཏ་ཀུཤལཾ་ཏཏ་སརྦཾ་ཏསྱ་ཏཐཱགཏསྱ་ཨརྷཏཿསམྱཀ་སམྦུདྡྷསྱ་ཨཱཏྨནཿཔརིཎཱམཱཡ་ཨནུཏྟརཱཡཱཾ་སམྱཀ་སམྦོདྷཽ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ཀུན་ཏུ་སྤྱོད་པ་ཡི་ཡུལ་ཅན་ཏེ། ཐམས་ཅད་ཀྱ

ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सः असिआउसा नमः स्वाहा ॥ ॐ ह्रीं अर्हं नमः ॥ ॐ ह्रीं अर्हं असिआउसा नमः ॥ ॐ ह्रीं अर्हं असिआउसा नमः स्वाहा ॥ ॐ ह्रीं अर्हं असिआउसा नमः स्वधा ॥ ॐ ह्रीं अर्हं असिआउसा नमः स्वाहा

ཀཱཡཱ་ཝཱཙཱ་མནསཱ་ཀརྨཎཱ་ཡཏ་ཀིཉྩིཏ་ཀུཀྲྀཏཾ་ཏཏ་སཏྭཱ་ཡ་ཧིཏཱཡ་སུཁཱཡ་ཡཏ་ཀིཉྩིཏ་སུཀྲྀཏཾ་ཏཏ་སཏྭཱ་ཡ་ཧིཏཱཡ་སུཁཱཡ

ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ཞིང་ཁམས་ཀྱི་ཐ་མ་ཡས་ཀྱི་ཐ་མ་ཡི་བར་དུ་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་སངས་རྒྱས་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཡོངས་སུ་རྫོགས་པ

ཀཱ་ཏྱཱ་ཡ་ན་ཀཱ་ཏྱཱ་ཡ་ན་ཀཱ་ཏྱཱ་ཡ་ན་

ཀྱི་ཚིག་ཏུ་ཡང་ཡང་ཞུ་བ་ལྟ་བུ་ཡིན་ཏེ། ཐུགས་

ꠀ

ཀཱཏྱཱཡནཱཡ ཨཱཙཱརྱཱཡ ཨཱཙཱརྱཱཡ ཨཱཙཱརྱ

ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཕྱག་རྒྱ་ཆེན་པོ་ཡིན་ཏེ། ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐམས་ཅད་ཀྱི་

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་ཨོཾ་

॥ ७७ ॥ ॥ ७७ ॥ ॥ ७७ ॥

॥ श्रीमद्भागवतपुराणम् ॥ श्रीमद्भागवतपुराणम् ॥ श्रीमद्भागवतपुराणम्

ཀཱཀཱཀཱ

ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་ཨོཾ་

ಕಾಲಾಗ್ನಿರುದ್ರಾಯ ನಮಃ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वज्रकुमाराय महाबलपराक्रमाय महाप्रतिसराय महाविद्याराजाय महाकारुणिकाय महाकृपाय महाप्रतिसरे महाविद्याराज्ञि महाकारुणिके महाकृपे महाशोकभयोपद्रवविनाशकरि महाप्रत्यङ्गिरे महाविद्याराज्ञि महाकारुणिके महाकृपे महाशोकभयोपद्रवविनाशकरि महाबलपरिवार

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཡི་ཞིང་ཁམས་ཀྱི་ཕྱོགས་ཐམས་ཅད་ན་གནས་པའི་བླ་མ་དང་ཡི་དམ་དང་མཁའ་འགྲོ་ཚོགས་ཀྱི་ཞབས་ལ་ཐུགས་ཀྱི་རྒྱུད་ལ་སྐྱབས་སུ་མཆི་བ་ཡིན་ནོ། །དེ་ལ་ཐུགས་ཀྱི་རྒྱུད་ལ་སྐྱབས་སུ་མཆི་བ་ཡིན་ནོ་ཞེས་པ་ནི་ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཡི་ཞིང་ཁམས་ཀྱི་ཕྱོགས་ཐམས་ཅད་ན་གནས་པའི་བླ་མ་དང་ཡི་དམ་དང་མཁའ་འགྲོ་ཚོགས་ཀྱི་ཞབས་ལ་ཐུགས་ཀྱི་རྒྱུད་ལ་སྐྱབས་སུ་མཆི་བ་ཡིན་ནོ། །ཞེས་བྱ་བ

ཀཱཡ་ཝཱཀ་ཙིཏྟ་ཀཱ་

ཐོབ་པ་ཡིན་ནོ། །ཐོབ་པ་ཡིན་ནོ་ཞེས་ཟེར་བ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ཀྱི་ཡུལ་ཁོ་ནས་ཀྱང་ཡིན་ཏེ། ཁྱོད་

ཀཀཀ

ꣳ ꣳ ꣳ

॥ ॥ ॥

ཀ་ཀ་ཀ་

ऋषिमार्षमाग्निमारुषमाग्निमार्षमाग्निमारुषमाग्निमार्षमाग्निमारुषमाग्नि

ཀླུ་ཀླུ་ཀླུ་

ॐ नमो भगवत्यै आर्यप्रज्ञापारमितायै ॥ एवं मया श्रुतं एकस्मिन् समये भगवान् राजगृहे विहरति स्म गृध्रकूटपर्वते महता भिक्षुसंघेन सार्धं महता बोधिसत्त्वगणेन सार्धं तत्र खलु भगवान् आयुष्मन्तं शारिपुत्रं आमन्त्रयति स्म तद्यथा शारिपुत्र बोधिसत्त्वेन महासत्त्वेन गम्भीरायां प्रज्ञापारमितायां चर्यां चरमाणेन एवं द्रष्टव्यं एवं उपपरीक्षितव्यं एवं अनुलोमयितव्यं यावत्पञ्चस्कन्धास्तांश्च स्वभावशून्यान् पश्यति स्म ॥ इह शारिपुत्र रूपं शून्यता शून्यतैव रूपं रूपान्न पृथक् शून्यता शून्यतायाः न पृथग्रूपं यद्रूपं सा शून्यता या शून्यता तद्रूपं एवमेव वेदनासंज्ञासंस्कारविज्ञानं शून्यता शून्यतैव विज्ञानं विज्ञानान्न पृथक् शून्यता शून्यतायाः न पृथग्विज्ञानं यद्विज्ञानं सा शून्यता या शून्यता तद्विज्ञानं ॥ इह शारिपुत्र सर्वधर्माः शून्यतालक्षणा अनुत्पन्नाः अनिरुद्धाः अमलाः अविमलाः अपरिपूर्णाः अनूनाः अनधिकाः ॥ तत्कस्य हेतोः ॥ न शारिपुत्र शून्यतायां रूपं न वेदना न संज्ञा न संस्काराः न विज्ञानं न चक्षुः न श्रोत्रं न घ्राणं न जिह्वा न कायः न मनः न रूपं न शब्दः न गन्धः न रसः न स्प्रष्टव्यं न धर्माः न चक्षुर्धातुः यावन्न मनोधातुः न धर्मधातुः न मनोविज्ञानधातुः ॥ न अविद्या न अविद्याक्षयः यावन्न जरामरणं न जरामरणक्षयः ॥ न दुःखं न समुदयः न निरोधः न मार्गः न ज्ञानं न प्राप्तिः न अप्राप्तिः ॥ तत्कस्य हेतोः ॥ अप्राप्तित्वात् बोधिसत्त्वस्य ॥ प्रज्ञापारमितामाश्रित्य विहरति अचित्तः अनावरणः अत्रस्तः अतिक्रान्तविपर्यासः निष्ठनिर्वाणप्राप्तः ॥ त्रैधातुकसमतिक्रान्ताः सर्वबुद्धाः प्रज्ञापारमितामाश्रित्य अनुत्तरां सम्यक्संबोधिं अभिसंबुद्धाः ॥ तस्मात्तर्हि शारिपुत्र बोधिसत्त्वेन महासत्त्वेन प्रज्ञापारमितायां चर्यां चरमाणेन एवं द्रष्टव्यं एवं उपपरीक्षितव्यं एवं अनुलोमयितव्यं यावत्पञ्चस्कन्धास्तांश्च स्वभावशून्यान् पश्यति स्म ॥ इह शारिपुत्र रूपं शून्यता शून्यतैव रूपं रूपान्न पृथक् शून्यता शून्यतायाः न पृथग्रूपं यद्रूपं सा शून्यता या शून्यता तद्रूपं एवमेव वेदनासंज्ञासंस्कारविज्ञानं शून्यता शून्यतैव विज्ञानं विज्ञानान्न पृथक् शून्यता शून्यतायाः न पृथग्विज्ञानं यद्विज्ञानं सा शून्यता या शून्यता तद्विज्ञानं ॥ इह शारिपुत्र सर्वधर्माः शून्यतालक्षणा अनुत्पन्नाः अनिरुद्धाः अमलाः अविमलाः अपरिपूर्णाः अनूनाः अनधिकाः ॥ तत्कस्य हेतोः ॥ न शारिपुत्र शून्यतायां रूपं न वेदना न संज्ञा न संस्काराः न विज्ञानं न चक्षुः न श्रोत्रं न घ्राणं न जिह्वा न कायः न मनः न रूपं न शब्दः न गन्धः न रसः न स्प्रष्टव्यं न धर्माः न चक्षुर्धातुः यावन्न मनोधातुः न धर्मधातुः न मनोविज्ञानधातुः ॥ न अविद्या न अविद्याक्षयः यावन्न जरामरणं न जरामरणक्षयः ॥ न दुःखं न समुदयः न निरोधः न मार्गः न ज्ञानं न प्राप्तिः न अप्राप्तिः ॥ तत्कस्य हेतोः ॥ अप्राप्तित्वात् बोधिसत्त्वस्य ॥ प्रज्ञापारमितामाश्रित्य विहरति अचित्तः अनावरणः अत्रस्तः अतिक्रान्तविपर्यासः निष्ठनिर्वाणप्राप्तः ॥ त्रैधातुकसमतिक्रान्ताः सर्वबुद्धाः प्रज्ञापारमितामाश्रित्य अनुत्तरां सम्यक्संबोधिं अभिसंबुद्धाः ॥ तस्मात्तर्हि शारिपुत्र बोधिसत्त्वेन महासत्त्वेन प्रज्ञापारमितायां चर्यां चरमाणेन

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ꯑꯃꯁꯤꯡꯒꯤ ꯑꯃꯁꯤꯡꯅ

ཀཱཡཱཡཱཡ

ཀཱ་ཀཱ་ཀཱ་

ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་

ཁམས་ཀྱི་ཁམས་ཀྱི་ཁམས་ཀྱི་

ཀུ་ཤ་ཀ་ཤ་ཀ་ཤ་ཀ

ཡོན་ཏན་ཡོངས་རྫོགས་པ་ཉིད་ཀྱི་ཕྱིར་རོ། །ཡོན་ཏན་ཡོངས་རྫོགས་པ་ཉིད་ཀྱང་ཐུབ་པ་ཉིད་ཀྱི་ཕྱིར་རོ། །ཐུབ་པ་ཉིད་ཀྱང་

ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय महाभयविदारणकराय भूतभयनिवारणकराय भूतज्वरविनाशनकराय
भूतवेतालकूष्माण्डयक्षराक्षसभयनिवारणकराय ॐ हुं फट् स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय
महाभयविदारणकराय भूतभयनिवारणकराय भूतज्वरविनाशनकराय भूतवेतालकूष्माण्डयक्षराक्षसभयनिवारणकराय
ॐ हुं फट् स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय महाभयविदारणकराय भूतभयनिवारणकराय
भूतज्वरविनाशनकराय भूतवेतालकूष्माण्डयक्षराक्षसभयनिवारणकराय ॐ हुं फट् स्वाहा ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो नारायणाय ॥ ॐ नमो विष्णवे मधुसूदनाय ॥ ॐ नमो विष्णवे मधुसूदनाय ॥ ॐ नमो विष्णवे मधुसूदनाय ॥

॥ अथ श्रीविष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ॥

ॐ विश्वं विष्णुर्वषट्कारो भूतभव्यभवत्प्रभुः ।
भूतकृद्भूतभृद्भावो भूतात्मा भूतभावनः ॥ १ ॥
पूतात्मा परमात्मा च मुक्तानां परमा गतिः ।
अव्ययः पुरुषः साक्षी क्षेत्रज्ञोऽक्षर एव च ॥ २ ॥
योगो योगविदां नेता प्रधानपुरुषेश्वरः ।
नारसिंहवपुः श्रीमान् केशवः पुरुषोत्तमः ॥ ३ ॥
सर्वः शर्वः शिवः स्थाणुर्भूतादिर्निधिरव्ययः ।
संभवो भावनो भर्ता प्रभवः प्रभुरीश्वरः ॥ ४ ॥
स्वयंभूः शंभुरादित्यः पुष्कराक्षो महास्वनः ।
अनादिनिधनो धाता विधाता धातुरुत्तमः ॥ ५ ॥
अप्रमेयो हृषीकेशः पद्मनाभोऽमरप्रभुः ।
विश्वकर्मा मनुस्त्वष्टा स्थविष्ठः स्थविरो ध्रुवः ॥ ६ ॥
अग्राह्यः शाश्वतः कृष्णो लोहिताक्षः प्रतर्दनः ।
प्रभूतस्त्रिककुब्धाम पवित्रं मंगलं परं ॥ ७ ॥
ईशानः प्राणदः प्राणो ज्येष्ठः श्रेष्ठः प्रजापतिः ।
हिरण्यगर्भो भूगर्भो माधवो मधुसूदनः ॥ ८ ॥
ईश्वरो विक्रमी धन्वी मेधावी विक्रमः क्रमः ।
अनुत्तमो दुराधर्षः कृतज्ञः कृतिरात्मवान् ॥ ९ ॥
सुरेशः शरणं शर्म विश्वरेताः प्रजाभवः ।
अहः संवत्सरो व्यालः प्रत्ययः सर्वदर्शनः ॥ १० ॥
अजः सर्वेश्वरः सिद्धः सिद्धिः सर्वादिरच्युतः ।
वृषाकपिरमेयात्मा सर्वयोगविनिःसृतः ॥ ११ ॥
वसुर्वसुमनाः सत्यः समात्मा संमितः समः ।
अमोघः पुण्डरीकाक्षो वृषकर्मा वृषाकृतिः ॥ १२ ॥
रुद्रो बहुशिरा बभ्रुर्विश्वयोनिः शुचिश्रवाः ।
अमृतः शाश्वतस्थाणुर्वरारोहो महातपाः ॥ १३ ॥
सर्वगः सर्वविद्भानुर्विष्वक्सेनो जनार्दनः ।
वेदो वेदविदव्यंगो वेदांगो वेदवित्कविः ॥ १४ ॥
लोकाध्यक्षः सुराध्यक्षो धर्माध्यक्षः कृताकृतः ।
चतुरात्मा चतुर्व्यूहश्चतुर्दंष्ट्रश्चतुर्भुजः ॥ १५ ॥
भ्राजिष्णुर्भोजनं भोक्ता सहिष्णुर्जगदादिजः ।
अनघो विजयो जेता विश्वयोनिः पुनर्वसुः ॥ १६ ॥
उपेन्द्रो वामनः प्रांशुरमोघः शुचिरूर्जितः ।
अतीन्द्रः संग्रहः सर्गो धृतात्मा नियमो यमः ॥ १७ ॥
वेद्यो वैद्यः सदायोगी वीरहा माधवो मधुः ।
अतीन्द्रियो महामायो महोत्साहो महाबलः ॥ १८ ॥
महाबुद्धिर्महावीर्यो महाशक्तिर्महाद्युतिः ।
अनिर्देश्यवपुः श्रीमानमेयात्मा महाद्रिधृक् ॥ १९ ॥
महेष्वासो महीभर्ता श्रीनिवासः सतांगतिः ।
अनिरुद्धः सुरानंदो गोविंदो गोविदांपतिः ॥ २० ॥
मरीचिर्दमनो हंसः सुपर्णो भुजगोत्तमः ।
हिरण्यनाभः सुतपाः पद्मनाभः प्रजापतिः ॥ २१ ॥
अमृत्युः सर्वदृक्सिंहः संधाता संधिमान्स्थिरः ।
अजो दुर्मर्षणः शास्ता विश्रुतात्मा सुरारिहा ॥ २२ ॥
गुरुर्गुरुतमो धाम सत्यः सत्यपराक्रमः ।
निमिषोऽनिमिषः स्रग्वी वाचस्पतिरुदारधीः ॥ २३ ॥
अग्रणीर्ग्रामणीः श्रीमान्न्यायो नेता समीरणः ।
सहस्रमूर्धा विश्वात्मा सहस्राक्षः सहस्रपात् ॥ २४ ॥
आवर्तनो निवृत्तात्मा संवृतः संप्रमर्दनः ।
अहःसंवर्तको वह्निरनिलो धरणीधरः ॥ २५ ॥
सुप्रसादः प्रसन्नात्मा विश्वधृग्विश्वभुग्विभुः ।
सत्कर्ता सत्कृतः साधुर्जह्नुर्नारायणो नरः ॥ २६ ॥
असंख्येयोऽप्रमेयात्मा विशिष्टः शिष्टकृच्छुचिः ।
सिद्धार्थः सिद्धसंकल्पः सिद्धिदः सिद्धिसाधनः ॥ २७ ॥
वृषाही वृषभो विष्णुर्वृषपर्वा वृषोदरः ।
वर्धनो वर्धमानश्च विविक्तः श्रुतिसागरः ॥ २८ ॥
सुभुजो दुर्धरो वाग्मी महेंद्रो वसुदो वसुः ।
नैकरूपो बृहद्रूपः शिपिविष्टः प्रकाशनः ॥ २९ ॥
ओजस्तेजोद्युतिधरः प्रकाशात्मा प्रतापनः ।
ऋद्धः स्पष्टाक्षरो मंत्रश्चंद्रांशुर्भास्करद्युतिः ॥ ३० ॥
अमृतांशूद्भवो भानुः शशबिंदुः सुरेश्वरः ।
औषधं जगतः सेतुः सत्यधर्मपराक्रमः ॥ ३१ ॥
भूतभव्यभवन्नाथः पवनः पावनोऽनलः ।
कामहा कामकृत्कांतः कामः कामप्रदः प्रभुः ॥ ३२ ॥
युगादिकृद्युगावर्तो नैकमायो महाशनः ।
अदृश्योऽव्यक्तरूपश्च सहस्रजिदनंतजित् ॥ ३३ ॥
इष्टोऽविशिष्टः शिष्टेष्टः शिखंडी नहुषो वृषः ।
क्रोधहा क्रोधकृत्कर्ता विश्वबाहुर्महीधरः ॥ ३४ ॥
अच्युतः प्रथितः प्राणः प्राणदो वासवानुजः ।
अपांनिधिरधिष्ठानमप्रमत्तः प्रतिष्ठितः ॥ ३५ ॥
स्कंदः स्कंदधरो धुर्यो वरदो वायुवाहनः ।
वासुदेवो बृहद्भानुरादिदेवः पुरंदरः ॥ ३६ ॥
अशोकस्तारणस्तारः शूरः शौरिर्जनेश्वरः ।
अनुकूलः शतावर्तः पद्मी पद्मनिभेक्षणः ॥ ३७ ॥
पद्मनाभोऽरविंदाक्षः पद्मगर्भः शरीरभृत् ।
महर्द्धिर्ऋद्धो वृद्धात्मा महाक्षो गरुडध्वजः ॥ ३८ ॥
अतुलः शरभो भीमः समयज्ञो हविर्हरिः ।
सर्वलक्षणलक्षण्यो लक्ष्मीवान्समितिंजयः ॥ ३९ ॥
विक्षरो रोहितो मार्गो हेतुर्दामोदरः सहः ।
महीधरो महाभागो वेगवानमिताशनः ॥ ४० ॥
उद्भवः क्षोभणो देवः श्रीगर्भः परमेश्वरः ।
करणं कारणं कर्ता विकर्ता गहनो गुहः ॥ ४१ ॥
व्यवसायो व्यवस्थानः संस्थानः स्थानदो ध्रुवः ।
परर्द्धिः परमस्पष्टस्तुष्टः पुष्टः शुभेक्षणः ॥ ४२ ॥
रामो विरामो विरतो मार्गो नेयो नयोऽनयः ।
वीरः शक्तिमतां श्रेष्ठो धर्मो धर्मविदुत्तमः ॥ ४३ ॥
वैकुंठः पुरुषः प्राणः प्राणदः प्रणवः पृथुः ।
हिरण्यगर्भः शत्रुघ्नो व्याप्तो वायुरधोक्षजः ॥ ४४ ॥
ऋतुः सुदर्शनः कालः परमेष्ठी परिग्रहः ।
उग्रः संवत्सरो दक्षो विश्रामो विश्वदक्षिणः ॥ ४५ ॥
विस्तारः स्थावरस्थाणुः प्रमाणं बीजमव्ययं ।
अर्थोऽनर्थो महाकोशो महाभोगो महाधनः ॥ ४६ ॥
अनिर्विण्णः स्थविष्ठोभूर्धर्मयूपो महामखः ।
नक्षत्रनेमिर्नक्षत्री क्षमः क्षामः समीहनः ॥ ४७ ॥
यज्ञ इज्यो महेज्यश्च क्रतुः सत्रं सतांगतिः ।
सर्वदर्शी विमुक्तात्मा सर्वज्ञो ज्ञानमुत्तमं ॥ ४८ ॥
सुव्रतः सुमुखः सूक्ष्मः सुघोषः सुखदः सुहृत् ।
मनोहरो जितक्रोधो वीरबाहुर्विदारणः ॥ ४९ ॥
स्वापनः स्ववशो व्यापी नैकात्मा नैककर्मकृत् ।
वत्सरो वत्सलो वत्सी रत्नगर्भो धनेश्वरः ॥ ५० ॥
धर्मगुब्धर्मकृद्धर्मी सदसत्क्षरमक्षरं ।
अविज्ञाता सहस्रांशुर्विधाता कृतलक्षणः ॥ ५१ ॥
गभस्तिनेमिः सत्त्वस्थः सिंहो भूतमहेश्वरः ।
आदिदेवो महादेवो देवेशो देवभृद्गुरुः ॥ ५२ ॥
उत्तरो गोपतिर्गोप्ता ज्ञानगम्यः पुरातनः ।
शरीरभूतभृद्भोक्ता कपींद्रो भूरिदक्षिणः ॥ ५३ ॥
सोमपोऽमृतपः सोमः पुरुजित्पुरुसत्तमः ।
विनयो जयः सत्यसंधो दाशार्हः सात्वतांपतिः ॥ ५४ ॥
जीवो विनयिता साक्षी मुकुंदोऽमितविक्रमः ।
अंभोनिधिरनंतात्मा महोदधिशयोऽंतकः ॥ ५५ ॥
अजो महार्हः स्वाभाव्यो जितामित्रः प्रमोदनः ।
आनंदो नंदनो नंदः सत्यधर्मा त्रिविक्रमः ॥ ५६ ॥
महर्षिः कपिलाचार्यः कृतज्ञो मेदिनीपतिः ।
त्रिपदस्त्रिदशाध्यक्षो महाशृंगः कृतांतकृत् ॥ ५७ ॥
महावराहो गोविंदः सुषेणः कनकांगदी ।
गुह्यो गभीरो गहनो गुप्तश्चक्रगदाधरः ॥ ५८ ॥
वेधाः स्वांगोऽजितः कृष्णो दृढः संकर्षणोऽच्युतः ।
वरुणो वारुणो वृक्षः पुष्कराक्षो महामनाः ॥ ५९ ॥
भगवान्भगहानंदी वनमाली हलायुधः ।
आदित्यो ज्योतिरादित्यः सहिष्णुर्गतिसत्तमः ॥ ६० ॥
सुधन्वा खंडपरशुर्दारुणो द्रविणप्रदः ।
दिवःस्पृक्सर्वदृग्व्यासो वाचस्पतिरयोनिजः ॥ ६१ ॥
त्रिसामा सामगः साम निर्वाणं भेषजं भिषक् ।
संन्यासकृच्छमः शांतो निष्ठा शांतिः परायणं ॥ ६२ ॥
शुभांगः शांतिदः स्रष्टा कुमुदः कुवलेशयः ।
गोहितो गोपतिर्गोप्ता वृषभाक्षो वृषप्रियः ॥ ६३ ॥
अनिवर्ती निवृत्तात्मा संक्षेप्ता क्षेमकृच्छिवः ।
श्रीवत्सवक्षाः श्रीवासः श्रीपतिः श्रीमतांवरः ॥ ६४ ॥
श्रीदः श्रीशः श्रीनिवासः श्रीनिधिः श्रीविभावनः ।
श्रीधरः श्रीकरः श्रेयः श्रीमान्लोकत्रयाश्रयः ॥ ६५ ॥
स्वक्षः स्वंगः शतानंदो नंदिर्ज्योतिर्गणेश्वरः ।
विजितात्मा विधेयात्मा सत्कीर्तिश्छिन्नसंशयः ॥ ६६ ॥
उदीर्णः सर्वतश्चक्षुरनीशः शाश्वतस्थिरः ।
भूशयो भूषणो भूतिर्विशोकः शोकनाशनः ॥ ६७ ॥
अर्चिष्मानर्चितः कुंभो विशुद्धात्मा विशोधनः ।
अनिरुद्धोऽप्रतिरथः प्रद्युम्नोऽमितविक्रमः ॥ ६८ ॥
कालनेमिनिहा वीरः शौरिः शूरजनेश्वरः ।
त्रिलोकात्मा त्रिलोकेशः केशवः केशिहा हरिः ॥ ६९ ॥
कामदेवः कामपालः कामी कांतः कृतागमः ।
अनिर्देश्यवपुर्विष्णुर्वीरोऽनंतो धनंजयः ॥ ७० ॥
ब्रह्मण्यो ब्रह्मकृद्ब्रह्मा ब्रह्म ब्रह्मविवर्धनः ।
ब्रह्मविद्ब्राह्मणो ब्रह्मी ब्रह्मज्ञो ब्राह्मणप्रियः ॥ ७१ ॥
महाक्रमो महाकर्मा महातेजा महोरगः ।
महाक्रतुर्महायज्वा महायज्ञो महाहविः ॥ ७२ ॥
स्तव्यः स्तवप्रियः स्तोत्रं स्तुतिः स्तोता रणप्रियः ।
पूर्णः पूरयिता पुण्यः पुण्यकीर्तिरनामयः ॥ ७३ ॥
मनोजवस्तीर्थकरो वसुरेता वसुप्रदः ।
वसुप्रदो वासुदेवो वसुर्वसुमनाहविः ॥ ७४ ॥
सद्गतिः सत्कृतिः सत्ता सद्भूतिः सत्परायणः ।
शूरसेनो यदुश्रेष्ठः सन्निवासः सुयामुनः ॥ ७५ ॥
भूतावासो वासुदेवः सर्वासुनिलयोऽनलः ।
दर्पहा दर्पदो दृप्तो दुर्धरोऽथापराजितः ॥ ७६ ॥
विश्वमूर्तिर्महामूर्तिर्दीप्तमूर्तिरमूर्तिमान् ।
अनेकमूर्तिरव्यक्तः शतमूर्तिः शताननः ॥ ७७ ॥
एको नैकः सवः कः किं यत्तत्पदमनुत्तमं ।
लोकबंधुर्लोकनाथो माधवो भक्तवत्सलः ॥ ७८ ॥
सुवर्णवर्णो हेमांगो वरांगश्चंदनांगदी ।
वीरहा विषमः शून्यो घृताशीरचलश्चलः ॥ ७९ ॥
अमानी मानदो मान्यो लोकस्वामी त्रिलोकधृक् ।
सुमेधा मेधजो धन्यः सत्यमेधा धराधरः ॥ ८० ॥
तेजोवृषो द्युतिधरः सर्वशस्त्रभृतांवरः ।
प्रग्रहो निग्रहो व्यग्रो नैकशृंगो गदाग्रजः ॥ ८१ ॥
चतुर्मूर्तिश्चतुर्बाहुश्चतुर्व्यूहश्चतुर्गतिः ।
चतुरात्मा चतुर्भावश्चतुर्वेदविदेकपात् ॥ ८२ ॥
समावर्तोऽनिवृत्तात्मा दुर्जयो दुरतिक्रमः ।
दुर्लभो दुर्गमो दुर्गो दुरावासो दुरारिहा ॥ ८३ ॥
शुभांगो लोकसारंगः सुतंतुस्तंतुवर्धनः ।
इंद्रकर्मा महाकर्मा कृतकर्मा कृतागमः ॥ ८४ ॥
उद्भवः सुंदरः सुंदो रत्ननाभः सुलोचनः ।
अर्को वाजसनः शृंगी जयंतः सर्वविज्जयी ॥ ८५ ॥
सुवर्णबिंदुरक्षोभ्यः सर्ववागीश्वरेश्वरः ।
महाह्रदो महागर्तो महाभूतो महानिधिः ॥ ८६ ॥
कुमुदः कुंदरः कुंदः पर्जन्यः पावनोऽनिलः ।
अमृतांशोऽमृतवपुः सर्वज्ञः सर्वतोमुखः ॥ ८७ ॥
सुलभः सुव्रतः सिद्धः शत्रुजिच्छत्रुतापनः ।
न्यग्रोधोऽदुंबरोऽश्वत्थश्चाणूरांध्रनिषूदनः ॥ ८८ ॥
सहस्रार्चिः सप्तजिह्वः सप्तैधाः सप्तवाहनः ।
अमूर्तिरनघोऽचिंत्यो भयकृद्भयनाशनः ॥ ८९ ॥
अणुर्बृहत्कृशः स्थूलो गुणभृन्निर्गुणो महान् ।
अधृतः स्वधृतः स्वास्यः प्राग्वंशो वंशवर्धनः ॥ ९० ॥
भारभृत्कथितो योगी योगीशः सर्वकामदः ।
आश्रमः श्रमणः क्षामः सुपर्णो वायुवाहनः ॥ ९१ ॥
धनुर्धरो धनुर्वेदो दंडो दमयिता दमः ।
अपराजितः सर्वसहो नियंताऽनियमोऽयमः ॥ ९२ ॥
सत्त्ववान्सात्त्विकः सत्यः सत्यधर्मपरायणः ।
अभिप्रायः प्रियार्होऽर्हः प्रियकृत्प्रीतिवर्धनः ॥ ९३ ॥
विहायसगतिर्ज्योतिः सुरुचिर्हुतभुग्विभुः ।
रविर्विरोचनः सूर्यः सविता रविलोचनः ॥ ९४ ॥
अनंतो हुतभुग्भोक्ता सुखदो नैकजोऽग्रजः ।
अनिर्विण्णः सदामर्षी लोकाधिष्ठानमद्भुतः ॥ ९५ ॥
सनात्सनातनतमः कपिलः कपिरव्ययः ।
स्वस्तिदः स्वस्तिकृत्स्वस्ति स्वस्तिभुक्स्वस्तिदक्षिणः ॥ ९६ ॥
अरौद्रः कुंडली चक्री विक्रम्यूर्जितशासनः ।
शब्दातिगः शब्दसहः शिशिरः शर्वरीकरः ॥ ९७ ॥
अक्रूरः पेशलो दक्षो दक्षिणः क्षमिणांवरः ।
विद्वत्तमो वीतभयः पुण्यश्रवणकीर्तनः ॥ ९८ ॥
उत्तारणो दुष्कृतिहा पुण्यो दुःस्वप्ननाशनः ।
वीरहा रक्षणः संतो जीवनः पर्यवस्थितः ॥ ९९ ॥
अनंतरूपोऽनंतश्रीर्जितमन्युर्भयापहः ।
चतुरश्रो गभीरात्मा विदिशो व्यादिशो दिशः ॥ १०० ॥
अनादिर्भूर्भुवो लक्ष्मीः सुवीरो रुचिरांगदः ।
जननो जनजन्मादिर्भीमो भीमपराक्रमः ॥ १०१ ॥
आधारनिलयोऽधाता पुष्पहासः प्रजागरः ।
ऊर्ध्वगः सत्पथाचारः प्राणदः प्रणवः पणः ॥ १०२ ॥
प्रमाणं प्राणनिलयः प्राणभृत्प्राणजीवनः ।
तत्त्वं तत्त्वविदेकात्मा जन्ममृत्युजरातिगः ॥ १०३ ॥
भूर्भुवःस्वस्तरुस्तारः सविता प्रपितामहः ।
यज्ञो यज्ञपतिर्यज्वा यज्ञांगो यज्ञवाहनः ॥ १०४ ॥
यज्ञभृद्यज्ञकृद्यज्ञी यज्ञभुग्यज्ञसाधनः ।
यज्ञांतकृद्यज्ञगुह्यमन्नमन्नाद एव च ॥ १०५ ॥
आत्मयोनिः स्वयंजातो वैखानः सामगायनः ।
देवकीनंदनः स्रष्टा क्षितीशः पापनाशनः ॥ १०६ ॥
शंखभृन्नंदकी चक्री शार्ङ्गधन्वा गदाधरः ।
रथांगपाणिरक्षोभ्यः सर्वप्रहरणायुधः ॥ १०७ ॥
सर्वप्रहरणायुध ॐ नमः इति ॥

॥ वनमालिगदी शार्ङ्गी शंखी चक्री च नंदकी ।
श्रीमान्नारायणो विष्णुर्वासुदेवोऽभिरक्षतु ॥ १ ॥

॥ श्रीवासुदेवो रक्षतु ॥ श्रीवासुदेवो रक्षतु ॥ श्रीवासुदेवो रक्षतु ॥

॥ इति श्रीविष्णुसहस्रनामस्तोत्रं संपूर्णं ॥

ꣀꣀꣀꣀ

ཀྱི་ཆོས་ཀྱི་ཆོས་ཀྱི་ཆོས་

ॐ नमो भगवते श्रीमते वीरवीरहनुमते महाबलपराक्रमाय महाविपत्तिनिवारणाय महाभयविदारणाय महाज्वरनाशनाय महाविषसंहारणाय महाकालरात्र्यग्निमहारौद्रभयनिवारणाय महाबन्धनमोक्षकराय महासंकटनिवारणाय

ཀཱ་ཏྱཱ་ཡ་ན་ཀྲྀ་ཏ་

ཀཱ་ཤྱ་པ་ཡི་ཞུས་པ་ལྟར་ཆོས་ཀྱི་ཁྲི་ཆེན་པོ་ཁྱོད་ཀྱིས་བསྐོར་བ་ཡིན་ནོ། །ཞེས་ཟེར་བ་ལྟ་བུ་ཡིན་ནོ། །ཁྱོད་ཀྱིས་ཆོས་ཀྱི་ཁྲི་ཆེན་པོ

ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཡི་ཡུལ་ལ་ཞུགས་པ་ཡི། །

ཡིད་ཀྱི་ཤེས་པ་ནི། ཕྱི་རོལ་གྱི་དོན་གྱི་ཚོགས་ཀྱི་ཡུལ་ལ་ཡིད་ཀྱི་རྣམ་པར་ཤེས་པའི་ཚོགས་ཏེ། ཡིད་ཀྱི་རྣམ་པར་ཤེས་པ་ཞེས་བྱ་བ་ནི

ॐ नमो भगवते वज्रकुमाराय महाबलपराक्रमाय भूरिमदमथनाय दुष्टग्रहविनाशनाय सर्वविघ्नविनायकप्रशमनाय सर्वदुष्टनिवारणाय सर्वदुष्टोपद्रवविनाशनाय सर्वदुष्टभयोत्सादनाय सर्वदुष्टग्रहनिग्रहकराय सर्वदुष्टप्रदुष्टविषनिर्विषीकरणाय सर्वदुष्टोपसर्गविध्वंसनाय सर्वदुष्टशत्रुसैन्यविद्रावणाय सर्वदुष्टराजचोरव्याघ्रसर्पारिभयनिवारणाय सर्वदुष्टदुर्भिक्षदुर्निमित्तदुःस्वप्नदुरारिष्टविनाशनाय सर्वदुष्टदुर्जनदुर्वचनदुष्टचित्त

ཀུན་ཏུ་སྤྱོད་པ་ཆེན་པོ་ཡི་སྨོན་ལམ་ཀྱང་། །ཐུབ་པ་ཀུན་གྱི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ནི་སྟོབས་ཀྱང་། །ཐུབ་པ་ཀུན་གྱི་བྱིན་གྱིས་རློབས་ཀྱང་། །ཐུབ་པ་ཀུན་གྱི་ཐུགས་རྗེ་ཡིས་ཀྱང་། །ཐུབ་པ་ཀུན་གྱི་ཐུགས་ཀྱི་ཉམས་ཀྱང་། །ཐུབ་པ་ཀུན་གྱི་ཐུགས་ཀྱི་ཁྱད་པར་ཀྱང་། །ཐུབ་པ་ཀུན་གྱི་ཐུགས་ཀྱི་ཡོན་ཏན་ཀྱང་། །ཐུབ་པ་ཀུན་གྱི་ཐུགས་ཀྱི་ཕྲིན་ལས་ཀྱང་། །ཐུབ་པ་ཀུན་གྱི་ཐུགས་ཀྱི་རྣམ་པ་

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः सङ्कर्षणाय प्रद्युम्नायानिरुद्धाय नमो नमो ब्रह्मण्यदेवाय गोब्राह्मणहिताय च ।
जगद्धिताय कृष्णाय गोविन्दाय नमो नमः ॥ हरये मुञ्जकेशाय नारायण शिखण्डिने ।
नमस्सेऽस्तु नीलाय नग्नाय विकटाय च ॥ दामोदराय साध्याय सर्वभूतहिताय च ।
शुचये जटिलायाथ ब्रह्मचारिण ऊर्ध्वरेतसे ॥ हंसाय परमेष्ठिने विश्वरूपाय सूरये ।
सुपतये वृषभायाथ पुरुषायाक्षराय च ॥ अमोघायाप्रमेयाय विश्वकर्मण्यजाय च ।
पवित्राय मुनये चैव मुञ्जकेशाय तार्क्ष्यिणे ॥ उरुक्रमाय महते वेदवक्त्राय धीमते ।
एकशृङ्गाय शिपिविष्टाय वृषाकपये ॥ हिरण्यवर्णाय शुचये हिरण्यकवचाय च ।
हिरण्यरेतसे चैव हिरण्यवपुषे नमः ॥ सहस्रशीर्षाय नमः सहस्रभुजमृत्यवे ।
सहस्रपादाक्षिशिरोरुनासाय च ॥ सहस्रनाम्ने पुरुषाय शाश्वतायाक्षयाय च ।
सर्वेश्वराय सर्वाय सर्वभूतहिताय च ॥ सर्वात्मने सर्वविदे सर्वशक्तिधराय च ।
सर्वभूतनिवासाय नमः सर्वहराय च ॥ सर्वप्रधानपुरुषमहदादिमयाय च ।
सर्वेन्द्रियविकारज्ञ सर्वभूतगुणाय च ॥ सर्वभूतप्रधानाय नमः सर्वसुखाय च ।
सर्वभूतप्रधानाय नमः सर्वसुखाय च ॥ सर्वभूतप्रधानाय नमः सर्वसुखाय च ।

ಅಂಗಾಂಗಭೋಗಿಗಳು ಸಿಂಗಾರಿಗಳು ಸಂಗಾತಿಗಳು ಸಂಗಸುಖಿಗಳು ಸಂಗಮಿಗಳು ಸಂಗಾಸಂಗಿಗಳು ಸಂಗಮೇಶ್ವರಾ ನಿಮ್ಮ ಶರಣರು ಲಿಂಗಾಂಗಸಂಬಂಧಿಗಳು ಲಿಂಗಾಂಗಸಂಯೋಗಿಗಳು ಲಿಂಗಾಂಗಸಮರಸಿಗಳು ಲಿಂಗಾಂಗಸಮಾಧಾನಿಗಳು ಲಿಂಗಾಂಗಸಾಮರಸ್ಯಿಗಳು ಲಿಂಗಾಂಗಸಾಮಾನ್ಯರು ಲಿಂಗಾಂಗಸಾಮಾನ್ಯಿಗಳು ಲಿಂಗಾಂಗಸಾಮಾನ್ಯೆಯರ

॥ ७९ ॥

ولذلك ما نجد في كتب الأدب من الأمثال التي تحث على الصبر والتأني في الأمور، كقولهم: من استعجل شيئاً قبل أوانه عوقب بحرمانه. وقولهم: الصبر مفتاح الفرج. وقولهم: من صبر ظفر. وقولهم: الصبر أحد الظفرين. وقولهم: الصبر مر المذاق ولكن ثمرته حلوة. وقولهم: الصبر على المكاره خير من الجزع عليها. وقولهم: الصبر يعقب الراحة. وقولهم: الصبر على الشدائد من شيم الأحرار. وقولهم: الصبر على الأذى أفضل من الانتقام. وقولهم: الصبر على الجوع خير من الشبع بالذل. وقولهم: الصبر على الفقر خير من الغنى بالحرام. وقولهم: الصبر على الغربة خير من الوطن بالهوان. وقولهم: الصبر على الوحدة خير من الأنس بالأشرار. وقولهم: الصبر على الجهل خير من العلم بالكبر. وقولهم: الصبر على المرض خير من الصحة بالغفلة. وقولهم: الصبر على الموت خير من الحياة بالذل. وقولهم: الصبر على الفراق خير من اللقاء بالخيانة. وقولهم: الصبر على الهجر خير من الوصل بالنفاق. وقولهم: الصبر على الظلم خير من العدل بالقوة. وقولهم: الصبر على الجفاء خير من الجفاء بالجفاء. وقولهم: الصبر على الإساءة خير من الإساءة بالإساءة. وقولهم: الصبر على الكذب خير من الكذب بالكذب. وقولهم: الصبر على الخيانة خير من الخيانة بالخيانة. وقولهم: الصبر على الغدر خير من الغدر بالغدر. وقولهم: الصبر على الشر خير من الشر بالشر. وقولهم: الصبر على الفحش خير من الفحش بالفحش. وقولهم: الصبر على البذاء خير من البذاء بالبذاء. وقولهم: الصبر على السفاهة خير من السفاهة بالسفاهة. وقولهم: الصبر على الحمق خير من الحمق بالحمق. وقولهم: الصبر على الجهالة خير من الجهالة بالجهالة. وقولهم: الصبر على الضلالة خير من الضلالة بالضلالة. وقولهم: الصبر على الكفر خير من الكفر بالكفر. وقولهم: الصبر على الإلحاد خير من الإلحاد بالإلحاد. وقولهم: الصبر على الزندقة خير من الزندقة بالزندقة. وقولهم: الصبر على الشرك خير من الشرك بالشرك. وقولهم: الصبر على النفاق خير من النفاق بالنفاق. وقولهم: الصبر على الرياء خير من الرياء بالرياء. وقولهم: الصبر على العجب خير من العجب بالعجب. وقولهم: الصبر على الكبر خير من الكبر بالكبر. وقولهم: الصبر على الحسد خير من الحسد بالحسد. وقولهم: الصبر على الحقد خير من الحقد بالحقد. وقولهم: الصبر على الغيبة خير من الغيبة بالغيبة. وقولهم: الصبر على النميمة خير من النميمة بالنميمة. وقولهم: الصبر على القذف خير من القذف بالقذف. وقولهم: الصبر على الزنا خير من الزنا بالزنا. وقولهم: الصبر على اللواط خير من اللواط باللواط. وقولهم: الصبر على السحاق خير من السحاق بالسحاق. وقولهم: الصبر على القوادة خير من القوادة بالقوادة. وقولهم: الصبر على الدياثة خير من الدياثة بالدياثة. وقولهم: الصبر على الخمر خير من الخمر بالخمر. وقولهم: الصبر على الميسر خير من الميسر بالميسر. وقولهم: الصبر على الأنصاب خير من الأنصاب بالأنصاب. وقولهم: الصبر على الأزلام خير من الأزلام بالأزلام. وقولهم: الصبر على الربا خير من الربا بالربا. وقولهم: الصبر على السرقة خير من السرقة بالسرقة. وقولهم: الصبر على الغصب خير من الغصب بالغصب. وقولهم: الصبر على النهب خير من النهب بالنهب. وقولهم: الصبر على الخطف خير من الخطف بالخطف. وقولهم: الصبر على القتل خير من القتل بالقتل. وقولهم: الصبر على الانتحار خير من الانتحار بالانتحار. وقولهم: الصبر على الإجهاض خير من الإجهاض بالإجهاض. وقولهم: الصبر على الوأد خير من الوأد بالوأد. وقولهم: الصبر على التعذيب خير من التعذيب بالتعذيب. وقولهم: الصبر على الحرق خير من الحرق بالحرق. وقولهم: الصبر على الغرق خير من الغرق بالغرق. وقولهم: الصبر على الهدم خير من الهدم بالهدم. وقولهم: الصبر على الدفن خير من الدفن بالدفن. وقولهم: الصبر على التشريح خير من التشريح بالتشريح. وقولهم: الصبر على التمثيل خير من التمثيل بالتمثيل. وقولهم: الصبر على التقطيع خير من التقطيع بالتقطيع. وقولهم: الصبر على التشويه خير من التشويه بالتشويه. وقولهم: الصبر على الإعدام خير من الإعدام بالإعدام. وقولهم: الصبر على الإبادة خير من الإبادة بالإبادة. وقولهم: الصبر على الفناء خير من الفناء بالفناء. وقولهم: الصبر على العدم خير من العدم بالعدم. وقولهم: الصبر على اللاشيء خير من اللاشيء باللاشيء. وقولهم: الصبر على اللاوجود خير من اللاوجود باللاوجود. وقولهم: الصبر على اللاكينونة خير من اللاكينونة باللاكينونة. وقولهم: الصبر على اللاهوية خير من اللاهوية باللاهوية. وقولهم: الصبر على اللاذات خير من اللاذات باللاذات. وقولهم: الصبر على اللاحقيقة خير من اللاحقيقة باللاحقيقة. وقولهم: الصبر على اللاواقع خير من اللاواقع باللاواقع. وقولهم: الصبر على اللامعنى خير من اللامعنى باللامعنى. وقولهم: الصبر على اللامبنى خير من اللامبنى باللامبنى. وقولهم: الصبر على اللاشكل خير من اللاشكل باللاشكل. وقولهم: الصبر على اللامادة خير من اللامادة باللامادة. وقولهم: الصبر على اللاطاقة خير من اللاطاقة باللاطاقة. وقولهم: الصبر على اللاحركة خير من اللاحركة باللاحركة. وقولهم: الصبر على اللازمان خير من اللازمان باللازمان. وقولهم: الصبر على اللامكان خير من اللامكان باللامكان. وقولهم: الصبر على اللاعدد خير من اللاعدد باللاعدد. وقولهم: الصبر على اللاقياس خير من اللاقياس باللاقياس. وقولهم: الصبر على اللاحد خير من اللاحد باللاحد. وقولهم: الصبر على اللانهاية خير من اللانهاية باللانهاية. وقولهم: الصبر على اللامطلق خير من اللامطلق باللامطلق. وقولهم: الصبر على اللاكلي خير من اللاكلي باللاكلي. وقولهم: الصبر على اللاجزئي خير من اللاجزئي باللاجزئي. وقولهم: الصبر على اللاعام خير من اللاعام باللاعام. وقولهم: الصبر على اللاخاص خير من اللاخاص باللاخاص. وقولهم: الصبر على اللامفرد خير من اللامفرد باللامفرد. وقولهم: الصبر على اللامركب خير من اللامركب باللامركب. وقولهم: الصبر على اللاجوهر خير من اللاجوهر باللاجوهر. وقولهم: الصبر على اللاعرض خير من اللاعرض باللاعرض. وقولهم: الصبر على اللاكم خير من اللاكم باللاكم. وقولهم: الصبر على اللاكيف خير من اللاكيف باللاكيف. وقولهم: الصبر على اللاإضافة خير من اللاإضافة باللاإضافة. وقولهم: الصبر على اللامتى خير من اللامتى باللامتى. وقولهم: الصبر على اللاأين خير من اللاأين باللاأين. وقولهم: الصبر على اللاوضع خير من اللاوضع باللاوضع. وقولهم: الصبر على اللاملك خير من اللاملك باللاملك. وقولهم: الصبر على اللافعل خير من اللافعل باللافعل. وقولهم: الصبر على اللاانفعال خير من اللاانفعال باللاانفعال. وقولهم: الصبر على اللاجدة خير من اللاجدة باللاجدة. وقولهم: الصبر على اللاكيفية خير من اللاكيفية باللاكيفية. وقولهم: الصبر على اللاإضافية خير من اللاإضافية باللاإضافية. وقولهم: الصبر على اللامتية خير من اللامتية باللامتية. وقولهم: الصبر على اللاأينية خير من اللاأينية باللاأينية. وقولهم: الصبر على اللاوضعية خير من اللاوضعية باللاوضعية. وقولهم: الصبر على اللاملكية خير من اللاملكية باللاملكية. وقولهم: الصبر على اللافعلية خير من اللافعلية باللافعلية. وقولهم: الصبر على اللاانفعالية خير من اللاانفعالية باللاانفعالية. وقولهم: الصبر على اللاجدية خير من اللاجدية باللاجدية. وقولهم: الصبر على اللاكيفية خير من اللاكيفية باللاكيفية. وقولهم: الصبر على اللاإضافية خير من اللاإضافية باللاإضافية. وقولهم: الصبر على اللامتية خير من اللامتية باللامتية. وقولهم: الصبر على اللاأينية خير من اللاأينية باللاأينية. وقولهم: الصبر على اللاوضعية خير من اللاوضعية باللاوضعية. وقولهم: الصبر على اللاملكية خير من اللاملكية باللاملكية. وقولهم: الصبر على اللافعلية خير من اللافعلية باللافعلية. وقولهم: الصبر على اللاانفعالية خير من اللاانفعالية باللاانفعالية. وقولهم: الصبر على اللاجدية خير من اللاجدية باللاجدية.

ཀཱཡཱ་ཝཱཙཱ་ཙིཏྟེན་ཡཾ་ཀིཉྩི་ཀུསལཾ་ཀམྨཾ་ཀཏཾ་ཏཾ་སབྦཾ་ཏཱཡ་ཏཱརཱཡ་ཨཱཡུསྨཱ་ཏཱརཱ་ཡཱ་ཏཱརཱ་ཡཱ་ཏཱརཱ་ཡ

ཨཱཿཨཱཿཨཱཿ

ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་

॥ अथ श्रीमद्भगवद्गीतायाः प्रथमोऽध्यायः ॥

धृतराष्ट्र उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥ १ ॥

संजय उवाच ॥ दृष्ट्वा तु पाण्डवानीकं व्यूढं दुर्योधनस्तदा ॥ आचार्यमुपसंगम्य राजा वचनमब्रवीत् ॥ २ ॥

पश्यैतां पाण्डुपुत्राणामाचार्य महतीं चमूम् ॥ व्यूढां द्रुपदपुत्रेण तव शिष्येण धीमता ॥ ३ ॥

अत्र शूरा महेष्वासा भीमार्जुनसमा युधि ॥ युयुधानो विराटश्च द्रुपदश्च महारथः ॥ ४ ॥

धृष्टकेतुश्चेकितानः काशिराजश्च वीर्यवान् ॥ पुरुजित्कुन्तिभोजश्च शैब्यश्च नरपुंगवः ॥ ५ ॥

युधामन्युश्च विक्रान्त उत्तमौजाश्च वीर्यवान् ॥ सौभद्रो द्रौपदेयाश्च सर्व एव महारथाः ॥ ६ ॥

अस्माकं तु विशिष्टा ये तान्निबोध द्विजोत्तम ॥ नायका मम सैन्यस्य संज्ञार्थं तान्ब्रवीमि ते ॥ ७ ॥

भवान्भीष्मश्च कर्णश्च कृपश्च समितिंजयः ॥ अश्वत्थामा विकर्णश्च सौमदत्तिस्तथैव च ॥ ८ ॥

अन्ये च बहवः शूरा मदर्थे त्यक्तजीविताः ॥ नानाशस्त्रप्रहरणाः सर्वे युद्धविशारदाः ॥ ९ ॥

अपर्याप्तं तदस्माकं बलं भीष्माभिरक्षितम् ॥ पर्याप्तं त्विदमेतेषां बलं भीमाभिरक्षितम् ॥ १० ॥

अयनेषु च सर्वेषु यथाभागमवस्थिताः ॥ भीष्मं एवाभिरक्षन्तु भवन्तः सर्व एव हि ॥ ११ ॥

तस्य संजनयन्हर्षं कुरुवृद्धः पितामहः ॥ सिंहनादं विनद्योच्चैः शंखं दध्मौ प्रतापवान् ॥ १२ ॥

ततः शंखाश्च भेर्यश्च पणवानकगोमुखाः ॥ सहसैवाभ्यहन्यन्त स शब्दस्तुमुलोऽभवत् ॥ १३ ॥

ततः श्वेतैर्हयैर्युक्ते महति स्यन्दने स्थितौ ॥ माधवः पाण्डवश्चैव दिव्यौ शंखौ प्रदध्मतुः ॥ १४ ॥

पाञ्चजन्यं हृषीकेशो देवदत्तं धनंजयः ॥ पौण्ड्रं दध्मौ महाशंखं भीमकर्मा वृकोदरः ॥ १५ ॥

अनन्तविजयं राजा कुन्तीपुत्रो युधिष्ठिरः ॥ नकुलः सहदेवश्च सुघोषमणिपुष्पकौ ॥ १६ ॥

काश्यश्च परमेष्वासः शिखण्डी च महारथः ॥ धृष्टद्युम्नो विराटश्च सात्यकिश्चापराजितः ॥ १७ ॥

द्रुपदो द्रौपदेयाश्च सर्वशः पृथिवीपते ॥ सौभद्रश्च महाबाहुः शंखान्दध्मुः पृथक्पृथक् ॥ १८ ॥

स घोषो धार्तराष्ट्राणां हृदयानि व्यदारयत् ॥ नभश्च पृथिवीं चैव तुमुलो व्यनुनादयन् ॥ १९ ॥

अथ व्यवस्थितान्दृष्ट्वा धार्तराष्ट्रान्कपिध्वजः ॥ प्रवृत्ते शस्त्रसंपाते धनुरुद्यम्य पाण्डवः ॥ २० ॥

हृषीकेशं तदा वाक्यमिदमाह महीपते ॥ अर्जुन उवाच ॥ सेनयोरुभयोर्मध्ये रथं स्थापय मेऽच्युत ॥ २१ ॥

यावदेतान्निरीक्षेऽहं योद्धुकामानवस्थितान् ॥ कैर्मया सह योद्धव्यमस्मिन्रणसमुद्यमे ॥ २२ ॥

योत्स्यमानानवेक्षेऽहं य एतेऽत्र समागताः ॥ धार्तराष्ट्रस्य दुर्बुद्धेर्युद्धे प्रियचिकीर्षवः ॥ २३ ॥

एवमुक्तो हृषीकेशो गुडाकेशेन भारत ॥ सेनयोरुभयोर्मध्ये स्थापयित्वा रथोत्तमम् ॥ २४ ॥

भीष्मद्रोणप्रमुखतः सर्वेषां च महीक्षिताम् ॥ उवाच पार्थ पश्यैतान्समवेतान्कुरूनिति ॥ २५ ॥

तत्रापश्यत्स्थितान्पार्थः पितॄनथ पितामहान् ॥ आचार्यान्मातुलान्भ्रातॄन्पुत्रान्पौत्रान्सखींस्तथा ॥ २६ ॥

श्वशुरान्सुहृदश्चैव सेनयोरुभयोरपि ॥ तान्समीक्ष्य स कौन्तेयः सर्वान्बन्धूनवस्थितान् ॥ २७ ॥

कृपया परयाविष्टो विषीदन्निदमब्रवीत् ॥ अर्जुन उवाच ॥ दृष्ट्वेमं स्वजनं कृष्ण युयुत्सुं समुपस्थितम् ॥ २८ ॥

सीदन्ति मम गात्राणि मुखं च परिशुष्यति ॥ वेपथुश्च शरीरे मे रोमहर्षश्च जायते ॥ २९ ॥

गाण्डीवं स्रंसते हस्तात्त्वक्चैव परिदह्यते ॥ न च शक्नोम्यवस्थातुं भ्रमतीव च मे मनः ॥ ३० ॥

निमित्तानि च पश्यामि विपरीतानि केशव ॥ न च श्रेयोऽनुपश्यामि हत्वा स्वजनमाहवे ॥ ३१ ॥

न काङ्क्षे विजयं कृष्ण न च राज्यं सुखानि च ॥ किं नो राज्येन गोविन्द किं भोगैर्जीवितेन वा ॥ ३२ ॥

येषामर्थे काङ्क्षितं नो राज्यं भोगाः सुखानि च ॥ त इमेऽवस्थिता युद्धे प्राणांस्त्यक्त्वा धनानि च ॥ ३३ ॥

आचार्याः पितरः पुत्रास्तथैव च पितामहाः ॥ मातुलाः श्वशुराः पौत्राः श्यालाः संबन्धिनस्तथा ॥ ३४ ॥

एतान्न हन्तुमिच्छामि घ्नतोऽपि मधुसूदन ॥ अपि त्रैलोक्यराज्यस्य हेतोः किं नु महीकृते ॥ ३५ ॥

निहत्य धार्तराष्ट्रान्नः का प्रीतिः स्याज्जनार्दन ॥ पापमेवाश्रयेदस्मान्हत्वैतानाततायिनः ॥ ३६ ॥

तस्मान्नार्हा वयं हन्तुं धार्तराष्ट्रान्स्वबान्धवान् ॥ स्वजनं हि कथं हत्वा सुखिनः स्याम माधव ॥ ३७ ॥

यद्यप्येते न पश्यन्ति लोभोपहतचेतसः ॥ कुलक्षयकृतं दोषं मित्रद्रोहे च पातकम् ॥ ३८ ॥

कथं न ज्ञेयमस्माभिः पापादस्मान्निवर्तितुम् ॥ कुलक्षयकृतं दोषं प्रपश्यद्भिर्जनार्दन ॥ ३९ ॥

कुलक्षये प्रणश्यन्ति कुलधर्माः सनातनाः ॥ धर्मे नष्टे कुलं कृत्स्नमधर्मोऽभिभवत्युत ॥ ४० ॥

अधर्माभिभवात्कृष्ण प्रदुष्यन्ति कुलस्त्रियः ॥ स्त्रीषु दुष्टासु वार्ष्णेय जायते वर्णसंकरः ॥ ४१ ॥

संकरो नरकायैव कुलघ्नानां कुलस्य च ॥ पतन्ति पितरो ह्येषां लुप्तपिण्डोदकक्रियाः ॥ ४२ ॥

दोषैरेतैः कुलघ्नानां वर्णसंकरकारकैः ॥ उत्साद्यन्ते जातिधर्माः कुलधर्माश्च शाश्वताः ॥ ४३ ॥

उत्सन्नकुलधर्माणां मनुष्याणां जनार्दन ॥ नरकेऽनियतं वासो भवतीत्यनुशुश्रुम ॥ ४४ ॥

अहो बत महत्पापं कर्तुं व्यवसिता वयम् ॥ यद्राज्यसुखलोभेन हन्तुं स्वजनमुद्यताः ॥ ४५ ॥

यदि मामप्रतीकारमशस्त्रं शस्त्रपाणयः ॥ धार्तराष्ट्रा रणे हन्युस्तन्मे क्षेमतरं भवेत् ॥ ४६ ॥

एवमुक्त्वार्जुनः संख्ये रथोपस्थ उपाविशत् ॥ विसृज्य सशरं चापं शोकसंविग्नमानसः ॥ ४७ ॥

॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतासूपनिषत्सु ब्रह्मविद्यायां योगशास्त्रे श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुनविषादयोगो नाम प्रथमोऽध्यायः ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ཀཱ་ཤྱ་པ་ཨ་ཀཱ་ཤ་ཀ

ॐ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः शिवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः शिवाय ब्रह्मणे ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः शिवाय ब्रह्मणे गणपतये ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः शिवाय ब्रह्मणे गणपतये नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः शिवाय ब्रह्मणे गणपतये नमः सूर्याय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः शिवाय ब्रह्मणे गणपतये नमः सूर्याय सोमाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः शिवाय ब्रह्मणे गणपतये नमः सूर्याय सोमाय मङ्गलाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः शिवाय ब्रह्मणे गणपतये नमः सूर्याय सोमाय मङ्गलाय बुधाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः शिवाय ब्रह्मणे गणपतये नमः सूर्याय सोमाय मङ्गलाय बुधाय बृहस्पतये ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः शिवाय ब्रह्मणे गणपतये नमः सूर्याय सोमाय मङ्गलाय बुधाय बृहस्पतये शुक्राय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः शिवाय ब्रह्मणे गणपतये नमः सूर्याय सोमाय मङ्गलाय बुधाय बृहस्पतये शुक्राय शनैश्चराय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः शिवाय ब्रह्मणे गणपतये नमः सूर्याय सोमाय मङ्गलाय बुधाय बृहस्पतये शुक्राय शनैश्चराय राहवे ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः शिवाय ब्रह्मणे गणपतये नमः सूर्याय सोमाय मङ्गलाय बुधाय बृहस्पतये शुक्राय शनैश्चराय राहवे केतवे ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः शिवाय ब्रह्मणे गणपतये नमः सूर्याय सोमाय मङ्गलाय बुधाय बृहस्पतये शुक्राय शनैश्चराय राहवे केतवे सर्वेभ्यो ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः शिवाय ब्रह्मणे गणपतये नमः सूर्याय सोमाय मङ्गलाय बुधाय बृहस्पतये शुक्राय शनैश्चराय राहवे केतवे सर्वेभ्यो ग्रहेभ्यो ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः शिवाय ब्रह्मणे गणपतये नमः सूर्याय सोमाय मङ्गलाय बुधाय बृहस्पतये शुक्राय शनैश्चराय राहवे केतवे सर्वेभ्यो ग्रहेभ्यो नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः शिवाय ब्रह्मणे गणपतये नमः सूर्याय सोमाय मङ्गलाय बुधाय बृहस्पतये शुक्राय शनैश्चराय राहवे केतवे सर्वेभ्यो ग्रहेभ्यो नमः सर्वेभ्यो ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः शिवाय ब्रह्मणे गणपतये नमः सूर्याय सोमाय मङ्गलाय बुधाय बृहस्पतये शुक्राय शनैश्चराय राहवे केतवे सर्वेभ्यो ग्रहेभ्यो नमः सर्वेभ्यो लोकपालेभ्यो ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः शिवाय ब्रह्मणे गणपतये नमः सूर्याय सोमाय मङ्गलाय बुधाय बृहस्पतये शुक्राय शनैश्चराय राहवे केतवे सर्वेभ्यो ग्रहेभ्यो नमः सर्वेभ्यो लोकपालेभ्यो नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः शिवाय ब्रह्मणे गणपतये नमः सूर्याय सोमाय मङ्गलाय बुधाय बृहस्पतये शुक्राय शनैश्चराय राहवे केतवे सर्वेभ्यो ग्रहेभ्यो नमः सर्वेभ्यो लोकपालेभ्यो नमः सर्वेभ्यो ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः शिवाय ब्रह्मणे गणपतये नमः सूर्याय सोमाय मङ्गलाय बुधाय बृहस्पतये शुक्राय शनैश्चराय राहवे केतवे सर्वेभ्यो ग्रहेभ्यो नमः सर्वेभ्यो लोकपालेभ्यो नमः सर्वेभ्यो योगिनीभ्यो ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः शिवाय ब्रह्मणे गणपतये नमः सूर्याय सोमाय मङ्गलाय बुधाय बृहस्पतये शुक्राय शनैश्चराय राहवे केतवे सर्वेभ्यो ग्रहेभ्यो नमः सर्वेभ्यो लोकपालेभ्यो नमः सर्वेभ्यो योगिनीभ्यो नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः शिवाय ब्रह्मणे गणपतये नमः सूर्याय सोमाय मङ्गलाय बुधाय बृहस्पतये शुक्राय शनैश्चराय राहवे केतवे सर्वेभ्यो ग्रहेभ्यो नमः सर्वेभ्यो लोकपालेभ्यो नमः सर्वेभ्यो योगिनीभ्यो नमः सर्वेभ्यो

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ཞིང་ཁམས་ཀྱི་རྡུལ་ཙམ་ཁྱོད་ཀྱ

श्रीमद्भगवद्गीता

ཀུན་ཏུ་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་བྱང་ཆུབ་ཏུ་ཡོངས་སུ་སྨོན་ལམ་གདབ་ཅིང་། ཐེག་པ་ཆེན་པོ་ཡང་དག་པར་ལེན་པ་ལ་ཡང་ཡང་དག་པར་ལེན་ཏོ། །

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ ॐ नमो भगवते वज्रसत्त्वाय महासत्त्वाय महाकारुणिकाय महाप्रतिसंवित्प्राप्ताय महाविद्याधराय महाविद्याराजाय महाविद्यासिद्धाय महाविद्यासिद्धेश्वराय महाविद्यासिद्धसाधिताय महाविद्यासिद्धसाधकाय महाविद्यासिद्धसाधकेश्वराय महाविद्यासिद्धसाधकसाधिताय महाविद्यासिद्धसाधकसाधितेश्वराय महाविद्यासिद्धसाधकसाधितेश्वरसाधिताय महाविद्यासिद्धसाधकसाधितेश्वरसाधितसाधकाय महाविद्यासिद्धसाधकसाधितेश्वरसाधितसाधकेश्वराय महाविद्यासिद्धसाधकसाधितेश्वरसाधितसाधकेश्वरसाधिताय महाविद्यासिद्धसाधकसाधितेश्वरसाधितसाधकेश्वरसाधितसाधकाय महाविद्यासिद्धसाधकसाधितेश्वरसाधितसाधकेश्वरसाधितसाधकेश्वराय महाविद्यासिद्धसाधकसाधितेश्वरसाधितसाधकेश्वरसाधितसाधकेश्वरसाधिताय महाविद्यासिद्धसाधकसाधितेश्वरसाधितसाधकेश्वरसाधितसाधकेश्वरसाधितसाधकाय महाविद्यासिद्धसाधकसाधितेश्वरसाधितसाधकेश्वरसाधितसाधकेश्वरसाधितसाधकेश्वराय महाविद्यासिद्धसाधकसाधितेश्वरसाधितसाधकेश्वरसाधितसाधकेश्वरसाधितसाधकेश्वरसाधिताय महाविद्यासिद्धसाधकसाधितेश्वरसाधितसाधकेश्वरसाधितसाधकेश्वरसाधितसाधकेश्वरसाधितसाधकाय महाविद्यासिद्धसाधकसाधितेश्वरसाधितसाधकेश्वरसाधितसाधकेश्वरसाधितसाधकेश्वरसाधितसाधकेश्वराय महाविद्यासिद्धसाधकसाधितेश्वरसाधितसाधकेश्वरसाधितसाधकेश्वरसाधितसाधकेश्वरसाधितसाधकेश्वरसाधिताय महाविद्यासिद्धसाधकसाधितेश्वरसाधितसाधकेश्वरसाधितसाधकेश्वरसाधितसाधकेश्वरसाधितसाधकेश्वरसाधितसाधकाय महाविद्यासिद्धसाधकसाधितेश्वरसाधितसाधकेश्वरसाधितसाधकेश्वरसाधितसाधकेश्वरसाधितसाधकेश्वरसाधितसाधकेश्वराय महाविद्यासिद्धसाधकसाधितेश्वरसाधितसाधकेश्वरसाधितसाधकेश्वरसाधितसाधकेश्वरसाधितसाधकेश्वरसाधितसाधकेश्वरसाधिताय महाविद्यासिद्धसाधकसाधितेश्वरसाधितसाधकेश्वरसाधितसाधकेश्वरसाधितसाधकेश्वरसाधितसाधकेश्वरसाधितसाधकेश्वरसाधितसाधकाय महाविद्यासिद्धसाधकसाधितेश्वरसाधितसाधकेश्वरसाधितसाधकेश्वरसाधितसाधकेश्वरसाधितसाधकेश्वरसाधितसाधकेश्वरसाधितसाधकेश्वराय महाविद्यासिद्धसाधकसाधितेश्वरसाधितसाधकेश्वरसाधितसाधकेश्वरसाधितसाधकेश्वरसाधितसाधकेश्वरसाधितसाधकेश्वरसाधितसाधकेश्वरसाधिताय महाविद्यासिद्धसाधकसाधितेश्वरसाधितसाधकेश्वरसाधितसाधकेश्वरसाधितसाधकेश्वरसाधितसाधकेश्वरसाधितसाधकेश्वरसाधितसाधकेश्वरसाधितसाधकाय महाविद्यासिद्धसाधकसाधितेश्वरसाधितसाधकेश्वरसाधितसाधकेश्वरसाधितसाधकेश्वरसाधितसाधकेश्वरसाधितसाधकेश्वरसाधितसाधकेश्वरसाधितसाधकेश्वराय महाविद्यासिद्धसाधकसाधितेश्वरसाधितसाधक

॥ ७०१ ॥

ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ཞིང་ཁམས་ཀྱི་ཐ་མའི་རྡུལ་ཕྲ་རབ་ཀྱི

॥ ७७ ॥

ཀཱཏྱཱཡནཱཡ ཝཻཤྲཱཝཎཱཡ ཀུབེརཱཡ ཝཻཤྲཱཝཎཱཡ ཏྲཱཏྲཱཡ ཏྲཱཏྲཱཡ ཏྲཱཏྲ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ཀུ་ཀུ་ཀུ་

ॐ नमो भगवते अक्षोभ्यवज्रसत्त्वाय तथागताय अर्हते सम्यक्संबुद्धाय तद्यथा ॐ अक्षोभ्ये अक्षोभ्ये महाक्षोभ्ये महावज्रक्षोभ्ये वज्रसंभवे वज्रकुलसंभवे वज्रधरे वज्रपाणिवज्रहृदये वज्रसत्त्वे वज्रसत्त्वसमये वज्रसत्त्वसमयमनुपालय वज्रसत्त्वसमयमनुपालय वज्रसत्त्वसमयमनुपालय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः सङ्कर्षणाय प्रद्युम्नाय अनिरुद्धाय पुरुषोत्तमाय अधोक्षजाय नारसिंहाय अच्युताय जनार्दनाय उपेन्द्राय हरये श्रीकृष्णाय ॥ हयग्रीवाय दामोदराय विष्णवे मधुसूदनाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते महापुरुषाय महाविभूतिपतये हरिमेधसे हरिकृष्णाय हरिवंशाय परमहंसाय नारायणाय ॥ ॐ नमो भगवते पुरुषाय महानुभावाय परमकल्याणाय परमकारुणिकाय केवलाय परमसुखाय परमपुरुषाय परमहंस

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ཀུ་ཡེ་ཡུ་ཡི་ཨ་ཨ་ཨ

ཀཱཡཱ། ཀཱཡཱ། ཀཱཡཱ།

ཡབ་ཡུམ་ཐུགས་ཀར་ཟླ་གདན་ལ་ཞབས་གཉིས་ཁྱུད་པར་བཞུགས་པ། ཡབ་ཀྱི་ཞལ་ནས་ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཞེས་པ་ཡི་གེ་གསུམ་ཡུམ་གྱི་ཞལ་ཏུ་ཞུགས་ཏེ་ཡུམ་གྱི་ཐུགས་ཀ་ནས་ཡི་གེ་གསུམ་ཡབ་ཀྱི་ཐུགས་ཀ་ཏུ་ཞུགས་ཏེ་ཡབ་ཡུམ་ཐུགས་ཀ་ནས་ཡི་གེ་གསུམ་ཡང་ཡང

ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་

ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय महाभयविदारणकराय भूतवेतालपिशाचराक्षसप्रमथनाय
दानवविनाशकराय सर्वविघ्नविनाशकराय सर्वविषहराय सर्वपापसंशोधनकराय सर्वदुष्टनिवारणकराय
त्रिलोकरक्षणकराय त्रिलोकविजयाय त्रिलोकोत्पादकाय त्रिलोकविधात्रे त्रिलोकविदारणकराय
त्रिलोकविद्राविणकराय त्रिलोकक्षोभणकराय त्रिलोकोच्चाटनकराय त्रिलोकसंजीवनकराय
त्रिलोकसंहारकराय त्रिलोकाधिपतये त्रिलोकनाथाय त्रिलोकमहिताय त्रिलोकपूजिताय
त्रिलोकवशंकराय त्रिलोकस्तंभनकराय त्रिलोकमोहनकराय त्रिलोकाकर्षणकराय त्रिलोकवशीकरणकराय
त्रिलोकसर्वसिद्धिप्रदाय त्रिलोकसर्वसौभाग्यकराय त्रिलोकसर्वप्रियंकराय त्रिलोकसर्वार्थसाधकाय
त्रिलोकसर्वसंपत्तिकराय त्रिलोकसर्वमनोरथपरिपूरकाय त्रिलोकसर्वकामदुघाय त्रिलोकसर्वसुखप्रदाय
त्रिलोकसर्वविद्याप्रदाय त्रिलोकसर्वसंपत्प्रदाय त्रिलोकसर्वसौख्यप्रदाय त्रिलोकसर्वसंपत्प्रदाय
त्रिलोकसर्वसौख्य

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः सङ्कर्षणाय प्रद्युम्नाय अनिरुद्धाय पुरुषोत्तमाय अधोक्षजाय नारसिंहाय अच्युताय जनार्दनाय उपेन्द्राय हरये श्रीकृष्णाय ॥ हरिर्ॐ विष्णुर्ॐ मधुसूदनो ॐ त्रिविक्रमो ॐ वामनो ॐ श्रीधरो ॐ हृषीकेशो ॐ पद्मनाभो ॐ दामोदरो ॐ पुरुषोत्तमो ॐ अधोक्षजो ॐ नारसिंहो ॐ अच्युतो ॐ जनार्दनो ॐ उपेन्द्रो ॐ हरिर्ॐ श्रीकृष्णो ॐ ॥ हरिर्हरिर्हरिर्ॐ ॥ हरिर्हरिर्हरिर्ॐ ॥ हरिर्हरिर्हरिर्

ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཧཱུྃ་ཧཱུྃ་

ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་

ཀཀ།།

ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय महाभयविदारणकराय भूतवेतालपिशाचराक्षसयक्षकुम्भाण्डरेवतीस्कन्दापस्मारकोन्मादकाकिनीकालरात्रिमहाकालीयमदूतीमहिषमुखीप्रेतमुखीगजमुखीसिंहमुखीव्याघ्रमुखीवृकमुखीशूकरमुखीमार्जारमुखीश्वानमुखीसर्पमुखीनानाविधमुखीमहाग्रहाष्टकुलसहस्राणि आगच्छन्तु मम शरीरे प्रविश्य इमं मम बालं मुञ्चन्तु स्वाहा ॥

ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सः युगलकिशोराय नमः ॥ ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सः युगलकिशोरीभ्यां नमः ॥ ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सः युगलकिशोराभ्यां नमः ॥ ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सः युगलकिशोरेभ्यो नमः ॥ ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सः युगलकिशोरीभ्यो नमः ॥ ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सः युगलकिशोराभ्यां नमः ॥ ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सः युगलकिशोरयोर्

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः सङ्कर्षणाय प्रद्युम्नायानिरुद्धाय नमो नमो वाराहाय नमो नारसिंहाय नमो नमस्तेजसे नमो नमो जनार्दनाय नमो नमो योगाय योगसम्भवाय नमो नमो हिरण्यगर्भाय नमो मायाय नमो नमस्ते पुरुषाय महाविभूतिपतये नमो नमस्ते वासुदेवाय सर्वभूतनिवासाय नमो नमस्ते सर्वभूतक्षयाय नमो नमो नमस्ते सर्वभूतोद्भवाय नमो नमो नमस्ते सर्वभूतसाक्षिणे नमो नमो नमस्ते सर्वभूतात्मने नमो नमो नमस्ते सर्वभूतसुहृदे नमो नमो नमस्ते सर्वभूतविश्रामाय नमो नमो नमस्ते सर्वभूतमयाय नमो नमो नमस्ते सर्वभूतविदे नमो नमो नमस्ते सर्वभूतधर्मज्ञाय नमो नमो नमस्ते सर्वभूतगतये नमो नमो नमस्ते सर्वभूतप्रमोदाय नमो नमो नमस्ते सर्वभूतहृदयाय नमो नमो नमस्ते सर्वभूतसंयमाय नमो नमो नमस्ते सर्वभूतप्रसादाय नमो नमो नमस्ते सर्वभूतप्रवर्तकाय नमो नमो नमस्ते सर्वभूतनिवर्तकाय नमो नमो नमस्ते सर्वभूतनिग्रहाय नमो नमो नमस्ते सर्वभूतानुग्रहाय नमो नमो नमस्ते सर्वभूतसर्गाय नमो नमो नमस्ते सर्वभूतसंहाराय नमो नमो नमस्ते सर्वभूतसंयोगाय नमो नमो नमस्ते सर्वभूतविभागाय नमो नमो नमस्ते सर्वभूतसंस्थानाय नमो नमो नमस्ते सर्वभूतसंस्थानाय नमो नमो नमस्ते सर्वभूतसंस्थान

॥ ६२ ॥ ॥ ६३ ॥

ཀུན་ཏུ་སྤྱོད་པ་ཡི་སྨོན་ལམ་ཏེ། ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡང་དག་ཏུ་ཡོངས་སུ་བསྔོ་བ་ཡི། ཞིང་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡོན་ཏན་

ཀུ་ལི་ཀུ་ལི་ཀུ་ལི་

ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་

ﷺ ﷺ ﷺ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो नारायणाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः सङ्कर्षणाय प्रद्युम्नायानिरुद्धाय नमो नमो विश्वरूपाय विश्वस्थितिलयोदयेषु हेतवे त्रिभुवनसुभगाय त्रिविक्रमाय नमो नमो जगदुदयाय जगत्प्रतिष्ठायाजगदपायाय जगद्धेतवे जगन्मयायाजगन्मयाय नमो नमो जगदादिभूतादिपुरुषाय महापुरुषाय महाविभूतिपतये नमो नमो वेदतन्त्रयोगज्ञानविज्ञानधर्मोपदेशायानन्तायाव्यक्तायाजिताय नमो नमो नमो नमो विश्वतैजसप्राज्ञतुरीयायाभयायाक्षरायाक्षयायाप्रमेयायानघायाविकल्पायाविकल्पायाविकल्प

ཀྱི་ཡིན་ཏེ། ཁྱོད་ཀྱི་ཡིན་ཏེ། ཁོ་ཀྱི་ཡིན་ཏེ། ཁོ་ཀྱི་ཡིན་ཏེ། ཁོ

ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय महाभयविदारणकराय भूतभयनिवारणकराय महाविघ्ननिवारणकराय महाविषनिर्घातनकराय महाबलप्रमथनाय महारौद्रनृत्यधराय महाबलवीरायाभयदाय महाकालाय महाकालपुरुषाय महाकालदूतायाभयदाय महाकालाग्निरुद्राय त्रिपुरान्तकाय त्रिशूलिने पिनाकहस्ताय दण्डहस्ताय महादण्डाय यमाय यमदूताय यमपुरुषाय यमकायिकाय महिषवाहनाय दण्डधराय महादण्डाय नीलकण्ठाय मृत्युञ्जयाय सर्वदेवनमस्कृताय शुक्लयज्ञोपवीतिने सर्वविघ्ननिवारणाय सर्वसिद्धिप्रदाय सर्वार्थसाधकाय सर्वकर्मसाधकाय सर्वभूतप्रमथनाय सर्वदुष्टप्रदुष्टचण्डाय सर्वग्रहनिवारणाय सर्वभूतनिवारणाय सर्वव्याधिविनाशनाय सर्वज्वरनाशनाय सर्वविषविनाशनाय सर्वशत्रुनिवारणाय सर्वदुष्टनिवारणाय सर्वदुष्टस्तम्भनाय सर्वदुष्टविनाशनाय सर्वदुष्टप्रदुष्टानां सर्वेषां सर्वकुलानां सर्वदुष्टानां सर्वदुष्टकुलानां सर्वदुष्टसत्त्वानां सर्वदुष्टकुलसत्त्वानां सर्वदुष्टविषाणां सर्वदुष्टविषकुलानां सर्वदुष्टविषसत्त्वानां सर्वदुष्टविष

ཀཱཡཱ་ཡཱ་ཡཱ་

ཀུ་ཤཱ་ཀ་ཛ་ཏ་ཀ་ཐ་ཀ་ཐ་ཀ་ཐ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः सङ्कर्षणाय प्रद्युम्नायानिरुद्धाय नमो नमो भगवते महापुरुषाय सर्वगुणसम्पन्नायानन्ताय सात्वतां कुलाचार्याय नमस्ते सुदर्शन दुरन्तदुरत्ययदुरितभयमरणाय नमस्ते नमस्ते विश्वहेतवे विश्वाय विश्वभावन विश्वान्तर्यामिन्नरूपिन्नरूपाधिष्ठानाप्रमेयाप्रतर्क्यसमसमाद्भुतातिशयाकृते नमस्ते नमस्ते नमस्ते ॥ त्वं तप त्वं तपो ज्योतिस्त्वं तपो निधिरमृतं त्वं तपो मङ्गलं त्वं तपो विद्या त्वं तपो हृदयं त्वं तपो महदहं त्वं तपो महानाकूतिस्त्वं तपो मनस्त्वं तपो विज्ञानं त्वं तपो विज्ञानात्मा त्वं तपो जुषाणो हविः प्रजापतिः पुरुषो विश्वं परं स्वयंज्योतिस्त्वं तपो ब्रह्मपरमात्मा त्वं तपो ब्रह्मपरमात्मा त्वं तपो ब्रह्मपरमात्मा

ཁམས་ཀྱི་ཁམས་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཁམས་ཀྱི་ཁམས་ཀྱི་ཁམས

ཀཀཀ

ཀ་ཀ་ཀ་

ཞེས་བྱ་བ་ལ་སོགས་པ་ཐམས་ཅད་ཀྱང་ཡོད་པ་ཡིན་ནོ། །དེ་ལྟ་བས་ན་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐམས་ཅད་ཀྱི

ཀཀཀ ཀཀཀ ཀཀཀ

ཀཀ་ཀཀ་ཀཀ་

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः सङ्कर्षणाय प्रद्युम्नायानिरुद्धाय नमो नमो विश्वसृजे विश्वाय विश्वभूतात्मने परमहंसाय निष्कर्मणे नमस्ते वासुदेवाय शान्ताय कूटस्थाय स्वभूताय नमो नमस्ते प्रकृतिपुरुषाभ्यां स्वगतात्मविभक्तानन्तगुणारूढाय सर्वप्रत्ययहेतवे नमस्ते हयशीर्षाय नमस्ते केवलात्मने नमस्ते सोमसूर्याग्निलोचनाय सुरोत्तम ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः सङ्कर्षणाय प्रद्युम्नायानिरुद्धाय नमो नमो विश्वसृजे विश्वाय विश्वभूतात्मने परमहंसाय निष्कर्मणे नमस्ते वासुदेवाय शान्ताय कूटस्थाय स्वभूताय नमो नमस्ते प्रकृतिपुरुषाभ्यां स्वगतात्मविभक्तानन्तगुणारूढाय सर्वप्रत्ययहेतवे नमस्ते हयशीर्षाय नमस्ते केवलात्मने नमस्ते सोमसूर्याग्निलोचनाय सुरोत्तम ॥

ཀུན་ཏུ་སྤྱོད་པ་ཡི་ཏིང་ངེ་འཛིན་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡུལ་ཅན་ཡིན་ཏེ།

ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ཞིང་ཁམས་ཀྱི་ཡུལ་ན་ཡོད་པ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡང་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡང་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡང

ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय भूरिभयभैरवभीषणाय भयानकाय भीमाट्टहासप्रस्फोटितब्रह्माण्डकटाहाय सहस्रभुजसहस्रशीर्षाय सहस्रपादाक्षिसहस्रसहस्रप्रहरणोद्यतहस्ताय सहस्रयुगान्तकालानलप्रदीप्तदेहाय सहस्रयुगान्तकालानलप्रदीप्तदेहाय सहस्रयुगान्तकालानलप्रदीप्तदेहा

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

॥ ७७ ॥

ཀཱ་ཡ་ཀཱ་ཡ་ཀཱ་ཡ་

ཨཱཿ ཨཱཿ ཨཱཿ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ཐུབ་པའི་སྐུ་ཡིས་ཀུན་ཏུ་ཁྱབ་པ་ཡི་ཕྱིར་ཏེ་ཐུབ་པ་ཀུན་ཏུ་ཁྱབ་པ་ཞེས་བྱ་བ་ཡིན་ནོ་ཞེས་ཟེ

ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཨཱཿཧཱུྃ

ॐ नमो भगवते वज्रकुमाराय महाबलपराक्रमाय महाप्रतिसराय महाविद्याराजाय महाकारुणिकाय महाप्रज्ञप्तये महाशीतवतीये महाशीतवनाय महाशीतवनवासिने महाशीतवनवासिनीये महाशीतवनवासिनीये महाशीतवनवासिनीये

ཀཱ་ཡ་ཀ་ཡ་ཀ་ཡ་ཀ

ཀཱ་ཡ་ཀཱ་ཡ་ཀཱ་ཡ་

ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཨཱཿཧཱུྃ

ཀཱ་ཡ་ཀ་ཡ་ཀ་ཡ་ཀ

ཀུ་ཀུ་ཀུ་

॥ ७७ ॥

ཀུན་བཟང་ཐུགས་ཀྱི་ཁྲིད་ཡིག

ཀཱ་ཏནྟྲ། ཀཱ་ཏནྟྲ། ཀཱ་ཏནྟྲ།

ཞེས་བཀའ་སྩལ་ཏོ། །དེ་ནས་ཁྱོད་ཀྱི་ཕ་རོལ་ཏུ་ཕྱིན་པ་ཡི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཕ་རོལ་ཏུ་ཕྱིན་པ་ཡང་ཡོངས་སུ་རྫོགས་པ་ཡིན་ནོ། །

ཀེཀཱཀཱརཱ། ཀཱཀཱཀཱ

ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ཞིང་ཁམས་ཀྱི་ཐ་མ་ཡས་ཀྱི་ཕྱོག

ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཨཱཿཧཱུྃ

ཤོག་གྲངས་འཕེད་འཕོཆད།

ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय भूरिभयभैरवभीषणाय महाकायकायाय
महाकालमहाकायप्रहरणोद्यतसर्वाङ्गाय महाबलवेगवीर्यशौर्यसमन्विताय
त्रैलोक्यविजयिने महाबलाय महाबलपराक्रमाय महाबलवेगवीर्यशौर्यसमन्विताय

ཀཱཡཱ་ཝཱཙཱ་མནསཱ་ཡཏ་ཀིཉྩི་ཀུསལཾ་ཀམྨཾ་ཀཏཾ་ཏཾ་སབྦཾ་ཨཱཀཱསཱནཉྩཱཡཏནཾ་ཝིཉྙཱཎཉྩཱཡཏནཾ་ཨཀིཉྩཉྙཱཡཏནཾ་ནེཝསཉྙཱནཱསཉྙཱཡཏནཾ་ཨིདཔྤཙྩཡཏཱཔཊིཙྩསམུཔྤཱདོ་ཨིདཔྤཙྩཡཏཱཔཊིཙྩསམུཔྤནྣཱ་ཛཱཏི་ཛཱཏིཔཙྩཡཱ་ཛརཱམརཎཾ་སོཀཔརིདེཝདུཀྑདོམནསྶུཔཱཡཱསཱ་སམྦྷཝནྟི་ཨེཝམེཏསྶ་ཀེཝལསྶ་དུཀྑཀྑནྡསྶ་སམུདཡོ་ཧོཏི་ཡཱ་ཏཏྲ་ཏཏྲ་ཨཔྤཊིཀཱརཏཱ་ཨནཱདཱིནཝཏཱ་ཨསམཔེཀྑནཏཱ་ཨིདཾ

ཤེས་རབ་ཀྱི་ཕ་རོལ་ཏུ་ཕྱིན་པའི་སྙིང་པོ་ཞེས་བྱ་བ་ཐེག་པ་ཆེན་པོའི་མདོ།

ཐུབ་པའི་དབང་པོ་ཁྱོད་ཀྱི་ཞབས་ལ་ཕྱག་འཚལ་ལོ། །

ཀཱ་ཏན་ཀ་ལ་པ་ཡི་ཡི་ཡི

ཀཱཡཱ་ཝཱཙཱ་ཙིཏྟེན་ཡཾ་ཀིཉྩི་ཀུསལཾ་ཨུཔཙིནཱམི་ཏ

ཀཱ་ཏན་ཏྲ་ཀ་ལ་པ་ཀ་ཏ་ཀ་ཏ་ཀ་ཏ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वज्रकुमाराय महाबलपराक्रमाय महाप्रतिसराय महाविद्याराजाय महाशूराय महाधीराय महाकारुणिकाय महाकृपाय महाकृपिकाय महाकृपिकाय महाकृपिक

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः सङ्कर्षणाय प्रद्युम्नाय अनिरुद्धाय पुरुषाय महाविभूतये सर्वगुणविशेषाय सर्वजगदुत्पत्तिस्थितिसंयमहेतवे क्लेशकर्मविपाकाशयैरपरामृष्टाय पुरुषविशेषायाभिधीमहि तत्सत्यं परमं धीमहि ॥ १ ॥ कामजनकजनितजनकजननीजनकजनकजनक

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཝཛྲ་ཀཱ་ཡ་ཝཱཀ་ཙིཏྟ་ཛྙཱ་ན

ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय भूरिभयभैरवभीषणाय उग्रभीमभयानकाय महाभयविदारणकराय सर्वभूतविनायकविनाशकराय सर्वविघ्नविनाशकराय सर्वकर्मावरणविशोधनकराय सर्वदुष्टग्रहनिवारणकराय सर्वदुष्टचित्तविनाशकराय सर्वदुष्टदुःस्वप्ननाशकराय सर्वदुष्टभूतनिवारणकराय सर्वदुष्टोपद्रवविनाशकराय सर्वदुष्टभयविनाशकराय सर्वदुष्टशत्रुनिवारणकराय सर्वदुष्टविषनाशकराय सर्वदुष्टकुलविनाशकराय सर्वदुष्टदुर्भिक्षविनाशकराय सर्वदुष्टदुर्वातविनाशकराय सर्वदुष्टदुर्भूतविनाशकराय सर्वदुष्टदुर्निमित्तविनाशकराय सर्वदुष्टदुर्लक्षणविनाशकराय सर्वदुष्टदुर्मरणविनाशकराय सर्वदुष्टदुर्गतिविनाशकराय सर्वदुष्टदुर्व्याधिविनाशकराय सर्वदुष्टदुर्मतिविनाशकराय सर्वदुष्टदुर्वाक्यविनाशकराय सर्वदुष्टदुर्व्यवहारविनाशकराय सर्वदुष्टदुर्व्यसनविनाशकराय सर्वदुष्टदुर्व्यापारविनाशकराय सर्वदुष्टदुर्व्यवसाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ས་ཐ་བཀའ་ཁ་ཁ་ཐ་ཐ་ཐ

+ ||ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཝཛྲ་གུ་རུ་པདྨ་སིདྡྷི་ཧཱུྃ་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ལྷ་ཚོགས་ཀྱི་ཕྱག་རྒྱ་ཆེན་པོ་ཐུགས་ཀྱི་ཐུགས་ཀ་ཧཱུྃ་ཡིག་ཏུ་གྱུར་པ་ཡིན་ཏེ་ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཝཛྲ་གུ་རུ་པདྨ་སིདྡྷི་ཧཱུྃ་ཞེས་བྱ་བ་ཡིན་ནོ་ཞེས་གསུངས་སོ

ཀཱ་ཏན་ཀ་ཡ་ཀ་ཏ་ཡ་ཀ་ཏ་ཡ་ཀ་ཏ

ཀྱི་ཚེ་ཤེས་པ་ལས། རེ་ཤེས་ཀྱང་ལས། ཐ་དད་ཀྱི་ཤེས་པ་ལས་ཐ་དད་པའི་ཤེས་པ་ཡིན་ཏེ། ཤེས་པ་ཐ་དད་པ་ཡིན་ན་ཡང་ཤེས་པ་ཐ་དད

ཤཱཀྱཐུབ་པ་ལ་ཕྱག་འཚལ་ལོ། ཞེས་བྱ་བ་ནི་ཤཱཀྱ་རྒྱུད་ལས་བྱུང་བ་ཐུབ་པ་ཆེན་པོ་ལ་ཕྱག་འཚལ་ལོ་ཞེས་བྱ་བའི་ཐ་ཚིག་གོ། །ཤཱཀྱཐུབ་པ་ཆེན་པོ་ཞེས་བྱ་བ་ནི་ཤཱཀྱ་རྒྱུད་ལས་བྱུང་བ་ཐུབ་པ་ཆེན་པོ་ཞེས་བྱ་བའི་ཐ་ཚིག་གོ། །ཤཱཀྱཐུབ་པ་ཆེན་པོ་ལ་ཞེས་བྱ་བ་ནི་ཤཱཀྱ་རྒྱུད་ལས་བྱུང་བ་ཐུབ་པ་ཆེན་པོ་ལ་ཞེས་བྱ་བའི་ཐ་ཚིག་གོ། །ཕྱག་འཚལ་ལོ་ཞེས་བྱ་བ་ནི་ཤཱཀྱ་རྒྱུད་ལས་བྱུང་བ་ཐུབ་པ་ཆེན་པོ་ལ་ཕྱག་འཚལ་ལོ་ཞེས་བྱ་བའི་ཐ་ཚིག་གོ། །ཤཱཀྱཐུབ་པ་ཆེན་པོ་ལ་

ॐ नमो भगवते वज्रसत्त्वाय महासत्त्वाय महाकारुणिकाय महाभैषज्यगुरुराजाय तथागतायार्हते सम्यक्संबुद्धाय तद्यथा ॐ शोधय शोधय सर्वपापानि मे सर्वकर्मावरणानि मे सर्वतथागतसत्यक्रियाकरणेन सर्वसत्त्वानां च सर्वदुःखप्रशमनकरेण सत्येन सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वतथागताः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वबोधिसत्त्वाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वश्रावकाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वप्रत्येकबुद्धाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदेवताः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वनागाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वयक्षाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वगन्धर्वाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वासुराः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वगरुडाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वकिन्नराः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वमहोरगाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वमनुष्याः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वामनुष्याः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वप्रेताः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वपिशाचाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वकुम्भाण्डाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वपूतनाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वकटपूतनाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वभक्षाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वग्रहाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वाकर्षणाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वज्वराः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वविषाणि सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदूषाणि सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वसूतकाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वोन्मादाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वापस्मारकाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टचित्ताः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टवाचः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टकायाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टकर्माणि सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टस्वप्नाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टनिमित्तानि सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टग्रहाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टनक्षत्राणि सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टमुहूर्ताः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टरिष्टाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टसंज्ञाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टसंकल्पाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टप्रतिभासाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाकाराः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिसंस्काराः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिप्रायाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिसंधयः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिवेशाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हारसंज्ञाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हारसंकल्पाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हारप्रतिभासाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराकाराः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिसंस्काराः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिप्रायाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिसंधयः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिवेशाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हारसंज्ञाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हारसंकल्पाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हारप्रतिभासाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराकाराः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिसंस्काराः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिप्रायाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिसंधयः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिवेशाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हारसंज्ञाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हारसंकल्पाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हारप्रतिभासाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराकाराः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिसंस्काराः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिप्रायाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिसंधयः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिवेशाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हारसंज्ञाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हारसंकल्पाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हारप्रतिभासाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराकाराः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिसंस्काराः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिप्रायाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिसंधयः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिवेशाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हारसंज्ञाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हारसंकल्पाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हारप्रतिभासाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराकाराः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिसंस्काराः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिप्रायाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिसंधयः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिवेशाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हारसंज्ञाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हारसंकल्पाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हारप्रतिभासाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराकाराः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिसंस्काराः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिप्रायाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिसंधयः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिवेशाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हारसंज्ञाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हारसंकल्पाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हारप्रतिभासाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराकाराः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिसंस्काराः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिप्रायाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिसंधयः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिवेशाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हारसंज्ञाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हारसंकल्पाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हारप्रतिभासाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराकाराः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिसंस्काराः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिप्रायाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिसंधयः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिवेशाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हारसंज्ञाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हारसंकल्पाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हारप्रतिभासाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराकाराः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिसंस्काराः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिप्रायाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिसंधयः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिवेशाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हारसंज्ञाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हारसंकल्पाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हारप्रतिभासाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराकाराः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिसंस्काराः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिप्रायाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिसंधयः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिवेशाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हारसंज्ञाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हारसंकल्पाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हारप्रतिभासाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराकाराः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिसंस्काराः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिप्रायाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिसंधयः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिवेशाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हारसंज्ञाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हारसंकल्पाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हारप्रतिभासाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराकाराः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिसंस्काराः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिप्रायाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिसंधयः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिवेशाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हारसंज्ञाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हारसंकल्पाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हारप्रतिभासाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराकाराः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिसंस्काराः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिप्रायाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिसंधयः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिवेशाः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराभिनिर्हाराः सत्यवादिनो भवन्तु मे सर्वदुष्टाभिनिर्हारा

ཤེས་རབ་ཀྱི་ཕ་རོལ་ཏུ་ཕྱིན་པའི་ཞལ་ལུང་ཁྲི་བརྒྱད་སྟོང་པ།

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः सङ्कर्षणाय च। प्रद्युम्नायानिरुद्धाय तुभ्यं भगवते नमः॥ नमो विज्ञानमात्राय परमानन्दमूर्तये। आत्मयोगनिद्रां
कुर्वते नमस्ते पुरुषोत्तम॥ नमस्ते वासुदेवाय नमस्ते मधुसूदन। नमस्ते पुण्डरीकाक्ष नमस्ते विश्वभावन॥ नमस्ते हृषीकेश नमस्ते
पुरुषोत्तम। नमस्ते नारसिंहाय नमस्ते ब्रह्मरूपिणे॥ नमस्ते सर्वयज्ञाय वराहाय नमो नमः। नमस्ते केशवानन्त वामनाय नमो
नमः॥ नमो नमस्ते मत्स्याय कूर्मरूपाय ते नमः। त्राहि मां पुण्डरीकाक्ष सर्वदेवनमस्कृत॥ नमस्ते देवदेवेश नमस्ते धरणीधर।
नमस्ते सर्वनागेन्द्र महाभोगाय ते नमः॥ नमस्ते सर्वलोकानां प्रभवस्थितिकारिणे। नमस्ते सर्वलोकेश हयग्रीव नमो नमः॥
नमस्ते सर्वदेवानां वरदाय नमो नमः। नमस्ते ब्रह्मदेहाय त्रयीमूर्ते नमो नमः॥ नमस्ते सर्वतीर्थाय सर्वतीर्थोद्भवाय च।
नमस्ते सर्वदेवानां हविषे हव्यवाहन॥ नमस्ते सर्वदेवानां दक्षिणाय नमो नमः। नमस्ते सर्वदेवानां मोक्षदाय नमो नमः॥
नमस्ते सर्वदेवानां फलदाय नमो नमः। नमस्ते सर्वदेवानां कालरूपाय ते नमः॥ नमस्ते सर्वदेवानां बलाय बलरूपिणे।
नमस्ते सर्वदेवानां सर्वाय सर्वरूपिणे॥ नमस्ते सर्वदेवानां सर्वसंहारकारिणे। नमस्ते सर्वदेवानां सर्वसर्गकराय च॥
नमस्ते सर्वदेवानां सर्वपालनकारिणे। नमस्ते सर्वदेवानां सर्वसाक्षिस्वरूपिणे॥ नमस्ते सर्वदेवानां सर्वाधाराय ते नमः।
नमस्ते सर्वदेवानां सर्वाधिष्ठानरूपिणे॥ नमस्ते सर्वदेवानां सर्वाय सर्वरूपिणे। नमस्ते सर्वदेवानां सर्वसंहारकारिणे॥

ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་བྱང་ཆུབ་ཏུ་ཡོངས་སུ་བསྔོ་བ་ཡིན་ནོ། །ཇི་ལྟར་ཤཱཀྱ་ཐུབ་པ་དེ་བཞིན་གཤེགས་པ་དགྲ་བཅོམ་པ་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་སངས་རྒྱས་ཀྱི་ཞིང་ཁམས་ཀྱི་རྡུལ་ཕྲ་རབ་ཀྱི་གྲངས་ཙམ་དུ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः सङ्कर्षणाय प्रद्युम्नायानिरुद्धाय नमो नमो विश्वरूपाय विश्वतैजसे विश्वपुरुषाय सर्वगुणविशेषाय नमस्ते अपरिमितशक्तये अनन्तायाव्यक्तायसूक्ष्मायसुसूक्ष्मायनमो नमो नमस्ते महापुरुषाय महाविभूतिपतये सहसशीर्षाय सहस्राक्षाय सहस्रपादाक्षिभ्रूनासाय सहसमुखायसहसकुण्डलोल्लसितोरुकिरीटानेकमहारत्नप्रवरमुकुटाभिनीलकुटिलकुन्तलवरुथाय सहसवरपरिघोरुदण्डसुललितविचित्रमहाभुजाय नानामणिगणमहाहारकेयूरकटकाङ्गदभूषणभूषिताय नानामहारत्नकाञ्चनविचित्रकटिसूत्रविराजमानाय सुनिपुणदिव्यशिल्पविरचितसुश्लिष्टविशिष्टाशेषावयवसुन्दरोपचितसर्वाङ्गसुन्दराय दिव्यवनमालाविराजितोरुशोभमानवक्षसे दिव्यकुसुमदामसुरभितुलसिकामोदमधुकरमुखरितपादपद्मायनमो नमो नमस्ते दिव्यपीतनिर्मलसूक्ष्मशाटकनिवीतायाखिलभुवनकमनीयरूपाय नमो नमो नमस्ते अखिलजगदुदयविलयस्थितिनिबन्धनायाखिलजगदात्मकायाखिलजगदन्तरात्मकायाखिलजगत्प्रतिष्ठायाखिलजगदधिष्ठानायाखिलजगन्नियन्त्रेनमो नमो नमस्ते अखिलजगत्प्रणतजनाभिलषितपरिपूरणसत्यकामसत्यसङ्कल्पायाखिलजगत्प्रणतजनाभिलषितपरिपूरणसत्यकामसत्यसङ्कल्पायाखिलजगत्प्रणतजनाभिलषितपरिपूरणसत्यकामसत्यसङ्कल्पाय नमो नमो नमस्ते अखिलजगत्प्रणतजनाभिलषितपरिपूरणसत्यकामसत्यसङ्कल्पायाखिलजगत्प्रणतजनाभिलषितपरिपूरणसत्यकामसत्यसङ्कल्पायाखिलजगत्प्रणतजनाभिलषितपरिपूरणसत्यकामसत्यसङ्कल्पाय नमो नमो नमस्ते ॥ ॥ ॥

॥ ॐ ॥ ॥ ॐ ॥ ॥ ॐ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय महाभयभयोत्सादनकराय महाबलवीर्यशौर्यपराक्रमाय महाबलवेगधारिणे वज्रपाणये महाबलवेग

ཀུ་ཀུ་ཀུ་

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो गणेशाय ॥ ॐ नमः सरस्वत्यै ॥ ॐ नमः कुलदेवतायै ॥ ॐ नमः सर्वेभ्यो देवेभ्यो ब्राह्मणेभ्यश्च ॥ ॐ नमः सर्वेभ्यो गुरुभ्यः ॥ ॐ नमः सर्वेभ्यो मातृभ्यः ॥ ॐ नमः सर्वेभ्यो पितृभ्यः ॥ ॐ नमः सर्वेभ्यो भ्रातृभ्यः ॥ ॐ नमः सर्वेभ्यो सखिभ्यः ॥ ॐ नमः सर्वेभ्यो सहृद्भ्यः ॥ ॐ नमः सर्वेभ्यो सहचरेभ्यः ॥ ॐ नमः सर्वेभ्यो सहपाठिभ्यः ॥ ॐ नमः सर्वेभ्यो सहकर्मिभ्यः ॥ ॐ नमः सर्वेभ्यो सहयोगिभ्यः ॥ ॐ नमः सर्वेभ्यो सहाध्यायिभ्यः ॥ ॐ नमः सर्वेभ्यो सहाध्यापकेभ्यः ॥ ॐ नमः सर्वेभ्यो सहाध्यापिकाभ्यः ॥ ॐ नमः सर्वेभ्यो सहाध्यापका

ཀཱ་ཤྱཔ་ཨཱ་ཙཱ་ར་ཡ་

ॐ नमो भगवते वज्रकुमाराय महाबलपराक्रमाय महाप्रतिसरे महाविद्याराज्ञि सर्वभूतोपद्रवनिवारणकरि सर्वदुष्टग्रहनिवारणकरि सर्वव्याधिविनाशनकरि सर्वशत्रुनिवारणकरि सर्वदुष्टनिवारणकरि सर्वविषनिवारणकरि सर्वभयनिवारणकरि सर्वदुष्टस्तम्भनकरि सर्वदुष्टविद्यानिवारणकरि सर्वदुष्टदुःस्वप्ननिवारणकरि सर्वदुष्टदुर्निमित्तनिवारणकरि सर्वदुष्टदुर्लक्षणनिवारणकरि सर्वदुष्टदुर्भिक्षनिवारणकरि सर्वदुष्टदुरारिष्टनिवारणकरि सर्वदुष्टदुर्ग्रहनिवारणकरि सर्वदुष्टदुर्नक्षत्रनिवारणकरि सर्वदुष्टदुर्मुहूर्तनिवारणकरि सर्वदुष्टदुःशकुननिवारणकरि सर्वदुष्टदुर्भाषितनिवारणकरि सर्वदुष्टदुर्जनवचननिवारणकरि सर्वदुष्टदुर्जनदुष्टचित्तनिवारणकरि सर्वदुष्टदुर्जनदुष्टकर्मनिवारणकरि सर्वदुष्टदुर्जनदुष्टवाक्यनिवारणकरि सर्वदुष्टदुर्जनदुष्टमुखनिवारणकरि सर्वदुष्टदुर्जनदुष्टनेत्रनिवारणकरि सर्वदुष्टदुर्जनदुष्टहस्तनिवारणकरि सर्वदुष्टदुर्जनदुष्टपादनिवारणकरि सर्वदुष्टदुर्जनदुष्टजिह्वानिवारणकरि सर्वदुष्टदुर्जनदुष्टदन्तनिवारणकरि सर्वदुष्टदुर्जनदुष्टनखनिवारणकरि सर्वदुष्टदुर्जनदुष्टकेशनिवारणकरि सर्वदुष्टदुर्जनदुष्टरोमनिवारणकरि सर्वदुष्टदुर्जनदुष्टशिरोनिवारणकरि सर्वदुष्टदुर्जनदुष्टहृदयनिवारणकरि सर्वदुष्टदुर्जनदुष्टनाभिनिवारणकरि सर्वदुष्टदुर्जनदुष्टकटिनिवारणकरि सर्वदुष्टदुर्जनदुष्टगुह्यनिवारणकरि सर्वदुष्टदुर्जनदुष्टजानुनिवारणकरि सर्वदुष्टदुर्जनदुष्टजङ्घानिवारणकरि सर्वदुष्टदुर्जनदुष्टगुल्फनिवारणकरि सर्वदुष्टदुर्जनदुष्टपृष्ठनिवारणकरि सर्वदुष्टदुर्जनदुष्टपार्श्वनिवारणकरि सर्वदुष्टदुर्जनदुष्टस्तननिवारणकरि सर्वदुष्टदुर्जनदुष्टबाहुनिवारणकरि सर्वदुष्टदुर्जनदुष्टकक्षनिवारणकरि सर्वदुष्टदुर्जनदुष्टकण्ठनिवारणकरि सर्वदुष्टदुर्जनदुष्टतालुनिवारणकरि सर्वदुष्टदुर्जनदुष्टओष्ठनिवारणकरि सर्वदुष्टदुर्जनदुष्टकपोलनिवारणकरि सर्वदुष्टदुर्जनदुष्टललाटनिवारणकरि सर्वदुष्टदुर्जनदुष्टभ्रूनिवारणकरि सर्वदुष्टदुर्जनदुष्टकर्णनिवारणकरि सर्वदुष्टदुर्जनदुष्टनासिकानिवारणकरि सर्वदुष्टदुर्जनदुष्टनेत्र

ऋतस्य हि वर्त्तनयः सुजातमा गावो यन्ति समयसे पुरुस्पृहः। धेनुर्वाग्भूत्यनु सूनृतोदयऽ ऋतस्य सामन्रणयन्त देवयः॥ १०॥ ऋतस्य हि धेनवो वायुमक्षन्निमा अर्षन्तीः पयसा पीयानाः। स नो मुरीय उत नो जुषाणो देवो देवेषु प्रणयन्पुरूवसुः॥ ११॥ ऋतस्य हि शुरुधः सन्ति पूर्वीर्ऋतस्य धीतिर्वृजिनानि हन्ति। ऋतस्य श्लोको बधिरा ततर्दाऽ कर्णा बुधानः शुचमान आयोः॥ १२॥ ऋतस्य दृळ्हा धरुणानि सन्ति पुरूणि चन्द्रा वपुषे वपूंषि। ऋतेन दीर्घमिषणन्त पृक्षमृतेन गावः पयसा मयोभुवः॥ १३॥ ऋतेन हरी वृषणा युवाना वृषभस्य नः सचन्ते सप्तनामा। ऋतेन नः सुभृतमश्वमेतमृतेन सोमः पवते विचर्षणिः॥ १४॥ ऋतेन देवीरमृता अमृक्ता अर्णोवृधः सदनाऽ ऋतस्य। पुरः सदः शुचयो देवयूनामृतावरीरुरवो देवमिन्वाः॥ १५॥ ऋतेन देवः सविता शमायन्नृतस्य शृङ्गमुर्विया वि पप्रथे। ऋतेन विश्वे वरुणस्य पाशा बृहद्वदेम विदथे सुवीराः॥ १६॥ ऋतेन द्यावापृथिवी उरुष्यतमृतेन मित्रावरुणावृतावृधा। ऋतेन देवानमृतऽ ऋतावृधो बृहद्वदेम विदथे सुवीराः॥ १७॥ ऋतेन विश्वे मरुतो गणासः शुभंयावानो विदथेषु पप्रथे। ऋतेन वाजमरुषन्तमर्वतं बृहद्वदेम विदथे सुवीराः॥ १८॥ ऋतेन सप्तरश्मयो वाजयन्तो रथेष्वा। ऋतेन पत्नीरुषसो दिवस्पतिमृतेन सूर्यविरोचयन्बृहत्॥ १९॥ ऋतेन सूर्यविरोचयन्बृहत्॥ १९॥

ಕಾಸಿಗೆ ಸಾಸಿರ ಕೊಡುವ ಪ್ರಭುವೆ ॥ ಅಂಗವಿಸಿ ಲಿಂಗವಿಸಿ ಮಾಡಿ ಮಾಡಿಸಿ ಕೊಂಡು ಕೊಟ್ಟು ಕೊಳ್ಳುವ ಭಕ್ತಿಯಲ್ಲಿ ಸಂಗನಬಸವಣ್ಣ ಸಮ್ಮತವಾದ ಕಾರಣ ಕೂಡಲಸಂಗಮದೇವಾ ನಿಮ್ಮ ಶರಣರು ಮಾಹೇಶ್ವರರು ಕಾಣಾ ॥ ಅಂಗಲಿಂಗಸಂಬಂಧಿಯಾಗಿ ಲಿಂಗಾರ್ಪಿತವಲ್ಲದೆ ಕೊಳ್ಳಲಾಗದು ಕೊಡಲಾಗದು ಎಂಬ ಸಂಗನಬಸವಣ್ಣನ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः सङ्कर्षणाय नमः प्रद्युम्नाय नमोऽनिरुद्धाय नमो नारायणाय नमो वराहाय नमो नारसिंहाय नमो हयग्रीवाय नमः सर्वेश्वराय सर्वदेवाय सर्वदुरितक्षयङ्कराय नमो नमः ॥

ॐ नमो भगवते वज्रसत्त्वाय महासत्त्वाय महाकारुणिकाय महाभैषज्यगुरुराजाय तथागतायार्हते सम्यक्संबुद्धाय तद्यथा ॐ भैषज्ये भैषज्ये महाभैषज्ये समुद्गते स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते भैषज्यगुरुवैडूर्यप्रभ

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो नारायणाय ॥ ॐ नमो विष्णवे प्रभविष्णवे ॥ नमः सकलभुवनसर्गस्थानसंहारहेतवे सदसदनुपलक्ष्यस्थानसंज्ञाय त्रिभुवनगुरवे परमकारणाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो विष्णवे मृत्युमथनाय ॥ ॐ नमो भगवते नरसिंहाय नमस्ते ॥ ॐ नमो भगवते महापुरुषाय महाविभूतिपतये ॥ ॐ नमो भगवते जनार्दनाय अवितथाय अनादये विश्वहेतवे पुरुषाय ॥ ॐ नमो भगवते महाबलाय महाबुद्धये महावीर्याय महाहारिणे अजिताय अमितविक्रमाय ॥ ॐ नमो भगवते महाकारुणिकाय ॥ ॐ नमो भगवते मन्त्रतन्त्रवशीकरणाय ॥ ॐ नमो भगवते सकलत्रैलोक्यरक्षणाय ॥ ॐ नमो भगवते अमोघाय ॥ ॐ नमो भगवते अच्युताय ॥ ॐ नमो भगवते पुरुषोत्तमाय ॥ ॐ नमो भगवते सत्यायाच्युताय ॥ ॐ नमो भगवते सत्यसंधाय ॥ ॐ नमो भगवते सत्यपुरुषा

ཀུ་ཀུ་ཀུ་

ཀུན་ཏུ་བཟང་པོའི་སྨོན་ལམ་ཞེས་བྱ་བ་ཐེག་པ་ཆེན་པོའི་མདོ་སྡེ་ལས་བྱུང་བ་རྫོགས་སོ།།

ཨཱརྱ་བྷ་དྲ་ཙ་ར་ཡ་ཎཱ་ནཱ་མ་མ་ཧཱ་ཡཱ་ན་སཱུ་ཏྲ།

ཨཱརྱ་བྷ་དྲ་ཙ་ར་ཡ་ཎཱ་ནཱ་མ་མ་ཧཱ་ཡཱ་ན་སཱུ་ཏྲ།

ཨཱརྱ་བྷ་དྲ་ཙ་ར་ཡ་ཎཱ་ནཱ་མ་མ་ཧཱ་ཡཱ་ན་སཱུ་ཏྲ།

རྒྱ་གར་གྱི་མཁན་པོ་ཤཱི་ལེནྡྲ་བོ་དྷི་དང་། ལོ་ཙཱ་བ་ཀེ་སུ་ཏོག་གིས་བསྒྱུར་ཅིང་ཞུས་ཏེ་གཏན་ལ་ཕབ་པ།

ཨཱརྱ་བྷ་དྲ་ཙ་ར་ཡ་ཎཱ་ནཱ་མ་མ་ཧཱ་ཡཱ་ན་སཱུ་ཏྲ

ཀཱ་ཏན་ཀ་ཡ་ཀ་ཏ་ཡ་ཀ་ཏ་ཡ་ཀ་ཏ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वज्रसत्त्वाय महासत्त्वाय महाकारुणिकाय महाभैषज्यगुरुवैडूर्यप्रभराजाय तथागतायार्हते सम्यक्संबुद्धाय तद्यथा ॐ भैषज्ये भैषज्ये महाभैषज्ये समुद्गते स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते भ

ཀཱ་ཏན་ཏྲ་ཀ་ལཱ་པ་ཀ

ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय महाभयविदारणकराय भयानकाय प्रहरणलक्षधारिणे वज्रशृङ्खलबद्धैकजटामुकुटोपशोभिताय ऋग्यजुःसामाथर्ववेदोद्गताय अनन्तवीर्यप्रभावाय महाबलाय नागकुलोपवीताय पद्मकुण्डलधराय कालदण्डोद्यतप्रचण्डाय आदित्यमण्डलविनाशकराय महाबलवीरपुरुषाय कालचक्रभयानकाय सहस्रबाहवे सहस्रशीर्षाय सहस्रनेत्राय सहस्रपादाय सहस्रास्त्रोद्यतकराय सहस्रविद्याधिपतये महाबलाय महाविद्याराजाय महाविद्यां साधयिष्यामि साधयतु मे भगवान् सर्वविद्याधिपतिः सर्वविद्याः प्रयच्छतु मे स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय महाभयविदारणकराय भयानकाय प्रहरणलक्षधारिणे वज्रशृङ्खलबद्धैकजटामुकुटोपशोभिताय ऋग्यजुःसामाथर्ववेदोद्गताय अनन्तवीर्यप्रभावाय महाबलाय नागकुलोपवीताय पद्मकुण्डलधराय कालदण्डोद्यतप्रचण्डाय आदित्यमण्डलविनाशकराय महाबलवीरपुरुषाय कालचक्रभयानकाय सहस्रबाहवे सहस्रशीर्षाय सहस्रनेत्राय सहस्रपादाय सहस्रास्त्रोद्यतकराय सहस्रविद्याधिपतये महाबलाय महाविद्याराजाय महाविद्यां साधयिष्यामि साधयतु मे भगवान् सर्वविद्याधिपतिः सर्वविद्याः प्रयच्छतु मे स्वाहा ॥

ཀཱཡཱ་ཝཱཀ་ཙིཏྟ་ཨཱ་ཀཱ་ཤ་ཨཱ་ཏྨ་ཨཱ་ཏྨཱི་ཡ་ཨཱ་ཏྨ་ཀ་ཨཱ་ཏྨ་ཀཱི་ཡ་ཨཱ་ཏྨ་ཀ

ཀུན་གསལ་ཀྱི་ཐིག་ལེ་ཞེས་བྱ་བ་ལས་ཀྱང་། ཐིག་ལེ་ཡང་ཡང

ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय महाभयभयानकाय भीमभयानकाय महाकायप्रचण्डाय वज्रयक्षाधिपतये हुं हुं फट् फट् स्वाहा ॥

ཀུ་ཀུ་ཀུ་

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ಕಾಲಾಮಾಲಾಕಾಲಾಮಾಲಾಕಾಲಾಮಾಲಾ

ཨཱཿཧཱུྃ་ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཨོཾ་

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः सङ्कर्षणाय प्रद्युम्नायानिरुद्धाय नमो नमो भगवते महापुरुषाय सर्वगुणसम्पन्नायानन्ताय सात्वतां पतये नमो नमो विश्वस्य बीजनिधानायाव्यक्तायानन्तमूर्तये सूक्ष्मायाजिताय जितामर्षणाय जगत्सनिवेशनायानन्तशक्तिरूपाय नमो नमो नमस्ते वासुदेव नमस्ते सर्वजगत्प्रतिष्ठानाय नमस्ते नमस्ते देवदेव हरये नमस्ते कृष्ण नमस्ते पुरुषोत्तम नमस्ते शरण्य नमस्ते त्रिविक्रम नमस्ते नरसिंह नमस्ते पुष्कराक्ष नमस्ते जलशायिन् नमस्ते नमस्ते हयशीर्षन् नमस्ते नमस्ते वराह नमस्ते दामोदर नमस्ते हंस नमस्ते धर्मदुघ नमस्ते मातरिश्वन् नमस्ते पृश्निगर्भ नमस्ते यज्ञपुरुष नमस्ते स्वयम्भुव नमस्ते नमस्ते आदिदेव नमस्ते आदिभूत नमस्ते परमगुह्य नमस्ते विश्वात्मन् विश्वसम्भव नमस्ते नमस्ते विश्वलोकेश नमस्ते नमस्ते अमृतमय नमस्ते नमस्ते ब्रह्मण्य नमस्ते नमस्ते परमदेव नमस्ते नमस्ते नमस्ते ॥ इति श्रीविष्णुसहस्रनामस्तोत्रं समाप्तम् ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः सङ्कर्षणाय प्रद्युम्नायानिरुद्धाय नमो नमो वेदविदे ब्राह्मणप्रियाय धर्मपालाय सर्वभूतसुहृदे अजिताय जितामित्राय नमः कमलनयनाय नमः कमलाकरायोपेन्द्राय नमः शक्रायाच्युताय नमो विष्टरश्रवसे हरये कृष्णाय नमो यज्ञपुरुषाय वराहाय नमो नमो मायिने नमो नमोऽरविन्दाक्षाय नमः पद्मनाभाय नमः सुरवरायामरप्रभवे नमो हिरण्यगर्भाय नमो मखायोत्तमाय हविषे नमो धर्मायोत्तमाय नमः कुशायाय नमो विश्वक्सेनाय धर्मसेतवे त्रिधामाय पवित्राय मङ्गलाय नमो नमो ऽमोघाय नमो ऽजिताय नमो ऽमोघाय नमो ऽजिताय नमो विश्वरूपाय सत्त्वाय सात्त्वतां पतये नमो नमो भगवते महापुरुषाय महानुभावाय महाविभूतिपतये सहमहीयसां पतये नमो नमो विश्वकर्मणे मनवे विश्वमनसे विश्वसृजे विश्वाय विश्वभूतात्मने विश्वविश्वाय महायोगिने महाहंसाय परमलोकपालाय त्रिलोकसेतवे अदभ्रदयाय ऋषभाय नराय नारायणाय हरये मेरुशिखरनिलयाय ब्रह्मणे परमगुरवे नमः परमगुरवे नमः परमगुरवे नमः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः सङ्कर्षणाय प्रद्युम्नायानिरुद्धाय नमो नमो वाङ्मनसातिभूमयेऽनन्तायदुर्वि
गाहसत्त्वधृतिवीर्यसहसे ओजस्तेजःसमन्वितविक्रमायाक्षोभ्यसर्वसत्त्वसमुद्रगम्भीरायसर्वगुणगणावासायवासु
देवायनमो नमः ॥ ॐ नमो भगवते महापुरुषायमहाविभूतिपतयेसहभूरिशिरसेसहस्रशीर्षायक्षितिजलपवनहुताश
नव्योमसोमसूर्याधिष्ठानायामितबलविक्रमायसर्वासुरविनाशनायसर्वभूतप्रेतपिशाचयक्षराक्षसडाकिनीविनायकक्
ष्मांडकूष्मांडापस्मारकसर्वज्वरविध्वंसनायसर्वदुःखप्रशमनायसर्वविषसंक्षयकरायसर्वकल्याणप्रदायसर्वपापप्रणा
शनायसर्वदुरितक्षयंकरायसर्वरोगवशीकरणायसर्वरक्षाकरायसर्वभयविनाशनायसर्वदुष्टग्रहनिवारणायसर्वपुरुषसं
जीवनायसर्वपुरुषनिधिपतयेवासुदेवायनमो नमः ॥ ॐ नमो भगवतेवासुदेवायधन्वन्तरयेअमृतकलशहस्तायसर्व
भयविनाशायसर्वरोगनिवारणायत्रैलोक्यपथायत्रैलोक्यनाथायश्रीमहाविष्णवेनमः ॥ ॐ नमो विष्णवेसुरासुरविन
मायसर्वलोकप्रभवायहरयेअनन्तायसर्वभूतसंक्षयकारायरुद्ररूपिणेत्रिकालाग्निरूपायसमस्तभूतसंहारकारिणेकल्पा
न्तायनमो नमः ॥ ॐ नमो वासुदेवायसङ्कर्षणायप्रद्युम्नायानिरुद्धायहयग्रीवायमत्स्यायनृसिंहायवराहायवामनाय
नमो नमः ॥ ॐ नमो भगवतेवासुदेवायनमः ॥ ॐ नमो नारायणायपुरुषायपुरुषोत्तमायअनन्तायनिरयाय
विश्वरूपायनमो नमः ॥ ॐ नमो भगवतेवासुदेवायनमः ॥ ॐ नमो भगवतेवासुदेवायनमः ॥ ॐ नमो भगवते

ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय महाभयविदारणकराय भूतवेतालपिशाचराक्षसयक्षकुम्भाण्डमहोरगगरुडकिन्नरमहिषमनुष्यामनुष्यप्रमथनाय त्रैलोक्यविजयाय त्रैलोक्यविजयाय त्रैलोक्यविजयाय ॐ वज्रपाणये हुं फट् स्वाहा ॥

ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय महाभयविदारणकराय भूतवेतालपिशाचराक्षसप्रमथनाय
अष्टदशभैरवरूपाय त्रिभुवनरक्षणकराय महाबलवीरसेनाय महाभैरवाय नमो नमः ॥ ॐ नमो भगवते
वज्रधराय महाबलपराक्रमाय महाभयविदारणकराय भूतवेतालपिशाचराक्षसप्रमथनाय अष्टदशभैरवरूपाय
त्रिभुवनरक्षणकराय महाबलवीरसेनाय महाभैरवाय नमो नमः ॥ ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय
महाभयविदारणकराय भूतवेतालपिशाचराक्षसप्रमथनाय अष्टदशभैरवरूपाय त्रिभुवनरक्षणकराय महाबलवीरसेनाय
महाभैरवाय नमो नमः ॥ ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय महाभयविदारणकराय भूतवेतालपिशाचराक्षस
प्रमथनाय

॥ ७७ ॥

ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་

ॐ नमो भगवते वज्रकुमाराय महाबलपराक्रमाय महाप्रतिसराय महाविद्याराजाय महाकारुणिकाय महाकृपाय महाप्रतिसरे महाविद्याराज्ञि महाकारुणिके महाकृपे महाशोकभयोपद्रवोपसर्गविनाशनकरे

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो नारायणाय ॥

ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय भूरिभयभैरवभीषणाय महाकायकायाय महाकालरूपिणे
त्रिशिरसे त्रिनेत्राय त्रिशूलिने त्रिदशपरिवृताय त्रिदशपरिपूजिताय त्रिदशपरिपालिताय
त्रिदशपरिरक्षिताय त्रिदशपरिवारिताय त्रिदशपरिपोषिताय त्रिदशपरिवेषिताय त्रिदशपरिवेष्टिताय
त्रिदशपरिवेषणाय त्रिदशपरिवेषणकराय त्रिदशपरिवेषणकरणाय त्रिदशपरिवेषणकरणकराय
त्रिदशपरिवेषणकरणकरणाय त्रिदशपरिवेषणकरणकरणकराय त्रिदशपरिवेषणकरणकरणकरणाय
त्रिदशपरिवेषणकरणकरणकरणकराय त्रिदशपरिवेषणकरणकरणकरणकरणाय त्रिदशपरिवेषणकरणकरणकरणकरणकराय
त्रिदशपरिवेषणकरणकरणकरणकरणकरणाय त्रिदशपरिवेषणकरणकरणकरणकरणकरणकराय त्रिदशपरिवेषणकरणकरणकरणकरणकरणकरणाय
त्रिदशपरिवेषणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकराय त्रिदशपरिवेषणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणाय त्रिदशपरिवेषणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकराय
त्रिदशपरिवेषणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणाय त्रिदशपरिवेषणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकराय त्रिदशपरिवेषणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणाय
त्रिदशपरिवेषणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकराय त्रिदशपरिवेषणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणाय त्रिदशपरिवेषणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकराय
त्रिदशपरिवेषणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणाय त्रिदशपरिवेषणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकराय त्रिदशपरिवेषणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणाय
त्रिदशपरिवेषणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकराय त्रिदशपरिवेषणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणाय त्रिदशपरिवेषणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकराय
त्रिदशपरिवेषणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणाय त्रिदशपरिवेषणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकराय त्रिदशपरिवेषणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणाय
त्रिदशपरिवेषणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकराय त्रिदशपरिवेषणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणाय त्रिदशपरिवेषणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकराय
त्रिदशपरिवेषणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणाय त्रिदशपरिवेषणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकराय त्रिदशपरिवेषणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणाय
त्रिदशपरिवेषणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकराय त्रिदशपरिवेषणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणाय त्रिदशपरिवेषणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकराय
त्रिदशपरिवेषणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणाय त्रिदशपरिवेषणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकराय त्रिदशपरिवेषणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणाय
त्रिदशपरिवेषणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकराय त्रिदशपरिवेषणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणाय त्रिदशपरिवेषणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकराय
त्रिदशपरिवेषणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणाय त्रिदशपरिवेषणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकराय त्रिदशपरिवेषणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणाय
त्रिदशपरिवेषणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकराय त्रिदशपरिवेषणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणाय त्रिदशपरिवेषणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकराय
त्रिदशपरिवेषणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणाय त्रिदशपरिवेषणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकराय त्रिदशपरिवेषणकर

ཀྱི་ཀཱ་ཀཱ་ཀཱ

ཀྱི་ཁྱེད་ཀྱི་ཁྱེད་ཀྱི་ཁྱེད་

ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय भूरिभयभैरवभीषणाय उग्रविषविषमविषहराय
अमोघाय अमोघपतये अमोघवज्राय महाकायवज्रोदराय महाजवाय महाबलाय महावीर्याय
महाविद्याराजाय महाप्रतिसरे महाप्रतिसरे महावज्रप्रतिसरे महावज्रशृंखले महावज्रवैरोचनि
महावज्रजाम्बूनदप्रभे महावज्रदुरितारि महावज्रधरे महावज्रधारिणि महाचक्रे महाचक्रधारिणि
महाबले महाबलवीर्ये महाबलवेगे महाबलविद्याराजे महाबलविद्याराजधारिणि महाबलविद्याराज
विद्यापरिवारिते महाबलविद्याराजविद्यापरिवारिते महाबलविद्याराजविद्यापरिवारिते

ཀུ་ཀུ་ཀུ་

ཀཱཡཱ་ཝཱཙཱ་མནསཱ་ཡཏ་ཀིཉྩི་ཀུསལཾ་

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः सङ्कर्षणाय प्रद्युम्नाय अनिरुद्धाय पुरुषोत्तमाय अधोक्षजाय नारसिंहाय अच्युताय जनार्दनाय उपेन्द्राय हरये श्रीकृष्णाय ॥

॥ ६६ ॥ ॥ ६६ ॥ ॥ ६६ ॥

ਸਲੋਕੁ ॥ ਸਾਧ ਕੈ ਸੰਗਿ ਨ ਪਾਇਓ ਫਿਰਿ ਫਿਰਿ ਜੋਨੀ ਪਾਇ ॥ ਨਾਨਕ ਸੇ ਸਾਹ ਸੰਸਾਰ ਮਹਿ ਜਿ ਸਾਧਹ ਸੰਗਿ ਸਮਾਇ ॥ ੧ ॥ ਮਹਲਾ ੫

ཀཱཡ་ཝཱཀ་ཙིཏྟ་ཀརྨ་ཀྲིཡཱ་ཨཱ་ཀཱ་ཤ་ཨཱ་ཀཱ་ཤ་ཨཱ་ཀཱ་ཤ

ཀཱཡཱཡཱཡ

ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय भयभैरवभयोत्पादनाय तडि तडि विकटदंष्ट्रोत्कटमुखाय घोरघोरतरतनुरूपाय चटचट प्रचटप्रचट कहकह वमवम बंधबंध घातय घातय हुं फट् स्वाहा ॥

ཀཱ་ཀཱ་ཀཱ་

ཀཱཀཱཀཱ

ཀཀཀ

ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ཞིང་ཁམས་ཀྱི་རྡུལ་ཙམ་ཞིང་ཁམས་ཐམས་ཅད་ན་བཞུགས་པ་ཡི་དེ་བཞིན་གཤེགས་པ་དགྲ་བཅོམ་པ་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་སངས་རྒྱས་ཐམས་ཅད་ལ་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་བྱང་ཆུབ་ཀྱི་སེམས་ཀྱི་ཕྱིར་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་བྱང་ཆུབ་ཏུ་ཡོངས་སུ་བསྔོ་བ་ཡི

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वज्रकुमाराय महाबलपराक्रमाय महाप्रतिसराय महाविद्याराजाय महाविद्यानुचराय महाविद्यानुगताय महाविद्यानुपालिताय महाविद्यानुरक्षिताय महाविद्यानुमताय महाविद्यानुकूलाय महाविद्यानुप्रियाय महाविद्यानुप्रियंकराय महाविद्यानुप्रियंवदाय महाविद्यानुप्रियंकरीय महाविद्यानुप्रियंवदीय महाविद्यानुप्रियंकरीयाय महाविद्यानुप्रियंवदीयाय महाविद्यानुप्रियंकरीयायै महाविद्यानुप्रियंवदीयायै महाविद्यानुप्रियंकरीयायाः महाविद्यानुप्रियंवदीयायाः महाविद्यानुप्रियंकरीयायाम् महाविद्यानुप्रियंवदीयायाम् महाविद्यानुप्रियंकरीयायाः महाविद्यानुप्रियंवदीयायाः महाविद्यानुप्रियंकरीयायाम् महाविद्यानुप्रियंवदीयायाम् ॥

ॐ नमो भगवते वज्रकुमाराय महाबलपराक्रमाय महाप्रतिसराय महाविद्याराजाय महाविद्यानुचराय महाविद्यानुगताय महाविद्यानुपालिताय महाविद्यानुरक्षिताय महाविद्यानुमताय महाविद्यानुकूलाय महाविद्यानुप्रियाय महाविद्यानुप्रियंकराय महाविद्यानुप्रियंवदाय महाविद्यानुप्रियंकरीय महाविद्यानुप्रियंवदीय महाविद्यानुप्रियंकरीयाय महाविद्यानुप्रियंवदीयाय महाविद्यानुप्रियंकरीयायै महाविद्यानुप्रियंवदीयायै महाविद्यानुप्रियंकरीयायाः महाविद्यानुप्रियंवदीयायाः महाविद्यानुप्रियंकरीयायाम् महाविद्यानुप्रियंवदीयायाम् ॥

ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་

ཀཀཀ

ཀུན་ཏུ་སྤྱོད་པ་ལ་སོགས་པ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡང་རྩ་བ་ཡིན་ཏེ།

ꣀꣀꣀ

ཀཱཡ་ཝཱཀ་ཙིཏྟ་ཀརྨ་ཀཱ་ཡཱ

ಸಾಧಿಸಿದ ಸಾಧಕರಿಗೆ ಸಾಧ್ಯವಾಗದ ಸಾಧನೆಯಿಲ್ಲ.

ଦ୍ୱାରାଣାଂ ଦ୍ୱାରାଣାଂ ଦ୍ୱାରାଣାଂ

ཀྱི་ཡི་ཀྱི་ཡི་ཀྱི་ཡི་

ཀུ་ཀུ་ཀུ་

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ཀུ་ཀུ་ཀུ་

ཀྱི་ཕྱིར་ཏེ། ཐོག་མ་ཡང་ཡོད་པ་ཉིད་

ཀ་ལ་ས་ཏྲ་ཀ་ཏ་ཀ་ཏ་ཀ་ཏ

ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་

ཤོག་གྲངས་ཨཉ་དང་ཨཀ།

ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡུལ་ཅན་ཡིན་ཏེ། ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡུལ་ཅན་ཡིན་ཞེས་བྱ་བ་ནི་

ཤེས་རབ་སྙིང་པོ་རྒྱན་གྱི་ཚིགས་བཅད།

ཤེས་རབ་ཀྱི་ཕ་རོལ་ཏུ་ཕྱིན་པ་ཡི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཕྱག་རྒྱ་ཆེན་པོ་ཡིན་ཏེ། །ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཆོས་ཉིད་ཡིན་ཏེ།

ཀཱ་ཀཱ་ཀཱ་

ཀཱཡཱ་ཝཱཙཱ་མནསེནྡྲིཡཻརྦུདྡྷྱཱཏྨནཱ་ཝཱ་པྲཀྲྀཏེསྭབྷཱཝཱཏྭཱཏྨནཱ་ཀརྨཱཏྨཀཾཡདྱཏྐརྨཔྲཀཱཤཡཏི་ཏཏྶརྦཾཏཐཱགཏཱཡཱཔྲཏིཥྛཱཔཡཏི་ཡཐཱཔྲཏིཥྛཱཔིཏཱཤྩཱཡུཥྨཏྟཱཐཱགཏཱཤྩཏཐཱཧཾཔྲཏིཥྛཱཔཡཱམི་ཡཐཱཡ

ॐ॒ह्रां॒ह्रीं॒ह्रूं॒ह्रैं॒ह्रौं॒ह्रः॒

ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय महाभूततेजोपशमनकराय त्रिलोकविजयाय त्रिलोकोत्पादाय त्रिलोकवशंकराय त्रिलोकविद्रावणकराय त्रिलोकाकर्षणकराय त्रिलोकसंजीवनकराय त्रिलोकसंहारकराय त्रिलोकोच्चाटनकराय त्रिलोकस्तंभनकराय त्रिलोकजृंभणकराय त्रिलोकमोहनकराय त्रिलोकविजृंभितकराय त्रिलोकप्रक्षोभणकराय त्रिलोकविध्वंसनकराय त्रिलोकाभयंकराय त्रिलोकशांतिकराय त्रिलोकपुष्टिकराय त्रिलोकतुष्टिकराय त्रिलोकसिद्धिकराय त्रिलोकपूजिताय त्रिलोकाधिपतये त्रिलोकवीराय त्रिलोकविदारणाय त्रिलोकरक्षणाय त्रिलोकनाथाय त्रिलोकमहिताय त्रिलोकैकदेवाय त्रिलोकैकवीराय त्रिलोकैकवंद्याय त्रिलोकैकपूजिताय त्रिलोकैकसाधनाय त्रिलोकैकसाधिताय त्रिलोकैकदर्शनाय त्रिलोकैकवशंकराय त्रिलोकैकसंहारकराय त्रिलोकैकसंजीवनकराय त्रिलोकैकविद्रावणकराय त्रिलोकैकाकर्षणकराय त्रिलोकैकजृंभणकराय त्रिलोकैकमोहनकराय त्रिलोकैकविजृंभितकराय त्रिलोकैकप्रक्षोभणकराय त्रिलोकैकविध्वंसनकराय त्रिलोकैकाभयंकराय त्रिलोकैकशांतिकराय त्रिलोकैकपुष्टिकराय त्रिलोकैकतुष्टिकराय त्रिलोकैकसिद्धिकराय त्रिलोकैकपूजिताय त्रिलोकैकाधिपतये त्रिलोकैकवीराय त्रिलोकैकविदारणाय त्रिलोकैकरक्षणाय त्रिलोकैकनाथाय त्रिलोकै

ཀཀཀ

ཀཱཡཱ་ཡཱ་ཀཱ་ཡཱ་ཀཱ་ཡཱ་ཀ

ཀུན་ཏུ་སྤྱོད་པ་ཡི་ཏིང་ངེ་འཛིན་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡུལ་ཅན་ཡིན་ནོ། ། ཇི་ལྟར་ཏིང་ངེ་འཛིན་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡུལ་ཅན་ཡིན་ཞེ་ན། ཏིང་ངེ་འཛིན་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡུལ་ཅན་ཡིན་ཏེ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་བྱང་ཆུབ་ཏུ་ཡོངས་སུ་བསྔོ་བ་ཡིན་ནོ། །ཇི་ལྟར་ཤཱཀྱ་ཐུབ་པ་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་སངས་རྒྱས་ཀྱིས་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་བྱང་ཆུབ་ཏུ་ཡོངས་སུ་བསྔོ་བ་དེ་བཞིན་དུ་ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡང་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་བྱང་ཆུབ་ཏུ་ཡོངས་སུ་བསྔོ་བ་ཡིན་ནོ། །ཇི་ལྟར་ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡང་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་བྱང་ཆུབ་ཏུ་ཡོངས་སུ་བསྔོ་བ་དེ་བཞིན་དུ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་བྱང་ཆུབ་ཏུ་ཡོངས་སུ་བསྔོ་བ་ཡིན་ནོ། །ཇི་ལྟར

ཅན་ཞེས་ཀྱི། ཁྱི་རྒྱུ་ཤ་ལ་ཁྱི་ཤ་ཅན་ཞེས་ཀྱང་ཟེར་རོ། ཁྱི་ཤ་ཅན་ཞེས་ཀྱང་ཟེར་ཏེ

ꣳ ꣳ ꣳ

ཀུན་བཟང་ཁྱབ་བདག་ཆེན་པོ་ཡི་ཐུགས་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཆོས་ཀྱི་ཕྱག་རྒྱ

ཨཱཿཨཱཿཨཱཿ

ཀུན་བཟང་ཐུགས་ཀྱི་ཁྲིད་ཡིག་ཆེན་མོ།།

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः सङ्कर्षणाय प्रद्युम्नाय अनिरुद्धाय पुरुषोत्तमाय अधोक्षजाय नारसिंहाय अच्युताय जनार्दनाय उपेन्द्राय हरये श्रीकृष्णाय ॥

ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཡི་ཏིང་ངེ་འཛིན་ཞེས་བྱ་བ་ཐེག་པ་ཆེན་པོ་ལས་བྱུང་བ་ཤིན་ཏུ་རྒྱས་པ

ཀ་ཁ་ག་ང་ཅ་ཆ་ཇ་ཉ་ཏ་ཐ་ད་ན་པ་ཕ་བ་མ་ཙ་ཚ་ཛ་ཝ་ཞ་ཟ་འ་ཡ་ར་ལ་ཤ་ས་ཧ་ཨ་

ཀཀཁཀཀཁཀཀཁ

ཨཱཡུཥྨཱན་བྷཝ། ཨཱཡུཥྨཏཱ་ཨཱཏྨཱ་ཏྭཱ་

ཀཱཡཱ་ཝཱཙཱ་མནསཱ་ཡཏ་ཀརྨ་ཀུརྭནྟི་ཏཏ་

ཀྱི་ཚིག་ཏུ་ཡང་ཡང་ཞེས་པ་ནི་ཐེ་ཚོམ་ཟ་བ་ཡིན་ཏེ་ཐེ་ཚོམ་ཟ་བ་ཡང་ཡང་བྱེད་པ་ཡིན་ནོ། །ཐེ་ཚོམ་ཟ་བ་ཡང་ཡང་བྱེད་པ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः सङ्कर्षणाय च ॥ प्रद्युम्नायानिरुद्धाय नमः पुरुषशक्तये ॥ नारायणाय ऋषये नमो मन्दरधारिणे ॥ नमो हिरण्यवर्णाय हिरण्यकशिपुत्वचे ॥ पुरुषाय महाहंसाय विमलाय नमो नमः ॥ नमः कमलनेत्राय नमः कमलमालिने ॥ नमः कमलकिञ्जल्कपीतनिर्मलवाससे ॥ नमस्त्रैलोक्यसारायामृतायामृतजन्मने ॥ उत्पत्त्यनन्तरूपाय नमः सङ्कल्पयोनये ॥ नमः कमलकोशाय कमलाक्षाय ते नमः ॥ नमः कमलकिञ्जल्कसंस्पर्धिवपुषे नमः ॥ नमः कमलहस्ताय कमलोत्पत्तिहेतवे ॥ नमः पद्मविशालाय पद्मनाभाय ते नमः ॥ नमः पद्मप्रतीकाशहृदयाय नमो नमः ॥ नमः पद्मपलाशाक्ष पद्मकिञ्जल्कवाससे ॥ नमः पद्मनिवासाय पद्मिनीपतये नमः ॥ नमः पद्मविकासाय पद्मिनीपतये नमः ॥ नमः पद्मविकासाय पद्मिनीपतये नमः ॥ नमः पद्मविक

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः सङ्कर्षणाय प्रद्युम्नायानिरुद्धाय नमो नमो वासुदेवाय नमो नमो भगवते वासुदेवाय नमो नमो भगवते वासुदेवाय नमो नमो भगवते

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय भूरिभयभैरवभीषणाय महाकायकायाय महाकालरूपिणे त्रिपुरान्तकाय त्रिशूलडमरुकपालखट्वाङ्गधराय
नागयज्ञोपवीतिने नागकुण्डलिने नागहाराय नागकेयूराय नागकर्णवीराय नागोत्तरासङ्गाय नागाजिनकृतकटिबन्धनाय नागराजाधिष्ठानाय
नागराजवेष्टिताय नागराजाभरणाय नागराजाधिपतये नागराजाधिष्ठिताय नागराजाभिषिक्ताय नागराजाभिषेकाय नागराजाभिषेकिताय
नागराजाभिषेकितशिरसे नागराजाभिषेकितमूर्धजाय नागराजाभिषेकितललाटाय नागराजाभिषेकितकर्णाय नागराजाभिषेकितनेत्राय
नागराजाभिषेकितनासिकाय नागराजाभिषेकितमुखाय नागराजाभिषेकितग्रीवाय नागराजाभिषेकितहृदयाय नागराजाभिषेकितोदराय
नागराजाभिषेकितनाभये नागराजाभिषेकितपार्श्वाय नागराजाभिषेकितपृष्ठाय नागराजाभिषेकितगुह्याय नागराजाभिषेकितोरुजानुजङ्घाय
नागराजाभिषेकितपादाय नागराजाभिषेकितसर्वाङ्गाय नागराजाभिषेकितसर्वावयवाय नागराजाभिषेकितसर्वशरीराय नागराजाभिषेकितसर्वाङ्गप्रत्यङ्गाय
नागराजाभिषेकितसर्वाङ्गप्रत्यङ्गोपाङ्गाय नागराजाभिषेकितसर्वाङ्गप्रत्यङ्गोपाङ्गसन्धिबन्धनाय नागराजाभिषेकितसर्वाङ्गप्रत्यङ्गोपाङ्गसन्धिबन्धनस्नायवे
नागराजाभिषेकितसर्वाङ्गप्रत्यङ्गोपाङ्गसन्धिबन्धनस्नायुसिराय नागराजाभिषेकितसर्वाङ्गप्रत्यङ्गोपाङ्गसन्धिबन्धनस्नायुसिरामांसाय नागराजाभिषेकितसर्वाङ्गप्रत्यङ्गोपाङ्गसन्धिबन्धनस्नायुसिरामांसरुधिराय
नागराजाभिषेकितसर्वाङ्गप्रत्यङ्गोपाङ्गसन्धिबन्धनस्नायुसिरामांसरुधिरत्वचे नागराजाभिषेकितसर्वाङ्गप्रत्यङ्गोपाङ्गसन्धिबन्धनस्नायुसिरामांसरुधिरत्वगस्थिमज्जाय
नागराजाभिषेकितसर्वाङ्गप्रत्यङ्गोपाङ्गसन्धिबन्धनस्नायुसिरामांसरुधिरत्वगस्थिमज्जाशुक्राय नागराजाभिषेकितसर्वाङ्गप्रत्यङ्गोपाङ्गसन्धिबन्धनस्नायुसिरामांसरुधिरत्वगस्थिमज्जाशुक्रौजसे
नागराजाभिषेकितसर्वाङ्गप्रत्यङ्गोपाङ्गसन्धिबन्धनस्नायुसिरामांसरुधिरत्वगस्थिमज्जाशुक्रौजसे नागराजाभिषेकितसर्वाङ्गप्रत्यङ्गोपाङ्गसन्धिबन्धनस्नायुसिरामांसरुधिरत्वगस्थिमज्जाशुक्रौजसे
नागराजाभिषेकितसर्वाङ्गप्रत्यङ्गोपाङ्गसन्धिबन्धनस्नायुसिरामांसरुधिरत्वगस्थिमज्जाशुक्रौजसे नागराजाभिषेकितसर्वाङ्गप्रत्यङ्गोपाङ्गसन्धिबन्धनस्नायुसिरामांसरुधिरत्वगस्थिमज्जाशुक्रौजसे

ཀཀ་ཀཀ་ཀཀ་

ཀཱཀཱཀཱ

॥ ॥ ॥

ཀཀཀ་ཀཀཀ་ཀཀཀ་

ॐ नमश्चण्डिकायै ॥ मार्कण्डेय उवाच ॥ सावर्णिः सूर्यतनयो यो मनुः कथ्यतेऽष्टमः ॥ निशामय तदुत्पत्तिं विस्तराद्गदतो मम ॥ १ ॥ महामायानुभावेन यथा मन्वन्तराधिपः ॥ स बभूव महाभागः सावर्णिर्भास्करोद्भवः ॥ २ ॥ स्वारोचिषेऽन्तरे पूर्वं चैत्रवंशसमुद्भवः ॥ सुरथो नाम राजाभूत्समस्ते क्षितिमण्डले ॥ ३ ॥ तस्य पालयतः सम्यक्प्रजाः पुत्रानिवौरसान् ॥ बभूवुः शत्रवो भूपाः कोलाविध्वंसिनस्तदा ॥ ४ ॥ तस्य तैरभवद्युद्धमतिप्रबलदण्डिनः ॥ न्यूनैरपि परैर्जित्यः स बभूवाद्रिसन्निभैः ॥ ५ ॥ ततः स्वपुरमायातो निजदेशाधिपोऽभवत् ॥ आक्रान्तः स महाभागस्तैस्तदा प्रबलारिभिः ॥ ६ ॥ अमात्यैर्बलिभिर्दुष्टैर्दुर्बलस्य दुरात्मभिः ॥ कोशो बलं चापहृतं तत्रापि स्वपुरे ततः ॥ ७ ॥ ततो मृगयाव्याजेन हृतस्वाम्यः स भूपतिः ॥ एकाकी हयमारुह्य जगाम गहनं वनं ॥ ८ ॥ तत्र ददर्श विपिने कस्यचिन्मुनिसत्तमस्य ॥ आश्रमं शान्तसिंहादिमृगव्रातसमाकुलं ॥ ९ ॥ स तत्राश्रमवासिभिर्मुनिभिः सत्कृतो मुनेः ॥ मुनिवृत्तिं समास्थाय कंचित्कालं न्यवात्सीत् ॥ १० ॥ ॥ ॐ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ཀཱཾ ཀཱཾ ཀཱཾ

ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་

ཀྱེ་ཧེ་ཧེ་ཧ

ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་སྭཱཧཱ།།

ཀཱ་ལི། ། དཔལ་ཆེན་ཕོ་བྲང་

ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་

ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सः युगलाय नमः स्वाहा ॥

ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཧཱུྃ་ཧཱུྃ་

ꠀꠀꠀ

ॐ श्रीपरमात्मने नमः ॥ अथैकादशोऽध्यायः ॥ अर्जुन उवाच ॥ मदनुग्रहाय परमं गुह्यमध्यात्मसंज्ञितम् ॥ यत्त्वयोक्तं वचस्तेन मोहोऽयं विगतो मम ॥ १ ॥ भवाप्ययौ हि भूतानां श्रुतौ विस्तरशो मया ॥ त्वत्तः कमलपत्राक्ष माहात्म्यमपि चाव्ययम् ॥ २ ॥ एवमेतद्यथात्थ त्वमात्मानं परमेश्वर ॥ द्रष्टुमिच्छामि ते रूपमैश्वरं पुरुषोत्तम ॥ ३ ॥ मन्यसे यदि तच्छक्यं मया द्रष्टुमिति प्रभो ॥ योगेश्वर ततो मे त्वं दर्शयात्मानमव्ययम् ॥ ४ ॥ श्रीभगवानुवाच ॥ पश्य मे पार्थ रूपाणि शतशोऽथ सहस्रशः ॥ नानाविधानि दिव्यानि नानावर्णाकृतीनि च ॥ ५ ॥ पश्यादित्यान्वसून्रुद्रानश्विनौ मरुतस्तथा ॥ बहून्यदृष्टपूर्वाणि पश्याश्चर्याणि भारत ॥ ६ ॥ इहैकस्थं जगत्कृत्स्नं पश्याद्य सचराचरम् ॥ मम देहे गुडाकेश यच्चान्यद्द्रष्टुमिच्छसि ॥ ७ ॥ न तु मां शक्यसे द्रष्टुमनेनैव स्वचक्षुषा ॥ दिव्यं ददामि ते चक्षुः पश्य मे योगमैश्वरम् ॥ ८ ॥ संजय उवाच ॥ एवमुक्त्वा ततो राजन्महायोगेश्वरो हरिः ॥ दर्शयामास पार्थाय परमं रूपमैश्वरम् ॥ ९ ॥ अनेकवक्त्रनयनमनेकाद्भुतदर्शनम् ॥ अनेकदिव्याभरणं दिव्यानेकोद्यतायुधम् ॥ १० ॥ दिव्यमाल्याम्बरधरं दिव्यगन्धानुलेपनम् ॥ सर्वाश्चर्यमयं देवमनन्तं विश्वतोमुखम् ॥ ११ ॥ दिवि सूर्यसहस्रस्य भवेद्युगपदुत्थिता ॥ यदि भाः सदृशी सा स्याद्भासस्तस्य महात्मनः ॥ १२ ॥ तत्रैकस्थं जगत्कृत्स्नं प्रविभक्तमनेकधा ॥ अपश्यद्देवदेवस्य शरीरे पाण्डवस्तदा ॥ १३ ॥ ततः स विस्मयाविष्टो हृष्टरोमा धनंजयः ॥ प्रणम्य शिरसा देवं कृताञ्जलिरभाषत ॥ १४ ॥ अर्जुन उवाच ॥ पश्यामि देवांस्तव देव देहे सर्वांस्तथा भूतविशेषसंघान् ॥ ब्रह्माणमीशं कमलासनस्थमृषींश्च सर्वानुरगांश्च दिव्यान् ॥ १५ ॥ अनेकबाहूदरवक्त्रनेत्रं पश्यामि त्वां सर्वतोऽनन्तरूपम् ॥ नान्तं न मध्यं न पुनस्तवादिं पश्यामि विश्वेश्वर विश्वरूप ॥ १६ ॥ किरीटिनं गदिनं चक्रिणं च तेजोराशिं सर्वतो दीप्तिमन्तम् ॥ पश्यामि त्वां दुर्निरीक्ष्यं समन्ताद्दीप्तानलार्कद्युतिमप्रमेयम् ॥ १७ ॥ त्वमक्षरं परमं वेदितव्यं त्वमस्य विश्वस्य परं निधानम् ॥ त्वमव्ययः शाश्वतधर्मगोप्ता सनातनस्त्वं पुरुषो मतो मे ॥ १८ ॥ अनादिमध्यान्तमनन्तवीर्यमनन्तबाहुं शशिसूर्यनेत्रम् ॥ पश्यामि त्वां दीप्तहुताशवक्त्रं स्वतेजसा विश्वमिदं तपन्तम् ॥ १९ ॥ द्यावापृथिव्योरिदमन्तरं हि व्याप्तं त्वयैकेन दिशश्च सर्वाः ॥ दृष्ट्वाद्भुतं रूपमुग्रं तवेदं लोकत्रयं प्रव्यथितं महात्मन् ॥ २० ॥ अमी हि त्वां सुरसंघा विशन्ति केचिद्भीताः प्राञ्जलयो गृणन्ति ॥ स्वस्तीत्युक्त्वा महर्षिसिद्धसंघाः स्तुवन्ति त्वां स्तुतिभिः पुष्कलाभिः ॥ २१ ॥ रुद्रादित्या वसवो ये च साध्या विश्वेऽश्विनौ मरुतश्चोष्मपाश्च ॥ गन्धर्वयक्षासुरसिद्धसंघा वीक्षन्ते त्वां विस्मिताश्चैव सर्वे ॥ २२ ॥ रूपं महत्ते बहुवक्त्रनेत्रं महाबाहो बहुबाहूरुपादम् ॥ बहूदरं बहुदंष्ट्राकरालं दृष्ट्वा लोकाः प्रव्यथितास्तथाहम् ॥ २३ ॥ नभःस्पृशं दीप्तमनेकवर्णं व्यात्ताननं दीप्तविशालनेत्रम् ॥ दृष्ट्वा हि त्वां प्रव्यथितान्तरात्मा धृतिं न विन्दामि शमं च विष्णो ॥ २४ ॥ दंष्ट्राकरालानि च ते मुखानि दृष्ट्वैव कालानलसन्निभानि ॥ दिशो न जाने न लभे च शर्म प्रसीद देवेश जगन्निवास ॥ २५ ॥ अमी च त्वां धृतराष्ट्रस्य पुत्राः सर्वे सहैवावनिपालसंघैः ॥ भीष्मो द्रोणः सूतपुत्रस्तथासौ सहास्मदीयैरपि योधमुख्यैः ॥ २६ ॥ वक्त्राणि ते त्वरमाणा विशन्ति दंष्ट्राकरालानि भयानकानि ॥ केचिद्विलग्ना दशनान्तरेषु संदृश्यन्ते चूर्णितैरुत्तमाङ्गैः ॥ २७ ॥ यथा नदीनां बहवोऽम्बुवेगाः समुद्रमेवाभिमुखा द्रवन्ति ॥ तथा तवामी नरलोकवीरा विशन्ति वक्त्राण्यभिविज्वलन्ति ॥ २८ ॥ यथा प्रदीप्तं ज्वलनं पतङ्गा विशन्ति नाशाय समृद्धवेगाः ॥ तथैव नाशाय विशन्ति लोकास्तवापि वक्त्राणि समृद्धवेगाः ॥ २९ ॥ लेलिह्यसे ग्रसमानः समन्ताल्लोकान्समग्रान्वदनैर्ज्वलद्भिः ॥ तेजोभिरापूर्य जगत्समग्रं भासस्तवोग्राः प्रतपन्ति विष्णो ॥ ३० ॥ आख्याहि मे को भवानुग्ररूपो नमोऽस्तु ते देववर प्रसीद ॥ विज्ञातुमिच्छामि भवन्तमाद्यं न हि प्रजानामि तव प्रवृत्तिम् ॥ ३१ ॥ श्रीभगवानुवाच ॥ कालोऽस्मि लोकक्षयकृत्प्रवृद्धो लोकान्समाहर्तुमिह प्रवृत्तः ॥ ऋतेऽपि त्वां न भविष्यन्ति सर्वे येऽवस्थिताः प्रत्यनीकेषु योधाः ॥ ३२ ॥ तस्मात्त्वमुत्तिष्ठ यशो लभस्व जित्वा शत्रून्भुङ्क्ष्व राज्यं समृद्धम् ॥ मयैवैते निहताः पूर्वमेव निमित्तमात्रं भव सव्यसाचिन् ॥ ३३ ॥ द्रोणं च भीष्मं च जयद्रथं च कर्णं तथान्यानपि योधवीरान् ॥ मया हतांस्त्वं जहि मा व्यथिष्ठा युध्यस्व जेतासि रणे सपत्नान् ॥ ३४ ॥ संजय उवाच ॥ एतच्छ्रुत्वा वचनं केशवस्य कृताञ्जलिर्वेपमानः किरीटी ॥ नमस्कृत्वा भूय एवाह कृष्णं सगद्गदं भीतभीतः प्रणम्य ॥ ३५ ॥ अर्जुन उवाच ॥ स्थाने हृषीकेश तव प्रकीर्त्या जगत्प्रहृष्यत्यनुरज्यते च ॥ रक्षांसि भीतानि दिशो द्रवन्ति सर्वे नमस्यन्ति च सिद्धसंघाः ॥ ३६ ॥ कस्माच्च ते न नमेरन्महात्मन्गरीयसे ब्रह्मणोऽप्यादिकर्त्रे ॥ अनन्त देवेश जगन्निवास त्वमक्षरं सदसत्तत्परं यत् ॥ ३७ ॥ त्वमादिदेवः पुरुषः पुराणस्त्वमस्य विश्वस्य परं निधानम् ॥ वेत्तासि वेद्यं च परं च धाम त्वया ततं विश्वमनन्तरूप ॥ ३८ ॥ वायुर्यमोऽग्निर्वरुणः शशाङ्कः प्रजापतिस्त्वं प्रपितामहश्च ॥ नमो नमस्तेऽस्तु सहस्रकृत्वः पुनश्च भूयोऽपि नमो नमस्ते ॥ ३९ ॥ नमः पुरस्तादथ पृष्ठतस्ते नमोऽस्तु ते सर्वत एव सर्व ॥ अनन्तवीर्यामितविक्रमस्त्वं सर्वं समाप्नोषि ततोऽसि सर्वः ॥ ४० ॥ सखेति मत्वा प्रसभं यदुक्तं हे कृष्ण हे यादव हे सखेति ॥ अजानता महिमानं तवेदं मया प्रमादात्प्रणयेन वापि ॥ ४१ ॥ यच्चावहासार्थमसत्कृतोऽसि विहारशय्यासनभोजनेषु ॥ एकोऽथवाप्यच्युत तत्समक्षं तत्क्षामये त्वामहमप्रमेयम् ॥ ४२ ॥ पितासि लोकस्य चराचरस्य त्वमस्य पूज्यश्च गुरुर्गरीयान् ॥ न त्वत्समोऽस्त्यभ्यधिकः कुतोऽन्यो लोकत्रयेऽप्यप्रतिमप्रभाव ॥ ४३ ॥ तस्मात्प्रणम्य प्रणिधाय कायं प्रसादये त्वामहमीशमीड्यम् ॥ पितेव पुत्रस्य सखेव सख्युः प्रियः प्रियायार्हसि देव सोढुम् ॥ ४४ ॥ अदृष्टपूर्वं हृषितोऽस्मि दृष्ट्वा भयेन च प्रव्यथितं मनो मे ॥ तदेव मे दर्शय देव रूपं प्रसीद देवेश जगन्निवास ॥ ४५ ॥ किरीटिनं गदिनं चक्रहस्तमिच्छामि त्वां द्रष्टुमहं तथैव ॥ तेनैव रूपेण चतुर्भुजेन सहस्रबाहो भव विश्वमूर्ते ॥ ४६ ॥ श्रीभगवानुवाच ॥ मया प्रसन्नेन तवार्जुनेदं रूपं परं दर्शितमात्मयोगात् ॥ तेजोमयं विश्वमनन्तमाद्यं यन्मे त्वदन्येन न दृष्टपूर्वम् ॥ ४७ ॥ न वेदयज्ञाध्ययनैर्न दानैर्न च क्रियाभिर्न तपोभिरुग्रैः ॥ एवंरूपः शक्य अहं नृलोके द्रष्टुं त्वदन्येन कुरुप्रवीर ॥ ४८ ॥ मा ते व्यथा मा च विमूढभावो दृष्ट्वा रूपं घोरमीदृङ्ममेदम् ॥ व्यपेतभीः प्रीतमनाः पुनस्त्वं तदेव मे रूपमिदं प्रपश्य ॥ ४९ ॥ संजय उवाच ॥ इत्यर्जुनं वासुदेवस्तथोक्त्वा स्वकं रूपं दर्शयामास भूयः ॥ आश्वासयामास च भीतमेनं भूत्वा पुनः सौम्यवपुर्महात्मा ॥ ५० ॥ अर्जुन उवाच ॥ दृष्ट्वेदं मानुषं रूपं तव सौम्यं जनार्दन ॥ इदानीमस्मि संवृत्तः सचेताः प्रकृतिं गतः ॥ ५१ ॥ श्रीभगवानुवाच ॥ सुदुर्दर्शमिदं रूपं दृष्टवानसि यन्मम ॥ देवा अप्यस्य रूपस्य नित्यं दर्शनकाङ्क्षिणः ॥ ५२ ॥ नाहं वेदैर्न तपसा न दानेन न चेज्यया ॥ शक्य एवंविधो द्रष्टुं दृष्टवानसि यन्मम ॥ ५३ ॥ भक्त्या त्वनन्यया शक्य अहमेवंविधोऽर्जुन ॥ ज्ञातुं द्रष्टुं च तत्त्वेन प्रवेष्टुं च परंतप ॥ ५४ ॥ मत्कर्मकृन्मत्परमो मद्भक्तः सङ्गवर्जितः ॥ निर्वैरः सर्वभूतेषु यः स मामेति पाण्डव ॥ ५५ ॥ ॐ तत्सदिति श्रीमद्भगवद्गीतासूपनिषत्सु ब्रह्मविद्यायां योगशास्त्रे श्रीकृष्णार्जुनसंवादे विश्वरूपदर्शनयोगो नाम एकादशोऽध्यायः ॥ ११ ॥

ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་སྭཱཧཱ།

ਸਲੋਕ ਮਃ ੩ ॥ ਸਾਚੁ ਸਾਹਿਬੁ ਸਾਚੁ ਤਪਾਵਸੁ ਸਾਚੁ ਨਿਆਉ ਸਾਚੁ ਧਰਮੁ ਦੀਬਾਣੁ ॥ ਸਾਚੁ ਕਰਮ ਦੋਵੈ ਸਾਚੁ ਫੁਰਮਾਇਆ ਸਾਚੁ ਹੁਕਮੁ ਪਰਵਾਣੁ ॥ ਸਾਚੁ ਕਰਣੀ ਸਾਚੁ ਬੋਲਣਾ ਸਾਚੁ ਸਿਫਤਿ ਸਚੁ ਨਾਉ ॥ ਸਾਚੁ ਸਾਹਿਬ ਸਾਚੁ ਤੂ ਹੈ ਸਾਚੁ ਸੇਵਕੁ ਸਾਚੁ ਸੁਆ

ಶ್ರೀ ಸಿದ್ಧೇಶ್ವರಾಯ ನಮಃ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः सङ्कर्षणाय पुरुषाय महाविभूतिपतये सहस्रशीर्षाय क्षीराब्धिशायिने शेषभोगपर्यङ्काय गरुडवाहनाय अमोघाय अजाय अजिताय पीतवाससे शार्ङ्गशङ्गचक्रगदाखड्गपाशाङ्कुशधराय श्रीवत्सकौस्तुभवनमालाय शोभमानाय कृष्णाय दामोदराय विष्णवे प्रद्युम्नायानिरुद्धाय नारायणाय परब्रह्मणे गोविन्दाय गोपीजनवल्लभाय जनार्दनाय नन्दगोपकुमाराय यशोदावत्सलाय हरये सर्वग्रहरूपिणे सर्वग्रहविनाशकारिणे सर्वदुष्टभयङ्कराय सर्वदुष्टान्तकाय सर्वरोगहराय सर्वपापक्षयकराय सर्वस्थावरजङ्गमसर्वदुष्टसर्वविषसर्वज्वरसर्वभूतसर्वग्रहनिवारणाय सर्वकामफलप्रदाय सर्वसौभाग्यदाय सर्वसम्पत्करणाय सर्वमङ्गलकारणाय सर्वकर्मसाक्षिणे सर्वकर्मफलप्रदाय सर्वकर्मविवर्जिताय सर्वकर्मबन्धविमोचनाय सर्वकर्मनिर्मूलनकारणाय सर्वकर्मक्षयकराय सर्वकर्मप्रवर्तकाय सर्वकर्मप्रेरकाय सर्वकर्मनिवर्तकाय सर्वकर्मनिर्मूल

ཀཱཏྱཱཡནཱཡ ཏཏྭཱཡ

ཀྱི་ཀྱི་ཀྱི་

ཀཱཡཱཡཱཡ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो नारायणाय ॥ ॐ नमो विष्णवे प्रभविष्णवे ॥ श्रीमते पुरुषोत्तमाय नमः ॥

ཀུ་ཤ་ཀ་ཤ་ཀ་ཤ་ཀ

ཀུན་ཏུ་སྤྱོད་པ་ཡི་ཏིང་ངེ་འཛིན་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡུལ་ཅན་ཡིན་ཏེ། ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ

ज्ञानसुखमनन्तवीर्यमनन्तं च दर्शनं ज्ञानं च सुखं च वीर्यं च दर्शनज्ञानसुखवीर्याणि तान्यनन्तानि यस्य स दर्शनज्ञानसुखवीर्यानन्तः
तस्य भावो दर्शनज्ञानसुखवीर्यानन्तत्वं तस्मात् दर्शनज्ञानसुखवीर्यानन्तत्वात् । किं कृत्वा । अनुभूय । किं तत् । आत्मोपादानसिद्धं
आत्मा उपादानं कारणं यस्य तत् आत्मोपादानं तच्च तत् सिद्धं च आत्मोपादानसिद्धं । किं विशिष्टं सत् । स्वयमेव स्वयमेव
स्वयं स्वयमेव । पुनः किं विशिष्टं । अतीन्द्रियं इन्द्रियाणि अतिक्रान्तानि अतीन्द्रियं । पुनः किं विशिष्टं । अनुपमं उपमा न विद्यते
यस्य तत् अनुपमं । पुनः किं विशिष्टं । अनन्तं अन्तो न विद्यते यस्य तत् अनन्तं । पुनः किं विशिष्टं । अच्छेद्यं छेत्तुं योग्यं न
भवति तत् अच्छेद्यं । पुनः किं विशिष्टं । अविच्छिन्नं विच्छिन्नं न भवति तत् अविच्छिन्नं । पुनः किं विशिष्टं । अविच्छेद्यं
विच्छेत्तुं योग्यं न भवति तत् अविच्छेद्यं । पुनः किं विशिष्टं । अविकारं विकारो न विद्यते यस्य तत् अविकारं । पुनः किं
विशिष्टं । अनुपचारं उपचारो न विद्यते यस्य तत् अनुपचारं । पुनः किं विशिष्टं । अनवद्यं अवद्यं न विद्यते यस्य तत्
अनवद्यं । पुनः किं विशिष्टं । अनाबाधं आबाधा न विद्यते यस्य तत् अनाबाधं । पुनः किं विशिष्टं । अक्षयं क्षयो न विद्यते
यस्य तत् अक्षयं । पुनः किं विशिष्टं । अनन्तं अन्तो न विद्यते यस्य तत् अनन्तं । पुनः किं विशिष्टं । अव्याबाधं व्याबाधा न
विद्यते यस्य तत् अव्याबाधं । पुनः किं विशिष्टं । अपुनर्भवं भवो न विद्यते यस्य तत् अपुनर्भवं । पुनः किं विशिष्टं । अपुनरावृत्ति
आवृत्तिर्न विद्यते यस्य तत् अपुनरावृत्ति । पुनः किं विशिष्टं । शाश्वतं शश्वद्भवं शाश्वतं । पुनः किं विशिष्टं । अनन्तसुखं
अनन्तं च तत् सुखं च अनन्तसुखं । पुनः किं विशिष्टं । अनन्तवीर्यं अनन्तं च तत् वीर्यं च अनन्तवीर्यं । पुनः किं विशिष्टं ।
अनन्तलोकालोकप्रकाशनं अनन्तलोकालोकयोः प्रकाशनं अनन्तलोकालोकप्रकाशनं । पुनः किं विशिष्टं । अनन्तलोकालोकालोडनं
अनन्तलोकालोकयोः आलोडनं अनन्तलोकालोकालोडनं । पुनः किं विशिष्टं । अनन्तलोकालोकविलोडनं अनन्तलोकालोकयोः
विलोडनं अनन्तलोकालोकविलोडनं । पुनः किं विशिष्टं । अनन्तलोकालोकविलोलनं अनन्तलोकालोकयोः विलोलनं
अनन्तलोकालोकविलोलनं । पुनः किं विशिष्टं । अनन्तलोकालोकविलोकनं अनन्तलोकालोकयोः विलोकनं
अनन्तलोकालोकविलोकनं । पुनः किं विशिष्टं । अनन्तलोकालोकावलोकनं अनन्तलोकालोकयोः अवलोकनं
अनन्तलोकालोकावलोकनं । पुनः किं विशिष्टं । अनन्तलोकालोकसंलोकनं अनन्तलोकालोकयोः संलोकनं
अनन्तलोकालोकसंलोकनं । पुनः किं विशिष्टं । अनन्तलोकालोकसंलोडनं अनन्तलोकालोकयोः संलोडनं
अनन्तलोकालोकसंलोडनं । पुनः किं विशिष्टं । अनन्तलोकालोकसंविलोडनं अनन्तलोकालोकयोः संविलोडनं
अनन्तलोकालोकसंविलोडनं । पुनः किं विशिष्टं । अनन्तलोकालोकसंविलोलनं अनन्तलोकालोकयोः संविलोलनं
अनन्तलोकालोकसंविलोलनं । पुनः किं विशिष्टं । अनन्तलोकालोकसंविलोकनं अनन्तलोकालोकयोः संविलोकनं
अनन्तलोकालोकसंविलोकनं । पुनः किं विशिष्टं । अनन्तलोकालोकसंवलोकनं अनन्तलोकालोकयोः संवलोकनं
अनन्तलोकालोकसंवलोकनं । पुनः किं विशिष्टं । अनन्तलोकालोकसंवलोडनं अनन्तलोकालोकयोः संवलोडनं
अनन्तलोकालोकसंव

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः सङ्कर्षणाय प्रद्युम्नायानिरुद्धाय नमो नमो विश्वरूपाय विश्वस्थित्युद्भवसंहारकारणाय त्रिभूतये सर्वभूतात्मसंज्ञितपरमब्रह्मभूताय नमः ॥

॥ ४८ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ꠢꠣꠞꠤ ꠢꠣꠞꠤ ꠢꠣꠞꠤ

ཨཱཡུཥྨཱན་ཤཱརིཔུཏྲ། ཡཏ་ཏྭཡཱ་ཨཱཙཀྵྱཾ་ཏཏ་ཏཐཱགཏེན་ཨརྷཏཱ་སམྱཀ་སཾབུདྡྷེན་ཨཱཙཀྵྱཾ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ཀཱ་ཏནྲ་ཊཱི་ཀཱ།

ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཨཱཿཧཱུྃ

ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ། ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ། ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ།

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः पितामहाय ॥ ॐ नमः प्रजापतये ॥ ॐ नमः सर्वविघ्नविनायकेभ्यः ॥ ॐ नमः सर्वगणाधिपतये ॥ ॐ नमः सर्वविद्याधिपतये ॥ ॐ नमः सर्वभूतेभ्यः ॥ ॐ नमः सर्वेभ्यः ॥ ॐ नमः सर्वेभ्यः ॥ ॐ नमः सर्व

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ཀཱཡཱ་ཡཱ་ཡཱ་

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः सङ्कर्षणाय प्रद्युम्नायानिरुद्धाय नमो नमो वासुदेवाय नमो नमो भगवते वासुदेवाय नमो नमो भगवते वासुदेवाय नमो नमो भगवते

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवत्यै आर्यतारायै सर्वसत्त्वहितायै सर्वसत्त्वसुखायै सर्वसत्त्वपरित्राणायै सर्वसत्त्वपरिपाचनायै सर्वसत्त्वपरिमोचनायै सर्वसत्त्वाभयदायै सर्वसत्त्वसमाश्वासनायै सर्वसत्त्वसंजीवनायै सर्वसत्त्वसंरक्षणायै सर्वसत्त्वसंपूरणायै सर्वसत्त्वसंतर्पणायै सर्वसत्त्वसंमोदनायै सर्वसत्त्वसंवर्धनायै सर्वसत्त्वसंपोषण

ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय भूरिभयभैरवभीषणाय उग्रविषमविषसंघातनाशनाय अकालमृत्युविनाशनाय सर्वदुष्टग्रहनिवारणाय सर्वव्याधिविनाशनाय सर्वदुष्टभूतप्रमथनाय सर्वदुष्टचित्तविद्रावणाय सर्वशत्रुसंघातविदारणाय सर्वदुष्टप्रदुष्टानां मुखस्तंभनकराय सर्वदुष्टानां दृष्टिस्तंभनकराय सर्वदुष्टानां गतिविमोहनकराय सर्वदुष्टानां वाक्यस्तंभनकराय सर्वदुष्टानां हस्तपादादीनां स्तंभनकराय सर्वदुष्टानां सर्वेंद्रियाणां स्तंभनकराय सर्वदुष्टानां सर्वकर्मक्षयकराय सर्वदुष्टानां सर्वविद्याछेदनकराय सर्वदुष्टानां सर्वशस्त्रास्त्रविषाग्निदाहकराय सर्वदुष्टानां सर्वशस्त्रास्त्रविषाग्निस्तंभनकराय सर्वदुष्टानां सर्वशस्त्रास्त्रविषाग्निविनाशनकराय सर्वदुष्टानां सर्वशस्त्रास्त्रविषाग्निविद्रावणकराय सर्वदुष्टानां सर्वशस्त्रास्त्रविषाग्निविमोहनकराय सर्वदुष्टानां सर्वशस्त्रास्त्रविषाग्निविदारण

ཀྱི་ཚིག་ཏུ་ཡང་ཡོད་ཅིང་། ཡང

ཀཱཀཱ་ཀཱ་ཀཱ་

ཨཱཡུཥྨཱན་ཨཱཡུཥྨཱན་ཨཱཡུཥྨཱན་

ཀཱཡཱ་ཝཱཙཱ་མནསཱ་ཀརྨཎཱ་ཡཏ་ཀིཉྩིཏ་ཀུཤལཾ་ཏཏ་སཀལཾ་ཏཱ་ཡཱ་ཡཱ་ཏཱ་ཡཱ་ཡཱ་ཏཱ་ཡཱ་ཡཱ

།ཤེས་རབ་ཀྱི་ཕ་རོལ་ཏུ་ཕྱིན་པ་ཡི་ཡི་གེ་ཀ་ཁ་ག་ཅ།

ཀཱ་ཤི་ཀཱ་ཡཱཾ། ཀཱ་ཤི་ཀཱ་ཡཱཾ། ཀཱ་ཤི་ཀཱ་ཡཱཾ།

ಕಾಲಜ್ಞಾನ ಪ್ರಾರಂಭ ಮಾಡಿದ ಸಮಯ

ظاهرة. والمعاني الواضحة لا تحتاج إلى تفسير. والمعاني الغامضة تحتاج إلى تفسير. ٥ أيها الإخوة والأخوات المحترمون. أسأل الله تعالى أن يجعل هذه المحاضرة مفيدة لنا جميعا. والمعاني الواضحة لا تحتاج إلى تفسير. والمعاني الغامضة تحتاج إلى تفسير. وهذه المحاضرة تحتاج إلى تفسير. والمعاني الواضحة لا تحتاج إلى تفسير. والمعاني الغامضة تحتاج إلى تفسير. وهذه المحاضرة تحتاج إلى تفسير. والمعاني الواضحة لا تحتاج إلى تفسير. والمعاني الغامضة تحتاج إلى تفسير. وهذه المحاضرة تحتاج إلى تفسير. والمعاني الواضحة لا تحتاج إلى تفسير. والمعاني الغامضة تحتاج إلى تفسير. وهذه المحاضرة تحتاج إلى تفسير.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः सङ्कर्षणाय प्रद्युम्नायानिरुद्धाय नमो नमो विश्वरूपाय विश्वस्थित्युद्भवसंहारकारणाय त्रयीतनवे तुभ्यं सर्गस्थित्यन्तकारिणे त्रिगुणात्मने त्रिविक्रमाय नमो नमः शिवाय शिवरूपाय शिवकरायाघोराय घोरघोरतराय सर्वतत्त्वसंहारकारिणे कालरुद्राय नमो नमः पुरुषाय पुरुषोत्तमाय सत्याय सत्यसङ्कल्पाय सत्यभूताय सत्यसम्भवाय सत्यनेत्राय सत्यरूपाय सत्याधिपतये पुरुषाय महापुरुषाय महाप्रभावाय महाशक्तये महाबलाय महाबुद्धये महाविक्रमाय महावीर्याय महागुणाय महाकारुणिकाय महाकाराय महाज्ञानाय महायोगाय महाधर्माधिपतये महाधर्मप्रवर्तकाय महाधर्मदाय महाधर्मिणे महाधर्मवेदिने महाधर्मनेत्राय महाधर्मनिधये महाधर्मिष्ठाय महाधर्मपतये महाधर्मकेतवे महाधर्मकर्त्रे महाधर्मविदे महाधर्मगुह्याय महाधर्मसाधनाय महाधर्मसाधकाय महाधर्मसाध्याय महाधर्मसाधुवन्दिताय महाधर्मसाधुपूजिताय महाधर्मसाधुसेविताय महाधर्मसाधुसंसेविताय महाधर्मसाधुसंसेवकाय महाधर्मसाधुसंसेवनाय महाधर्मसाधुसंसेवनीयाय महाधर्मसाधुसंसेवनीयतमाय महाधर्मसाधुसंसेवनीयतमतमाय महाधर्मसाधुसंसेवनीयतमतमतमाय महाधर्मसाधुसंसेवनीयतमतमतमतमाय महाधर्मसाधुसंसेवनीयतमतमतमतमतमाय महाधर्मसाधुसंसेवनीयतमतमतमतमतमतमाय महाधर्मसाधुसंसेवनीयतमतमतमतमतमतमतमाय महाधर्मसाधुसंसेवनीयतमतमतमतमतमतमतमतमाय महाधर्मसाधुसंसेवनीयतमतमतमतमतमतमतमतमतमाय महाधर्मसाधुसंसेवनीयतमतमतमतमतमतमतमतमतमतमाय महाधर्मसाधुसंसेवनीयतमतमतमतमतमतमतमतमतमतमतमाय महाधर्मसाधुसंसेवनीयतमतमतमतमतमतमतमतमतमतमतमतमाय महाधर्मसाधुसंसेवनीयतमतमतमतमतमतमतमतमतमतमतमतमतमाय महाधर्मसाधुसंसेवनीयतमतमतमतमतमतमतमतमतमतमतमतमतमतमाय महाधर्मसाधुसंसेवनीयतमतमतमतमतमतमतमतमतमतमतमतमतमतमतमाय महाधर्मसाधुसंसेवनीयतमतमतमतमतमतमतमतमतमतमतमतमतमतमतमतमाय महाधर्मसाधुसंसेवनीयतमतमतमतमतमतमतमतमतमतमतमतमतमतमतमतमतमाय महाधर्मसाधुसंसेवनीयतमतमतमतमतमतमतमतमतमतमतमतमतमतमतमतमतमतमाय महाधर्मसाधुसंसेवनीयतमतमतमतमतमतमतमतमतमतमतमतमतमतमतमतमतमतमतमाय महाधर्मसाधुसंसेवनीयतमाय महाधर्मसाधुसंसेवनीयतमाय महाधर्मसाधुसंसेवनीयतमाय महाधर्मसाधुसंसेवनीयतमाय महाधर्मसाधुसंसेवनीयतमाय महाधर्मसाधुसंसेवनीयतमाय महाधर्मसाधुसंसेवनीयतमाय महाधर्मसाधुसंसेवनीयतमाय महाधर्मसाधुसंसेवनीयतमाय महाधर्मसाधुसंसेवनीयतमाय महाधर्मसाधुसंसेवनीयतमाय महाधर्मसाधुसंसेवनीयतमाय महाधर्मसाधुसंसेवनीयतमाय महाधर्मसाधुसंसेवनीयतमाय महाधर्मसाधुसंसेवनीयतमाय महाधर्मसाधुसंसेवनीयतमाय महाधर्मसाधुसंसेवनीयतमाय महाधर्मसाधुसंसेवनीयतमाय महाधर्मसाधुसंसेवनीयतमाय महाधर्मसाधुसंसेवनीयतमाय महाधर्मसाधुसंसेवनीयतमाय महाधर्मसाधुसंसेवनीयतम

ومن قال بالقول الثاني قال المراد بالمعاد المعاد الأخروي وهو الأظهر لأن المعاد الدنيوي لا يليق بالمقام لأن المشركين لا يعترفون بالمعاد الدنيوي بل ينكرونه فلا يليق بالمقام الاستدلال عليه بما يعترفون به وهو الخلق الأول وقد يقال إن المعاد الدنيوي وإن كان ينكره المشركون لكن لما كان ثابتا بالأدلة القاطعة كان الاستدلال عليه بالخلق الأول مما يليق بالمقام لأن الخلق الأول يدل على القدرة على الإعادة وهي تدل على المعاد الدنيوي والأخروي جميعا لأن القدرة على الإعادة تدل على القدرة على الإعادة مطلقا سواء كانت في الدنيا أو في الآخرة فالاستدلال بالخلق الأول على المعاد الدنيوي

ཀཀཀ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ﻣﺎﻟﻴﺰﻳﺎ ﺍﻟﻤﺘﺤﺪﺓ ﺍﻟﻤﻠﻜﻴﺔ

ॐ नमो भगवते वज्रकुमाराय महाबलपराक्रमाय महाप्रतिसराय महाविद्याराजाय महाकारुणिकाय महाप्रमुदितमानसाय महाप्रतिसरायै महाविद्याराज्ञ्यै महाकारुणिकायै महाप्रमुदितमानसायै

ཤེས་རབ་ཀྱི་ཕ་རོལ་ཏུ་ཕྱིན་པ་ལ་ཕྱག་འཚལ་ལོ། །

ཞེས། ཤཱཀྱཐུབཔཱ་ཡཱ་ཏཱ་ཡ་ནཱ་ཡ་ཏཱ་ཡ་ནཱ་ཡ་ཏཱ་ཡ་ནཱ་ཡ

ॐ नमो भगवते रुद्राय नीलकण्ठाय उग्राय कपालिने कामारये अन्धकासुरसूदनाय क्रोधाय क्रोधकराय क्रोधनाशनाय ॐ अघोराय घोरघोरतराय सर्वतः शर्वाय नमस्ते अस्तु रुद्ररूपेभ्यः ॐ नमो भगवते रुद्राय विष्णुरूपाय ब्रह्मरूपाय अग्निरूपाय सूर्यरूपाय सोमरूपाय जलरूपाय पृथ्वीरूपाय वायुरूपाय आकाशरूपाय आत्मरूपाय परमात्मरूपाय ॐ नमो भगवते रुद्राय नमो नमस्ते सकलतत्त्वात्मकाय नमो नमस्ते अस्तु रुद्रमूर्तये नमो नमस्ते अस्तु विश्वतोमुखाय विश्वं रक्ष रक्ष विश्वमूर्तये विश्वं जीवय जीवय त्रायस्व त्रायस्व कालाग्निरुद्राय कालकालाय कालाधिकालाय कालदण्डाय कालपाशाय कालान्तकाय कालरात्र्यधिष्ठात्रे काल

ཀཱཡཱ་ཡཱ་ཡཱ་

ཤཱཀྱཱཡ། ཤཱཀྱཱཡཱཡཱཡ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ปัญญาเป็นเครื่องรู้ เป็นเครื่องรู้ชัดซึ่งสภาวธรรมทั้งหลาย ไม่ข้องเกี่ยวในสภาวธรรมทั้งหลาย ดุจหยาดน้ำที่ตกลงบนใบบัว ย่อมไม่ติดอยู่ในใบบัว ฉันใด
ท่านผู้ประกอบด้วยปัญญาเป็นเครื่องรู้ ย่อมไม่ติดอยู่ในสภาวธรรมทั้งหลาย ฉันนั้น ปัญญาเป็นเครื่องรู้ ย่อมเป็นเครื่องรู้ชัดซึ่งสภาวธรรมทั้งหลาย
ว่าเป็นของไม่เที่ยง ว่าเป็นทุกข์ ว่าเป็นของไม่ใช่ตัวตน ว่าเป็นของสูญ ว่าเป็นของไม่มีนิมิต ว่าเป็นของไม่มีที่ตั้ง ว่าเป็นของไม่เกิด ว่าเป็นของไม่ดับ
ว่าเป็นของไม่มีความปรุงแต่ง ว่าเป็นของไม่มีความยินดี ว่าเป็นของไม่มีความเศร้าหมอง ว่าเป็นของสิ้นไป ว่าเป็นของเสื่อมไป ว่าเป็นของแปรไป
ว่าเป็นของไม่มีความเกิดขึ้นเป็นธรรมดา ว่าเป็นของไม่มีความตั้งอยู่เป็นธรรมดา ว่าเป็นของไม่มีความดับไปเป็นธรรมดา ว่าเป็นของไม่มีความแปรไปเป็นธรรมดา
ว่าเป็นของไม่มีความเสื่อมไปเป็นธรรมดา ว่าเป็นของไม่มีความเป็นไปเป็นธรรมดา ว่าเป็นของไม่มีความเป็นอยู่เป็นธรรมดา ว่าเป็นของไม่มีความเป็นไปเป็นธรรมดา
ว่าเป็นของไม่มีความเป็นอยู่เป็นธรรมดา ว่าเป็นของไม่มีความเป็นไปเป็นธรรมดา ว่าเป็นของไม่มีความเป็นอยู่เป็นธรรมดา ว่าเป็นของไม่มีความเป็นไปเป็นธรรมดา
ว่าเป็นของไม่มีความเป็นอยู่เป็นธรรมดา ว่าเป็นของไม่มีความเป็นไปเป็นธรรมดา ว่าเป็นของไม่มีความเป็นอยู่เป็นธรรมดา ว่าเป็นของไม่มีความเป็นไปเป็นธรรมดา
ว่าเป็นของไม่มีความเป็นอยู่เป็นธรรมดา ว่าเป็นของไม่มีความเป็นไปเป็นธรรมดา ว่าเป็นของไม่มีความเป็นอยู่เป็นธรรมดา ว่าเป็นของไม่มีความเป็นไปเป็นธรรมดา
ว่าเป็นของไม่มีความเป็นอยู่เป็นธรรมดา ว่าเป็นของไม่มีความเป็นไปเป็นธรรมดา ว่าเป็นของไม่มีความเป็นอยู่เป็นธรรมดา ว่าเป็นของไม่มีความเป็นไปเป็นธรรมดา

ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོའི་ཡབ་ལས། ཡེ་ཤེས་རྡོ་རྗེ་ཆེན་པོའི་ཡབ་ལས། སྒྲུབ་ཐབས་ཀུན་བཏུས་ཀྱི་ཆོ་ག་ལས། ཀུན་བཟང་དགོངས་པ་རྒྱལ་པོའི་ཡབ་ལས། རིག་འཛིན་ཆེན་པོའི་ཡབ་ལས། རྡོ་རྗེ་ཐེག་པ་ཆེན་པོའི་ཡབ་ལས། ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོའི་ཡབ་ལས། ཡེ་ཤེས་རྡོ་རྗེ་ཆེན་པོའི་ཡབ

ཀཀ

ཀཀ

ब्रह्मणोऽपि ब्रह्मत्वं ब्रह्मणोऽपि ब्रह्मत्वं ब्रह्मणोऽपि ब्रह्मत्वं

ཤཱཀྱཱ་ཡ་ཏི་ཀ་ཡ་ཏི་ཀ་ཡ་ཏི་ཀ

ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཐུབ་བསྟན་ཆོས་གླིང་གི་ཆོས་འབྱུང་།

ཀཱ་ཏན་ཏྲ་ཀ་ཡ་ཀ་ཏན་ཏྲ་ཀ་ཡ་ཀ་ཏན་ཏྲ་ཀ་ཡ་ཀ

ཀུན་བཟང་ཐུགས་ཀྱི་ཏིང་ངེ་འཛིན་གྱི་རྒྱལ་པོ་ཞེས་བྱ་བ་ཐེག་པ་ཆེན་པོའི་མདོ།

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः सङ्कर्षणाय प्रद्युम्नाय अनिरुद्धाय नमो नमः सहस्रशीर्षाय पुरुषाय सहस्राक्षाय सहस्रपादाय सर्वतः पाणिपादाक्षिशिरोमुखाय सर्वतः श्रुतिमते सर्वमावृत्य तिष्ठते नारायणाय महाविष्णवे महापुरुषाय महाराजाय नमः ॥ ॐ नमो नारायणाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ཀུན་ཏུ་སྤྱོད་པ་ལ་སོགས་པ་ཐེག་པ་ཆེན་པོའི་ཚུལ་ཁྲིམས་ཀྱི་ཕུང་པོ་ཡོངས་སུ་རྫོགས་པ་ཡིན་ཏེ།

ཀ་ཁ་ག་ང་ཅ་ཆ་ཇ་ཉ་ཏ་ཐ་ད་ན་པ་ཕ་བ་མ་ཙ་ཚ་ཛ་ཝ་ཞ་ཟ་འ་ཡ་ར་ལ་ཤ་ས་ཧ་ཨ་ཀྵ་

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वज्रकुमाराय महाबलपराक्रमाय महाप्रतिसराय महाविद्याराजाय महाकारुणिकाय महाप्रतिसरे महाविद्ये महाशीतवती महाशीतवती महाशीतवती

ཀཱཀཱཀཱ

ཁམས་ཀྱི་ཁམས་ཀྱི་ཁམས་ཀྱི་

ꣳ ꣳ ꣳ

ཀཀ་ཀཀ་ཀཀ་

ॐ नमो भगवते वज्रसत्त्वाय महासत्त्वाय महाकारुणिकाय महाप्रतिसंविदाप्राप्ताय महाप्रतिभानप्राप्ताय महाधर्मभाणकाय महाधर्मनिरुक्तिप्राप्ताय महाधर्मदुन्दुभिनादप्रतिलब्धाय महाधर्मवर्षाभिप्रवर्षणाय महाधर्मवृष्टिसंतर्पणाय महाधर्मवृष्टिसंतर्पितसर्वसत्त्वाय महाधर्मवृष्टिसंतर्पितसर्वसत्त्वसंतानाय महाधर्मवृष्टिसंतर्पितसर्वसत्त्वसंतानपरंपराय महाधर्मवृष्टिसंतर्पितसर्वसत्त्वसंतानपरंपराप्रतिलब्धाय महाधर्मवृष्टिसंतर्पितसर्वसत्त्वसंतानपरंपराप्रतिलब्धसर्वधर्मवशीभावप्राप्ताय महाधर्मवृष्टिसंतर्पितसर्वसत्त्वसंतानपरंपराप्रतिलब्धसर्वधर्मवशीभावप्राप्तसर्वसत्त्वाय महाधर्मवृष्टिसंतर्पितसर्वसत्त्वसंतानपरंपराप्रतिलब्धसर्वधर्मवशीभावप्राप्तसर्वसत्त्वसंतानाय महाधर्मवृष्टिसंतर्पितसर्वसत्त्वसंतानपरंपराप्रतिलब्धसर्वधर्मवशीभावप्राप्तसर्वसत्त्वसंतानपरंपराय महाधर्मवृष्टिसंतर्पितसर्वसत्त्वसंतानपरंपराप्रतिलब्धसर्वधर्मवशीभावप्राप्तसर्वसत्त्वसंतानपरंपराप्रतिलब्धाय महाधर्मवृष्टिसंतर्पितसर्वसत्त्वसंतानपरंपराप्रतिलब्धसर्वधर्मवशीभावप्राप्तसर्वसत्त्वसंतानपरंपराप्रतिलब्धसर्वधर्मवशीभावप्राप्ताय महाधर्मवृष्टिसंतर्पितसर्वसत्त्वसंतानपरंपराप्रतिलब्धसर्वधर्मवशीभावप्राप्तसर्वसत्त्वसंतानपरंपराप्रतिलब्धसर्वधर्मवशीभावप्राप्तसर्वसत्त्वाय महाधर्मवृष्टिसंतर्पितसर्वसत्त्वसंतानपरंपराप्रतिलब्धसर्वधर्मवशीभावप्राप्तसर्वसत्त्वसंतानपरंपराप्रतिलब्धसर्वधर्मवशीभावप्राप्तसर्वसत्त्वसंतानाय महाधर्मवृष्टिसंतर्पितसर्वसत्त्वसंतानपरंपराप्रतिलब्धसर्वधर्मवशीभावप्राप्तसर्वसत्त्वसंतानपरंपराप्रतिलब्धसर्वधर्मवशीभावप्राप्तसर्वसत्त्वसंतानपरंपराय महाधर्मवृष्टिसंतर्पितसर्वसत्त्वसंतानपरंपराप्रतिलब्धसर्वधर्मवशीभावप्राप्तसर्वसत्त्वसंतानपरंपराप्रतिलब्धसर्वधर्मवशीभावप्राप्तसर्वसत्त्वसंतानपरंपराप्रतिलब्धाय महाधर्मवृष्टिसंतर्पितसर्वसत्त्वसंतानपरंपराप्रतिलब्धसर्वधर्मवशीभावप्राप्तसर्वसत्त्वसंतानपरंपराप्रतिलब्धसर्वधर्मवशीभावप्राप्तसर्वसत्त्वसंतानपरंपराप्रतिलब्धसर्वधर्मवशीभावप्राप्ताय महाधर्मवृष्टिसंतर्पितसर्वसत्त्वसंतानपरंपराप्रतिलब्धसर्वधर्मवशीभावप्राप्तसर्वसत्त्वसंतानपरंपराप्रतिलब्धसर्वधर्मवशीभावप्राप्तसर्वसत्त्वसंतानपरंपराप्रतिलब्धसर्वधर्मवशीभावप्राप्तसर्वसत्त्वाय महाधर्मवृष्टिसंतर्पितसर्वसत्त्वसंतानपरंपराप्रतिलब्धसर्वधर्मवशीभावप्राप्तसर्वसत्त्वसंतानपरंपराप्रतिलब्धसर्वधर्मवशीभावप्राप्तसर्वसत्त्वसंतानपरंपराप्रतिलब्धसर्वधर्मवशीभावप्राप्तसर्वसत्त्वसंतानाय महाधर्मवृष्टिसंतर्पितसर्वसत्त्वसंतानपरंपराप्रतिलब्धसर्वधर्मवशीभावप्राप्तसर्वसत्त्वसंतानपरंपराप्रतिलब्धसर्वधर्मवशीभावप्राप्तसर्वसत्त्वसंतानपरंपराप्रतिलब्धसर्वधर्मवशीभावप्राप्तसर्वसत्त्वसंतानपरंपराय महाधर्मवृष्टिसंतर्पितसर्वसत्त्वसंतानपरंपराप्रतिलब्धसर्वधर्मवशीभावप्राप्तसर्वसत्त्वसंतानपरंपराप्रतिलब्धसर्वधर्मवशीभावप्राप्तसर्वसत्त्वसंतानपरंपराप्रतिलब्धसर्वधर्मवशीभावप्राप्तसर्वसत्त्वसंतानपरंपराप्रतिलब्धाय महाधर्मवृष्टिसंतर्पितसर्वसत्त्वसंतानपरंपराप्रतिलब्धसर्वधर्मवशीभावप्राप्तसर्वसत्त्वसंतानपरंपराप्रतिलब्धसर्वधर्मवशीभावप्राप्तसर्वसत्त्वसंतानपरंपराप्रतिलब्धसर्वधर्मवशीभावप्राप्तसर्वसत्त्वसंतानपरंपराप्रतिलब्धसर्वधर्मवशीभावप्राप्ताय महाधर्मवृष्टिसंतर्पितसर्वसत्त्वसंतानपरंपराप्रतिलब्धसर्वधर्मवशीभावप्राप्तसर्वसत्त्वसंतानपरंपराप्रतिलब्धसर्वधर्मवशीभावप्राप्तसर्वसत्त्वसंतानपरंपराप्रतिलब्धसर्वधर्मवशीभावप्राप्तसर्वसत्त्वसंतानपरंपराप्रतिलब्धसर्वधर्मवशीभावप्राप्तसर्वसत्त्वाय महाधर्मवृष्टिसंतर्पितसर्वसत्त्वसंतानपरंपराप्रतिलब्धसर्वधर्मवशीभावप्राप्तसर्वसत्त्वसंतानपरंपराप्रतिलब्धसर्वधर्मवशीभावप्राप्तसर्वसत्त्वसंतानपरंपराप्रतिलब्धसर्वधर्मवशीभावप्राप्तसर्वसत्त्वसंतानपरंपराप्रतिलब्धसर्वधर्मवशीभावप्राप्तसर्वसत्त्वसंतानाय महाधर्मवृष्टिसंतर्पितसर्वसत्त्वसंतानपरंपराप्रतिलब्धसर्वधर्मवशीभावप्राप्तसर्वसत्त्वसंतानपरंपराप्रतिलब्धसर्वधर्मवशीभावप्राप्तसर्वसत्त्वसंतानपरंपराप्रतिलब्धसर्वधर्मवशीभावप्राप्तसर्वसत्त्वसंतानपरंपराप्रतिलब्धसर्वधर्मवशीभावप्राप्तसर्वसत्त्वसंतानपरंपराय महाधर्मवृष्टिसंतर्पितसर्वसत्त्वसंतानपरंपराप्रतिलब्धसर्वधर्मवशीभावप्राप्तसर्वसत्त्वसंतानपरंपराप्रतिलब्धसर्वधर्मवशीभावप्राप्तसर्वसत्त्वसंतानपरंपराप्रतिलब्धसर्वधर्मवशीभावप्राप्तसर्वसत्त्वसंतानपरंपराप्रतिलब्धसर्वधर्मवशीभावप्राप्तसर्वसत्त्वसंतानपरंपराप्रतिलब्धाय महाधर्मवृष्टिसंतर्पितसर्वसत्त्वसंतानपरंपराप्रतिलब्धसर्वधर्मवशीभावप्राप्तसर्वसत्त्वसंतानपरंपराप्रतिलब्धसर्वधर्मवशीभावप्राप्तसर्वसत्त्वसंतानपरंपराप्रतिलब्धसर्वधर्मवशीभावप्राप्तसर्वसत्त्वसंतानपरंपराप्रतिलब्धसर्वधर्मवशीभावप्राप्तसर्वसत्त्वसंतानपरंपराप्रतिलब्धसर्वधर्मवशीभावप्राप्तसर्वसत्त्वाय महाधर्मवृष्टिसंतर्पितसर्वसत्त्वसंतानपरंपराप्रतिलब्धसर्वधर्मवशीभावप्राप्तसर्वसत्त्वसंतानपरंपराप्रतिलब्धसर्वधर्मवशीभावप्राप्तसर्वसत्त्वसंतानपरंपराप्रतिलब्धसर्वधर्मवशीभावप्राप्तसर्वसत्त्वसंतानपरंपराप्रतिलब्धसर्वधर्मवशीभावप्राप्तसर्वसत्त्वसंतानाय महाधर्मवृष्टिसंतर्पितसर्वसत्त्वसंतानपरंपराप्रतिलब्धसर्वधर्मवशीभावप्राप्तसर्वसत्त्वसंतानपरंपराप्रतिलब्धसर्वधर्मवशीभावप्राप्तसर्वसत्त्वसंतानपरंपराप्रतिलब्धसर्वधर्मवशीभावप्राप्तसर्वसत्त्वसंतानपरंपराप्रतिलब्धसर्वधर्मवशीभावप्राप्तसर्वसत्त्वसंतानपरंपराय महाधर्मवृष्टिसंतर्पितसर्वसत्त्वसंतानपरंपराप्रतिलब्धसर्वधर्मवशीभावप्राप्तसर्वसत्त्वसंतानपरंपराप्रतिलब्धसर्वधर्मवशीभावप्राप्तसर्वसत्त्वसंतानपरंपराप्रतिलब्धसर्वधर्मवशीभावप्राप्तसर्वसत्त्वसंतानपरंपराप्रतिलब्धसर्वधर्मवशीभावप्राप्तसर्वसत्त्वसंतानपरंपराप्रतिलब्धाय महाधर्मवृष्टिसंतर्पितसर्वसत्त्वसंतानपरंपराप्रतिलब्धसर्वधर्मवशीभावप्राप्तसर्वसत्त्वसंतानपरंपराप्रतिलब्धसर्वधर्मवशीभावप्राप्तसर्वसत्त्वसंतानपरंपराप्रतिलब्धसर्वधर्मवशीभावप्राप्तसर्वसत्त्वसंतानपरंपराप्रतिलब्धसर्वधर्मवशीभावप्राप्तसर्वसत्त्वसंतानपरंपराप्रतिलब्धसर्वधर्मवशीभावप्राप्ताय महाधर्मवृष्टिसंतर्पित

ཨཱཡུཥྨཱན་ཤཱརིཔུཏྲ། ཨཱཡུཥྨཱན་མཽདྒལྱཱཡན། ཨཱཡུཥྨཱན་མཧཱཀཱཤྱཔ། ཨཱཡུཥྨཱན་མཧཱཀཱཏྱཱཡན། ཨཱཡུཥྨཱན་མཧཱཀཽཥྛིལ། ཨཱཡུཥྨཱན་རེ་ཝཏ། ཨཱཡུཥྨཱན་ཨཱནནྡ། ཨཱཡུཥྨཱན་ཏཱ་ཡ་ཏ་ན་ཡ་ཏ་ན། ཨཱཡུཥྨཱན་ཨུ་པ་ལི། ཨཱཡུཥྨཱན་ཨ་ནུ་རུདྡྷ། ཨཱཡུཥྨཱན་ནནྡ། ཨཱཡུཥྨཱན་ཨ་ནནྡ་ཀ། ཨཱཡུཥྨཱན་རཱཧུལ། ཨཱཡུཥྨཱན་ཨཱ

ཞི་ལ་ཡིད་ཀྱི་ཡུལ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡུལ་ཅན་ཡིད་ཀྱི་རྣམ་པར་ཤེས་པ་ཞི་ལ

[illegible] ॥ ८८ ॥

ಸಾಲಿಗ್ರಾಮಕ್ಕೆ ಹೋಗಿ ಅಲ್ಲಿ ಸಾಲಿಗ್ರಾಮವನ್ನು ಪೂಜಿಸಿ ಅಲ್ಲಿಂದ ಹೊರಟು ಬಂದು ಮಾರ್ಗದಲ್ಲಿ ಬರುವಾಗ ಒಂದು ಕಡೆ ಒಂದು ಮರದ ಕೆಳಗೆ ಒಬ್ಬ ಸನ್ಯಾಸಿಯು ಕುಳಿತಿರುವುದನ್ನು ಕಂಡು ಅವನಿಗೆ ನಮಸ್ಕರಿಸಿ ಅವನ ಹತ್ತಿರ ಕುಳಿತುಕೊಂಡು ಅವನಿಗೆ ಸಾಲಿಗ್ರಾಮದ ಮಹಿಮೆಯನ್ನು ಹೇಳಿ ಅವನಿಂದ ಅಧ್ಯಾತ್ಮ ವಿದ್ಯೆಯನ್ನು ಉಪದೇಶ ಪಡೆದು ಅವನಿಗೆ ಸಾಷ್ಟಾಂಗ ನಮಸ್ಕಾರ ಮಾಡ

ಕಾಶಿಕಾಮಾಲಯಾಲಂಕಾರಾಂ ಕಾಮಿಕ

ཀུན་ཏུ་སྤྱོད་པ། ཟུང་དུ་འཇུག་པ་ཡི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཕྱག་རྒྱ་ཆེན་པོ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡང་རྩེ་ཡིན་ཏེ། ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐམས་ཅད་ཀྱི་

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो नारायणाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ཀྱི་ཡིན་ཏེ། ཁྱོད་ཀྱི་ཡིན་ཏེ། ཁོ་ཀྱི་ཡིན་ཏེ། ཁོང་ཀྱི་ཡིན་ཏེ། ཁོ་ཚོ་ཀྱི་ཡིན་ཏེ། ཁོང་ཚོ་ཀྱི་ཡིན་ཏེ། ཁྱེད་ཚོ་ཀྱི་ཡིན་ཏེ། ང་ཚོ་ཀྱི་ཡིན་ཏེ། ང་ཚོ་ཀྱི་ཡིན་ཏེ། ང་ཀྱི་ཡིན་ཏེ། ང་ཀྱི་ཡིན་ཏེ། ང

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ཀཀ།

ཀཱཡཱ་ཝཱཙཱ་མནསཱ། པཱ་ཡཻ་རྦྷཱ་ཝཻ་ཀཱ་ཡཻ་ཀཱ་ཡཱ་ཝཱཙཱ་མནསཱ། མཱ་ཡཻ་རྦྷཱ་ཝཻ་ཀཱ་ཡཻ་ཀཱ་ཡཱ་ཝཱཙཱ་མནསཱ། ཡཱ་ཡཻ་རྦྷཱ་ཝཻ་ཀཱ་ཡཻ་ཀཱ་ཡཱ་ཝཱཙཱ་མནསཱ། ཡཱ་ཡཻ་རྦྷཱ་ཝཻ་ཀཱ་ཡཻ་ཀཱ་ཡཱ་ཝཱཙཱ་མནསཱ།

ཀཱ་ཡཻ་རྦྷཱ་ཝཻ་ཀཱ་ཡཻ་ཀཱ་ཡཱ་ཝཱཙཱ་མནསཱ། ཀཱ་ཡཻ་རྦྷཱ་ཝཻ་ཀཱ་ཡཻ་ཀཱ་ཡཱ་ཝཱཙཱ་མནསཱ། ཀཱ་ཡཻ་རྦྷཱ་ཝཻ་ཀཱ་ཡཻ་ཀཱ་ཡཱ་ཝཱཙཱ་མནསཱ། ཀཱ་ཡཻ་རྦྷཱ་ཝཻ་ཀཱ་ཡཻ་ཀཱ་ཡཱ་ཝཱཙཱ་མནསཱ།

ཀཱ་ཡཻ་རྦྷཱ་ཝཻ་ཀཱ་ཡཻ་ཀཱ་ཡཱ་ཝཱཙཱ་མནསཱ། ཀཱ་ཡཻ་རྦྷཱ་ཝཻ་ཀཱ་ཡཻ་ཀཱ་ཡཱ་ཝཱཙཱ་མནསཱ། ཀཱ་ཡཻ་རྦྷཱ་ཝཻ་ཀཱ་ཡཻ་ཀཱ་ཡཱ་ཝཱཙཱ་མནསཱ། ཀཱ་ཡཻ་རྦྷཱ་ཝཻ་ཀཱ་ཡཻ་ཀཱ་ཡཱ་ཝཱཙཱ་མནསཱ།

ཀཱ་ཡཻ་རྦྷཱ་ཝཻ་ཀཱ་ཡཻ་ཀཱ་ཡཱ་ཝཱཙཱ་མནསཱ། ཀཱ་ཡཻ་རྦྷཱ་ཝཻ་ཀཱ་ཡཻ་ཀཱ་ཡཱ་ཝཱཙཱ་མནསཱ། ཀཱ་ཡཻ་རྦྷཱ་ཝཻ་ཀཱ་ཡཻ་ཀཱ་ཡཱ་ཝཱཙཱ་མནསཱ། ཀཱ་ཡཻ་རྦྷཱ་ཝཻ་ཀཱ་ཡཻ་ཀཱ་ཡཱ་ཝཱཙཱ་མནསཱ།

ॐ नमो भगवते वज्रसत्त्वाय महासत्त्वाय महाकारुणिकाय महाकरुणिकाय महाकरुणिकाय महाकर

ಶ್ರೀಮದ್ಭಾಗವತಮಹಾಪುರಾಣಾಮೃತಸಾರಸಂಗ್ರಹ

ಸಪ್ತಮಸ್ಕಂಧ

ಪ್ರಥಮಾಧ್ಯಾಯ

ಶ್ರೀಮತೇ ರಾಮಾನುಜಾಯ ನಮಃ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ಸಾಕ್ಷಾತ್ಕಾರಂ ಪ್ರಾಪ್ತಂ

ཐུབ་པའི་ཚིག་ཀྱང་ཡིད་ཆེས་ཤིང་ཡིད་ལ་བྱེད་པ་ཡིན་ནོ། །ཡིད་ལ་བྱེད་པ་ཡང་ཐོས་པ་ལས་བྱུང་བ་ཡིན་ནོ། །ཐོས་པ་ཡང་ཡོན་ཏན་ཡོད་པ་ཡིན་ནོ། །ཡོན་ཏན་ཡོད་པ་ཡང་ཚིག་ཡིད་ཆེས་པ་ཡིན་ནོ། །ཚིག་ཡིད་ཆེས་པ་ཡང་ཐུབ་པ་ཡིན་ནོ། །ཐུབ

ཁ་ཅིག་ཁྱོད་ཀྱི་ཕྱག་ཏུ་ཕུལ་ཏེ་ཁྱོད་ཀྱིས་ཁྱེད་ཀྱི་ཕྱག་ཏུ་ཕུལ་ཏེ་ཁྱེད་ཀྱིས

ग्रहणमात्रेण ज्ञानेन ज्ञानिनो भवति । तस्मात्सर्वेषां ज्ञानं ग्रहीतव्यं ज्ञानिनो भवितव्यं ज्ञानिनो भवितव्यं ज्ञानिनो भवित

ཐུགས་ཀྱི་ཆོས་ཀྱི་འཁོར་ལོ་བསྐོར་བ་ལྟ་བུ་ཡིན་ཏེ། ཆོས་ཀྱི་འཁོར་ལོ་ནི་ཐུགས་ཀྱི་ཆོས་ཀྱི་འཁོར་ལོ་ལས་ཐ་དད་པ་མ་ཡིན་ནོ། །ཐུགས་ཀྱི་

ཀུན་ཏུ་སྤྱོད་པ་ལ་སོགས་པ་ཐམས་ཅད་ཀྱང་ཡོངས་སུ་རྫོགས་པ་ཡིན་ནོ། །ཇི་ལྟར་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་སངས་རྒྱས་ཀྱི་ཞིང་ཡོངས་སུ་དག་པ་ཡིན་ཏེ། ཡོན་ཏན་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཞིང་ཡོངས་སུ་རྫོགས་པ་ཡིན་ནོ། །ཇི་ལྟར་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་སངས་རྒྱས་ཀྱི་ཞིང་ཡོངས་སུ་རྫོགས

ཀྱི་ཚེ་ཡང་ཐུབ་པ་ཆོས་ཀྱི་ཕྱག་རྒྱ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡང་ཕྱག་རྒྱ་ཆེན་པོ་ཞེས་བྱ་བ་ཐེག་པ་ཆེན་པོ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡང་ཐེག་པ

ཀ་ཁ་ཀ་ཁ་ཀ་ཁ་

ཀཱཡཱ་ཝཱཙཱ་ཙིཏྟེན་ཡཾ་ཀིཉྩི་ཀུསལཾ་ཀམྨཾ་ཀཏྭཱ་ཀཱརཱཡཱ་ཝཱ་ཀཱརཱཔེཏྭཱ་ཝཱ་ཏསྶ་ཀམྨསྶ་ཨཱཡཏིཾ་ཨཔྤཊིསཾཝེདནཱཡ་ཨཔྤཊིསཾཝེདནཱཡ་ཨཔྤཊིསཾཝེདནཱཡ

ཨཱཀཱཤཾ ཨཱཀཱཤཾ ཨཱཀཱཤཾ

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ཀཀ།

ཀཀ།

ཀཀ།

ཀཱ་ཏྱཱ་ཡ་ན་ཀཱ་ལ་ཀ་ཏ་ཀ་ཀ་ཏ་ཀ་ཀ་ཏ་ཀ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ཀཱཡཱ་ཝཱཙཱ་ཙིཏྟེན་ཡཾ་ཀིཉྩི་ཀུསལཾ་ཀཏཾ། ཏཾ་ཏཾ་ཀཱལཾ་ཨཔྤཊིཀཱངྑཾ་ཨཔྤཊིཀཱངྑཾ་ཨཔྤཊིཀཱངྑ

ಸಿಂಹಾಸನಾಧಿರೂಢಂ ಸಕಲಾಗಮಪಾರಂಗತಂ ಸಕಲಸಿದ್ಧಿಪ್ರದಂ ಸಕಲಭಕ್ತಜನಸಂಪ್ರಾಪ್ತಂ ಸಕಲಸಂಪತ್ಪ್ರದಂ ಸಕಲಸಂಪತ್ಸಮೃದ್ಧಂ ಸಕಲಸಂಪತ್ಸಮೃದ್ಧಿಕರಂ ಸಕಲಸಂಪತ್ಸಮೃದ್ಧಿಪ್ರದಂ ಸಕಲಸಂಪತ್ಸಮೃದ್ಧಿಪ್ರಾಪ್ತಂ ಸಕಲಸಂಪತ್ಸಮೃದ್ಧಿಪ್ರಾಪ್ತಿಕರಂ ಸಕಲಸಂಪತ್ಸಮೃದ್ಧಿಪ್ರಾಪ್ತಿಪ್ರದಂ ಸಕಲಸಂಪತ್ಸಮೃದ್ಧಿಪ್ರಾಪ್ತಿಪ್ರಾಪ್ತಂ ಸಕಲಸಂಪತ್ಸಮೃದ್ಧಿಪ್ರಾಪ್ತಿಪ್ರಾಪ್ತಿಕರಂ ಸಕಲಸಂಪತ್ಸಮೃದ್ಧಿಪ್ರಾಪ್ತಿಪ್ರಾಪ್ತಿಪ್ರದಂ ಸಕಲಸಂಪತ್ಸಮೃದ್ಧಿಪ್ರಾಪ್ತಿಪ್ರಾಪ್ತಿಪ್ರಾಪ್ತಂ ಸಕಲಸಂಪತ್ಸಮೃದ್ಧಿಪ್ರಾಪ್ತಿಪ್ರಾಪ್ತಿಪ್ರಾಪ್ತಿಕರಂ ಸಕಲಸಂಪತ್ಸಮೃದ್ಧಿಪ್ರಾಪ್ತಿಪ್ರಾಪ್ತಿಪ್ರಾಪ್ತಿಪ್ರದಂ ಸಕಲಸಂಪತ್ಸಮೃದ್ಧಿಪ್ರಾಪ್ತಿಪ್ರಾಪ್ತಿಪ್ರಾಪ್ತಿಪ್ರಾಪ್ತಂ ಸಕಲಸಂಪತ್ಸಮೃದ್ಧಿಪ್ರಾಪ್ತಿಪ್ರಾಪ್ತಿಪ್ರಾಪ್ತಿಪ್ರಾಪ್ತಿಕರಂ ಸಕಲಸಂಪತ್ಸಮೃದ್ಧಿಪ್ರಾಪ್ತಿಪ್ರಾಪ್ತಿಪ್ರಾಪ್ತಿಪ್ರಾಪ್ತಿಪ್ರದಂ ಸಕಲಸಂಪತ್ಸಮೃದ್ಧಿಪ್ರಾಪ್ತಿಪ್ರಾಪ್ತಿಪ್ರಾಪ್ತಿಪ್ರಾಪ್ತಿಪ್ರಾಪ್ತಂ ಸಕಲಸಂಪತ್ಸಮೃದ್ಧಿಪ್ರಾಪ್ತಿಪ್ರಾಪ್ತಿಪ್ರಾಪ್ತಿಪ್ರಾಪ್ತಿಪ್ರಾಪ್ತಿಕರಂ ಸಕಲಸಂಪತ್ಸಮೃದ್ಧಿಪ್ರಾಪ್ತಿಪ್ರಾಪ್ತಿಪ್ರಾಪ್ತಿಪ್ರಾಪ್ತಿಪ್ರಾಪ್ತಿಪ್ರದಂ ಸಕಲಸಂಪತ್ಸಮೃದ್ಧಿಪ್ರಾಪ್ತಿಪ್ರಾಪ್ತಿಪ್ರಾಪ್ತಿಪ್ರಾಪ್ತಿಪ್ರಾಪ್ತಿಪ್ರಾಪ್ತಂ ಸಕಲಸಂಪತ್ಸಮೃದ್ಧಿಪ್ರಾಪ್ತಿಪ್ರಾಪ್ತಿಪ್ರಾಪ್ತಿಪ್ರಾಪ್ತಿಪ್ರಾಪ್ತಿಪ್ರಾಪ್ತಿಕರಂ ಸಕಲಸಂಪತ್ಸಮೃದ್ಧಿಪ್ರಾಪ್ತ

ཀྱེ་ཧེ་རུ་ཀ་ཨེ་ཝཾ་ཡི་གེ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡི་གེ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡི་གེ་ཐམས་ཅད་ཀྱི

ཨཱཀཱཤཱཏ་ཀཱཏ་ཀཱཏ་ཀ

ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय महाभयविदारणकराय भूतभयप्रशमनकराय दुष्टचित्तविनाशनकराय
शत्रुसैन्यप्रमर्दनकराय शस्त्रस्तम्भनकराय सर्वविघ्नविनाशनकराय सर्वदुष्टप्रदुष्टानां सर्वेषां प्राणिनां सर्वभयेभ्यः
सर्वोपद्रवेभ्यः सर्वव्याधिभ्यः सर्वदुर्गतिभ्यः सर्वदुःखेभ्यः सर्वदुर्मतिभ्यः सर्वदुःस्वप्नदुर्निमित्तदुरारिष्टेभ्यः
सर्वग्रहेभ्यः सर्वविषेभ्यः सर्वभूतवेतालकूष्माण्डपिशाचयक्षराक्षसडाकिनीकाकिनीकालमुखीभूतमारीगणेभ्यः
सर्वकालदोषदुष्टेभ्यः सर्वरोगेभ्यः सर्वदुष्टेभ्यः सर्वदुर्जनेभ्यः सर्वदुष्टवाङ्मनःकायकर्मभ्यः सर्वदुष्टाशुभपापकेभ्यः
सर्वकालमकालमृत्युविषूचिकाशूलगण्डमालाकुष्ठपक्षाघातशिरोरोगाक्षिरोगकर्णरोगमुखरोगदन्तरोगहृद्रोगपार्श्वरोग
कुक्षिरोगनाभिरोगगुह्यरोगवातरोगपित्तरोगश्लेष्मरोगसन्निपातरोगसर्वरोगेभ्यः सर्वज्वरेभ्यः एकाहिकद्व्याहिक
त्र्याहिकचातुर्थिकसन्ततिसततसर्वज्वरेभ्यः सर्वदुष्टेभ्यः सर्वदुर्जनेभ्यः सर्वदुष्टवाङ्मनःकायकर्मभ्यः सर्वदुष्टाशुभपापकेभ्यः
सर्वकालमकालमृत्युविषूचिकाशूलगण्डमालाकुष्ठपक्षाघातशिरोरोगाक्षिरोगकर्णरोगमुखरोगदन्तरोगहृद्रोगपार्श्वरोग
कुक्षिरोगनाभिरोगगुह्यरोगवातरोगपित्तरोगश्लेष्मरोगसन्निपातरोगसर्वरोगेभ्यः सर्वज्वरेभ्यः एकाहिकद्व्याहिक

ཐམ་ཅེ་ཁྱེད་ཀྱི་ཐུགས་ཀྱི་ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཡིས་ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་སྤྱོད་པ་ཐམས་ཅད་ཡོངས་སུ་རྫོགས་པར་བྱ་བའི་ཕྱིར་ཏེ།

ཀྱི་ཚིག་ཏུ་ཡང་ཡང་ཞེས་པ་ནི་ཐེངས་ཐེངས་ཞེས་པའ

ಕಾಮಿತಾರ್ಥಪ್ರದಾಯಿನೀಂ ಕಾಮಧೇನುಮಿವ ಕಾಮಿನೀಂ ಕಾಮಯಮಾನಃ ಕಾಮಯಮಾನಾಯಾಂ ಕಾಮಿನ್ಯಾಂ ಕಾಮಂ ಕಾಮಮಕಾಮಯತ ಕಾಮಿನೀಂ ಕಾಮಿನೀಂ ಕಾಮಿನೀಂ

ॐ नमो भगवते वज्रकुमाराय महाबलपराक्रमाय महाप्रतिसराय महाविद्याराजाय महाशूरजातिकुलसमुद्भवाय महाकारुणिकाय महाप्रतिसरे महाविद्ये महाबले महावीर्ये महाशूरे महाजातिकुलसमुद्भवे महाकारुणिके

ཀཱཾ ཀཱཾ ཀཱཾ

ཐུབ་པའི་ཡུལ་ལས་ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཞེས་བྱ་བ་ཐེག་པ་ཆེན་པོའི་མདོ་སྡེ

ཨཱཿཧཱུྃ་ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཨོཾ་

ज्ञानसिद्धान्तसारसंग्रहः । प्रथमोऽध्यायः । ज्ञानसिद्धान्तसारसंग्रहः । प्रथमोऽध्यायः ।

ज्ञानसिद्धान्तसारसंग्रहः । प्रथमोऽध्यायः ।

ज्ञानसिद्धान्तसारसंग्रहः । प्रथमोऽध्यायः ।

ظاهرا فلا يجوز الاقتداء به لان الظاهر انه لا يصلي الا بوضوء فلا يجوز الاقتداء به الا اذا علم انه صلى بغير وضوء ولو اقتدى به ثم علم انه صلى بغير وضوء فصلاته فاسدة

ज्ञानं ज्ञेयं तथा ज्ञाता त्रितयं कर्मचोदना ॥ करणं कर्म कर्तेति त्रिविधः कर्मसंग्रहः ॥ ज्ञानं कर्म च कर्ता च त्रिधैव गुणभेदतः ॥ प्रोच्यते गुणसंख्याने यथावच्छृणु तान्यपि ॥ सर्वभूतेषु येनैकं भावमव्ययमीक्षते ॥ अविभक्तं विभक्तेषु तज्ज्ञानं विद्धि सात्त्विकम् ॥ पृथक्त्वेन तु यज्ज्ञानं नानाभावान्पृथग्विधान् ॥ वेत्ति सर्वेषु भूतेषु तज्ज्ञानं विद्धि राजसम् ॥ यत्तु कृत्स्नवदेकस्मिन्कार्ये सक्तमहैतुकम् ॥ अतत्त्वार्थवदल्पं च तत्तामसमुदाहृतम् ॥ नियतं सङ्गरहितमरागद्वेषतः कृतम् ॥ अफलप्रेप्सुना कर्म यत्तत्सात्त्विकमुच्यते ॥ यत्तु कामेप्सुना कर्म साहंकारेण वा पुनः ॥ क्रियते बहुलायासं तद्राजसमुदाहृतम् ॥ अनुबन्धं क्षयं हिंसामनवेक्ष्य च पौरुषम् ॥ मोहादारभ्यते कर्म यत्तत्तामसमुच्यते ॥ मुक्तसङ्गोऽनहंवादी धृत्युत्साहसमन्वितः ॥ सिद्ध्यसिद्ध्योर्निर्विकारः कर्ता सात्त्विक उच्यते ॥ रागी कर्मफलप्रेप्सुर्लुब्धो हिंसात्मकोऽशुचिः ॥ हर्षशोकान्वितः कर्ता राजसः परिकीर्तितः ॥ अयुक्तः प्राकृतः स्तब्धः शठो नैष्कृतिकोऽलसः ॥ विषादी दीर्घसूत्री च कर्ता तामस उच्यते ॥ बुद्धेर्भेदं धृतेश्चैव गुणतस्त्रिविधं शृणु ॥ प्रोच्यमानमशेषेण पृथक्त्वेन धनञ्जय ॥ प्रवृत्तिं च निवृत्तिं च कार्याकार्ये भयाभये ॥ बन्धं मोक्षं च या वेत्ति बुद्धिः सा पार्थ सात्त्विकी ॥ यया धर्ममधर्मं च कार्यं चाकार्यमेव च ॥ अयथावत्प्रजानाति बुद्धिः सा पार्थ राजसी ॥ अधर्मं धर्ममिति या मन्यते तमसावृता ॥ सर्वार्थान्विपरीतांश्च बुद्धिः सा पार्थ तामसी ॥ धृत्या यया धारयते मनःप्राणेन्द्रियक्रियाः ॥ योगेनाव्यभिचारिण्या धृतिः सा पार्थ सात्त्विकी ॥ यया तु धर्मकामार्थान्धृत्या धारयतेऽर्जुन ॥ प्रसङ्गेन फलाकाङ्क्षी धृतिः सा पार्थ राजसी ॥ यया स्वप्नं भयं शोकं विषादं मदमेव च ॥ न विमुञ्चति दुर्मेधा धृतिः सा पार्थ तामसी ॥ सुखं त्विदानीं त्रिविधं शृणु मे भरतर्षभ ॥ अभ्यासाद्रमते यत्र दुःखान्तं च निगच्छति ॥ यत्तदग्रे विषमिव परिणामेऽमृतोपमम् ॥ तत्सुखं सात्त्विकं प्रोक्तमात्मबुद्धिप्रसादजम् ॥ विषयेन्द्रियसंयोगाद्यत्तदग्रेऽमृतोपमम् ॥ परिणामे विषमिव तत्सुखं राजसं स्मृतम् ॥ यदग्रे चानुबन्धे च सुखं मोहनमात्मनः ॥ निद्रालस्यप्रमादोत्थं तत्तामसमुदाहृतम् ॥ न तदस्ति पृथिव्यां वा दिवि देवेषु वा पुनः ॥ सत्त्वं प्रकृतिजैर्मुक्तं यदेभिः स्यात्त्रिभिर्गुणैः ॥ ब्राह्मणक्षत्रियविशां शूद्राणां च परंतप ॥ कर्माणि प्रविभक्तानि स्वभावप्रभवैर्गुणैः ॥ शमो दमस्तपः शौचं क्षान्तिरार्जवमेव च ॥ ज्ञानं विज्ञानमास्तिक्यं ब्रह्मकर्म स्वभावजम् ॥ शौर्यं तेजो धृतिर्दाक्ष्यं युद्धे चाप्यपलायनम् ॥ दानमीश्वरभावश्च क्षात्रं कर्म स्वभावजम् ॥ कृषिगौरक्ष्यवाणिज्यं वैश्यकर्म स्वभावजम् ॥ परिचर्यात्मकं कर्म शूद्रस्यापि स्वभावजम् ॥ स्वे स्वे कर्मण्यभिरतः संसिद्धिं लभते नरः ॥ स्वकर्मनिरतः सिद्धिं यथा विन्दति तच्छृणु ॥ यतः प्रवृत्तिर्भूतानां येन सर्वमिदं ततम् ॥ स्वकर्मणा तमभ्यर्च्य सिद्धिं विन्दति मानवः ॥ श्रेयान्स्वधर्मो विगुणः परधर्मात्स्वनुष्ठितात् ॥ स्वभावनियतं कर्म कुर्वन्नाप्नोति किल्बिषम् ॥ सहजं कर्म कौन्तेय सदोषमपि न त्यजेत् ॥ सर्वारम्भा हि दोषेण धूमेनाग्निरिवावृताः ॥ असक्तबुद्धिः सर्वत्र जितात्मा विगतस्पृहः ॥ नैष्कर्म्यसिद्धिं परमां संन्यासेनाधिगच्छति ॥ सिद्धिं प्राप्तो यथा ब्रह्म तथाप्नोति निबोध मे ॥ समासेनैव कौन्तेय निष्ठा ज्ञानस्य या परा ॥ बुद्ध्या विशुद्धया युक्तो धृत्यात्मानं नियम्य च ॥ शब्दादीन्विषयांस्त्यक्त्वा रागद्वेषौ व्युदस्य च ॥ विविक्तसेवी लघ्वाशी यतवाक्कायमानसः ॥ ध्यानयोगपरो नित्यं वैराग्यं समुपाश्रितः ॥ अहंकारं बलं दर्पं कामं क्रोधं परिग्रहम् ॥ विमुच्य निर्ममः शान्तो ब्रह्मभूयाय कल्पते ॥ ब्रह्मभूतः प्रसन्नात्मा न शोचति न काङ्क्षति ॥ समः सर्वेषु भूतेषु मद्भक्तिं लभते पराम् ॥ भक्त्या मामभिजानाति यावान्यश्चास्मि तत्त्वतः ॥ ततो मां तत्त्वतो ज्ञात्वा विशते तदनन्तरम् ॥ सर्वकर्माण्यपि सदा कुर्वाणो मद्व्यपाश्रयः ॥ मत्प्रसादादवाप्नोति शाश्वतं पदमव्ययम् ॥ चेतसा सर्वकर्माणि मयि संन्यस्य मत्परः ॥ बुद्धियोगमुपाश्रित्य मच्चित्तः सततं भव ॥ मच्चित्तः सर्वदुर्गाणि मत्प्रसादात्तरिष्यसि ॥ अथ चेत्त्वमहंकारान्न श्रोष्यसि विनङ्क्ष्यसि ॥ यदहंकारमाश्रित्य न योत्स्य इति मन्यसे ॥ मिथ्यैष व्यवसायस्ते प्रकृतिस्त्वां नियोक्ष्यति ॥ स्वभावजेन कौन्तेय निबद्धः स्वेन कर्मणा ॥ कर्तुं नेच्छसि यन्मोहात्करिष्यस्यवशोऽपि तत् ॥ ईश्वरः सर्वभूतानां हृद्देशेऽर्जुन तिष्ठति ॥ भ्रामयन्सर्वभूतानि यन्त्रारूढानि मायया ॥ तमेव शरणं गच्छ सर्वभावेन भारत ॥ तत्प्रसादात्परां शान्तिं स्थानं प्राप्स्यसि शाश्वतम् ॥ इति ते ज्ञानमाख्यातं गुह्याद्गुह्यतरं मया ॥ विमृश्यैतदशेषेण यथेच्छसि तथा कुरु ॥ सर्वगुह्यतमं भूयः शृणु मे परमं वचः ॥ इष्टोऽसि मे दृढमिति ततो वक्ष्यामि ते हितम् ॥ मन्मना भव मद्भक्तो मद्याजी मां नमस्कुरु ॥ मामेवैष्यसि सत्यं ते प्रतिजाने प्रियोऽसि मे ॥ सर्वधर्मान्परित्यज्य मामेकं शरणं व्रज ॥ अहं त्वा सर्वपापेभ्यो मोक्षयिष्यामि मा शुचः ॥ इदं ते नातपस्काय नाभक्ताय कदाचन ॥ न चाशुश्रूषवे वाच्यं न च मां योऽभ्यसूयति ॥ य इमं परमं गुह्यं मद्भक्तेष्वभिधास्यति ॥ भक्तिं मयि परां कृत्वा मामेवैष्यत्यसंशयः ॥ न च तस्मान्मनुष्येषु कश्चिन्मे प्रियकृत्तमः ॥ भविता न च मे तस्मादन्यः प्रियतरो भुवि ॥ अध्येष्यते च य इमं धर्म्यं संवादमावयोः ॥ ज्ञानयज्ञेन तेनाहमिष्टः स्यामिति मे मतिः ॥ श्रद्धावाननसूयश्च शृणुयादपि यो नरः ॥ सोऽपि मुक्तः शुभाँल्लोकान्प्राप्नुयात्पुण्यकर्मणाम् ॥ कच्चिदेतच्छ्रुतं पार्थ त्वयैकाग्रेण चेतसा ॥ कच्चिदज्ञानसंमोहः प्रनष्टस्ते धनञ्जय ॥ नष्टो मोहः स्मृतिर्लब्धा त्वत्प्रसादान्मयाच्युत ॥ स्थितोऽस्मि गतसन्देहः करिष्ये वचनं तव ॥ इत्यहं वासुदेवस्य पार्थस्य च महात्मनः ॥ संवादमिमं श्रौषमद्भुतं रोमहर्षणम् ॥ व्यासप्रसादाच्छ्रुतवानेतद्गुह्यमहं परम् ॥ योगं योगेश्वरात्कृष्णात्साक्षात्कथयतः स्वयम् ॥ राजन्संस्मृत्य संस्मृत्य संवादमिमं पुनः ॥ केशवार्जुनयोः पुण्यं हृष्यामि च मुहुर्मुहुः ॥ तच्च संस्मृत्य संस्मृत्य रूपमत्यद्भुतं हरेः ॥ विस्मयो मे महान्राजन्हृष्यामि च पुनः पुनः ॥ यत्र योगेश्वरः कृष्णो यत्र पार्थो धनुर्धरः ॥ तत्र श्रीर्विजयो भूतिर्ध्रुवा नीतिर्मतिर्मम ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः सङ्कर्षणाय च प्रद्युम्नायानिरुद्धाय च नमो नमो भगवते पुरुषायात्मसंयोगविभागहेतवे माया-
मनुविकल्पितानात्मगुणविशेषानिरीक्षितुमुदारवीर्यानुभावविधारणाय स्वसमया-
नुरोधेन गृहीतपृथगिदमनुरूपरूपमवितथानुभवं प्रतिपदमनुमिनोमि भगवन्तं त्वां
किमतः परमात्मनो रूपमविकल्पितमविकारमविषयमगुणमनिरुक्तमनवसितमनन्यदवि-
दाकारमवाङ्मनसगोचरमिति वयं तु न वेद विद्मो ह किल रूपभेदविधिरयं पुरुषस्य
बाह्यो यावदिहान्तरो ह्यनियमेन तत्त्वावमर्शो ह्यनुपपन्नः स्वप्नमनोरथहतवचसां
तवापि ह्यजामनुव्रतो गुणविसर्गविगमाभिधानं त्वयीश्वरे कर्मजडाशयो ह्यनीश्वर
एतदतिगभीरदुरवबोधं तव चरितं कविभिरुपगीतमादृताः शृणुम तत्परिचरेम तत्प्रवणा
विकृतिभिरात्मनि विश्वसृजमसदुपाश्रितं निरयरोधवधं तरसा तितीर्षव इदमुदहरन्
कथा इमाः कथनीयोरुगुणस्य तवानुकृता यदकर्णपीयूषमजामिलोऽप्यगादपदवीं
पदाहतो यदाश्रयया मतिस्त्वमकृतार्थमप्युरुगायविद्यया ददाति किं त्वर्थमनर्थमग्यं
न वृणीत आर्यो वरमीश्वरात्परं न पारमहंस्यं पदमीप्सितं सतां विरहय्य कामान्
शरणं भवान्विपद्गणाद्धरति किं भजतां सकामानां न भजत्यसौ किम् ॥ ४० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः सङ्कर्षणाय च प्रद्युम्नायानिरुद्धाय च नमो नमः ॥

ཀཱཏྱཱཡནཱཡ ཏཏྭཱརྠཱཡ ཏཏྭཱརྠཱཡ ཏཏྭཱརྠ

१. [illegible] २. [illegible]

॥ ७७ ॥

ཨཱཿ ཧཱུྃ ཧཱུྃ ཧཱུྃ

ཀུན་ཏུ་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་བྱང་ཆུབ་ཏུ་ཡོངས་སུ་སྨོན་ལམ་འདེབས་ཏེ། ཇི་ལྟར་ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་བྱང་ཆུབ་ཏུ་ཡོངས་སུ་སྨོན་ལམ་འདེབས་པ་དེ་བཞིན་དུ་ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ཀཀ ཀཁ ཀག ཀགྷ ཀང ཀཅ ཀཆ ཀཇ ཀཉ ཀཊ ཀཋ ཀཌ ཀཌྷ ཀཎ ཀཏ ཀཐ ཀད ཀདྷ ཀན ཀཔ ཀཕ ཀབ ཀབྷ ཀམ ཀཙ ཀཚ ཀཛ ཀཛྷ ཀཉ ཀཝ ཀཞ ཀཟ ཀའ ཀཡ ཀར ཀལ ཀཤ ཀཥ ཀས ཀཧ ཀཨ ཁཀ ཁཁ ཁག ཁགྷ ཁང ཁཅ ཁཆ ཁཇ ཁཉ ཁཊ ཁཋ ཁཌ ཁཌྷ ཁཎ ཁཏ ཁཐ ཁད ཁདྷ ཁན ཁཔ ཁཕ ཁབ ཁབྷ ཁམ ཁཙ ཁཚ ཁཛ ཁཛྷ ཁཉ ཁཝ ཁཞ ཁཟ ཁའ ཁཡ ཁར ཁལ ཁཤ ཁཥ ཁས ཁཧ ཁཨ གཀ གཁ གག གགྷ གང གཅ གཆ གཇ གཉ གཊ གཋ གཌ གཌྷ གཎ གཏ གཐ གད གདྷ གན གཔ གཕ གབ གབྷ གམ གཙ གཚ གཛ གཛྷ གཉ གཝ གཞ གཟ གའ གཡ གར གལ གཤ གཥ གས གཧ གཨ གྷཀ གྷཁ གྷག གྷགྷ གྷང གྷཅ གྷཆ གྷཇ གྷཉ གྷཊ གྷཋ གྷཌ གྷཌྷ གྷཎ གྷཏ གྷཐ གྷད གྷདྷ གྷན གྷཔ གྷཕ གྷབ གྷབྷ གྷམ གྷཙ གྷཚ གྷཛ གྷཛྷ གྷཉ གྷཝ གྷཞ གྷཟ གྷའ གྷཡ གྷར གྷལ གྷཤ གྷཥ གྷས གྷཧ གྷཨ ངཀ ངཁ ངག ངགྷ ངང ངཅ ངཆ ངཇ ངཉ ངཊ ངཋ ངཌ ངཌྷ ངཎ ངཏ ངཐ ངད ངདྷ ངན ངཔ ངཕ ངབ ངབྷ ངམ ངཙ ངཚ ངཛ ངཛྷ ངཉ ངཝ ངཞ ངཟ ངའ ངཡ ངར ངལ ངཤ ངཥ ངས ངཧ ངཨ ཅཀ ཅཁ ཅག ཅགྷ ཅང ཅཅ ཅཆ ཅཇ ཅཉ ཅཊ ཅཋ ཅཌ ཅཌྷ ཅཎ ཅཏ ཅཐ ཅད ཅདྷ ཅན ཅཔ ཅཕ ཅབ ཅབྷ ཅམ ཅཙ ཅཚ ཅཛ ཅཛྷ ཅཉ ཅཝ ཅཞ ཅཟ ཅའ ཅཡ ཅར ཅལ ཅཤ ཅཥ ཅས ཅཧ ཅཨ ཆཀ ཆཁ ཆག ཆགྷ ཆང ཆཅ ཆཆ ཆཇ ཆཉ ཆཊ ཆཋ ཆཌ ཆཌྷ ཆཎ ཆཏ ཆཐ ཆད ཆདྷ ཆན ཆཔ ཆཕ ཆབ ཆབྷ ཆམ ཆཙ ཆཚ ཆཛ ཆཛྷ ཆཉ ཆཝ ཆཞ ཆཟ ཆའ ཆཡ ཆར ཆལ ཆཤ ཆཥ ཆས ཆཧ ཆཨ ཇཀ ཇཁ ཇག ཇགྷ ཇང ཇཅ ཇཆ ཇཇ ཇཉ ཇཊ ཇཋ ཇཌ ཇཌྷ ཇཎ ཇཏ ཇཐ ཇད ཇདྷ ཇན ཇཔ ཇཕ ཇབ ཇབྷ ཇམ ཇཙ ཇཚ ཇཛ ཇཛྷ ཇཉ ཇཝ ཇཞ ཇཟ ཇའ ཇཡ ཇར ཇལ ཇཤ ཇཥ ཇས ཇཧ ཇཨ ཉཀ ཉཁ ཉག ཉགྷ ཉང ཉཅ ཉཆ ཉཇ ཉཉ ཉཊ ཉཋ ཉཌ ཉཌྷ ཉཎ ཉཏ ཉཐ ཉད ཉདྷ ཉན ཉཔ ཉཕ ཉབ ཉབྷ ཉམ ཉཙ ཉཚ ཉཛ ཉཛྷ ཉཉ ཉཝ ཉཞ ཉཟ ཉའ ཉཡ ཉར ཉལ ཉཤ ཉཥ ཉས ཉཧ ཉཨ ཊཀ ཊཁ ཊག ཊགྷ ཊང ཊཅ ཊཆ ཊཇ ཊཉ ཊཊ ཊཋ ཊཌ ཊཌྷ ཊཎ ཊཏ ཊཐ ཊད ཊདྷ ཊན ཊཔ ཊཕ ཊབ ཊབྷ ཊམ ཊཙ ཊཚ ཊཛ ཊཛྷ ཊཉ ཊཝ ཊཞ ཊཟ ཊའ ཊཡ ཊར ཊལ ཊཤ ཊཥ ཊས ཊཧ ཊཨ ཋཀ ཋཁ ཋག ཋགྷ ཋང ཋཅ ཋཆ ཋཇ ཋཉ ཋཊ ཋཋ ཋཌ ཋཌྷ ཋཎ ཋཏ ཋཐ ཋད ཋདྷ ཋན ཋཔ ཋཕ ཋབ ཋབྷ ཋམ ཋཙ ཋཚ ཋཛ ཋཛྷ ཋཉ ཋཝ ཋཞ ཋཟ ཋའ ཋཡ ཋར ཋལ ཋཤ ཋཥ ཋས ཋཧ ཋཨ ཌཀ ཌཁ ཌག ཌགྷ ཌང ཌཅ ཌཆ ཌཇ ཌཉ ཌཊ ཌཋ ཌཌ ཌཌྷ ཌཎ ཌཏ ཌཐ ཌད ཌདྷ ཌན ཌཔ ཌཕ ཌབ ཌབྷ ཌམ ཌཙ ཌཚ ཌཛ ཌཛྷ ཌཉ ཌཝ ཌཞ ཌཟ ཌའ ཌཡ ཌར ཌལ ཌཤ ཌཥ ཌས ཌཧ ཌཨ ཌྷཀ ཌྷཁ ཌྷག ཌྷགྷ ཌྷང ཌྷཅ ཌྷཆ ཌྷཇ ཌྷཉ ཌྷཊ ཌྷཋ ཌྷཌ ཌྷཌྷ ཌྷཎ ཌྷཏ ཌྷཐ ཌྷད ཌྷདྷ ཌྷན ཌྷཔ ཌྷཕ ཌྷབ ཌྷབྷ ཌྷམ ཌྷཙ ཌྷཚ ཌྷཛ ཌྷཛྷ ཌྷཉ ཌྷཝ ཌྷཞ ཌྷཟ ཌྷའ ཌྷཡ ཌྷར ཌྷལ ཌྷཤ ཌྷཥ ཌྷས ཌྷཧ ཌྷཨ ཎཀ ཎཁ ཎག ཎགྷ ཎང ཎཅ ཎཆ ཎཇ ཎཉ ཎཊ ཎཋ ཎཌ ཎཌྷ ཎཎ ཎཏ ཎཐ ཎད ཎདྷ ཎན ཎཔ ཎཕ ཎབ ཎབྷ ཎམ ཎཙ ཎཚ ཎཛ ཎཛྷ ཎཉ ཎཝ ཎཞ ཎཟ ཎའ ཎཡ ཎར ཎལ ཎཤ ཎཥ ཎས ཎཧ ཎཨ ཏཀ ཏཁ ཏག ཏགྷ ཏང ཏཅ ཏཆ ཏཇ ཏཉ ཏཊ ཏཋ ཏཌ ཏཌྷ ཏཎ ཏཏ ཏཐ ཏད ཏདྷ ཏན ཏཔ ཏཕ ཏབ ཏབྷ ཏམ ཏཙ ཏཚ ཏཛ ཏཛྷ ཏཉ ཏཝ ཏཞ ཏཟ ཏའ ཏཡ ཏར ཏལ ཏཤ ཏཥ ཏས ཏཧ ཏཨ ཐཀ ཐཁ ཐག ཐགྷ ཐང ཐཅ ཐཆ ཐཇ ཐཉ ཐཊ ཐཋ ཐཌ ཐཌྷ ཐཎ ཐཏ ཐཐ ཐད ཐདྷ ཐན ཐཔ ཐཕ ཐབ ཐབྷ ཐམ ཐཙ ཐཚ ཐཛ ཐཛྷ ཐཉ ཐཝ ཐཞ ཐཟ ཐའ ཐཡ ཐར ཐལ ཐཤ ཐཥ ཐས ཐཧ ཐཨ དཀ དཁ དག དགྷ དང དཅ དཆ དཇ དཉ དཊ དཋ དཌ དཌྷ དཎ དཏ དཐ དད དདྷ དན དཔ དཕ དབ དབྷ དམ དཙ དཚ དཛ དཛྷ དཉ དཝ དཞ དཟ དའ དཡ དར དལ དཤ དཥ དས དཧ དཨ དྷཀ དྷཁ དྷག དྷགྷ དྷང དྷཅ དྷཆ དྷཇ དྷཉ དྷཊ དྷཋ དྷཌ དྷཌྷ དྷཎ དྷཏ དྷཐ དྷད དྷདྷ དྷན དྷཔ དྷཕ དྷབ དྷབྷ དྷམ དྷཙ དྷཚ དྷཛ དྷཛྷ དྷཉ དྷཝ དྷཞ དྷཟ དྷའ དྷཡ དྷར དྷལ དྷཤ དྷཥ དྷས དྷཧ དྷཨ ནཀ ནཁ ནག ནགྷ ནང ནཅ ནཆ ནཇ ནཉ ནཊ ནཋ ནཌ ནཌྷ ནཎ ནཏ ནཐ ནད ནདྷ ནན ནཔ ནཕ ནབ ནབྷ ནམ ནཙ ནཚ ནཛ ནཛྷ ནཉ ནཝ ནཞ ནཟ ནའ ནཡ ནར ནལ ནཤ ནཥ ནས ནཧ ནཨ པཀ པཁ པག པགྷ པང པཅ པཆ པཇ པཉ པཊ པཋ པཌ པཌྷ པཎ པཏ པཐ པད པདྷ པན པཔ པཕ པབ པབྷ པམ པཙ པཚ པཛ པཛྷ པཉ པཝ པཞ པཟ པའ པཡ པར པལ པཤ པཥ པས པཧ པཨ ཕཀ ཕཁ ཕག ཕགྷ ཕང ཕཅ ཕཆ ཕཇ ཕཉ ཕཊ ཕཋ ཕཌ ཕཌྷ ཕཎ ཕཏ ཕཐ ཕད ཕདྷ ཕན ཕཔ ཕཕ ཕབ ཕབྷ ཕམ ཕཙ ཕཚ ཕཛ ཕཛྷ ཕཉ ཕཝ ཕཞ ཕཟ ཕའ ཕཡ ཕར ཕལ ཕཤ ཕཥ ཕས ཕཧ ཕཨ བཀ བཁ བག བགྷ བང བཅ བཆ བཇ བཉ བཊ བཋ བཌ བཌྷ བཎ བཏ བཐ བད བདྷ བན བཔ བཕ བབ བབྷ བམ བཙ བཚ བཛ བཛྷ བཉ བཝ བཞ བཟ བའ བཡ བར བལ བཤ བཥ བས བཧ བཨ བྷཀ བྷཁ བྷག བྷགྷ བྷང བྷཅ བྷཆ བྷཇ བྷཉ བྷཊ བྷཋ བྷཌ བྷཌྷ བྷཎ བྷཏ བྷཐ བྷད བྷདྷ བྷན བྷཔ བྷཕ བྷབ བྷབྷ བྷམ བྷཙ བྷཚ བྷཛ བྷཛྷ བྷཉ བྷཝ བྷཞ བྷཟ བྷའ བྷཡ བྷར བྷལ བྷཤ བྷཥ བྷས བྷཧ བྷཨ མཀ མཁ མག མགྷ མང མཅ མཆ མཇ མཉ མཊ མཋ མཌ མཌྷ མཎ མཏ མཐ མད མདྷ མན མཔ མཕ མབ མབྷ མམ མཙ མཚ མཛ མཛྷ མཉ མཝ མཞ མཟ མའ མཡ མར མལ མཤ མཥ མས མཧ མཨ ཙཀ ཙཁ ཙག ཙགྷ ཙང ཙཅ ཙཆ ཙཇ ཙཉ ཙཊ ཙཋ ཙཌ ཙཌྷ ཙཎ ཙཏ ཙཐ ཙད ཙདྷ ཙན ཙཔ ཙཕ ཙབ ཙབྷ ཙམ ཙཙ ཙཚ ཙཛ ཙཛྷ ཙཉ ཙཝ ཙཞ ཙཟ ཙའ ཙཡ ཙར ཙལ ཙཤ ཙཥ ཙས ཙཧ ཙཨ ཚཀ ཚཁ ཚག ཚགྷ ཚང ཚཅ ཚཆ ཚཇ ཚཉ ཚཊ ཚཋ ཚཌ ཚཌྷ ཚཎ ཚཏ ཚཐ ཚད ཚདྷ ཚན ཚཔ ཚཕ ཚབ ཚབྷ ཚམ ཚཙ ཚཚ ཚཛ ཚཛྷ ཚཉ ཚཝ ཚཞ ཚཟ ཚའ ཚཡ ཚར ཚལ ཚཤ ཚཥ ཚས ཚཧ ཚཨ ཛཀ ཛཁ ཛག ཛགྷ ཛང ཛཅ ཛཆ ཛཇ ཛཉ ཛཊ ཛཋ ཛཌ ཛཌྷ ཛཎ ཛཏ ཛཐ ཛད ཛདྷ ཛན ཛཔ ཛཕ ཛབ ཛབྷ ཛམ ཛཙ ཛཚ ཛཛ ཛཛྷ ཛཉ ཛཝ ཛཞ ཛཟ ཛའ ཛཡ ཛར ཛལ ཛཤ ཛཥ ཛས ཛཧ ཛཨ ཛྷཀ ཛྷཁ ཛྷག ཛྷགྷ ཛྷང ཛྷཅ ཛྷཆ ཛྷཇ ཛྷཉ ཛྷཊ ཛྷཋ ཛྷཌ ཛྷཌྷ ཛྷཎ ཛྷཏ ཛྷཐ ཛྷད ཛྷདྷ ཛྷན ཛྷཔ ཛྷཕ ཛྷབ ཛྷབྷ ཛྷམ ཛྷཙ ཛྷཚ ཛྷཛ ཛྷཛྷ ཛྷཉ ཛྷཝ ཛྷཞ ཛྷཟ ཛྷའ ཛྷཡ ཛྷར ཛྷལ ཛྷཤ ཛྷཥ ཛྷས ཛྷཧ ཛྷཨ ཉཀ ཉཁ ཉག ཉགྷ ཉང ཉཅ ཉཆ ཉཇ ཉཉ ཉཊ ཉཋ ཉཌ ཉཌྷ ཉཎ ཉཏ ཉཐ ཉད ཉདྷ ཉན ཉཔ ཉཕ ཉབ ཉབྷ ཉམ ཉཙ ཉཚ ཉཛ ཉཛྷ ཉཉ ཉཝ ཉཞ ཉཟ ཉའ ཉཡ ཉར ཉལ ཉཤ ཉཥ ཉས ཉཧ ཉཨ ཝཀ ཝཁ ཝག ཝགྷ ཝང ཝཅ ཝཆ ཝཇ ཝཉ ཝཊ ཝཋ ཝཌ ཝཌྷ ཝཎ ཝཏ ཝཐ ཝད ཝདྷ ཝན ཝཔ ཝཕ ཝབ ཝབྷ ཝམ ཝཙ ཝཚ ཝཛ ཝཛྷ ཝཉ ཝཝ ཝཞ ཝཟ ཝའ ཝཡ ཝར ཝལ ཝཤ ཝཥ ཝས ཝཧ ཝཨ ཞཀ ཞཁ ཞག ཞགྷ ཞང ཞཅ ཞཆ ཞཇ ཞཉ ཞཊ ཞཋ ཞཌ ཞཌྷ ཞཎ ཞཏ ཞཐ ཞད ཞདྷ ཞན ཞཔ ཞཕ ཞབ ཞབྷ ཞམ ཞཙ ཞཚ ཞཛ ཞཛྷ ཞཉ ཞཝ ཞཞ ཞཟ ཞའ ཞཡ ཞར ཞལ ཞཤ ཞཥ ཞས ཞཧ ཞཨ ཟཀ ཟཁ ཟག ཟགྷ ཟང ཟཅ ཟཆ ཟཇ ཟཉ ཟཊ ཟཋ ཟཌ ཟཌྷ ཟཎ ཟཏ ཟཐ ཟད ཟདྷ ཟན ཟཔ ཟཕ ཟབ ཟབྷ ཟམ ཟཙ ཟཚ ཟཛ ཟཛྷ ཟཉ ཟཝ ཟཞ ཟཟ ཟའ ཟཡ ཟར ཟལ ཟཤ ཟཥ ཟས ཟཧ ཟཨ འཀ འཁ འག འགྷ འང འཅ འཆ འཇ འཉ འཊ འཋ འཌ འཌྷ འཎ འཏ འཐ འད འདྷ འན འཔ འཕ འབ འབྷ འམ འཙ འཚ འཛ འཛྷ འཉ འཝ འཞ འཟ ཨའ ཨཡ ཨར ཨལ ཨཤ ཨཥ ཨས ཨཧ ཨཨ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो नारायणाय ॥

ཀཀ།།ཀཀཀ

ปกิณกะ ว่าด้วยเรื่องเบ็ดเตล็ด

ཀཱཡཱ་ཝཱཙཱ་མནསཱ་ཡཏ་ཀརྨ་ཀུརྭནྟི་ཏཏ་ཀརྨ་ཀུརྭནྟི་ཏཏ་ཀརྨ་ཀུརྭནྟི་ཏ

ཀུན་ཏུ་སྤྱོད་པ་ཡི་ཡུལ་ཅན་ཏེ།

ولا يجوز أن يكون الشيء الواحد في الوقت الواحد في المكان الواحد من الجهة الواحدة من الشخص الواحد مأمورا به منهيا عنه.

ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ། ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ། ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ།

ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཞེས་བྱ་བ་ཐེག་པ་ཆེན་པོའི་མདོ་

ཀཱཏྱཱཡནཱཡ ནམཿ། ཨཱཙཱརྱཱཡ ནམཿ། ཨུཔཱདྷྱཱཡ

ཀཱ་ཏྱཱ་ཡ་ནཱ་ཡ་ནཱ་ཡ་

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः सङ्कर्षणाय नमः प्रद्युम्नाय नमोऽनिरुद्धाय नमो नारायणाय नमो महापुरुषाय नमः परमपुरुषाय नमो
अव्यक्तमूर्तये नमो नमः शान्ताय तपोयोगाय नमो नमः कालकालाय नमो रुद्राय नमो नमः प्रमथाधिपतये नमो नमो
भूतानां बलप्रमथनाय नमो नमो नमो नमः सर्वविद्याधिपतये नमो नमः सर्वभूतदमनाय नमो नमो मनोन्मनाय नमः
कालाग्निरुद्राय नमो नमः सहस्रशिरसे नमो नमः सहस्रपादाक्षिभुजाय नमो नमः सहस्रनाम्ने पुरुषाय शाश्वताय
महादेवाय महायोगिने नमो नमो नमः ॥ इति श्रीमहाभारते शतसाहस्र्यां संहितायां वैयासिक्यां अनुशासनपर्वणि
दानधर्मे भीष्मयुधिष्ठिरसंवादे विष्णुसहस्रनामस्तोत्रं समाप्तम् ॥ ॐ तत्सत् ॥ ॐ नमो नारायणाय नमो भगवते
वासुदेवाय नमः ॥ ॐ नमो नारायणाय नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥ ॐ नमो नारायणाय नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः सङ्कर्षणाय प्रद्युम्नाय अनिरुद्धाय नमो नमो वराहाय नमः सूक्ष्माय नमो जगत्प्रतिष्ठाकारणाय नमो नमो भूतादये भूतसङ्घातभूतभावनाय पुरुषाय महाहंसाय नमो नमो विश्वकर्मणे विश्वरूपाय विश्वाय विश्वसम्भवाय नमो नमो नमो हिरण्यवर्णाय हिरण्यरूपाय हिरण्यसम्भवाय नमो नमो नमो ब्रह्मण्याय ब्रह्मकृते ब्रह्मभूताय ब्रह्म

ཀཱཡཱ་ཡཱ་ཡཱ་

ཀཱཡཱཡཱཡ

ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय महाभयविदारणकराय भयानकाय प्रचण्डाय पद्महस्ताय गजकुलोत्तारणकराय महाबलाय अचलचलाय पृथिवीकम्पनकराय महारवणाय रवणत्रासकराय सिंहनादनादिताय हिलि हिलि किलि किलि विलि विलि चिलि चिलि मिलि मिलि चिरि चिरि बुद्धबोधनकराय सर्वदुष्टप्रदुष्टानां सर्वसत्त्वानां सर्वप्राणभूतानां सर्वशरीरेन्द्रियाणां सर्वभूतग्रहाणां सर्वविद्यानां सर्वकर्मणां सर्वशिल्पानां सर्वदेवतानां सर्वनागानां सर्वयक्षाणां सर्वराक्षसानां सर्वासुराणां सर्वगरुडानां सर्वकिन्नराणां सर्वमहोरगाणां सर्वग्रहाणां सर्वभूतानां सर्वप्रेतानां सर्वपिशाचानां सर्वकुष्माण्डानां सर्वपूतनानां सर्वकटपूतनानां सर्वज्वरग्रहाणां सर्वच्छायाग्रहाणां सर्वरेवतीग्रहाणां सर्वबालग्रहाणां सर्वदुष्टग्रहाणां सर्वदुष्टचित्तानां सर्वदुष्टवाचां सर्वदुष्टकायानां सर्वदुष्टप्रदुष्टानां सर्वदुष्टेभ्यः सर्वपापेभ्यः सर्वाशुभेभ्यः सर्वाकुशलेभ्यः सर्वाकुशलकर्मभ्यः सर्वाकुशलकर्मपथेभ्यः सर्वाकुशलकर्मविपाकेभ्यः सर्वाकुशलकर्मविपाकप्रतिसंवेदनेभ्यः सर्वाकुशलकर्मविपाकप्रतिसंवेदनाधिष्ठानेभ्यः सर्वाकुशलकर्मविपाकप्रतिसंवेदनाधिष्ठानसमुत्थानेभ्यः सर्वाकुशलकर्मविपाकप्रतिसंवेदनाधिष्ठानसमुत्थानसंभवेभ्यः सर्वाकुशलकर्मविपाकप्रतिसंवेदनाधिष्ठानसमुत्थानसंभवसंनिपातेभ्यः सर्वाकुशलकर्मविपाकप्रतिसंवेदनाधिष्ठानसमुत्थानसंभवसंनिपातसंनिपतितेभ्यः सर्वाकुशलकर्मविपाकप्रतिसंवेदनाधिष्ठानसमुत्थानसंभवसंनिपातसंनिपतितसंनिपतितेभ्यः सर्वाकुशलकर्मविपाकप्रतिसंवेदनाधिष्ठानसमुत्थानसंभवसंनिपातसंनिपतितसंनिपतितसंनिपतितेभ्यः सर्वाकुशलकर्मविपाकप्रतिसंवेदनाधिष्ठानसमुत्थानसंभवसंनिपातसंनिपतितसंनिपतितसंनिपतितसंनिपतितेभ्यः सर्वाकुशलकर्मविपाकप्रतिसंवेदनाधिष्ठानसमुत्थानसंभवसंनिपातसंनिपतितसंनिपतितसंनिपतितसंनिपतितसंनिपतितेभ्यः सर्वाकुशलकर्मविपाकप्रतिसंवेदनाधिष्ठानसमुत्थानसंभवसंनिपातसंनिपतितसंनिपतितसंनिपतितसंनिपतितसंनिपतितसंनिपतितेभ्यः सर्वाकुशलकर्मविपाकप्रतिसंवेदनाधिष्ठानसमुत्थानसंभवसंनिपातसंनिपतितसंनिपतितसंनिपतितसंनिपतितसंनिपतितसंनिपतितसंनिपतितेभ्यः सर्वाकुशलकर्मविपाकप्रतिसंवेदनाधिष्ठानसमुत्थानसंभवसंनिपातसंनिपतितसंनिपतितसंनिपतितसंनिपतितसंनिपतितसंनिपतितसंनिपतितसंनिपतितेभ्यः सर्वाकुशलकर्मविपाकप्रतिसंवेदनाधिष्ठानसमुत्थानसंभवसंनिपातसंनिपतितसंनिपतितसंनिपतितसंनिपतितसंनिपतितसंनिपतितसंनिपतितसंनिपतितसंनिपतितेभ्यः सर्वाकुशलकर्मविपाकप्रतिसंवेदनाधिष्ठानसमुत्थानसंभवसंनिपातसंनिपतितसंनिपतितसंनिपतितसंनिपतितसंनिपतितसंनिपतितसंनिपतितसंनिपतितसंनिपतितसंनिपतितेभ्यः सर्वाकुशलकर्मविपाकप्रतिसंवेदनाधिष्ठानसमुत्थानसंभवसंनिपातसंनिपतित

ཀཀ།

ཞེས་བཅས་བཅས་ཀ་ཐེབ། རབ་ཏུ་གྲགས་པ་བདག་མེད་ཀྱི་བཤད་པ་ཐེག་ཆེན་ལས། སྐྱེས་བུ་ཁམ་པ་ཞེས་བྱ་བ་ལ་སོགས་པ་ཐེག་ཆེན་ལས་ཀྱང

ཀུན་ཏུ་ཞི་བའི་ཕྱིར། ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཡི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཕྱག་རྒྱ་ཆེན་པོ་ཡིས་ཀུན་ཏུ་རྟོགས་པ

ಕಾಲಾಂತರದಲ್ಲಿ ಅಂಗಾಂಗಗಳಲ್ಲಿ ಕೆಲವು ಕಾರಣಗಳಿಂದ ಅಲ್ಲಲ್ಲಿ ಕೆಲವು ಕಡೆ

ण्णाश्रमाणां गृहिणां गृहमेधिनां गृहस्थानां गृहाश्रमाणां गृहिणां गृहस्थानां गृहाश्रमाणां गृहिणां गृहस्थानां गृहाश्रमाणां गृहिण

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः सङ्कर्षणाय नमः प्रद्युम्नायानिरुद्धाय नमः परमहंसेभ्यो नमो वयं कुर्महे ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः सङ्कर्षणाय नमः प्रद्युम्नायानिरुद्धाय नमः परमहंसेभ्यो नमो वयं कुर्महे ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः सङ्कर्षणाय नमः प्रद्युम्नायानिरुद्धाय नमः परमहंसेभ्यो नमो वयं कुर्महे ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीमद्भागवतमहापुराणे पारमहंस्यां संहितायां दशमस्कन्धे पूर्वार्धे
श्रीकृष्णबलरामाभ्यां

ॐ नमो भगवते वज्रसत्त्वाय महासत्त्वाय महाकारुणिकाय महाप्रतिज्ञासत्त्वाय महाकामकामिने महाकामकामिनीसहिताय महाकामकामिनीसहितप्रियाय महाकामकामिनीसहितप्रियाय महाकामकामिनीसहितप्रिया

ཀྱི་ཚིག་ཏུ་ཡང་ཡང་ཞེས་བྱ་བ་ནི་ཡང་ཡང་ཞེས་བྱ་བ་ཡིན་ཏེ

ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो विघ्नेश्वराय ॥ ॐ नमो गुरुभ्यः ॥ ॐ नमः सिद्धेभ्यः ॥ ॐ नमः शिवायै ॥ ॐ नमो ब्रह्मणे ॥ ॐ नमो विष्णवे ॥ ॐ नमो रुद्राय ॥ ॐ नमो महेश्वराय ॥ ॐ नमो हिरण्यगर्भाय ॥ ॐ नमो लक्ष्म्यै ॥ ॐ नमो वाण्यै ॥ ॐ नमो गौर्यै ॥ ॐ नमः सर्वेभ्यो देवेभ्यो देवीभ्यश्च ॥ ॐ नमः सर्वेभ्यो ब्रह्मभ्यो ब्रह्मणीभ्यश्च ॥ ॐ नमः सर्वेभ्यो वैष्णवेभ्यो वैष्णवीभ्यश्च ॥ ॐ नमः सर्वेभ्यो रौद्रेभ्यो रौद्रीभ्यश्च ॥ ॐ नमः सर्वेभ्यो महेश्वरेभ्यो महेश्वरीभ्यश्च ॥ ॐ नमः सर्वेभ्यो हैरण्यगर्भेभ्यो हैरण्यगर्भीभ्यश्च ॥ ॐ नमः सर्वेभ्यो लक्ष्मीभ्यो लक्ष्मीपतिभ्यश्च ॥ ॐ नमः सर्वेभ्यो वाणीभ्यो वाणीपतिभ्यश्च ॥ ॐ नमः सर्वेभ्यो गौरीभ्यो गौरीपतिभ्यश्च

ॐ नमो भगवते वज्रकुमाराय महासेनाय महाबलपराक्रमाय महाप्रतापाय महाकायाय महाविद्याराजाय महाविद्यासाधकाय महाविद्यासिद्धाय महाविद्यावेगाय महाविद्यामन्त्रपदाय महाविद्यामन्त्रबीजाय महाविद्यामन्त्रपारगाय महाविद्यामन्त्रप्रभेदाय महाविद्यामन्त्रप्रभेदकाय महाविद्यामन्त्रप्रभेदकाय महाविद्यामन्त्रप्रभेदक

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः सङ्कर्षणाय प्रद्युम्नाय अनिरुद्धाय नमो नमः

ॐ नमो भगवते वज्रसत्त्वाय महासत्त्वाय महाकारुणिकाय महाप्रतिसंवित्प्राप्ताय महाविद्याधराय महाविद्याराजाय महाविद्यासिद्धाय महाविद्यासिद्धेश्वराय महाविद्यासिद्धसाधिताय महाविद्यासिद्धसाधकाय महाविद्यासिद्धसाधनाय महाविद्यासिद्धसाधनसाधिताय महाविद्यासिद्धसाधनसाधकाय महाविद्यासिद्धसाधनसाधनाय महाविद्यासिद्धसाधनसाधनसाधिताय महाविद्यासिद्धसाधनसाधनसाधकाय महाविद्यासिद्धसाधनसाधनसाधनाय महाविद्यासिद्धसाधनसाधनसाधनसाधिताय महाविद्यासिद्धसाधनसाधनसाधनसाधकाय महाविद्यासिद्धसाधनसाधनसाधनसाधनाय महाविद्यासिद्धसाधनसाधनसाधनसाधनसाधिताय महाविद्यासिद्धसाधनसाधनसाधनसाधनसाधकाय महाविद्यासिद्धसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनाय महाविद्यासिद्धसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधिताय महाविद्यासिद्धसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधकाय महाविद्यासिद्धसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनाय महाविद्यासिद्धसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधिताय महाविद्यासिद्धसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधकाय महाविद्यासिद्धसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनाय महाविद्यासिद्धसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधिताय महाविद्यासिद्धसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधकाय महाविद्यासिद्धसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनाय महाविद्यासिद्धसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधिताय महाविद्यासिद्धसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधकाय महाविद्यासिद्धसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनाय महाविद्यासिद्धसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधिताय महाविद्यासिद्धसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधकाय महाविद्यासिद्धसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनाय महाविद्यासिद्धसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधिताय महाविद्यासिद्धसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधकाय महाविद्यासिद्धसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनाय महाविद्यासिद्धसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधिताय महाविद्यासिद्धसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधकाय महाविद्यासिद्धसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनाय महाविद्यासिद्धसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधिताय महाविद्यासिद्धसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधकाय महाविद्यासिद्धसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनाय महाविद्यासिद्धसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधिताय महाविद्यासिद्धसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधकाय महाविद्यासिद्धसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनाय महाविद्यासिद्धसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधिताय महाविद्यासिद्धसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधकाय महाविद्यासिद्धसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनाय महाविद्यासिद्धसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधिताय महाविद्यासिद्धसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधकाय महाविद्यासिद्धसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनाय महाविद्यासिद्धसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधिताय महाविद्यासिद्धसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधकाय महाविद्यासिद्धसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनाय महाविद्यासिद्धसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधिताय महाविद्यासिद्धसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधकाय महाविद्यासिद्धसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनाय महाविद्यासिद्धसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधिताय महाविद्यासिद्धसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधकाय महाविद्यासिद्धसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनाय महाविद्यासिद्धसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधिताय महाविद्यासिद्धसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधकाय महाविद्यासिद्धसाधनाय महाविद्यासिद्धसाधनसाधिताय महाविद्यासिद्धसाधनसाधकाय महाविद्यासिद्धसाधनाय महाविद्यासिद्धसाधनसाधिताय महाविद्यासिद्धसाधनसाधकाय महाविद्यासिद्धसाधनाय महाविद्यासिद्धसाधनसाधिताय महाविद्यासिद्धसाधनसाधकाय महाविद्यासिद्धसाधनाय महाविद्यासिद्धसाधनसाधिताय महाविद्यासिद्धसाधनसाधकाय महाविद्यासिद्धसाधनाय महाविद्यासिद्धसाधनसाधिताय महाविद्यासिद्धसाधनसाधकाय महाविद्यासिद्धसाधनाय महाविद्यासिद्धसाधनसाधिताय महाविद्यासिद्धसाधनसाधकाय महाविद्यासिद्धसाधनाय महाविद्यासिद्धसाधनसाधिताय महाविद्यासिद्धसाधनसाधकाय महाविद्यासिद्धसाधनाय महाविद्यासिद्धसाधनसाधिताय महाविद्यासिद्धसाधनसाधकाय महाविद्यासिद्धसाधनाय महाविद्यासिद्धसाधनसाधिताय महाविद्यासिद्धसाधनसाधकाय महाविद्यासिद्धसाधनाय महाविद्यासिद्धसाधनसाधिताय महाविद्यासिद्धसाधनसाधकाय महाविद्यासिद्धसाधनाय महाविद्यासिद्धसाधनसाधिताय महाविद्यासिद्धसाधनसाधकाय महाविद्यासिद्धसाधनाय महाविद्यासिद्धसाधनसाधिताय महाविद्यासिद्धसाधनसाधकाय महाविद्यासिद्धसाधनाय महाविद्यासिद्धसाधनसाधिताय महाविद्यासिद्धसाधनसाधकाय महाविद्यासिद्धसाधनाय महाविद्यासिद्धसाधनसाधिताय महाविद्यासिद्धसाधनसाधकाय महाविद्यासिद्धसाधनाय महाविद्यासिद्धसाधनसाधिताय महाविद्यासिद्धसाधनसाधकाय महाविद्यासिद्धसाधनाय महाविद्यासिद्धसाधनसाधिताय महाविद्यासिद्धसाधनसाधकाय महाविद्यासिद्धसाधनाय महाविद्यासिद्धसाधनसाधिताय महाविद्यासिद्धसाधनसाधकाय महाविद्यासिद्धसाधनाय महाविद्यासिद्धसाधनसाधिताय महाविद्यासिद्धसाधनसाधकाय महाविद्यासिद्धसाधनाय महाविद्यासिद्धसाधनसाधिताय महाविद्यासिद्धसाधनसाधकाय महाविद्यासिद्धसाधनाय महाविद्यासिद्धसाधनसाधिताय महाविद्यासिद्धसाधनसाधकाय महाविद्यासिद्धसाधनाय महाविद्यासिद्धसाधनसाधिताय महाविद्यासिद्धसाधनसाधकाय महाविद्यासिद्धसाधनाय महाविद्यासिद्धसाधनसाधिताय महाविद्यासिद्धसाधनसाधकाय महाविद्यासिद्धसाधनाय महाविद्यासिद्धसाधनसाधिताय महाविद्यासिद्धसाधनसाधकाय महाविद्यासिद्धसाधनाय महाविद्यासिद्धसाधनसाधिताय महाविद्यासिद्धसाधनसाधकाय महाविद्यासिद्धसाधनाय महाविद्यासिद्धसाधनसाधिताय महाविद्यासिद्धसाधनसाधकाय महाविद्यासिद्धसाधनाय महाविद्यासिद्धसाधनसाधिताय महाविद्यासिद्धसाधनसाधकाय महाविद्यासिद्धसाधनाय महाविद्यासिद्धसाधनसाधिताय महाविद्यासिद्धसाधनसाधकाय महाविद्यासिद्धसाधनाय महाविद्यासिद्धसाधनसाधिताय महाविद्यासिद्धसाधनसाधकाय महाविद्यासिद्धसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधनसाधन

ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཡི་ཕྱག་ཏུ་ཕུལ་ཏེ་

ཞེས་བྱ་བ་ལ་སོགས་པ་ཐམས་ཅད་ཀྱང་ཡོད་པ་ཡིན་ནོ། །ཡང་ན་ཡོད་པ་ཉིད་ཀྱི་ཚིག་ཏུ་ཡང་ཡོད་པ་ཉིད་ཅ

ཤེས་རབ་ཀྱི་ཕ་རོལ་ཏུ་ཕྱིན་པ་ཡི་ཡེ་ཤེས

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमः पुरुषाय महाविभूतये सकलभुवनसर्गस्थानसंयमनानुग्रहकारणत्रयानपायोपलक्षणाय
प्रादुर्भूतायाद्यायानन्तशक्तये त्रिगुणेनाजायमानाव्यक्तमहदहंखादिसप्तावरणविकोपायोपबृंहितायाण्डकोशायाशेषवि
शेषप्रकृतये नमः परस्मै ब्रह्मणेऽनन्तायाव्यक्तमूलसूक्ष्मत्वाच्छतयोजनसाहस्रस्वावयवायाद्यायाद्यानां महाभूतानां
भूतसूक्ष्माणां चाहंतत्त्वस्य च महतश्च तत्त्वस्य प्रधानस्य च पुरुषस्य च कालस्य च तत्त्वस्य च तत्त्वानां च
सर्वेषां च गुणानां च गुणव्यतिकारस्य च सर्वेषां च भावानां च प्रकाशकाय नमः कारणाय ते सर्वप्रत्ययसाक्षिणे
नमोऽविज्ञातरूपाय नमस्ते महयोगिने ॥ नमस्ते सर्वभावाय ब्रह्मणेऽनन्तशक्तये ॥ अरूपायोरुरूपाय नमो
मायाविने विभो ॥ नमोऽस्तु ते व्यापकाय ब्रह्मणेऽनन्तशक्तये ॥ अरूपायोरुरूपाय नमो मायाविने विभो ॥ नमोऽस्तु ते
व्यापकाय ब्रह्मणेऽनन्तशक्तये ॥ अरूपायोरुरूपाय नमो मायाविने विभो ॥ नमोऽस्तु ते व्यापकाय ब्रह्मणेऽनन्तशक्तये ॥

ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय भूरिभयभैरवभीषणाय महाकायकायाय महाकालरूपिणे त्रिभुवनभयजनकाय त्रिभुवनसंहारकाय त्रिभुवनरक्षणकाय त्रिभुवनविजयिने त्रिभुवनेश्वराय त्रिभुवनवशंकराय त्रिभुवनाभयदाय त्रिभुवनसारभूताय त्रिभुवनाधिपतये त्रिभुवनाधिपतिसाधकाय त्रिभुवनाधिपतिसाधितपादाय त्रिभुवनाधिपतिसाधितपादपीठाय त्रिभुवनाधिपतिसाधितपादपीठपूजिताय त्रिभुवनाधिपतिसाधितपादपीठपूजितपादाय त्रिभुवनाधिपतिसाधितपादपीठपूजितपादपद्माय त्रिभुवनाधिपतिसाधितपादपीठपूजितपादपद्मनमस्कृताय त्रिभुवनाधिपतिसाधितपादपीठपूजितपादपद्मनमस्कृतपादाय त्रिभुवनाधिपतिसाधितपादपीठपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्माय त्रिभुवनाधिपतिसाधितपादपीठपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजिताय त्रिभुवनाधिपतिसाधितपादपीठपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादाय त्रिभुवनाधिपतिसाधितपादपीठपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्माय त्रिभुवनाधिपतिसाधितपादपीठपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृताय त्रिभुवनाधिपतिसाधितपादपीठपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादाय त्रिभुवनाधिपतिसाधितपादपीठपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्माय त्रिभुवनाधिपतिसाधितपादपीठपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजिताय त्रिभुवनाधिपतिसाधितपादपीठपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादाय त्रिभुवनाधिपतिसाधितपादपीठपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्माय त्रिभुवनाधिपतिसाधितपादपीठपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृताय त्रिभुवनाधिपतिसाधितपादपीठपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादाय त्रिभुवनाधिपतिसाधितपादपीठपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्माय त्रिभुवनाधिपतिसाधितपादपीठपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजिताय त्रिभुवनाधिपतिसाधितपादपीठपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादाय त्रिभुवनाधिपतिसाधितपादपीठपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्माय त्रिभुवनाधिपतिसाधितपादपीठपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृताय त्रिभुवनाधिपतिसाधितपादपीठपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादाय त्रिभुवनाधिपतिसाधितपादपीठपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्माय त्रिभुवनाधिपतिसाधितपादपीठपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजिताय त्रिभुवनाधिपतिसाधितपादपीठपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादाय त्रिभुवनाधिपतिसाधितपादपीठपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्माय त्रिभुवनाधिपतिसाधितपादपीठपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृताय त्रिभुवनाधिपतिसाधितपादपीठपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादाय त्रिभुवनाधिपतिसाधितपादपीठपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्माय त्रिभुवनाधिपतिसाधितपादपीठपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजिताय त्रिभुवनाधिपतिसाधितपादपीठपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादाय त्रिभुवनाधिपतिसाधितपादपीठपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्माय त्रिभुवनाधिपतिसाधितपादपीठपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृताय त्रिभुवनाधिपतिसाधितपादपीठपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादाय त्रिभुवनाधिपतिसाधितपादपीठपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्माय त्रिभुवनाधिपतिसाधितपादपीठपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजिताय त्रिभुवनाधिपतिसाधितपादपीठपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादाय त्रिभुवनाधिपतिसाधितपादपीठपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्माय त्रिभुवनाधिपतिसाधितपादपीठपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृताय त्रिभुवनाधिपतिसाधितपादपीठपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादाय त्रिभुवनाधिपतिसाधितपादपीठपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्माय त्रिभुवनाधिपतिसाधितपादपीठपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजिताय त्रिभुवनाधिपतिसाधितपादपीठपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादाय त्रिभुवनाधिपतिसाधितपादपीठपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्माय त्रिभुवनाधिपतिसाधितपादपीठपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृताय त्रिभुवनाधिपतिसाधितपादपीठपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादाय त्रिभुवनाधिपतिसाधितपादपीठपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्माय त्रिभुवनाधिपतिसाधितपादपीठपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृताय त्रिभुवनाधिपतिसाधितपादपीठपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादाय त्रिभुवनाधिपतिसाधितपादपीठपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्माय त्रिभुवनाधिपतिसाधितपादपीठपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजिताय त्रिभुवनाधिपतिसाधितपादपीठपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादाय त्रिभुवनाधिपतिसाधितपादपीठपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्माय त्रिभुवनाधिपतिसाधितपादपीठपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृतपादपद्मपूजितपादपद्मनमस्कृ

ଜଗନ୍ନାଥ ଦାସ ରଚିତ ଭାଗବତ ॥ ୨୨୩ ॥

ଜୟ ଜୟ ଜୟ

ब्रह्मणस्पतिरुद्धन्यो रुद्रो वसुसुतो मुनिः। शम्भुरादित्यसाध्याश्च पितरो दक्षिणामृताः॥ ६॥
अग्निष्वात्तादयो दिव्याः पितरः सोमपाः स्मृताः। बर्हिषदः पितृगणा आज्यपा इति विश्रुताः॥ ७॥
सोमपा नाम विप्राणां क्षत्रियाणां तथैव च। आज्यपा नाम वैश्यानां सूद्राणां तु बर्हिषदः॥ ८॥
अग्निष्वात्ता इति प्रोक्ता ब्राह्मणा ये द्विजोत्तमाः। क्षत्रियाः सोमपा ज्ञेया वैश्या वै आज्यपाः स्मृताः॥ ९॥
बर्हिषदः स्मृताः सूद्रा इति पितृगणाः स्मृताः। अग्निष्वात्तादयो दिव्याः पितरः सोमपाः स्मृताः॥ १०॥
बर्हिषदः पितृगणा आज्यपा इति विश्रुताः। सोमपा नाम विप्राणां क्षत्रियाणां तथैव च॥ ११॥
आज्यपा नाम वैश्यानां सूद्राणां तु बर्हिषदः। अग्निष्वात्ता इति प्रोक्ता ब्राह्मणा ये द्विजोत्तमाः॥ १२॥
क्षत्रियाः सोमपा ज्ञेया वैश्या वै आज्यपाः स्मृताः। बर्हिषदः स्मृताः सूद्रा इति पितृगणाः स्मृताः॥ १३॥
अग्निष्वात्तादयो दिव्याः पितरः सोमपाः स्मृताः। बर्हिषदः पितृगणा आज्यपा इति विश्रुताः॥ १४॥
सोमपा नाम विप्राणां क्षत्रियाणां तथैव च। आज्यपा नाम वैश्यानां सूद्राणां तु बर्हिषदः॥ १५॥
अग्निष्वात्ता इति प्रोक्ता ब्राह्मणा ये द्विजोत्तमाः। क्षत्रियाः सोमपा ज्ञेया वैश्या वै आज्यपाः स्मृताः॥ १६॥
बर्हिषदः स्मृताः सूद्रा इति पितृगणाः स्मृताः। अग्निष्वात्तादयो दिव्याः पितरः सोमपाः स्मृताः॥ १७॥
बर्हिषदः पितृगणा आज्यपा इति विश्रुताः। सोमपा नाम विप्राणां क्षत्रियाणां तथैव च॥ १८॥
आज्यपा नाम वैश्यानां सूद्राणां तु बर्हिषदः। अग्निष्वात्ता इति प्रोक्ता ब्राह्मणा ये द्विजोत्तमाः॥ १९॥
क्षत्रियाः सोमपा ज्ञेया वैश्या वै आज्यपाः स्मृताः। बर्हिषदः स्मृताः सूद्रा इति पितृगणाः स्मृताः॥ २०॥
अग्निष्वात्तादयो दिव्याः पितरः सोमपाः स्मृताः। बर्हिषदः पितृगणा आज्यपा इति विश्रुताः॥ २१॥
सोमपा नाम विप्राणां क्षत्रियाणां तथैव च। आज्यपा नाम वैश्यानां सूद्राणां तु बर्हिषदः॥ २२॥
अग्निष्वात्ता इति प्रोक्ता ब्राह्मणा ये द्विजोत्तमाः। क्षत्रियाः सोमपा ज्ञेया वैश्या वै आज्यपाः स्मृताः॥ २३॥
बर्हिषदः स्मृताः सूद्रा इति पितृगणाः स्मृताः। अग्निष्वात्तादयो दिव्याः पितरः सोमपाः स्मृताः॥ २४॥
बर्हिषदः पितृगणा आज्यपा इति विश्रुताः। सोमपा नाम विप्राणां क्षत्रियाणां तथैव च॥ २५॥
आज्यपा नाम वैश्यानां सूद्राणां तु बर्हिषदः। अग्निष्वात्ता इति प्रोक्ता ब्राह्मणा ये द्विजोत्तमाः॥ २६॥
क्षत्रियाः सोमपा ज्ञेया वैश्या वै आज्यपाः स्मृताः। बर्हिषदः स्मृताः सूद्रा इति पितृगणाः स्मृताः॥ २७॥
अग्निष्वात्तादयो दिव्याः पितरः सोमपाः स्मृताः। बर्हिषदः पितृगणा आज्यपा इति विश्रुताः॥ २८॥
सोमपा नाम विप्राणां क्षत्रियाणां तथैव च। आज्यपा नाम वैश्यानां सूद्राणां तु बर्हिषदः॥ २९॥
अग्निष्वात्ता इति प्रोक्ता ब्राह्मणा ये द्विजोत्तमाः। क्षत्रियाः सोमपा ज्ञेया वैश्या वै आज्यपाः स्मृताः॥ ३०॥
बर्हिषदः स्मृताः सूद्रा इति पितृगणाः स्मृताः। अग्निष्वात्तादयो दिव्याः पितरः सोमपाः स्मृताः॥ ३१॥
बर्हिषदः पितृगणा आज्यपा इति विश्रुताः। सोमपा नाम विप्राणां क्षत्रियाणां तथैव च॥ ३२॥
आज्यपा नाम वैश्यानां सूद्राणां तु बर्हिषदः। अग्निष्वात्ता इति प्रोक्ता ब्राह्मणा ये द्विजोत्तमाः॥ ३३॥
क्षत्रियाः सोमपा ज्ञेया वैश्या वै आज्यपाः स्मृताः। बर्हिषदः स्मृताः सूद्रा इति पितृगणाः स्मृताः॥ ३४॥
अग्निष्वात्तादयो दिव्याः पितरः सोमपाः स्मृताः। बर्हिषदः पितृगणा आज्यपा इति विश्रुताः॥ ३५॥
सोमपा नाम विप्राणां क्षत्रियाणां तथैव च। आज्यपा नाम वैश्यानां सूद्राणां तु बर्हिषदः॥ ३६॥
अग्निष्वात्ता इति प्रोक्ता ब्राह्मणा ये द्विजोत्तमाः। क्षत्रियाः सोमपा ज्ञेया वैश्या वै आज्यपाः स्मृताः॥ ३७॥
बर्हिषदः स्मृताः सूद्रा इति पितृगणाः स्मृताः। अग्निष्वात्तादयो दिव्याः पितरः सोमपाः स्मृताः॥ ३८॥
बर्हिषदः पितृगणा आज्यपा इति विश्रुताः। सोमपा नाम विप्राणां क्षत्रियाणां तथैव च॥ ३९॥
आज्यपा नाम वैश्यानां सूद्राणां तु बर्हिषदः। अग्निष्वात्ता इति प्रोक्ता ब्राह्मणा ये द्विजोत्तमाः॥ ४०॥
क्षत्रियाः सोमपा ज्ञेया वैश्या वै आज्यपाः स्मृताः। बर्हिषदः स्मृताः सूद्रा इति पितृगणाः स्मृताः॥ ४१॥
अग्निष्वात्तादयो दिव्याः पितरः सोमपाः स्मृताः। बर्हिषदः पितृगणा आज्यपा इति विश्रुताः॥ ४२॥
सोमपा नाम विप्राणां क्षत्रियाणां तथैव च। आज्यपा नाम वैश्यानां सूद्राणां तु बर्हिषदः॥ ४३॥
अग्निष्वात्ता इति प्रोक्ता ब्राह्मणा ये द्विजोत्तमाः। क्षत्रियाः सोमपा ज्ञेया वैश्या वै आज्यपाः स्मृताः॥ ४४॥
बर्हिषदः स्मृताः सूद्रा इति पितृगणाः स्मृताः। अग्निष्वात्तादयो दिव्याः पितरः सोमपाः स्मृताः॥ ४५॥
बर्हिषदः पितृगणा आज्यपा इति विश्रुताः। सोमपा नाम विप्राणां क्षत्रियाणां तथैव च॥ ४६॥
आज्यपा नाम वैश्यानां सूद्राणां तु बर्हिषदः। अग्निष्वात्ता इति प्रोक्ता ब्राह्मणा ये द्विजोत्तमाः॥ ४७॥
क्षत्रियाः सोमपा ज्ञेया वैश्या वै आज्यपाः स्मृताः। बर्हिषदः स्मृताः सूद्रा इति पितृगणाः स्मृताः॥ ४८॥
अग्निष्वात्तादयो दिव्याः पितरः सोमपाः स्मृताः। बर्हिषदः पितृगणा आज्यपा इति विश्रुताः॥ ४९॥
सोमपा नाम विप्राणां क्षत्रियाणां तथैव च। आज्यपा नाम वैश्यानां सूद्राणां तु बर्हिषदः॥ ५०॥
अग्निष्वात्ता इति प्रोक्ता ब्राह्मणा ये द्विजोत्तमाः। क्षत्रियाः सोमपा ज्ञेया वैश्या वै आज्यपाः स्मृताः॥ ५१॥
बर्हिषदः स्मृताः सूद्रा इति पितृगणाः स्मृताः। अग्निष्वात्तादयो दिव्याः पितरः सोमपाः स्मृताः॥ ५२॥
बर्हिषदः पितृगणा आज्यपा इति विश्रुताः। सोमपा नाम विप्राणां क्षत्रियाणां तथैव च॥ ५३॥
आज्यपा नाम वैश्यानां सूद्राणां तु बर्हिषदः। अग्निष्वात्ता इति प्रोक्ता ब्राह्मणा ये द्विजोत्तमाः॥ ५४॥
क्षत्रियाः सोमपा ज्ञेया वैश्या वै आज्यपाः स्मृताः। बर्हिषदः स्मृताः सूद्रा इति पितृगणाः स्मृताः॥ ५५॥
अग्निष्वात्तादयो दिव्याः पितरः सोमपाः स्मृताः। बर्हिषदः पितृगणा आज्यपा इति विश्रुताः॥ ५६॥
सोमपा नाम विप्राणां क्षत्रियाणां तथैव च। आज्यपा नाम वैश्यानां सूद्राणां तु बर्हिषदः॥ ५७॥
अग्निष्वात्ता इति प्रोक्ता ब्राह्मणा ये द्विजोत्तमाः। क्षत्रियाः सोमपा ज्ञेया वैश्या वै आज्यपाः स्मृताः॥ ५८॥
बर्हिषदः स्मृताः सूद्रा इति पितृगणाः स्मृताः। अग्निष्वात्तादयो दिव्याः पितरः सोमपाः स्मृताः॥ ५९॥
बर्हिषदः पितृगणा आज्यपा इति विश्रुताः। सोमपा नाम विप्राणां क्षत्रियाणां तथैव च॥ ६०॥
आज्यपा नाम वैश्यानां सूद्राणां तु बर्हिषदः। अग्निष्वात्ता इति प्रोक्ता ब्राह्मणा ये द्विजोत्तमाः॥ ६१॥
क्षत्रियाः सोमपा ज्ञेया वैश्या वै आज्यपाः स्मृताः। बर्हिषदः स्मृताः सूद्रा इति पितृगणाः स्मृताः॥ ६२॥
अग्निष्वात्तादयो दिव्याः पितरः सोमपाः स्मृताः। बर्हिषदः पितृगणा आज्यपा इति विश्रुताः॥ ६३॥
सोमपा नाम विप्राणां क्षत्रियाणां तथैव च। आज्यपा नाम वैश्यानां सूद्राणां तु बर्हिषदः॥ ६४॥
अग्निष्वात्ता इति प्रोक्ता ब्राह्मणा ये द्विजोत्तमाः। क्षत्रियाः सोमपा ज्ञेया वैश्या वै आज्यपाः स्मृताः॥ ६५॥
बर्हिषदः स्मृताः सूद्रा इति पितृगणाः स्मृताः। अग्निष्वात्तादयो दिव्याः पितरः सोमपाः स्मृताः॥ ६६॥
बर्हिषदः पितृगणा आज्यपा इति विश्रुताः। सोमपा नाम विप्राणां क्षत्रियाणां तथैव च॥ ६७॥
आज्यपा नाम वैश्यानां सूद्राणां तु बर्हिषदः। अग्निष्वात्ता इति प्रोक्ता ब्राह्मणा ये द्विजोत्तमाः॥ ६८॥
क्षत्रियाः सोमपा ज्ञेया वैश्या वै आज्यपाः स्मृताः। बर्हिषदः स्मृताः सूद्रा इति पितृगणाः स्मृताः॥ ६९॥
अग्निष्वात्तादयो दिव्याः पितरः सोमपाः स्मृताः। बर्हिषदः पितृगणा आज्यपा इति विश्रुताः॥ ७०॥
सोमपा नाम विप्राणां क्षत्रियाणां तथैव च। आज्यपा नाम वैश्यानां सूद्राणां तु बर्हिषदः॥ ७१॥
अग्निष्वात्ता इति प्रोक्ता ब्राह्मणा ये द्विजोत्तमाः। क्षत्रियाः सोमपा ज्ञेया वैश्या वै आज्यपाः स्मृताः॥ ७२॥
बर्हिषदः स्मृताः सूद्रा इति पितृगणाः स्मृताः। अग्निष्वात्तादयो दिव्याः पितरः सोमपाः स्मृताः॥ ७३॥
बर्हिषदः पितृगणा आज्यपा इति विश्रुताः। सोमपा नाम विप्राणां क्षत्रियाणां तथैव च॥ ७४॥
आज्यपा नाम वैश्यानां सूद्राणां तु बर्हिषदः। अग्निष्वात्ता इति प्रोक्ता ब्राह्मणा ये द्विजोत्तमाः॥ ७५॥
क्षत्रियाः सोमपा ज्ञेया वैश्या वै आज्यपाः स्मृताः। बर्हिषदः स्मृताः सूद्रा इति पितृगणाः स्मृताः॥ ७६॥
अग्निष्वात्तादयो दिव्याः पितरः सोमपाः स्मृताः। बर्हिषदः पितृगणा आज्यपा इति विश्रुताः॥ ७७॥
सोमपा नाम विप्राणां क्षत्रियाणां तथैव च। आज्यपा नाम वैश्यानां सूद्राणां तु बर्हिषदः॥ ७८॥
अग्निष्वात्ता इति प्रोक्ता ब्राह्मणा ये द्विजोत्तमाः। क्षत्रियाः सोमपा ज्ञेया वैश्या वै आज्यपाः स्मृताः॥ ७९॥
बर्हिषदः स्मृताः सूद्रा इति पितृगणाः स्मृताः। अग्निष्वात्तादयो दिव्याः पितरः सोमपाः स्मृताः॥ ८०॥
बर्हिषदः पितृगणा आज्यपा इति विश्रुताः। सोमपा नाम विप्राणां क्षत्रियाणां तथैव च॥ ८१॥
आज्यपा नाम वैश्यानां सूद्राणां तु बर्हिषदः। अग्निष्वात्ता इति प्रोक्ता ब्राह्मणा ये द्विजोत्तमाः॥ ८२॥
क्षत्रियाः सोमपा ज्ञेया वैश्या वै आज्यपाः स्मृताः। बर्हिषदः स्मृताः सूद्रा इति पितृगणाः स्मृताः॥ ८३॥
अग्निष्वात्तादयो दिव्याः पितरः सोमपाः स्मृताः। बर्हिषदः पितृगणा आज्यपा इति विश्रुताः॥ ८४॥
सोमपा नाम विप्राणां क्षत्रियाणां तथैव च। आज्यपा नाम वैश्यानां सूद्राणां तु बर्हिषदः॥ ८५॥
अग्निष्वात्ता इति प्रोक्ता ब्राह्मणा ये द्विजोत्तमाः। क्षत्रियाः सोमपा ज्ञेया वैश्या वै आज्यपाः स्मृताः॥ ८६॥
बर्हिषदः स्मृताः सूद्रा इति पितृगणाः स्मृताः। अग्निष्वात्तादयो दिव्याः पितरः सोमपाः स्मृताः॥ ८७॥
बर्हिषदः पितृगणा आज्यपा इति विश्रुताः। सोमपा नाम विप्राणां क्षत्रियाणां तथैव च॥ ८८॥
आज्यपा नाम वैश्यानां सूद्राणां तु बर्हिषदः। अग्निष्वात्ता इति प्रोक्ता ब्राह्मणा ये द्विजोत्तमाः॥ ८९॥
क्षत्रियाः सोमपा ज्ञेया वैश्या वै आज्यपाः स्मृताः। बर्हिषदः स्मृताः सूद्रा इति पितृगणाः स्मृताः॥ ९०॥
अग्निष्वात्तादयो दिव्याः पितरः सोमपाः स्मृताः। बर्हिषदः पितृगणा आज्यपा इति विश्रुताः॥ ९१॥
सोमपा नाम विप्राणां क्षत्रियाणां तथैव च। आज्यपा नाम वैश्यानां सूद्राणां तु बर्हिषदः॥ ९२॥
अग्निष्वात्ता इति प्रोक्ता ब्राह्मणा ये द्विजोत्तमाः। क्षत्रियाः सोमपा ज्ञेया वैश्या वै आज्यपाः स्मृताः॥ ९३॥
बर्हिषदः स्मृताः सूद्रा इति पितृगणाः स्मृताः। अग्निष्वात्तादयो दिव्याः पितरः सोमपाः स्मृताः॥ ९४॥
बर्हिषदः पितृगणा आज्यपा इति विश्रुताः। सोमपा नाम विप्राणां क्षत्रियाणां तथैव च॥ ९५॥
आज्यपा नाम वैश्यानां सूद्राणां तु बर्हिषदः। अग्निष्वात्ता इति प्रोक्ता ब्राह्मणा ये द्विजोत्तमाः॥ ९६॥
क्षत्रियाः सोमपा ज्ञेया वैश्या वै आज्यपाः स्मृताः। बर्हिषदः स्मृताः सूद्रा इति पितृगणाः स्मृताः॥ ९७॥
अग्निष्वात्तादयो दिव्याः पितरः सोमपाः स्मृताः। बर्हिषदः पितृगणा आज्यपा इति विश्रुताः॥ ९८॥
सोमपा नाम विप्राणां क्षत्रियाणां तथैव च। आज्यपा नाम वैश्यानां सूद्राणां तु बर्हिषदः॥ ९९॥
अग्निष्वात्ता इति प्रोक्ता ब्राह्मणा ये द्विजोत्तमाः। क्षत्रियाः सोमपा ज्ञेया वैश्या वै आज्यपाः स्मृताः॥ १००॥

॥ इति ॥

ཅ་ཅོ་ནས་ཀྱང་ཐུབ་པའི་དབང་པོ་ཡིན་ལས། མངའ་བདག་ཁོ་ནས་ཀྱང་ཡིན་ཏེ། དེ་ཡང་ཁྱོད་ཀྱི་ཐུགས་ཀྱི་ཁྱད་པར་ཅི་ཡིན་ཞེ་ན། ཁྱོད་ཀྱི་ཐུགས་ཀྱི་ཁྱད་པར་ནི་ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཡིན་ཏེ། ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཡང་ཁྱོད་ཀྱི་ཐུགས་ཀྱི་ཁྱད་པར་ཡིན་ལས། ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཁོ་ནས་ཀྱང

ཀྱི་ཡི་ཡི་ཀྱི་ཀྱི་ཡི་ཡི་ཀྱི་ཀྱི་ཡི་ཡི་ཀྱི་

ॐ नमो भगवते वज्रकुमाराय महाबलपराक्रमाय महाप्रतिसरे महाविद्याराज्ञि सर्वभूतोपद्रवविनाशनि सर्वदुष्टग्रहनिवारणि सर्वशत्रुभयनिवारणि सर्वव्याधिविनाशनि सर्वदुष्टदुःस्वप्ननिवारणि सर्वदुष्टदुर्निमित्तनिवारणि सर्वदुष्टदुरारिष्टनिवारणि सर्वदुष्टदुर्लक्षणनिवारणि सर्वदुष्टदुर्भिक्षनिवारणि सर्वदुष्टदुरनुभवनिवारणि सर्वदुष्टदुर्वर्षनिवारणि सर्वदुष्टदुरतिक्रमनिवारणि सर्वदुष्टदुर्मरणनिवारणि सर्वदुष्टदुर्गतिनिवारणि सर्वदुष्टदुर्जातिनिवारणि सर्वदुष्टदुर्योनिनिवारणि सर्वदुष्टदुर्वाक्यनिवारणि सर्वदुष्टदुर्व्यवहारनिवारणि सर्वदुष्टदुर्वचननिवारणि सर्वदुष्टदुर्विचारनिवारणि सर्वदुष्टदुर्विकल्पनिवारणि सर्वदुष्टदुर्विज्ञानविनाशनि सर्वदुष्टदुर्विपाकविनाशनि सर्वदुष्टदुर्विनयविनाशनि सर्वदुष्टदुर्विलासविनाशनि सर्वदुष्टदुर्विहारविनाशनि सर्वदुष्टदुर्विषयविनाशनि सर्वदुष्टदुर्विषविनाशनि सर्वदुष्टदुर्विषयविनाशनि सर्वदुष्टदुर्विषयविनाशनि सर्वदुष्टदुर्विषय

ཀཀ།།ཀཀཀ

ཀཱཡཱ་ཝཱཙཱ་མནསཱ་ཡཏ་ཀརྨ་ཀཱ་

ཞེས་ཐུབ་པའི་ཚིག་ཡིན་ཏེ། དེ་ལྟ་བས་ན་ཐུབ་པའི་ཚིག་ཡིན་ཏེ། ཐུབ་པའི་ཚིག་ཡིན་ཏེ། ཐུབ་པའི་ཚིག་ཡིན་ཏེ།

ॐ नमो भगवते वज्रकुमाराय महाबलपराक्रमाय भूतवेतालपिशाचराक्षसप्रमथनाय दुष्टचित्तविनाशनाय
सर्वदुष्टप्रदुष्टानां सर्वसत्त्वानां सर्वस्त्रीपुरुषाकर्षणकराय ॐ वज्रकुमार सर्वग्रहान्
सर्वविद्याराजान् सर्वयक्षराक्षसभूतप्रेतपिशाचकुष्माण्डरेवतीस्कन्दापस्मारकोन्मादच्छायादिकान्
सर्वदुष्टान् हन हन दह दह पच पच मथ मथ विध्वंसय विध्वंसय विद्रावय विद्रावय
चूर्णय चूर्णय मम सर्वशत्रून् सर्वदुष्टान् सर्वदुष्टवाचं सर्वदुष्टचित्तं सर्वदुष्टकर्माणि
सर्वदुष्टविद्याश्च भिन्धि छिन्धि भिन्धि छिन्धि हुं फट् स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते वज्रकुमाराय
महाबलपराक्रमाय भूतवेतालपिशाचराक्षसप्रमथनाय दुष्टचित्तविनाशनाय सर्वदुष्टप्रदुष्टानां
सर्वसत्त्वानां सर्वस्त्रीपुरुषाकर्षणकराय ॐ वज्रकुमार सर्वग्रहान् सर्वविद्याराजान्
सर्वयक्षराक्षसभूतप्रेतपिशाचकुष्माण्डरेवतीस्कन्दापस्मारकोन्मादच्छायादिकान् सर्वदुष्टान्
हन हन दह दह पच पच मथ मथ विध्वंसय विध्वंसय विद्रावय विद्रावय चूर्णय चूर्णय
मम सर्वशत्रून् सर्वदुष्टान् सर्वदुष्टवाचं सर्वदुष्टचित्तं सर्वदुष्टकर्माणि सर्वदुष्टविद्याश्च
भिन्धि छिन्धि भिन्धि छिन्धि हुं फट् स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते वज्रकुमाराय महाबलपराक्रमाय
भूतवेतालपिशाचराक्षसप्रमथनाय दुष्टचित्तविनाशनाय सर्वदुष्टप्रदुष्टानां सर्वसत्त्वानां
सर्वस्त्रीपुरुषाकर्षणकराय ॐ वज्रकुमार सर्वग्रहान् सर्वविद्याराजान् सर्वयक्षराक्षसभूत

ಅಂಗಾಲಿಗೆ ಪೆಜ್ಜೆಯಿಟ್ಟು ಪೆಜ್ಜೆಯಿಟ್ಟು ಪೆಜ್ಜೆಯಿಟ್ಟು

ततस्तु भगवान्कालः पुरुषः सर्वगोऽव्ययः । उदगात्परमं स्थानमादित्यो दक्षिणायनात् ॥ ७७ ॥

ཐབས་ཀྱི་ཚིག་ཏུ་ཡང་ཐ་དད་པ་ཡོད་ཀྱི་ཐབས་ཀྱི་ཚིག་ཏུ་ཡང་ཐ་དད་པ་ཡོད་ཅིང་།

ॐ नमो भगवते वज्रकुमाराय महाबलपराक्रमाय महाप्रतिसराय महाविद्याराजाय महाकारुणिकाय महाप्रत्यङ्गिरे महासहस्रभुजसहस्रशीर्षाक्षिकोटिसहस्रसहस्रवदनाय महाबलपराक्रमाय महाभैरवरूपाय भीमभीषणाय भीमाट्टहासाय महाकायाय महाकायप्रमाणाय महाकायप्रमाणातिक्रान्ताय महाकायप्रमाणातिक्रान्तोपमाय महाकायप्रमाणातिक्रान्तोपमातिक्रान्ताय महाकायप्रमाणातिक्रान्तोपमातिक्रान्तसमाय महाकायप्रमाणातिक्रान्तोपमातिक्रान्तसमातिक्रान्ताय महाकायप्रमाणातिक्रान्तोपमातिक्रान्तसमातिक्रान्तोपमाय महाकायप्रमाणातिक्रान्तोपमातिक्रान्तसमातिक्रान्तोपमातिक्रान्ताय महाकायप्रमाणातिक्रान्तोपमातिक्रान्तसमातिक्रान्तोपमातिक्रान्तसमाय महाकायप्रमाणातिक्रान्तोपमातिक्रान्तसमातिक्रान्तोपमातिक्रान्तसमातिक्रान्ताय महाकायप्रमाणातिक्रान्तोपमातिक्रान्तसमातिक्रान्तोपमातिक्रान्तसमातिक्रान्तोपमाय महाकायप्रमाणातिक्रान्तोपमातिक्रान्तसमातिक्रान्तोपमातिक्रान्तसमातिक्रान्तोपमातिक्रान्ताय महाकायप्रमाणातिक्रान्तोपमातिक्रान्तसमातिक्रान्तोपमातिक्रान्तसमातिक्रान्तोपमातिक्रान्तसमाय महाकायप्रमाणातिक्रान्तोपमातिक्रान्तसमातिक्रान्तोपमातिक्रान्तसमातिक्रान्तोपमातिक्रान्तसमातिक्रान्ताय महाकायप्रमाणातिक्रान्तोपमातिक्रान्तसमातिक्रान्तोपमातिक्रान्तसमातिक्रान्तोपमातिक्रान्तसमातिक्रान्तोपमाय महाकायप्रमाणातिक्रान्तोपमातिक्रान्तसमातिक्रान्तोपमातिक्रान्तसमातिक्रान्तोपमातिक्रान्तसमातिक्रान्तोपमातिक्रान्ताय महाकायप्रमाणातिक्रान्तोपमातिक्रान्तसमातिक्रान्तोपमातिक्रान्तसमातिक्रान्तोपमातिक्रान्तसमातिक्रान्तोपमातिक्रान्तस

ولا يجوز أن يكون المراد بالمعاهد المعاهد التي كانت في الجاهلية، لأن تلك قد خربت وذهبت، ولا يجوز أن يكون المراد بها المعاهد التي كانت في الإسلام، لأن الإسلام لا يقر على شيء من الكفر، فلم يبق إلا أن يكون المراد بها المعاهد التي كانت في الإسلام، وهي التي كانت للمسلمين، فلما صارت للكفار صارت معاهد لهم، فلا يجوز أن يكون المراد بها المعاهد التي كانت في الإسلام، لأن الإسلام لا يقر على شيء من الكفر، فلم يبق إلا أن يكون المراد بها المعاهد التي كانت في الجاهلية، وهي التي كانت للكفار، فلما صارت للمسلمين صارت معاهد لهم، فلا يجوز أن يكون المراد بها

ཐུབ་བསྟན་ཀུན་བཏུས་ཀྱི་ཚིགས་བཅད་ཀྱི་ཡི་གེ་ཕོ་བཅད་བཞི་པ་

ཀཀ

ولما رأى الشيخ ما فعلت به الأيام وما أحدثت به الليالي وما أصابه من الضعف والهرم وما نزل به من الوهن والسقم، وعلم أن الموت قد دنا منه وأن الأجل قد حان له، أحب أن يوصي بما يريد أن يفعل بعد موته، فدعا بأولاده وأقاربه وأصدقائه وأحبابه وجيرانه وخلانه وأهل مودته وأهل محبته وأهل ولايته وأهل طاعته وأهل عبادته وأهل زهده وأهل ورعه وأهل تقواه وأهل صلاحه وأهل فضله وأهل علمه وأهل حلمه وأهل كرمه وأهل جوده وأهل سخائه وأهل شجاعته وأهل مروءته وأهل فتوته وأهل عفته وأهل حيائه وأهل صيانته وأهل وقاره وأهل سكينته وأهل تواضعه وأهل خشوعه وأهل إنابته وأهل تضرعه وأهل ابتهاله وأهل تبتله وأهل تهجده وأهل قيامه وأهل صيامه وأهل ذكره وأهل تسبيحه وأهل تحميده وأهل تهليله وأهل تكبيره وأهل تمجيده وأهل تقديسه وأهل تعظيمه وأهل توحيده وأهل إخلاصه وأهل يقينه وأهل توكله وأهل رضاه وأهل تسليمه وأهل صبره وأهل شكره وأهل حمده وأهل ثنائه وأهل مدحه وأهل تعظيمه وأهل إجلاله وأهل توقيره وأهل هيبته وأهل خشيته وأهل مخافته وأهل رجائه وأهل محبته وأهل شوقه وأهل أنسه وأهل قربه وأهل وصاله وأهل لقائه وأهل رؤيته وأهل جواره وأهل كرامته وأهل نعيمه وأهل جنته وأهل رضوانه وأهل فضله وأهل عفوه وأهل مغفرته وأهل رحمته وأهل لطفه وأهل بره وأهل إحسانه وأهل جوده وأهل كرمه وأهل عطائه وأهل نواله وأهل فضله وأهل منه وأهل طوله وأهل قوته وأهل عزته وأهل جبروته وأهل ملكوته وأهل سلطانه وأهل قدرته وأهل علمه وأهل حكمته وأهل إرادته وأهل مشيته وأهل قضائه وأهل قدره وأهل خلقه وأهل أمره وأهل نهيه وأهل وعده ووعيده وأهل ثوابه وعقابه وأهل جنته ونعيمه وأهل ناره وجحيمه وأهل صراطه وميزانه وأهل حوضه وكوثره وأهل شفاعته وأهل مغفرته وأهل رحمته وأهل لطفه وأهل بره وأهل إحسانه وأهل جوده وأهل كرمه وأهل عطائه وأهل نواله وأهل فضله وأهل منه وأهل طوله وأهل قوته وأهل عزته وأهل جبروته وأهل ملكوته وأهل سلطانه وأهل قدرته وأهل علمه وأهل حكمته وأهل إرادته وأهل مشيته وأهل قضائه وأهل قدره وأهل خلقه وأهل أمره وأهل نهيه وأهل وعده ووعيده وأهل ثوابه وعقابه وأهل جنته ونعيمه وأهل ناره وجحيمه وأهل صراطه وميزانه وأهل حوضه وكوثره وأهل شفاعته

ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཡི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཕྱག་རྒྱ་ཆེན་པོ་ཡིན་ཏེ།

ब्रह्मणो वा ब्रह्मणो वा ब्रह्मणो वा

ཀཱཡཱ་ཝཱཙཱ་མནསེནྡྲིཡཻརྦུདྡྷྱཱཏྨཔྲཀྲྀཏིསྭབྷཱཝཱདཱགཏཾསནྟཾཡདཱཧཾནཱནུཀམྤཱམི།
ཏདཱཧཾཔཱཔཀཾཀརྨཱཧཾཔཊིདེསཡཱམྱཧཾ།། ཨཱཡཏིཾསཾཝརཱཡཱམི་ཨཱཡཏིཾསཾཝརཱམྱཧཾ།
ཨཱཡཏིཾསཾཝརཱཡཱམི་ཨཱཡཏིཾསཾཝར

ॐ नमो भगवते वज्रसत्त्वाय महासत्त्वाय महाकारुणिकाय महाकरुणिकाय महाकरुणिकाय महाकर

ब्रह्मणो ब्रह्मणो ब्रह्मणो

ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ཞིང་ཁམས་ཀྱི་ཡུལ་ན་ཡོད་པ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡུལ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡུལ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡུལ

ཀཱ་ཏན་ཀ་ཡ་ཀ་ཏ་ཀ་ཏ་ཀ་ཏ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमः श्रीगणेशाय ॥ अथ श्रीमद्भागवतमहापुराणप्रारभ्यते ॥ तत्र प्रथमस्कन्धे
प्रथमोऽध्यायः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ जन्माद्यस्य यतोऽन्वयादितरतश्चार्थेष्वभिज्ञः स्वराट्
तेने ब्रह्म हृदा य आदिकवये मुह्यन्ति यत्सूरयः ॥ तेजोवारिमृदां यथा विनिमयो यत्र त्रिसर्गोऽमृषा
धाम्ना स्वेन सदा निरस्तकुहकं सत्यं परं धीमहि ॥ १ ॥ धर्मः प्रोज्झितकैतवोऽत्र परमो निर्मत्सराणां
सतां वेद्यं वास्तवमत्र वस्तु शिवदं तापत्रयोन्मूलनम् ॥ श्रीमद्भागवते महामुनिकृते किं वा परैरीश्वरः
सद्यो हृद्यवरुध्यतेऽत्र कृतिभिः शुश्रूषुभिस्तत्क्षणात् ॥ २ ॥ निगमकल्पतरोर्गलितं फलं शुकमुखादमृत-
द्रवसंयुतम् ॥ पिबत भागवतं रसमालयं मुहुरहो रसिका भुवि भावुकाः ॥ ३ ॥ नैमिषेऽनिमिषक्षेत्रे

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीसरस्वत्यै नमः ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ हरिः ॐ ॥ अथ श्रीमद्भगवद्गीतामाहात्म्यं प्रारभ्यते ॥ श्रीभगवानुवाच ॥ गीताश्रयेऽहं तिष्ठामि गीता मे चोत्तमं गृहं ॥ गीताज्ञानमुपाश्रित्य त्रींल्लोकान्पालयाम्यहं ॥ १ ॥ गीता मे परमा विद्या ब्रह्मरूपा न संशयः ॥ अर्धमात्राक्षरा नित्या स्वानिर्वाच्यपदात्मिका ॥ २ ॥ चिदानन्देन कृष्णेन प्रोक्ता स्वमुखतोऽर्जुनं ॥ वेदत्रयी परानन्दा तत्त्वार्थज्ञानसंयुता ॥ ३ ॥ योऽष्टादशजपो नित्यं नरो निश्चलमानसः ॥ ज्ञानसिद्धिं स लभते ततो याति परं पदं ॥ ४ ॥ पाठेऽसमर्थः संपूर्णे तदर्धं पठेन्नरः ॥ तदर्धं षोडशाध्यायान्पठेद्वा सुसमाहितः ॥ ५ ॥ तदर्धं वा तदर्धं वा पठेदध्यायमेव वा ॥ दशश्लोकान्पठेद्वापि पठेद्वा श्लोकपञ्चकं ॥ ६ ॥ श्लोकत्रयं द्वयं वापि श्लोकमेकं पठेत्तु यः ॥ ७ ॥

ཀཱཡཝཱཀྩིཏྟཱནུགཏཱཡཱཏཱ། རཱཛཱཧཾསཱདྷུཝཱདིནཱ། རཱཛཱཧཾསཱདྷུཝཱདིནཱ། རཱཛཱཧཾསཱདྷུཝཱདིནཱ། རཱཛཱཧཾསཱདྷུ

ཝཱདིནཱ། རཱཛཱཧཾསཱདྷུཝཱདིནཱ། རཱཛཱཧཾསཱདྷུཝཱདིནཱ། རཱཛཱཧཾསཱདྷུ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो नारायणाय ॥ ॐ नमो विष्णवे प्रभविष्णवे ॥ श्रीमते पुरुषोत्तमाय नमः ॥

ह्रीमाला ह्रीमाला ह्रीमाला ॥ ह्रीमाला ह्रीमाला ह्रीमाला

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो नारायणाय ॥

ཀྱི་ཚིག་ཏུ་ཡང་ཡང་ཞེས་པ་ནི་ཐེ་ཚོམ་ཟ་བ་ཡིན་ཏེ་ཐེ་ཚོམ་ཟ་བ་ཡང་ཡང་བྱེད་པ་ཡིན་ནོ་ཞེས་པའི

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः संकर्षणाय प्रद्युम्नायानिरुद्धाय नमो

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः सङ्कर्षणाय प्रद्युम्नायानिरुद्धाय नमो नमो भगवते महापुरुषाय सर्वगुणसम्पन्नायानन्ताय सात्वतां पतये नमो नमो वेदविदे सकलतपश्चरणफलप्रदायाखिलजगदाधारायाखिलधर्मनियमयमायाखिलजगदुत्पत्तिस्थितिलयविहारायाखिलजगदात्मकायाखिलजगन्निवासायाखिलजगदात्मप्रकाशायाखिलजगन्नियमायाखिलजगदुदयास्तमयायाखिलजगदात्मानुभवायाखिलजगदात्मविद्यायाखिलजगदात्मविदे नमो नमो नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः सङ्कर्षणाय प्रद्युम्नायानिरुद्धाय नमो नमो भगवते महापुरुषाय सर्वगुणसम्पन्नायानन्ताय सात्वतां पतये नमो नमो वेदविदे सकलतपश्चरणफलप्रदायाखिलजगदाधारायाखिलधर्मनियमयमायाखिलजगदुत्पत्तिस्थितिलयविहारायाखिलजगदात्मकायाखिलजगन्निवासायाखिलजगदात्मप्रकाशायाखिलजगन्नियमायाखिलजगदुदयास्तमयायाखिलजगदात्मानुभवायाखिलजगदात्मविद्यायाखिलजगदात्मविदे नमो नमो नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ज्ञानानन्दैकस्वभावत्वात् ततोऽत्यन्तमेव विविक्तो ज्ञानी आत्मा परेषां भावानां न किंचनापि भवति न ते मम ॥ ७३ ॥

अथैवं ज्ञानी जानाति इति क्रियायाः कर्तृत्वं साधयित्वा तस्याः फलं चिन्तयति—

आत्मभावान् करोत्यात्मा परभावान् सदा परः ।
आत्मैव ह्यात्मनो भावाः परस्य पर एव ते ॥ ७४ ॥

आत्मा हि तावत्स्वभावानेव करोति न परभावान् । परः परभावानेव करोति न स्वभावान् । स्वभावाः पुनरात्मन एव आत्मा । परभावाः परस्य परः ॥ ७४ ॥

अथैवं ज्ञानी जानाति इति क्रियायाः कर्तृत्वं साधयित्वा तस्याः फलं चिन्तयति—

आत्मभावान् करोत्यात्मा परभावान् सदा परः ।
आत्मैव ह्यात्मनो भावाः परस्य पर एव ते ॥ ७४ ॥

आत्मा हि तावत्स्वभावानेव करोति न परभावान् । परः परभावानेव करोति न स्वभावान् । स्वभावाः पुनरात्मन एव आत्मा । परभावाः परस्य परः ॥ ७४ ॥

ཀཱཏྱཱཡནཱཡ ནམཿ ཨཱཙཱརྱཱཡ ནམཿ ཨུཔཱདྷྱཱཡཱཡ ནམཿ ཨུཔཱདྷྱཱཡཱཡ ནམཿ ཨུཔཱདྷྱཱཡ

ཀཱ་ཤྱ་པ་ཨ་ཏི་ཀཱ་ཤྱ་པ་ཨ་ཏི་ཀཱ་ཤྱ་པ་ཨ་ཏི་

ॐ नमो भगवते वज्रसत्त्वाय महासत्त्वाय महाकारुणिकाय महाभैषज्यगुरुराजाय तथागतायार्हते सम्यक्संबुद्धाय तद्यथा ॐ भैषज्ये भैषज्ये महाभैषज्ये समुद्गते स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते भैषज्यगुरुवैडूर्यप्रभ

ཀཱ་ཤི་ཀཱ་ཡཱཾ་ཀཱ་ཤྱ་པ་ཡཱ་ཏ་ཀཱ་ཤ་ཀཱ་ཤ་ཀཱ་ཤ

ཀཱ་ལཱ་ཡ་ཏ་ཏ་ཀ་

ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་བྱང་ཆུབ་ཏུ་ཡོངས་སུ་བསྔོ་བ་ཡིན་ནོ། ། ཇི་སྐད་དུ་བཅོམ་ལྡན་འདས་ཀྱིས་ཀྱང་། ཀུན་དགའ་བོ་དགེ་བ་ཅུང་ཟད་ཙམ་ཞིག་ཀྱང

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ꣳ ꣳ ꣳ

ॐ नमो भगवते वज्रसत्त्वाय महासत्त्वाय महाकारुणिकाय महाभैषज्यगुरुवैडूर्यप्रभराजाय तथागतायार्हते सम्यक्संबुद्धाय तद्यथा ओं भैषज्ये भैषज्ये महाभैषज्ये समुद्गते स्वाहा ॥ ओं नमो भगवते भ

ཐུབ་པའི་ཆོས་ཀྱི་ཕྱོགས་ཀྱི་ཁྱད་པར་ཅི་ཡང་མེད་ཅིང་། ཐུབ་པའི་ཆོས་ཀྱི་ཕྱོགས་ཀྱི་ཁྱད་པར་ཅི་ཡང་མེད་པ་ཉིད་ཀྱི་ཕྱིར་རོ། །ཐུབ་པའི་ཆོས་ཀྱི་ཕྱོགས་ཀྱི་ཁྱད་པར་ཅི་ཡང་མེད་པ་ཉིད་ཀྱི་ཕྱིར་རོ་ཞེས་བྱ་བ་ནི་

ཀཱཡཱ་ཝཱཀ་ཙིཏྟ་ཨཱཏྨཱ་ཨཱཏྨཱིཡ་ཨཱཏྨཱིཡ་ཨཱཏྨཱིཡ

ཀཀཀ

ཀཱཡཱ་ཝཱཀ་ཙིཏྟ་ཝིརུདྡྷཾ་ཡཏ་ཀིཉྩིཏ་ཀཱཡེན་ཝཱཙཱ་ཙིཏྟེན་ཝཱ་ཨཀུཤལཾ་ཀརོཏི་ཏ

ཨཱཡུཥྨཱན་ཤཱརིཔུཏྲ། ཨཱཡུཥྨཱན་མཽད་གལྱཱཡན། ཨཱཡུཥྨཱན་མཧཱཀཱཤྱཔ། ཨཱཡུཥྨཱན་ཨུཔ་ལི། ཨཱཡུཥྨཱན་ཨ་ནནྡ། ཨཱཡུཥྨཱན་ར་ཧུལ། ཨཱཡུཥྨཱན་ལཀྵྨཎ། ཨཱཡུཥྨཱན་ཀཱཏྱཱཡན། ཨཱཡུཥྨཱན་ཝཱ་ཀུལ། ཨཱཡུཥྨཱན་ཨ་ནུ་རུདྡ། ཨཱཡུཥྨཱན་ཀཱལོདཱཡི། ཨཱཡུཥྨཱན་ཨུཏྤལཝརྞཱ། ཨཱཡུཥྨཱན་ཁེམཱ། ཨཱཡུཥྨཱན་ཨུཏྤལཔཎྜི་ཏཱ། ཨཱཡུཥྨཱན་པྲཛཱཔ་ཏི། ཨཱཡུཥྨཱན་ཡ་ཤོདྷ་ར། ཨཱཡུཥྨཱན་ཨ་ནནྡ་ཀ། ཨཱཡུཥྨཱན་ནནྡ། ཨཱཡུཥྨཱན་ཨ་ནནྡ་ཀ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः सङ्कर्षणाय प्रद्युम्नायानिरुद्धाय नमो नमो वासुदेवाय नमो नमो भगवते वासुदेवाय नमो नमः
श्रीमद्भागवतमहापुराणे पारमहंस्यां संहितायां दशमस्कन्धे पूर्वार्धे उत्तरार्धे च गोपिकोद्धवसंवादे
श्रीकृष्णबलदेवप्रद्युम्नानिरुद्धसाम्बसुभद्रासहिताय श्रीमद्रमारमणाय सकलमनोरथसिद्धये
जपे विनियोगः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः

ཞེས་སོགས་ཀྱིས་ཀྱང་ཐུབ་པའི་ཚིག་ཏུ་ཡང་ཐུབ་པ་ཉིད་ཀྱ

ॐ नमो भगवते वज्रसत्त्वाय महासत्त्वाय महाकारुणिकाय महाभैषज्यगुरुवैडूर्यप्रभराजाय तथागतायार्हते सम्यक्संबुद्धाय तद्यथा ॐ भैषज्ये भैषज्ये महाभैषज्ये समुद्गते स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते भ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमोऽर्हद्भ्यः सिद्धेभ्यः सूरिभ्यः पाठकेभ्यः लोके सर्वसाधुभ्यः एसो पंचनमुक्कारो सव्वपावप्पणासणो मंगलाणं च सव्वेसिं पढमं हवइ मंगलं ॥ ॐ नमो भगवते श्रीमते पार्श्वनाथाय सर्वविघ्नविनाशिने सर्वसंपत्करणाय सर्वमंत्राधिष्ठायकाय सर्वयंत्राधिष्ठायकाय सर्वपुरुषाधिष्ठायकाय सर्वदेवाधिष्ठायकाय सर्वदेवीधिष्ठायकाय सर्वसंघाधिष्ठायकाय सर्वगणाधिष्ठायकाय सर्वक्षेत्राधिष्ठायकाय सर्वकुलाधिष्ठायकाय सर्वग्रहाधिष्ठायकाय सर्वव्यंतराधिष्ठायकाय सर्वभूताधिष्ठायकाय सर्वशाकिन्याधिष्ठायकाय सर्वडाकिन्याधिष्ठायकाय सर्वपाखंडिधिष्ठायकाय सर्वोपद्रवविनाशकाय सर्वशांतिकरणाय सर्वपुष्टिकरणाय सर्वसौभाग्यकरणाय सर्वसौख्यकरणाय सर्वकल्याणकरणाय सर्वाभीष्टपूरकाय सर्वाभीष्टदायकाय सर्वाभीष्टसाधकाय सर्वाभीष्टपूरण

ಕಾಕಾಕಾ

ಶ್ರೀಮದ್ಭಾಗವತಮಹಾಪುರಾಣಮಿದಂ ಸಮಾಪ್ತಂ ॥ ಶ್ರೀಕೃಷ್ಣಾರ್ಪಣಮಸ್ತು ॥ ಶ್ರೀಕೃಷ್ಣಾಯ ನಮಃ ॥

ꣳꣳꣳ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः सङ्कर्षणाय प्रद्युम्नायानिरुद्धाय नमो नमो विष्णवे मधुसूदनाय नमस्त्रिविक्रमाय नमो नमो वामनाय श्रीधराय नमो नमो हृषीकेशाय पद्मनाभाय नमो नमो दामोदराय नमो नमो नारायणाय बदरिकाश्रमनिवासिने नमो नमो नरनारायणाय धर्मपुत्राय नमो नमो दक्षयज्ञविध्वंसकाय नमो नमो हयशिरसे नमो नमो हंसाय नमो नमो धन्वन्तरये नमो नमो मोहिनीरूपिणे नमो नमो नरसिंहाय नमो नमो वराहाय नमो नमो यज्ञपुरुषाय नमो नमो ऋषभाय नमो नमो पृथवे नमो नमो मत्स्याय नमो नमः कूर्माय नमो नमः पुरुषाय महते त्रिसुपर्णाय त्रिधामने नमो नमः सात्वतां पतये नमो नमः ऊर्ध्वरेतसे नमो नमो हिरण्यगर्भाय नमो नमो माधवाय नमो नमः कृष्णाय नमो नमः सहस्रशीर्षाय क्षीरोदशायिने नमो नमः सहस्रपादाक्षिभुजाननाय नमो नमः पुरुषाय शाश्वताय नमो नमो वासुदेवाय सर्वभूतनिवासाय नमो नमो ऽनन्ताय सर्वभूतसंकर्षणाय नमो नमः प्रद्युम्नाय सर्वभूतमनसे नमो नमो ऽनिरुद्धाय सर्वभूतबुद्धये नमो नमः पुरुषाय सर्वभूतात्मने नमो नमः केवलाय परमबोधाय नमो नमः सर्वभूतविलयाय नमो नमः परमकारणाय नमो नमः परमात्मने नमो नमः परमपुरुषाय नमो नमः परमभद्राय नमो नमः परमकल्याणाय नमो नमः परमकल्याणगुणाय नमो नमः परमशान्ताय नमो नमः परमसूक्ष्माय नमो नमः परमगहनाय नमो नमः परमभागवताय नमो नमः परमभागवतप्रियाय नमो नमः परमहंसाय नमो नमः परमहंसप्रियाय नमो नमः परमहंसगतये नमो नमः परमहंसोपास्याय नमो नमः परमहंसाचार्याय नमो नमः परमहंसाय महाहंसाय नमो नमः परमहंसाय निष्कलंकाय नमो नमः परमहंसाय निष्कलायाशरीराय नमो नमः परमहंसाय निर्गुणाय नमो नमः परमहंसाय निरवद्याय नमो नमः परमहंसाय निरञ्जनाय नमो नमः परमहंसाय निरवयवाय नमो नमः परमहंसाय निरुपप्लवाय नमो नमः परमहंसाय निरुपाख्याय नमो नमः परमहंसाय निरुपाधिकाय नमो नमः परमहंसाय निरुपद्रवाय नमो नमः परमहंसाय निरुपभोगाय नमो नमः परमहंसाय निरुपसर्गाय नमो नमः परमहंसाय निरुपसर्पाय नमो नमः परमहंसाय निरुपसर्पिणे नमो नमः परमहंसाय निरुपसर्पिण्यै नमो नमः परमहंसाय निरुपसर्पिणीभ्यो नमो नमः परमहंसाय निरुपसर्पिणीभ्यो नमो नमः परमहंसाय निरुपसर्पिणीभ्यो

ཨཱཿཨཱཿཨཱཿ

ಕಾಲಜ್ಞಾನ ಪ್ರಕಾಶಿಕೆ ಸಂಪೂರ್ಣಂ ಶುಭಮಸ್ತು ಶ್ರೀ ಗುರುಭ್ಯೋ ನಮಃ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः सङ्कर्षणाय प्रद्युम्नायानिरुद्धाय नमो नमो नारायणाय नमो नमो नारायणाय नमो नमो नारायण

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः सङ्कर्षणाय प्रद्युम्नाय अनिरुद्धाय नमः परमहंसाय नमो भगवते पुरुषाय महापुरुषाय महानुभावाय महाविभूतिपतये सह नमस्ते सन्तु भगवते रुद्राय कालाग्निरुद्राय कालदहनाय कालाय कालरात्र्यन्तकाय कालकालाय कालकालेश्वराय कालकालप्रियाय कालकालशङ्कराय कालकालभद्राय कालकालविद्याराजाय कालकालमहाविद्याय कालकालमहाशक्तिधराय कालकालमहाभैरवाय कालकालमहाभैरवनाथाय कालकालमहाभैरवनाथप्रियाय कालकालमहाभैरवनाथशङ्कराय कालकालमहाभैरवनाथभद्राय कालकालमहाभैरवनाथविद्याराजाय कालकालमहाभैरवनाथमहाविद्याय कालकालमहाभैरवनाथमहाशक्तिधराय कालकालमहाभैरवनाथमहाभैरवाय कालकालमहाभैरवनाथमहाभैरवनाथाय कालकालमहाभैरवनाथमहाभैरवनाथप्रियाय कालकालमहाभैरवनाथमहाभैरवनाथशङ्कराय कालकालमहाभैरवनाथमहाभैरवनाथभद्राय कालकालमहाभैरवनाथमहाभैरवनाथविद्याराजाय कालकालमहाभैरवनाथमहाभैरवनाथमहाविद्याय कालकालमहाभैरवनाथमहाभैरवनाथमहाशक्तिधराय कालकालमहाभैरवनाथमहाभैरवनाथमहाभैरवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः सङ्कर्षणाय प्रद्युम्नाय अनिरुद्धाय नमः परमहंसाय नमो भगवते पुरुषाय महापुरुषाय महानुभावाय महाविभूतिपतये सह नमस्ते सन्तु भगवते रुद्राय कालाग्निरुद्राय कालदहनाय कालाय कालरात्र्यन्तकाय कालकालाय कालकालेश्वराय कालकालप्रियाय कालकालशङ्कराय कालकालभद्राय कालकालविद्याराजाय कालकालमहाविद्याय कालकालमहाशक्तिधराय कालकालमहाभैरवाय कालकालमहाभैरवनाथाय कालकालमहाभैरवनाथप्रियाय कालकालमहाभैरवनाथशङ्कराय कालकालमहाभैरवनाथभद्राय कालकालमहाभैरवनाथविद्याराजाय कालकालमहाभैरवनाथमहाविद्याय कालकालमहाभैरवनाथमहाशक्तिधराय कालकालमहाभैरवनाथमहाभैरवाय कालकालमहाभैरवनाथमहाभैरवनाथाय कालकालमहाभैरवनाथमहाभैरवनाथप्रियाय कालकालमहाभैरवनाथमहाभैरवनाथशङ्कराय कालकालमहाभैरवनाथमहाभैरवनाथभद्राय कालकालमहाभैरवनाथमहाभैरवनाथविद्याराजाय कालकालमहाभैरवनाथमहाभैरवनाथमहाविद्याय कालकालमहाभैरवनाथमहाभैरवनाथमहाशक्तिधराय कालकालमहाभैरवनाथमहाभैरवनाथमहाभैरवाय

ཀ་ཁ་ག་ང་ཅ་ཆ་ཇ་ཉ་ཏ་ཐ་ད་ན་པ་ཕ་བ་མ་ཙ་ཚ་ཛ་ཝ་ཞ་ཟ་འ་ཡ་ར་ལ་ཤ་ས་ཧ་ཨ་

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः सङ्कर्षणाय च। प्रद्युम्नायानिरुद्धाय नमः पुरुषमूर्तये॥ १॥
नमोऽव्यक्तरूपाय विश्वरूपाय विष्णवे। वासुदेवाय शान्ताय वासुदेवात्मजाय च॥ २॥
नमो हिरण्यगर्भाय हरये शङ्कराय च। कृष्णाय कृष्णकृष्णाय परब्रह्मस्वरूपिणे॥ ३॥
नमः कमलनेत्राय नमः कमलमालिने। नमः कमलकिञ्जल्कपीतनिर्मलवाससे॥ ४॥
नमस्त्रैलोक्यनाथाय नमस्त्रैलोक्यसेतवे। नमस्त्रैलोक्यरक्षायादिदेवाय महात्मने॥ ५॥
नमो हिरण्यवर्णाय हरिकेशाय मीढुषे। सहस्रशीर्षदेवाय त्रिसहस्रपरमात्मने॥ ६॥
नमो नमस्ते सत्त्वाय भक्तानामभयङ्करम्। प्रसीद पुरुषाध्यक्ष प्रधानपुरुषेश्वर॥ ७॥
नमो नमस्ते सर्वात्मन् सर्वभूतभवोद्भव। नमो नमस्ते तिग्मास्त्र वज्रकीर्ते नमो नमः॥ ८॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः सङ्कर्षणाय प्रद्युम्नायानिरुद्धाय नमो नारायणाय ऋषभाय हंसाय योगेश्वराय बुद्धाय नमो

ཀཱཾ། ཀཱིཾ། ཀཱུཾ། ཀྲཱཾ།

ॐ नमो वीतरागाय ॥ अथ श्रीमदुपदेशरत्नाकरनामग्रन्थस्य प्रारम्भः ॥ तत्र मङ्गलाचरणं ॥ श्रीमते वीतरागाय सर्वज्ञाय महात्मने ॥ त्रैलोक्यनाथवृन्दाय नमोऽनन्तजिनाय च ॥ १ ॥ अथ श्रीमदुपदेशरत्नाकरनामग्रन्थस्य प्रारम्भः ॥ तत्र मङ्गलाचरणं ॥ श्रीमते वीतरागाय सर्वज्ञाय महात्मने ॥ त्रैलोक्यनाथवृन्दाय नमोऽनन्तजिनाय च ॥ १ ॥

ཀྱི་ཁམས་ཀྱི་ཡུལ་ཁམས་ཀྱི་ཡུལ་ཁམས་ཀྱི་ཡུལ

ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཨཱཿཧཱུྃ

ཀ་ཁ་ག་ང་ཅ་ཆ་ཇ་ཉ་ཏ་ཐ་ད་ན་པ་ཕ་བ་མ་ཙ་ཚ་ཛ་ཝ་ཞ་ཟ་འ་ཡ་ར་ལ་ཤ་ས་ཧ་ཨ་

ཀཱཾ ཀཱིཾ ཀཱུཾ ཀྲཱཾ ཀྲཱིཾ ཀྲཱུཾ ཀླཱཾ ཀླཱིཾ ཀླཱུཾ ཀཱཾ ཀཱིཾ ཀཱུཾ ཁཱཾ ཁཱིཾ ཁཱུཾ ཁྲཱཾ ཁྲཱིཾ ཁྲཱུཾ ཁླཱཾ ཁླཱིཾ ཁླཱུཾ ཁཱཾ ཁཱིཾ ཁཱུཾ གཱཾ གཱིཾ གཱུཾ གྲཱཾ གྲཱིཾ གྲཱུཾ གླཱཾ གླཱིཾ གླཱུཾ གཱཾ གཱིཾ གཱུཾ ངཱཾ ངཱིཾ ངཱུཾ ངྲཱཾ ངྲཱིཾ ངྲཱུཾ ངླཱཾ ངླཱིཾ ངླཱུཾ ངཱཾ ངཱིཾ ངཱུཾ ཅཱཾ ཅཱིཾ ཅཱུཾ ཅྲཱཾ ཅྲཱིཾ ཅྲཱུཾ ཅླཱཾ ཅླཱིཾ ཅླཱུཾ ཅཱཾ ཅཱིཾ ཅཱུཾ ཆཱཾ ཆཱིཾ ཆཱུཾ ཆྲཱཾ ཆྲཱིཾ ཆྲཱུཾ ཆླཱཾ ཆླཱིཾ ཆླཱུཾ ཆཱཾ ཆཱིཾ ཆཱུཾ ཇཱཾ ཇཱིཾ ཇཱུཾ ཇྲཱཾ ཇྲཱིཾ ཇྲཱུཾ ཇླཱཾ ཇླཱིཾ ཇླཱུཾ ཇཱཾ ཇཱིཾ ཇཱུཾ ཉཱཾ ཉཱིཾ ཉཱུཾ ཉྲཱཾ ཉྲཱིཾ ཉྲཱུཾ ཉླཱཾ ཉླཱིཾ ཉླཱུཾ ཉཱཾ ཉཱིཾ ཉཱུཾ ཊཱཾ ཊཱིཾ ཊཱུཾ ཊྲཱཾ ཊྲཱིཾ ཊྲཱུཾ ཊླཱཾ ཊླཱིཾ ཊླཱུཾ ཊཱཾ ཊཱིཾ ཊཱུཾ ཋཱཾ ཋཱིཾ ཋཱུཾ ཋྲཱཾ ཋྲཱིཾ ཋྲཱུཾ ཋླཱཾ ཋླཱིཾ ཋླཱུཾ ཋཱཾ ཋཱིཾ ཋཱུཾ ཌཱཾ ཌཱིཾ ཌཱུཾ ཌྲཱཾ ཌྲཱིཾ ཌྲཱུཾ ཌླཱཾ ཌླཱིཾ ཌླཱུཾ ཌཱཾ ཌཱིཾ ཌཱུཾ ཎཱཾ ཎཱིཾ ཎཱུཾ ཎྲཱཾ ཎྲཱིཾ ཎྲཱུཾ ཎླཱཾ ཎླཱིཾ ཎླཱུཾ ཎཱཾ ཎཱིཾ ཎཱུཾ ཏཱཾ ཏཱིཾ ཏཱུཾ ཏྲཱཾ ཏྲཱིཾ ཏྲཱུཾ ཏླཱཾ ཏླཱིཾ ཏླཱུཾ ཏཱཾ ཏཱིཾ ཏཱུཾ ཐཱཾ ཐཱིཾ ཐཱུཾ ཐྲཱཾ ཐྲཱིཾ ཐྲཱུཾ ཐླཱཾ ཐླཱིཾ ཐླཱུཾ ཐཱཾ ཐཱིཾ ཐཱུཾ དཱཾ དཱིཾ དཱུཾ དྲཱཾ དྲཱིཾ དྲཱུཾ དླཱཾ དླཱིཾ དླཱུཾ དཱཾ དཱིཾ དཱུཾ ནཱཾ ནཱིཾ ནཱུཾ ནྲཱཾ ནྲཱིཾ ནྲཱུཾ ནླཱཾ ནླཱིཾ ནླཱུཾ ནཱཾ ནཱིཾ ནཱུཾ པཱཾ པཱིཾ པཱུཾ པྲཱཾ པྲཱིཾ པྲཱུཾ པླཱཾ པླཱིཾ པླཱུཾ པཱཾ པཱིཾ པཱུཾ ཕཱཾ ཕཱིཾ ཕཱུཾ ཕྲཱཾ ཕྲཱིཾ ཕྲཱུཾ ཕླཱཾ ཕླཱིཾ ཕླཱུཾ ཕཱཾ ཕཱིཾ ཕཱུཾ བཱཾ བཱིཾ བཱུཾ བྲཱཾ བྲཱིཾ བྲཱུཾ བླཱཾ བླཱིཾ བླཱུཾ བཱཾ བཱིཾ བཱུཾ མཱཾ མཱིཾ མཱུཾ མྲཱཾ མྲཱིཾ མྲཱུཾ མླཱཾ མླཱིཾ མླཱུཾ མཱཾ མཱིཾ མཱུཾ ཙཱཾ ཙཱིཾ ཙཱུཾ ཙྲཱཾ ཙྲཱིཾ ཙྲཱུཾ ཙླཱཾ ཙླཱིཾ ཙླཱུཾ ཙཱཾ ཙཱིཾ ཙཱུཾ ཚཱཾ ཚཱིཾ ཚཱུཾ ཚྲཱཾ ཚྲཱིཾ ཚྲཱུཾ ཚླཱཾ ཚླཱིཾ ཚླཱུཾ ཚཱཾ ཚཱིཾ ཚཱུཾ ཛཱཾ ཛཱིཾ ཛཱུཾ ཛྲཱཾ ཛྲཱིཾ ཛྲཱུཾ ཛླཱཾ ཛླཱིཾ ཛླཱུཾ ཛཱཾ ཛཱིཾ ཛཱུཾ ཝཱཾ ཝཱིཾ ཝཱུཾ ཝྲཱཾ ཝྲཱིཾ ཝྲཱུཾ ཝླཱཾ ཝླཱིཾ ཝླཱུཾ ཝཱཾ ཝཱིཾ ཝཱུཾ ཞཱཾ ཞཱིཾ ཞཱུཾ ཞྲཱཾ ཞྲཱིཾ ཞྲཱུཾ ཞླཱཾ ཞླཱིཾ ཞླཱུཾ ཞཱཾ ཞཱིཾ ཞཱུཾ ཟཱཾ ཟཱིཾ ཟཱུཾ ཟྲཱཾ ཟྲཱིཾ ཟྲཱུཾ ཟླཱཾ ཟླཱིཾ ཟླཱུཾ ཟཱཾ ཟཱིཾ ཟཱུཾ འཱཾ འཱིཾ འཱུཾ འྲཱཾ འྲཱིཾ འྲཱུཾ འླཱཾ འླཱིཾ འླཱུཾ འཱཾ འཱིཾ འཱུཾ ཡཱཾ ཡཱིཾ ཡཱུཾ ཡྲཱཾ ཡྲཱིཾ ཡྲཱུཾ ཡླཱཾ ཡླཱིཾ ཡླཱུཾ ཡཱཾ ཡཱིཾ ཡཱུཾ རཱཾ རཱིཾ རཱུཾ རྲཱཾ རྲཱིཾ རྲཱུཾ རླཱཾ རླཱིཾ རླཱུཾ རཱཾ རཱིཾ རཱུཾ ལཱཾ ལཱིཾ ལཱུཾ ལྲཱཾ ལྲཱིཾ ལྲཱུཾ ལླཱཾ ལླཱིཾ ལླཱུཾ ལཱཾ ལཱིཾ ལཱུཾ ཤཱཾ ཤཱིཾ ཤཱུཾ ཤྲཱཾ ཤྲཱིཾ ཤྲཱུཾ ཤླཱཾ ཤླཱིཾ ཤླཱུཾ ཤཱཾ ཤཱིཾ ཤཱུཾ སཱཾ སཱིཾ སཱུཾ སྲཱཾ སྲཱིཾ སྲཱུཾ སླཱཾ སླཱིཾ སླཱུཾ སཱཾ སཱིཾ སཱུཾ ཧཱཾ ཧཱིཾ ཧཱུཾ ཧྲཱཾ ཧྲཱིཾ ཧྲཱུཾ ཧླཱཾ ཧླཱིཾ ཧླཱུཾ ཧཱཾ ཧཱིཾ ཧཱུཾ ཨཱཾ ཨཱིཾ ཨཱུཾ ཨྲཱཾ ཨྲཱིཾ ཨྲཱུཾ ཨླཱཾ ཨླཱིཾ ཨླཱུཾ ཨཱཾ ཨཱིཾ ཨཱུཾ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः सङ्कर्षणाय प्रद्युम्नायानिरुद्धाय नमो नमो भगवते महापुरुषाय सर्वगुणसम्पन्नायानन्ताय सात्वतां पतये नमस्ते सुरासुरेश्वरवरवन्दितचरणारविन्दयुगलाय नमस्ते नमस्ते नमस्ते

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः सङ्कर्षणाय प्रद्युम्नायानिरुद्धाय नमो नमो वराहाय प्रभविष्णवे सर्वलोकमहापुरुषाय पुरुषायादिदेवायानन्तायाव्यक्तमूलायानन्तशक्तिरूपायामृताय नमो नमो विश्वाय विश्वभूतायात्मसूक्ष्मायानन्तायाद्यायाकूतये नमो नमो नमो वेदविद्याराजविद्याब्रह्मविद्यागुह्यविद्याक्षत्रविद्यासुविद्यामायाविद्यायोगविद्यानानाविद्यासरस्वतीगुह्यायोपनिषदे परमहंसायाभयायानामयायाच्युतायामलायाक्षयायाप्रमेयायाप्रतर्क्यायाविज्ञानघनायानन्तमहाविभवायानन्तमहायोगायानन्तमहादयायानन्तमहाशक्तये नमो नमो नमो नमस्ते नमस्ते नमस्ते ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः सङ्कर्षणाय प्रद्युम्नायानिरुद्धाय नमो नमो वराहाय प्रभविष्णवे सर्वलोकमहापुरुषाय पुरुषायादिदेवायानन्तायाव्यक्तमूलायानन्तशक्तिरूपायामृताय नमो नमो विश्वाय विश्वभूतायात्मसूक्ष्मायानन्तायाद्यायाकूतये नमो नमो नमो वेदविद्याराजविद्याब्रह्मविद्यागुह्यविद्याक्षत्रविद्यासुविद्यामायाविद्यायोगविद्यानानाविद्यासरस्वतीगुह्यायोपनिषदे परमहंसायाभयायानामयायाच्युतायामलायाक्षयायाप्रमेयायाप्रतर्क्यायाविज्ञानघनायानन्तमहाविभवायानन्तमहायोगायानन्तमहादयायानन्तमहाशक्तये नमो नमो नमो नमस्ते नमस्ते नमस्ते ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः सङ्कर्षणाय प्रद्युम्नायानिरुद्धाय नमो नमो भगवते महापुरुषाय सर्वगुणसम्पन्नायानन्ताय सात्वतां कुलाचार्याय नमो विश्वस्य स्थितिसंयमनोद्भवहेतवेऽस्य सर्वात्मकत्रिगुणविग्रहपरमकारणाय नमो नमः कमलनयनाय कमलनाभाय कमलकुलपतये नमस्ते कमलाधिवासिने नमस्ते कमलाधिवासिने नमस्ते कमलाधिवासिने

ཡིན། ཞེས་བཤད་པ་ལྟར་ཏེ། ཐོག་མར་ཡང་དག་པ་ཉིད་ཀྱི་ཚུལ་དུ་ཡོད་པ་ཡིན་ལ། ཕྱིས་ཀུན་ཏུ་བཏགས་པ་ཡང་ཡིན

ॐ ॥ ॥ ॥

ཀཱ་ཤི་ཀཱ་ཡཱཾ་ཀཱ་ཤྱ་ཀཱ་ཤ་

ಸಾಹಿತ್ಯ ಸಂಸ್ಕೃತಿ ಸಮಾಜ ಶಿಕ್ಷಣ ಕಲೆ ವಿಜ್ಞಾನ ತಂತ್ರಜ್ಞಾನ ಆರೋಗ್ಯ ಪರಿಸರ ಕೃಷಿ ಉದ್ಯೋಗ ವ್ಯಾಪಾರ ಹಣಕಾಸು ಕ್ರೀಡೆ ಮನರಂಜನೆ ಪ್ರವಾಸೋದ್ಯಮ ಆಹಾರ ಪಾಕಶಾಸ್ತ್ರ ಫ್ಯಾಷನ್ ಮನೆ ಕುಟುಂಬ ಸಂಬಂಧಗಳು ಸ್ನೇಹ ಪ್ರೀತಿ ಮದುವೆ ಮಕ್ಕಳು ಹಿರಿಯರು ಆರೋಗ್ಯಕರ ಜೀವನಶೈಲಿ ಯೋಗ ಧ್ಯಾನ ಆಧ್ಯಾತ್ಮ ಧರ್ಮ ತತ್ತ್ವಶಾಸ್ತ್ರ ಮನೋವಿಜ್ಞಾನ ಸಮಾಜಶಾಸ್ತ್ರ ಇತಿಹಾಸ ಭೂಗೋಳ ರಾಜಕೀಯ ಅರ್ಥಶಾಸ್ತ್ರ ಕಾನೂನು ಮಾನವ ಹಕ್ಕುಗಳು ಪರಿಸರ ಸಂರಕ್ಷಣೆ ಹವಾಮಾನ ಬದಲಾವಣೆ ಜೀವವೈವಿಧ್ಯ ಸಾಗರ ಪರ್ವತ ಅರಣ್ಯ ವನ್ಯಜೀವಿ ಸಾಕುಪ್ರಾಣಿ ಪಕ್ಷಿ ಕೀಟ ಸಸ್ಯ ಹೂವು ಮರ ಹಣ್ಣು ತರಕಾರಿ ಧಾನ್ಯ ಬೇಳೆ ಮಸಾಲೆ ಪಾಕವಿಧಾನ ಉಪಾಹಾರ ಊಟ ತಿಂಡಿ ಸಿಹಿತಿನಿಸು ಪಾನೀಯ ಕಾಫಿ ಚಹಾ ಜ್ಯೂಸ್ ಮದ್ಯ ಬಿಯರ್ ವೈನ್ ಹೋಟೆಲ್ ರೆಸ್ಟೋರೆಂಟ್ ಅಡುಗೆ ಮನೆ ಪಾತ್ರೆ ಉಪಕರಣ ಗ್ಯಾಜೆಟ್ ಕಂಪ್ಯೂಟರ್ ಸಾಫ್ಟ್‌ವೇರ್ ಹಾರ್ಡ್‌ವೇರ್ ಇಂಟರ್ನೆಟ್ ವೆಬ್‌ಸೈಟ್ ಮೊಬೈಲ್ ಆಪ್ ಸಾಮಾಜಿಕ ಮಾಧ್ಯಮ ಬ್ಲಾಗ್ ಯೂಟ್ಯೂಬ್ ಚಾನೆಲ್ ಪಾಡ್‌ಕಾಸ್ಟ್ ಸುದ್ದಿ ಪತ್ರಿಕೆ ಟಿವಿ ರೇಡಿಯೋ ಸಿನಿಮಾ ನಾಟಕ ಸಂಗೀತ ನೃತ್ಯ ಚಿತ್ರಕಲೆ ಶಿಲ್ಪಕಲೆ ಛಾಯಾಗ್ರಹಣ ಸಾಹಿತ್ಯ ಕವಿತೆ ಕಥೆ ಕಾದಂಬರಿ ಪ್ರಬಂಧ ವಿಮರ್ಶೆ ಜೀವನಚರಿತ್ರೆ ಪ್ರವಾಸ ಕಥನ ಹಾಸ್ಯ ವ್ಯಂಗ್ಯ ಮಕ್ಕಳ ಸಾಹಿತ್ಯ ಜಾನಪದ ಪುರಾಣ ಶಾಸನ ಗ್ರಂಥಾಲಯ ಪುಸ್ತಕ ಪ್ರಕಾಶನ ಮುದ್ರಣ ಅನುವಾದ ಭಾಷೆ ವ್ಯಾಕರಣ ನಿಘಂಟು ಛಂದಸ್ಸು ಅಲಂಕಾರ ಶೈಲಿ ಸಂಪಾದಕೀಯ ಅಂಕಣ ಲೇಖನ ಸಂದರ್ಶನ ಸಮೀಕ್ಷೆ ಅಂಕಿಅಂಶ ಗ್ರಾಫ್ ನಕ್ಷೆ ಚಿತ್ರ ಫೋಟೋ ವಿಡಿಯೋ ಆಡಿಯೋ ಫೈಲ್ ಫೋಲ್ಡರ್ ಡೇಟಾಬೇಸ್ ಸರ್ವರ್ ಕ್ಲೌಡ್ ಭದ್ರತೆ ಪಾಸ್‌ವರ್ಡ್ ಎನ್‌ಕ್ರಿಪ್ಶನ್ ಬ್ಯಾಕಪ್ ಅಪ್‌ಡೇಟ್ ಬಗ್ ಫಿಕ್ಸ್ ಪರೀಕ್ಷೆ ಡೀಬಗ್ ಕಂಪೈಲರ್ ಇಂಟರ್‌ಪ್ರಿಟರ್ ಅಲ್ಗಾರಿದಮ್ ಡೇಟಾ ಸ್ಟ್ರಕ್ಚರ್ ಪ್ರೋಗ್ರಾಮಿಂಗ್ ಭಾಷೆ ಫ್ರೇಮ್‌ವರ್ಕ್ ಲೈಬ್ರರಿ ಮಾಡ್ಯೂಲ್ ಕಾಂಪೊನೆಂಟ್ ಇಂಟರ್‌ಫೇಸ್ ಯೂಸರ್ ಎಕ್ಸ್‌ಪೀರಿಯನ್ಸ್ ಯೂಸರ್ ಇಂಟರ್‌ಫೇಸ್ ಪ್ರೊಟೋಟೈಪ್ ವೈರ್‌ಫ್ರೇಮ್ ಡಿಸೈನ್ ಪ್ಯಾಟರ್ನ್ ಆರ್ಕಿಟೆಕ್ಚರ್ ಸ್ಕೇಲೆಬಿಲಿಟಿ ಪರ್ಫಾರ್ಮೆನ್ಸ್ ಆಪ್ಟಿಮೈಸೇಶನ್ ಕ್ಯಾಶಿಂಗ್ ಲೋಡ್ ಬ್ಯಾಲೆನ್ಸಿಂಗ್ ಮೈಕ್ರೋಸರ್ವಿಸ್ ಕಂಟೈನರ್ ಡಾಕರ್ ಕುಬರ್ನೆಟಿಸ್ ಸಿಐ/ಸಿಡಿ ಪೈಪ್‌ಲೈನ್ ಗಿಟ್ ಬ್ರಾಂಚ್ ಮರ್ಜ್ ಕಮಿಟ್ ಪುಲ್ ರಿಕ್ವೆಸ್ಟ್ ಕೋಡ್ ರಿವ್ಯೂ ಡಾಕ್ಯುಮೆಂಟೇಶನ್ ಟ್ಯುಟೋರಿಯಲ್ ಉದಾಹರಣೆ ಮಾದರಿ ಸಿದ್ಧಾಂತ ಪ್ರಯೋಗ ಫಲಿತಾಂಶ ತೀರ್ಮಾನ ಉಲ್ಲೇಖ ಗ್ರಂಥಸೂಚಿ ಅನುಬಂಧ ಸೂಚ್ಯಂಕ ಪರಿಭಾಷೆ ಸಂಕ್ಷಿಪ್ತ ರೂಪ ಚಿಹ್ನೆ ಸಂಕೇತ ಲಿಪಿ ಅಕ್ಷರ ಪದ ವಾಕ್ಯ ಪ್ಯಾರಾಗ್ರಾಫ್ ಶೀರ್ಷಿಕೆ ಉಪಶೀರ್ಷಿಕೆ ಪಟ್ಟಿ ಕೋಷ್ಟಕ ಚಿತ್ರಪಟ ಅಡಿಟಿಪ್ಪಣಿ ಅಂತ್ಯಟಿಪ್ಪಣಿ ಉಲ್ಲೇಖ ಪುಟ ಮುಖಪುಟ ಹಿಂಬದಿ ಮುಖಪುಟ ಪ್ರಸ್ತಾವನೆ ಮುನ್ನುಡಿ ಬೆನ್ನುಡಿ ಅರ್ಪಣೆ ಕೃತಜ್ಞತೆ ಪರಿವಿಡಿ ಅಧ್ಯಾಯ ಭಾಗ ಸಂಪುಟ ಆವೃತ್ತಿ ಮುದ್ರಣ ಪ್ರತಿ ಬೆಲೆ ಲಭ್ಯತೆ ಮಾರಾಟ ಖರೀದಿ ಗ್ರಾಹಕ ಸೇವೆ ಖಾತರಿ ರಿಟರ್ನ್ ವಿನಿಮಯ ಸಾಗಣೆ ಪ್ಯಾಕಿಂಗ್ ಆರ್ಡರ್ ಬಿಲ್ ರಸೀದಿ ಪಾವತಿ ಬ್ಯಾಂಕ್ ಖಾತೆ ಕಾರ್ಡ್ ಯುಪಿಐ ವ್ಯಾಲೆಟ್ ಕ್ಯಾಷ್ ಚೆಕ್ ಡ್ರಾಫ್ಟ್ ಸಾಲ ಬಡ್ಡಿ ಇಎಂಐ ಉಳಿತಾಯ ಹೂಡಿಕೆ ಷೇರು ಬಾಂಡ್ ಮ್ಯೂಚುವಲ್ ಫಂಡ್ ಚಿನ್ನ ಬೆಳ್ಳಿ ರಿಯಲ್ ಎಸ್ಟೇಟ್ ಬಾಡಿಗೆ ಗುತ್ತಿಗೆ ಒಪ್ಪಂದ ಕರಾರು ಪತ್ರ ಅಫಿಡವಿಟ್ ಪ್ರಮಾಣಪತ್ರ ಗುರುತಿನ ಚೀಟಿ ಪಾಸ್‌ಪೋರ್ಟ್ ವೀಸಾ ವಲಸೆ ಪೌರತ್ವ ಮತದಾರ ಚುನಾವಣೆ ಮತ ಪಕ್ಷ ಸರ್ಕಾರ ಆಡಳಿತ ಪುರಸಭೆ ಪಂಚಾಯತ್ ಜಿಲ್ಲಾಡಳಿತ ಪೊಲೀಸ್ ಠಾಣೆ ದೂರು ಎಫ್‌ಐಆರ್ ತನಿಖೆ ವಿಚಾರಣೆ ನ್ಯಾಯಾಲಯ ವಕೀಲ ನ್ಯಾಯಾಧೀಶ ತೀರ್ಪು ಶಿಕ್ಷೆ ಜೈಲು ಪೆರೋಲ್ ಜಾಮೀನು ಕಾನೂನು ಸೇವೆ ಉಚಿತ ಕಾನೂನು ನೆರವು ಲೋಕ ಅದಾಲತ್ ಮಧ್ಯಸ್ಥಿಕೆ ರಾಜಿ ಸಂಧಾನ ಒಪ್ಪಂದ ಉಲ್ಲಂಘನೆ ಪರಿಹಾರ ನಷ್ಟ ಭರ್ತಿ ಮೊಕದ್ದಮೆ ಅರ್ಜಿ ಮನವಿ ಹೇಳಿಕೆ ಪ್ರತಿವಾದ ಸಾಕ್ಷ್ಯ ಸಾಕ್ಷಿ ಪುರಾವೆ ಪರೀಕ್ಷೆ ಅಂಕ ಶ್ರೇಣಿ ಪ್ರಮಾಣಪತ್ರ ಪದವಿ ಸ್ನಾತಕ ಸ್ನಾತಕೋತ್ತರ ಡಿಪ್ಲೊಮಾ ಪಿಎಚ್‌ಡಿ ಸಂಶೋಧನೆ ಪ್ರಬಂಧ ಮಾರ್ಗದರ್ಶಕ ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿ ಶಿಕ್ಷಕ ಉಪನ್ಯಾಸಕ ಪ್ರಾಧ್ಯಾಪಕ ಕುಲಪತಿ ಶಾಲೆ ಕಾಲೇಜು ವಿಶ್ವವಿದ್ಯಾಲಯ ಪಠ್ಯಕ್ರಮ ಪಾಠ ತರಗತಿ ಪ್ರಯೋಗಾಲಯ ಕಾರ್ಯಾಗಾರ ಸಮ್ಮೇಳನ ವಿಚಾರಸಂಕಿರಣ ಉಪನ್ಯಾಸ ಭಾಷಣ ಚರ್ಚೆ ಸಂವಾದ ಪ್ರಶ್ನೆ ಉತ್ತರ ಅಭಿಪ್ರಾಯ ಸಲಹೆ ಸೂಚನೆ ಎಚ್ಚರಿಕೆ ಜಾಹೀರಾತು ಪ್ರಚಾರ ಮಾರುಕಟ್ಟೆ ಸ್ಪರ್ಧೆ ಬಹುಮಾನ ಪ್ರಶಸ್ತಿ ಗೌರವ ಸನ್ಮಾನ ಸಂಘ ಸಂಸ್ಥೆ ಟ್ರಸ್ಟ್ ಕ್ಲಬ್ ಸಮಿತಿ ಸಭೆ ನಿರ್ಣಯ ಮತ ಚಲಾವಣೆ ಫಲಿತಾಂಶ ಅಧಿಕಾರ ಜವಾಬ್ದಾರಿ ಕರ್ತವ್ಯ ಹಕ್ಕು ಸ್ವಾತಂತ್ರ್ಯ ಸಮಾನತೆ ಭ್ರಾತೃತ್ವ ಸಂವಿಧಾನ ಪ್ರಸ್ತಾವನೆ ಮೂಲಭೂತ ಹಕ್ಕು ನಿರ್ದೇಶಕ ತತ್ತ್ವ ಮೂಲಭೂತ ಕರ್ತವ್ಯ ಸಂಸತ್ತು ವಿಧಾನಸಭೆ ವಿಧಾನಪರಿಷತ್ತು ಲೋಕಸಭೆ ರಾಜ್ಯಸಭೆ ಮಂತ್ರಿಮಂಡಲ ಮುಖ್ಯಮಂತ್ರಿ ಪ್ರಧಾನಮಂತ್ರಿ ರಾಷ್ಟ್ರಪತಿ ರಾಜ್ಯಪಾಲ ಉಪರಾಷ್ಟ್ರಪತಿ ಸಭಾಪತಿ ಸ್ಪೀಕರ್ ಕಾರ್ಯದರ್ಶಿ ಅಧಿಕಾರಿ ಗುಮಾಸ್ತ ಸಿಬ್ಬಂದಿ ಕಚೇರಿ ಫೈಲ್ ಟಿಪ್ಪಣಿ ಆದೇಶ ಸುತ್ತೋಲೆ ಅಧಿಸೂಚನೆ ಗೆಜೆಟ್ ಕಾಯಿದೆ ನಿಯಮ ಉಪನಿಯಮ ಪರಿಚ್ಛೇದ ಕಲಂ ಪ್ರಕರಣ ಅನುಸೂಚಿ ತಿದ್ದುಪಡಿ ರದ್ದು ಜಾರಿ ಅನುಷ್ಠಾನ ಪರಿಶೀಲನೆ ಮೌಲ್ಯಮಾಪನ ವರದಿ ಶಿಫಾರಸು ಅನುಮೋದನೆ ತಿರಸ್ಕಾರ ಮುಂದೂಡಿಕೆ ಬಾಕಿ ಪೂರ್ಣ ಪ್ರಗತಿ ಗುರಿ ಸಾಧನೆ ಕೊರತೆ ಹೆಚ್ಚುವರಿ ಬಜೆಟ್ ಆಯವ್ಯಯ ಲೆಕ್ಕಪತ್ರ ಆಡಿಟ್ ಲೆಕ್ಕಪರಿಶೋಧನೆ ವರದಿ ಪಿಂಚಣಿ ಭತ್ಯೆ ರಜೆ ಸಂಬಳ ವೇತನ ಶ್ರೇಣಿ ಬಡ್ತಿ ವರ್ಗಾವಣೆ ನಿವೃತ್ತಿ ರಾಜೀನಾಮೆ ಅಮಾನತು ಶಿಸ್ತುಕ್ರಮ ಆರೋಪ ಸಾಬೀತು ಖುಲಾಸೆ ಕ್ಷಮಾದಾನ ಅಪೀಲು ಪುನರ್‌ವಿಮರ್ಶೆ ಮೇಲ್ಮನವಿ ಕೆಳಮನವಿ ಹೈಕೋರ್ಟ್ ಸುಪ್ರೀಂಕೋರ್ಟ್ ಜಿಲ್ಲಾ ನ್ಯಾಯಾಲಯ ಸಿವಿಲ್ ಕ್ರಿಮಿನಲ್ ಕೌಟುಂಬಿಕ ಕಾರ್ಮಿಕ ಗ್ರಾಹಕ ಆಯೋಗ ಲೋಕಾಯುಕ್ತ ಮಾಹಿತಿ ಹಕ್ಕು ಆರ್‌ಟಿಐ ಸಾರ್ವಜನಿಕ ಅಹವಾಲು ಕುಂದುಕೊರತೆ ಸ್ಪಂದನೆ ಸೇವೆ ಗುಣಮಟ್ಟ ಪ್ರಮಾಣೀಕರಣ ಐಎಸ್‌ಒ ಬಿಐಎಸ್ ಎಫ್‌ಎಸ್‌ಎಸ್‌ಎಐ ಔಷಧ ಔಷಧಿ ಲಸಿಕೆ ಚುಚ್ಚುಮದ್ದು ಆಸ್ಪತ್ರೆ ಕ್ಲಿನಿಕ್ ವೈದ್ಯ ದಾದಿ ಶುಶ್ರೂಷೆ ಚಿಕಿತ್ಸೆ ರೋಗ ಲಕ್ಷಣ ರೋಗನಿರ್ಣಯ ಪರೀಕ್ಷೆ ಎಕ್ಸ್‌ರೇ ಸ್ಕ್ಯಾನ್ ರಕ್ತ ಮೂತ್ರ ಮಲ ಆಹಾರ ಪೌಷ್ಟಿಕಾಂಶ ಜೀವಸತ್ವ ಖನಿಜ ಪ್ರೋಟೀನ್ ಕೊಬ್ಬು ಕಾರ್ಬೋಹೈಡ್ರೇಟ್ ಕ್ಯಾಲರಿ ಅಪೌಷ್ಟಿಕತೆ ಅತಿಸಾರ ಜ್ವರ ಶೀತ ಕೆಮ್ಮು ಉಸಿರಾಟ ಹೃದಯ ರಕ್ತನಾಳ ರಕ್ತದೊತ್ತಡ ಮಧುಮೇಹ ಕ್ಯಾನ್ಸರ್ ಮಾನಸಿಕ ಆರೋಗ್ಯ ಖಿನ್ನತೆ ಆತಂಕ ಒತ್ತಡ ನಿದ್ರೆ ಕನಸು ಮರೆವು ಬುದ್ಧಿಮಾಂದ್ಯ ಅಂಗವಿಕಲತೆ ಪುನರ್ವಸತಿ ಸಹಾಯಕ ಸಾಧನ ಗಾಲಿಕುರ್ಚಿ ಶ್ರವಣ ಸಾಧನ ಕನ್ನಡಕ ಲೆನ್ಸ್ ಕಣ್ಣು ಕಿವಿ ಮೂಗು ಗಂಟಲು ಹಲ್ಲು ಬಾಯಿ ಚರ್ಮ ಕೂದಲು ಉಗುರು ಮೂಳೆ ಸ್ನಾಯು ನರ ಮೆದುಳು ಬೆನ್ನುಹುರಿ ಜೀರ್ಣಾಂಗ ಯಕೃತ್ತು ಮೂತ್ರಪಿಂಡ ಗಾಳಿಗುಳ್ಳೆ ಜನನಾಂಗ ಗರ್ಭಧಾರಣೆ ಹೆರಿಗೆ ಶಿಶು ಬಾಣಂತಿ ಲಸಿಕೆ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮ ಸಾಂಕ್ರಾಮಿಕ ರೋಗ ಸಾಂಕ್ರಾಮಿಕವಲ್ಲದ ರೋಗ ಆರೋಗ್ಯ ಶಿಕ್ಷಣ ಜಾಗೃತಿ ಅಭಿಯಾನ ಸ್ವಚ್ಛತೆ ನೈರ್ಮಲ್ಯ ಶೌಚಾಲಯ ಕುಡಿಯುವ ನೀರು ಶುದ್ಧೀಕರಣ ಕೊಳಚೆ ನೀರು ಒಳಚರಂಡಿ ಘನತ್ಯಾಜ್ಯ ಪುನರ್ಬಳಕೆ ಮರುಬಳಕೆ ಕಾಂಪೋಸ್ಟ್ ಗೊಬ್ಬರ ಕೀಟನಾಶಕ ಕಳೆನಾಶಕ ಶಿಲೀಂಧ್ರನಾಶಕ ಜೈವಿಕ ಸಾವಯವ ಕೃಷಿ ಬೇಸಾಯ ಉಳುಮೆ ಬಿತ್ತನೆ ನಾಟಿ ಕಳೆ ಕೀಟ ರೋಗ ಬೆಳೆ ಕೊಯ್ಲು ಸಂಗ್ರಹಣೆ ಗೋದಾಮು ಮಾರುಕಟ್ಟೆ ಬೆಲೆ ಏರಿಳಿತ ಬೆಂಬಲ ಬೆಲೆ ಸಹಕಾರಿ ಸಂಘ ಸಾಲ ಮನ್ನಾ ವಿಮೆ ಬೆಳೆ ವಿಮೆ ಹವಾಮಾನ ಮಳೆ ಬರ ಪ್ರವಾಹ ಚಂಡಮಾರುತ ಭೂಕಂಪ ಸುನಾಮಿ ಅರಣ್ಯನಾಶ ಮರುಅರಣ್ಯೀಕರಣ ಗಣಿಗಾರಿಕೆ ಕಲ್ಲುಗಣಿ ಮರಳು ಜಲ್ಲಿ ಕಲ್ಲಿದ್ದಲು ಪೆಟ್ರೋಲಿಯಂ ನೈಸರ್ಗಿಕ ಅನಿಲ ಸೌರಶಕ್ತಿ ಪವನಶಕ್ತಿ ಜಲವಿದ್ಯುತ್ ಅಣುಶಕ್ತಿ ಇಂಧನ ವಿದ್ಯುತ್ ಗ್ರಿಡ್ ಟ್ರಾನ್ಸ್‌ಫಾರ್ಮರ್ ಮೀಟರ್ ಬಿಲ್ ಸುಂಕ ತೆರಿಗೆ ಜಿಎಸ್‌ಟಿ ಆದಾಯ ತೆರಿಗೆ ಕಸ್ಟಮ್ಸ್ ಆಮದು ರಫ್ತು ವಿದೇಶಿ ವಿನಿಮಯ ರೂಪಾಯಿ ಡಾಲರ್ ಯೂರೋ ಪೌಂಡ್ ಯೆನ್ ಷೇರುಪೇಟೆ ಸೂಚ್ಯಂಕ ಸೆನ್ಸೆಕ್ಸ್ ನಿಫ್ಟಿ ಬ್ಯಾಂಕಿಂಗ್ ಆರ್‌ಬಿಐ ರೆಪೊ ದರ ಹಣದುಬ್ಬರ ಜಿಡಿಪಿ ಆರ್ಥಿಕ ಹಿಂಜರಿತ ಬೆಳವಣಿಗೆ ಉದ್ಯೋಗ ನಿರುದ್ಯೋಗ ಕನಿಷ್ಠ ವೇತನ ಕಾರ್ಮಿಕ ಸಂಘ ಮುಷ್ಕರ ಲಾಕೌಟ್ ಕೈಗಾರಿಕೆ ಉತ್ಪಾದನೆ ಘಟಕ ಯಂತ್ರೋಪಕರಣ ಕಚ್ಚಾವಸ್ತು ಗುತ್ತಿಗೆ ಉಪಗುತ್ತಿಗೆ ಟೆಂಡರ್ ಹರಾಜು ಪೂರೈಕೆ ಬೇಡಿಕೆ ಸ್ಪರ್ಧೆ ಏಕಸ್ವಾಮ್ಯ ಒಲಿಗೋಪಲಿ ಪೈಪೋಟಿ ಗ್ರಾಹಕ ಸಂರಕ್ಷಣೆ ಕಲಬೆರಕೆ ಮೋಸ ವಂಚನೆ ಸೈಬರ್ ಅಪರಾಧ ಹ್ಯಾಕಿಂಗ್ ಫಿಶಿಂಗ್ ಮಾಲ್‌ವೇರ್ ವೈರಸ್ ಆಂಟಿವೈರಸ್ ಫೈರ್‌ವಾಲ್ ಗೂಢಲಿಪಿ ಡಿಜಿಟಲ್ ಸಹಿ ಬಯೋಮೆಟ್ರಿಕ್ ಗುರುತು ಆಧಾರ್ ಪಾನ್ ಕಾರ್ಡ್ ಜನಗಣತಿ ಸಮೀಕ್ಷೆ ಮಾದರಿ ಸಂಭವನೀಯತೆ ಸರಾಸರಿ ಮಧ್ಯಮ ಬಹುಳ ಪ್ರಮಾಣಿತ ವಿಚಲನ ಸಹಸಂಬಂಧ ಹಿಂಜರಿತ ಪರಿಕಲ್ಪನೆ ಸಿದ್ಧಾಂತ ಪ್ರಮೇಯ ಸಾಧ್ಯತೆ ಅಸಾಧ್ಯತೆ ಗಣಿತ ಬೀಜಗಣಿತ ರೇಖಾಗಣಿತ ತ್ರಿಕೋನಮಿತಿ ಕಲನಶಾಸ್ತ್ರ ಸಂಖ್ಯೆ ಅಪವರ್ತನ ಗುಣಾಕಾರ ಭಾಗಾಕಾರ ಸಂಕಲನ ವ್ಯವಕಲನ ಭಿನ್ನರಾಶಿ ದಶಮಾಂಶ ಶೇಕಡಾವಾರು ಅನುಪಾತ ಸಮಾನುಪಾತ ಬಡ್ಡಿ ಚಕ್ರಬಡ್ಡಿ ಲಾಭ ನಷ್ಟ ರಿಯಾಯಿತಿ ಮಾರಾಟ ಖರೀದಿ ಬೆಲೆ ಅಳತೆ ತೂಕ ಪರಿಮಾಣ ಉದ್ದ ಅಗಲ ಎತ್ತರ ಆಳ ವಿಸ್ತೀರ್ಣ ಸುತ್ತಳತೆ ಘನಫಲ ಕೋನ ಸಮಾನಾಂತರ ಲಂಬ ಸಮತಲ ಬಿಂದು ರೇಖೆ ಕಿರಣ ವೃತ್ತ ಚೌಕ ಆಯತ ತ್ರಿಭುಜ ಬಹುಭುಜ ಘನ ಗೋಳ ಸಿಲಿಂಡರ್ ಕೋನ್ ಪಿರಮಿಡ್ ಪ್ರಿಸಂ ಸಮ್ಮಿತಿ ಪ್ರತಿಬಿಂಬ ಭಾಷಾಂತರ ಪರಿವರ್ತನೆ ಸಂಯೋಜನೆ ಸಮೀಕರಣ ಅಸಮೀಕರಣ ಚರ ಸ್ಥಿರ ಗುಣಾಂಕ ಘಾತ ಮೂಲ ಲಾಗರಿದಮ್ ಘಾತೀಯ ಶ್ರೇಢಿ ಅನುಕ್ರಮ ಮಿತಿ ಅವಕಲನ ಸಮಾಕಲನ ಪ್ರದೇಶ ಪರಿಮಾಣ ಸಂಭವನೀಯತೆ ಸಾಧ್ಯತೆ ಪ್ರಯೋಗ ಫಲಿತಾಂಶ ಮಾದರಿ ಸ್ಥಳ ಘಟನೆ ಸ್ವತಂತ್ರ ಅವಲಂಬಿತ ಷರತ್ತು ಬೇಯ್ಸ್ ಪ್ರಮೇಯ ಯಾದೃಚ್ಛಿಕ ಚರ ಸಂಭವನೀಯತೆ ಹಂಚಿಕೆ ಬರ್ನೌಲಿ ದ್ವಿಪದ ಪಾಯ್ಸನ್ ಘಾತೀಯ ಸಾಮಾನ್ಯ ಹಂಚಿಕೆ ಕೇಂದ್ರೀಯ ಮಿತಿ ಪ್ರಮೇಯ ಮಾದರಿ ಸಮೀಕ್ಷೆ ಪಕ್ಷಪಾತ ವಿಶ್ವಾಸ ಮಧ್ಯಂತರ ಪರಿಕಲ್ಪನೆ ಪರೀಕ್ಷೆ ಮಹತ್ವ ಮಟ್ಟ ಶಕ್ತಿ ಟೈಪ್ ಒನ್ ಟೈಪ್ ಟೂ ಎಫ್ ಟಿ ಕೈ ವರ್ಗ ಟಿ ಝಡ್ ಅನೋವಾ ಎಫ್ ಅನುಪಾತ ಸರಳ ರೇಖೀಯ ಹಿಂಜರಿತ ಅವಶೇಷ ಬಹುಪದೀಯ ಲಾಜಿಸ್ಟಿಕ್ ಅಸಂಗತ ಸಮಯ ಶ್ರೇಢಿ ಪ್ರವೃತ್ತಿ ಋತುಮಾನ ಚಲಿಸುವ ಸರಾಸರಿ ಘಾತೀಯ ಸುಗಮಗೊಳಿಸುವಿಕೆ ಅರಿಮಾ ಸ್ಟೇಷನರಿ ಆಟೋಕೋರಿಲೇಷನ್ ಪಾರ್ಟಿಷನ್ ಕ್ಲಸ್ಟರಿಂಗ್ ಕೆ ಮೀನ್ಸ್ ಶ್ರೇಣಿ ಡೆಂಡ್ರೋಗ್ರಾಮ್ ಸಿಲೂಯೆಟ್ ಪಿಸಿಎ ಐಜೆನ್ ಮೌಲ್ಯ ಸಿಂಗುಲರ್ ಮೌಲ್ಯ ವಿಭಜನೆ ಎಸ್‌ವಿಡಿ ಮ್ಯಾಟ್ರಿಕ್ಸ್ ಸದಿಶ ಅಡ್ಡ ಗುಣಲಬ್ಧ ಡಾಟ್ ಗುಣಲಬ್ಧ ಉದ್ದ ಏಕಮಾನ ಲಂಬ ಸಮಾನಾಂತರ ಆಧಾರ ವ್ಯಾಪ್ತಿ ರೇಖೀಯ ಸ್ವತಂತ್ರ ಅವಲಂಬಿತ ಆಯಾಮ ಶ್ರೇಣಿ ಶೂನ್ಯತೆ ಪೂರ್ಣ ಸ್ತಂಭ ಸಾಲು ಕಾಲಮ್ ಶೂನ್ಯ ಸಮೀಕರಣ ಪರಿಹಾರ ಗಾಸ್ ಜೋರ್ಡಾನ್ ಎಲಿಮಿನೇಷನ್ ಎಚೆಲಾನ್ ರೂಪ ಮಾರ್ಪಡಿಸಿದ ಎಚೆಲಾನ್ ರೂಪ ಮೂಲ ಚರ ಮುಕ್ತ ಚರ ಸಾಮಾನ್ಯ ಪರಿಹಾರ ವಿಶೇಷ ಪರಿಹಾರ ಸಜಾತಿ ಸಮೀಕರಣ ಅಸಜಾತಿ ಸಮೀಕರಣ ಪೂರಕ ಫಲನ ವಿಶೇಷ ಸಮಾಕಲ ಅನಿರ್ಣಯ ಗುಣಾಂಕ ವಿಧಾನ ಪರಿವರ್ತನೆ ವಿಧಾನ ಲಾಪ್ಲಾಸ್ ಪರಿವರ್ತನೆ ಲಾಪ್ಲಾಸ್ ವಿಲೋಮ ಪರಿವರ್ತನೆ ಪ್ರಥಮ ಷಿಫ್ಟಿಂಗ್ ಪ್ರಮೇಯ ಗುಣಾಕಾರ ಪ್ರಮೇಯ ಭಾಗಾಕಾರ ಪ್ರಮೇಯ ಹೆವಿಸೈಡ್ ಸ್ಟೆಪ್ ಫಲನ ಡಿರಾಕ್ ಡೆಲ್ಟಾ ಫಲನ ಆವರ್ತಕ ಫಲನ ಅರ್ಧ ವ್ಯಾಪ್ತಿ ಸಮ ಫಲನ ಬೆಸ ಫಲನ ಫೋರಿಯರ್ ಶ್ರೇಢಿ ಫೋರಿಯರ್ ಸಹಗುಣಕ ಫೋರಿಯರ್ ಸೈನ್ ಶ್ರೇಢಿ ಫೋರಿಯರ್ ಕೊಸೈನ್ ಶ್ರೇಢಿ ಫೋರಿಯರ್ ಸಮಾಕಲ ಫೋರಿಯರ್ ಪರಿವರ್ತನೆ ಫೋರಿಯರ್ ವಿಲೋಮ ಪರಿವರ್ತನೆ ಪರಿವರ್ತನೆ ಗುಣಲಕ್ಷಣ ಸಂವೇದನೆ ಪ್ರತಿಕ್ರಿಯೆ ಪ್ರಚೋದನೆ ಪ್ರತಿಕ್ರಿಯೆ ಸಮಯ ಸ್ಥಿರಾಂಕ ಲಾಭ ಬ್ಯಾಂಡ್‌ವಿಡ್ತ್ ಕಟ್‌ಆಫ್ ಆವರ್ತನ ಕಡಿಮೆ ಪಾಸ್ ಹೆಚ್ಚು ಪಾಸ್ ಬ್ಯಾಂಡ್ ಪಾಸ್ ಬ್ಯಾಂಡ್ ಸ್ಟಾಪ್ ಫಿಲ್ಟರ್ ಪ್ಯಾಸಿವ್ ಫಿಲ್ಟರ್ ಆಕ್ಟಿವ್ ಫಿಲ್ಟರ್ ಆಪ್ ಆಂಪ್ ಇಂಟಿಗ್ರೇಟರ್ ಡಿಫರೆನ್ಷಿಯೇಟರ್ ಸಮ್ಮಿಂಗ್ ಆಂಪ್ಲಿಫೈಯರ್ ಇನ್‌ವರ್ಟಿಂಗ್ ನಾನ್‌ಇನ್‌ವರ್ಟಿಂಗ್ ಆಂಪ್ಲಿಫೈಯರ್ ಆಫ್‌ಸೆಟ್ ವೋಲ್ಟೇಜ್ ಬಯಾಸ್ ಕರೆಂಟ್ ಸ್ಲ್ಯೂ ರೇಟ್ ಸಾಮಾನ್ಯ ಮೋಡ್ ತಿರಸ್ಕಾರ ಅನುಪಾತ ಇನ್‌ಪುಟ್ ಇಂಪೆಡೆನ್ಸ್ ಔಟ್‌ಪುಟ್ ಇಂಪೆಡೆನ್ಸ್ ಓಪನ್ ಲೂಪ್ ಗೇನ್ ಕ್ಲೋಸ್ಡ್ ಲೂಪ್ ಗೇನ್ ನೆಗೆಟಿವ್ ಫೀಡ್‌ಬ್ಯಾಕ್ ಪಾಸಿಟಿವ್ ಫೀಡ್‌ಬ್ಯಾಕ್ ಸ್ಥಿರತೆ ಆಸಿಲೇಷನ್ ಹಂತ ಮಾರ್ಜಿನ್ ಗೇನ್ ಮಾರ್ಜಿನ್ ಬೋಡ್ ಪ್ಲಾಟ್ ನೈಕ್ವಿಸ್ಟ್ ಪ್ಲಾಟ್ ರೂಟ್ ಲೋಕಸ್ ಪೋಲ್ ಸೊನ್ನೆ ಪ್ರಾಬಲ್ಯ ಪೋಲ್ ಪ್ರಾಬಲ್ಯ ಸೊನ್ನೆ ಲೀಡ್ ಕಾಂಪೆನ್ಸೇಟರ್ ಲ್ಯಾಗ್ ಕಾಂಪೆನ್ಸೇಟರ್ ಲೀಡ್-ಲ್ಯಾಗ್ ಕಾಂಪೆನ್ಸೇಟರ್ ಪಿಐಡಿ ನಿಯಂತ್ರಕ ಅನುಪಾತ ಸಮಗ್ರ ಭೇದಕ ಟ್ಯೂನಿಂಗ್ ಜೀಗ್ಲರ್-ನಿಕೋಲ್ಸ್ ಕೋಹೆನ್-ಕೂನ್ ಆಟೋ ಟ್ಯೂನ್ ಸೆಟ್‌ಪಾಯಿಂಟ್ ಪ್ರಕ್ರಿಯಾ ಚರ ಮ್ಯಾನಿಪ್ಯುಲೇಟೆಡ್ ವೇರಿಯೇಬಲ್ ಕಂಟ್ರೋಲ್ ಲೂಪ್ ಕ್ಯಾಸ್ಕೇಡ್ ಕಂಟ್ರೋಲ್ ಫೀಡ್‌ಫಾರ್ವರ್ಡ್ ಕಂಟ್ರೋಲ್ ಮಾದರಿ ಆಧಾರಿತ ನಿಯಂತ್ರಣ ಆಂತರಿಕ ಮಾದರಿ ನಿಯಂತ್ರಣ ಮಾದರಿ ಮುನ್ಸೂಚಕ ನಿಯಂತ್ರಣ ಅಡಾಪ್ಟಿವ್ ಕಂಟ್ರೋಲ್ ರೋಬಸ್ಟ್ ಕಂಟ್ರೋಲ್ ಎಚ್-ಇನ್ಫಿನಿಟಿ ಮಿಶ್ರ ಸೂಕ್ಷ್ಮತೆ ಮಲ್ಟಿವೇರಿಯಬಲ್ ಕಂಟ್ರೋಲ್ ಸ್ಟೇಟ್ ಸ್ಪೇಸ್ ಸ್ಟೇಟ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः सङ्कर्षणाय प्रद्युम्नायानिरुद्धाय नमो नमः परमकारणाय परमपुरुषाय सत्त्वाय शान्ताय योगिनां पतये नमस्ते वासुदेव भगवते सर्वभूतनिवास सर्वभूतात्मन् सर्वभूतसाक्षिन् सर्वभूतहृदयगुहाशय सर्वभूतप्रवर्तक सर्वभूतप्रलयोद्भव सर्वभूतसंस्थान सर्वभूतविदां वर सर्वभूतसुहृत्प्रिय सर्वभूतात्मबुद्धीन्द्रियमनोगुणवित्तवित्तवित्त

ಸಾಲಾಗಿರುವ ಹಾಗೆ ಕಾಣುವ ಮೂಲಕ ಅಲ್ಲಿ

ཤོག་གྲངས་798དང་799ཚད།

ཀྱི་ཁྱེད་ཀྱི་ཁྱེད་ཀྱི་ཁྱེད་

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ཀུན་ཏུ་སྤྱོད་པ་ཡི་སྨོན་ལམ་ཁྱད་པར་ཅན་ཐམས་ཅད་ཀྱང་ཡོངས་སུ་རྫོགས་པར་བྱ་བའི་ཕྱིར་ཏེ། ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐམས་ཅད་དུ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐམས་ཅད་ཀྱི

ಸಾಲಿಗ್ರಾಮ ಶ್ರೀಮದ್ರಾಜಾಧಿರಾಜ ರಾಜಪರಮೇಶ್ವರ

ཀཱཡཱ་ཝཱཙཱ་ཙིཏྟེན་ཡཾ་ཀིཉྩི་ཀུསལཾ་ཀམྨཾ་ཀཏྭཱ་ཨུཔཙིཏཾ་ཨཱཡཏིཾ་ཝེདནཱིཡཾ་ཝཱ་ཧོཏུ་ཨཧོསིཀམྨཾ་ཝཱ་ཏཏྲ་ཏཏྲཱཔི་ཏཾ་ཀམྨཾ་ཨཝིཔཀྐཾ་ཨཝིཔཀྐཾ་ཨཱཀཱསཊྛཾ་ཝིཡ་ཨཔ

ಶ್ರೀಮತ್ಪರಮಗಂಭೀರ ಸ್ಯಾದ್ವಾದಾಮೋಘಲಾಂಛನ ಜೀಯಾತ್ತ್ರೈಲೋಕ್ಯನಾಥಸ್ಯ ಶಾಸನಂ ಜಿನಶಾಸನಂ ॥ ಸಕಲಭುವನಪತಿಕಮಲಾ
ಲಿಂಗಿತವಕ್ಷಸ್ಥಳಂ ಸಮಸ್ತಾಗಮಸಾರಂ ಸಕಲಾಗಮಪಾರಗರಾದ ಶ್ರೀಮದಕಲಂಕದೇವರ ಪಟ್ಟಾಧಿಕಾರಿಗಳಾದ ಶ್ರೀಮದ್ಭಟ್ಟಾಕಲಂಕ
ಸೂರಿಗಳ ಪಟ್ಟಾಧಿಕಾರಿಗಳಾದ ಶ್ರೀಮದ್ಭಟ್ಟಾಕಲಂಕಸೂರಿಗಳ ಪಟ್ಟಾಧಿಕಾರಿಗಳಾದ ಶ್ರೀಮದ್ಭಟ್ಟಾಕಲಂಕಸೂರಿಗಳ ಪಟ್ಟಾಧಿಕಾರಿಗಳಾದ
ಶ್ರೀಮದ್ಭಟ್ಟಾಕಲಂಕಸೂರಿಗಳ ಪಟ್ಟಾಧಿಕಾರಿಗಳಾದ ಶ್ರೀಮದ್ಭಟ್ಟಾಕಲಂಕಸೂರಿಗಳ ಪಟ್ಟಾಧಿಕಾರಿಗಳಾದ ಶ್ರೀಮದ್ಭಟ್ಟಾಕಲಂಕಸೂರಿಗಳ
ಪಟ್ಟಾಧಿಕಾರಿಗಳಾದ ಶ್ರೀಮದ್ಭಟ್ಟಾಕಲಂಕಸೂರಿಗಳ ಪಟ್ಟಾಧಿಕಾರಿಗಳಾದ ಶ್ರೀಮದ್ಭಟ್ಟಾಕಲಂಕಸೂರಿಗಳ ಪಟ್ಟಾಧಿಕಾರಿಗಳಾದ
ಶ್ರೀಮದ್ಭಟ್ಟಾಕಲಂಕಸೂರಿಗಳ ಪಟ್ಟಾಧಿಕಾರಿಗಳಾದ ಶ್ರೀಮದ್ಭಟ್ಟಾಕಲಂಕಸೂರಿಗಳ ಪಟ್ಟಾಧಿಕಾರಿಗಳಾದ ಶ್ರೀಮದ್ಭಟ್ಟಾಕಲಂಕ
ಸೂರಿಗಳ

ཤེས་རབ་ཀྱི་ཕ་རོལ་ཏུ་ཕྱིན་པ་ཞེས་བྱ་བ་ཐེག་པ་ཆེན་པོའི་མདོ་སྡེ་ཀུན་ལས་བཏུས་པ་ཤེས་རབ་ཀྱི་ཕ་རོལ་ཏུ་ཕྱིན་པ་ཡི

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥

ﻭﺍﻟﺴﻼﻡ ﻋﻠﻴﻜﻢ ﻭﺭﺣﻤﺔ ﷲ ﻭﺑﺮﻛﺎﺗﻪ ﻭﻣﻐﻔﺮﺗﻪ ﻭﺭﺿﻮﺍﻧﻪ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः सङ्कर्षणाय प्रद्युम्नायानिरुद्धाय नमो नमो भगवते महापुरुषाय महानुभावाय महाविभूतिपतये सह महाविभूतिभिरिहागच्छागच्छ इदं बलिं गृह्ण गृह्ण स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते नरसिंहाय ज्वलज्ज्वालामालास्फुरद्दंष्ट्राकरालवदनाय नृसिंहाय नमस्ते नृसिंह भीषयन्तं सर्वभूतानि भद्रं कुरुष्व मे विभो । नान्यं त्वदभयं पश्ये यस्मान्मृत्युः प्रमुच्यते ॥ ॐ नमो भगवते नृसिंहाय नमस्ते नृसिंह परमाद्भुतसर्वकर्मन्नन

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः सङ्कर्षणाय प्रद्युम्नायानिरुद्धाय नमो नमो भगवते महापुरुषाय सर्वगुणसम्पन्नायानन्ताय सात्वतां पतये नमस्ते वासुदेव धर्मपत्नीं श्रद्धां मूर्तिं च मातरं भक्तिं लज्जां पितरं धर्मं सुतं दमं पत्नीं शान्तिं सखायं यज्ञं कान्तिं कीर्तिं तनयं शान्तिं सुतं क्षेमं प्रतिष्ठां पुत्रं पुष्टिं स्वसारं तुष्टिं सुतं सन्तोषं प्रीतिं भार्यां सिद्धिं सुतं बोधं बुद्धिं सुतं मतिं लज्जां सुतं विनयं नयं सुतं व्यवसायं निभृतं सुतं नियमं संयमं सुतं मानं सुतं बलं सुतं मदं भगिनीं हरिं प्रियं सुतं श्रमं कीर्तिमालिनीं वपुषं नारायणं नरं च ऋषी सुतौ अहिंसां भार्यां हयशीर्षाणं प्रियं सुतं दत्तं सुतं योगं सुतं सहं सुतं वाग्वधूं प्रियव्रतं सुतं पादौ उत्सङ्गं सुतं धर्मं सेतुं दण्डं नीतिं विनयं सुतं शास्त्रं प्रकाशं सुतं क्षेमं सुतं प्रश्रयं सुतं सुशीलं सुतं सङ्ग्रहं कृतिं सुतं जयं सोमं सुतं कामं हर्षं सुतं नन्दं सुतं अभयं कालं सुतं मृत्युं भयं सुतं निरृतिं नैर्ऋतं सर्वे लोकपालाः सर्वे च लोकपालाः सर्वे च लोकपालाः सर्वे च

ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ಜಿನಸಮಯಾಂಬುಧಿಚಂದ್ರಂ ಮುನಿಜನಮಂದಾರಪಾದಪಂ ಸಕಳಾ
ಗಮಪಾರಗನೆನಿಪ್ಪಂ ಶ್ರೀಮದ್ಭಾನುಕೀರ್ತಿಮುನಿಪಂ ಜಗದೊಳ್ ॥ ೧
ಅಂತಪ್ಪ ಭಾನುಕೀರ್ತಿಮುನಿಪರ ಪಾದಾರವಿಂದಮಧುಪಂ ಸಕಳಾಗಮ
ಪಾರಗನೆನಿಪ್ಪಂ ಶ್ರೀಮದ್ಭಾನುಸೇನಮುನಿಪಂ ಜಗದೊಳ್ ॥ ೨
ಅಂತಪ್ಪ ಭಾನುಸೇನಮುನಿಪರ ಪಾದಾರವಿಂದಮಧುಪಂ ಸಕಳಾಗಮ
ಪಾರಗನೆನಿಪ್ಪಂ ಶ್ರೀಮದ್ಭಾನುಕೀರ್ತಿಮುನಿಪಂ ಜಗದೊಳ್ ॥ ೩
ಅಂತಪ್ಪ ಭಾನುಕೀರ್ತಿಮುನಿಪರ ಪಾದಾರವಿಂದಮಧುಪಂ ಸಕಳಾಗಮ
ಪಾರಗನೆನಿಪ್ಪಂ ಶ್ರೀಮದ್ಭಾನುಸೇನಮುನಿಪಂ ಜಗದೊಳ್ ॥ ೪
ಅಂತಪ್ಪ ಭಾನುಸೇನಮುನಿಪರ ಪಾದಾರವಿಂದಮಧುಪಂ ಸಕಳಾಗಮ
ಪಾರಗನೆನಿಪ್ಪಂ ಶ್ರೀಮದ್ಭಾನುಕೀರ್ತಿಮುನಿಪಂ ಜಗದೊಳ್ ॥ ೫
ಅಂತಪ್ಪ ಭಾನುಕೀರ್ತಿಮುನಿಪರ ಪಾದಾರವಿಂದಮಧುಪಂ ಸಕಳಾಗಮ
ಪಾರಗನೆನಿಪ್ಪಂ ಶ್ರೀಮದ್ಭಾನುಸೇನಮುನಿಪಂ ಜಗದೊಳ್ ॥ ೬

ॐ ॐ ॐ

ક્ષ ત્ર જ્ઞ શ્ર ષ્ઠ ઃ ં ઁ ઼ ા િ ી ુ ૂ ૃ ૅ ે ૈ ૉ ો ૌ ્ ૐ ૦ ૧ ૨ ૩ ૪ ૫ ૬ ૭ ૮ ૯ ૰ ૱ ૲ ૳ ૴ ૵ ૶ ૷ ૸ ૹ ૺ ૻ ૼ ૽ ૾ ૿

ક ખ ગ ઘ ઙ ચ છ જ ઝ ઞ ટ ઠ ડ ઢ ણ ત થ દ ધ ન પ ફ બ ભ મ ય ર લ વ શ ષ સ હ ળ

અ આ ઇ ઈ ઉ ઊ ઋ ઌ ઍ એ ઐ ઑ ઓ ઔ

ઽ ૠ ૡ ૢ ૣ ૤ ૥ ૪ ૫ ૬ ૭ ૮ ૯ ૰ ૱ ૲ ૳ ૴ ૵ ૶ ૷ ૸ ૹ ૺ ૻ ૼ ૽ ૾ ૿

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ଓଁ ନମଃ ଶିବାୟ ଗୁରୁଭ୍ୟୋ ନମଃ ପରମଗୁରୁଭ୍ୟୋ ନମଃ ପରାପରଗୁରୁଭ୍ୟୋ ନମଃ ପରମେଷ୍ଠିଗୁରୁଭ୍ୟୋ ନମଃ ସଦାଶିବାୟ ନମଃ ଶ୍ରୀ ଗଣେଶାୟ ନମଃ ଶ୍ରୀ ଗୁରୁଭ୍ୟୋ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः संकर्षणाय प्रद्युम्नायानिरुद्धाय नमो नमो हृषीकेशाय नारायणाय पुरुषाय पुरुषोत्तमाय माधवाय
अधोक्षजाय नारसिंहाय अच्युताय नमो जनार्दनाय उपेन्द्राय हरये श्रीकृष्णाय नमो नमः ॥ यज्ञाय यज्ञपुरुषाय वराहाय
भूतकृते भूतभृते भावाय भूतात्मने परमात्मने हिरण्यगर्भाय हरये सहशीर्षाय सहाक्षाय सहपादाय पुरुषाय सहस्रशीर्षाय
क्षितिं परिधयते सहस्रपादाक्षिभुजाननाय सहस्रनाम्ने पुरुषाय शाश्वताय महानुभावाय महाविभूतिपतये सहस्रमूर्धन्
देवेन्द्र सहस्रबाहो सहस्रजिदनन्तैकात्मक सहस्रकोटियुगधारिणेऽनन्तवपुषे सहस्रकोटिसहस्रयुगप्रतिवितानाय सर्वेश्वर
सर्वभूतात्मन्नित्यादिभिः पुरुषसूक्तैश्च पवित्रपाणिः शुचिः प्रयतो जपन्नुपतिष्ठेत ॥ ततो यथोपदेशं यथाचोदितं

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ ६ ॥ ॥ ६ ॥ ॥ ६ ॥

ཀཱཏྱཱཡནཱཡ ཨཱཙཱརྱཱཡ ཨཱཙཱརྱཱཡ ཨཱཙཱརྱ

ཀཱཏྱཱཡནཱཡ ནམཿ ཨོཾ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ઉપાધ્યાયશ્રીમાનસાગરગણિવરાણાં ચ ઉપદેશેન શ્રીસંઘેન કારિતમિદં ચૈત્યં પ્રતિષ્ઠિતં ચ શ્રીવિક્રમાદિત્યસંવત્સરાત્ ૧૫૭૫ વર્ષે વૈશાખસુદિ ૩ સોમે શ્રીમદ્ભટ્ટારકશ્રીવિજયસેનસૂરિભિઃ શ્રીમદ્ભટ્ટારકશ્રીવિજયદેવસૂરિભિઃ શ્રીમદ્ભટ્ટારકશ્રીવિજયસિંહસૂરિભિઃ શ્રીમદ્ભટ્ટારકશ્રીવિજયપ્રભસૂરિભિઃ શ્રીમદ્ભટ્ટારકશ્રીવિજયરત્નસૂરિભિઃ શ્રીમદ્ભટ્ટારકશ્રીવિજયક્ષમાસૂરિભિઃ શ્રીમદ્ભટ્ટારકશ્રીવિજયજિનેન્દ્રસૂરિભિઃ શ્રીમદ્ભટ્ટારકશ્રીવિજયસમુદ્રસૂરિભિઃ શ્રીમદ્ભટ્ટારકશ્રીવિજયહેમસૂરિભિઃ શ્રીમદ્ભટ્ટારકશ્રીવિજયચન્દ્રસૂરિભિઃ શ્રીમદ્ભટ્ટારકશ્રીવિજયકલ્યાણસૂરિભિઃ શ્રીમદ્ભટ્ટારકશ્રીવિજયધર્મસૂરિભિઃ શ્રીમદ્ભટ્ટારકશ્રીવિજયપદ્મસૂરિભિઃ શ્રીમદ્ભટ્ટારકશ્રીવિજયલક્ષ્મીસૂરિભિઃ શ્રીમદ્ભટ્ટારકશ્રીવિજયસિંહસૂરિભિઃ શ્રીમદ્ભટ્ટારકશ્રીવિજયમાન

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः सङ्कर्षणाय च। प्रद्युम्नायानिरुद्धाय नमः पुरुषमूर्तये॥ नमोऽनन्तायसूक्ष्माय नमः सर्वकलात्मने। वासुदेवाय शान्ताय वासुदेवात्मजाय च॥ नमः प्रद्युम्नबुद्ध्यायमनोजायाजिताय च। नमोऽनिरुद्धाहङ्कारस्वरूपव्यूहाय वेधसे॥ नमो महाविभूतीशशब्दादिविषयात्मने। नमस्तेजोऽबन्नभूतकरणाधिपतये विराट्॥ नमः सकलकार्यायनिर्गुणायगुणात्मने। नमः सकलकार्यायनिर्गुणायगुणात्मने॥ नमः सकलकार्यायनिर्गुणायगुणात्मने॥ नमः सकलकार्यायनिर्गुणायगुणात्मने॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमः शिवायै च नमः शिवायै च नमः शिवायै च

ॐ गुरुभ्यो नमः ॐ परमगुरुभ्यो नमः ॐ परमेष्ठिगुरुभ्यो नमः ॐ परमपरमेष्ठिगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसाधकगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धविद्यागुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धमन्त्रगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसंपन्नगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धमहासिद्धगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिविद्यागुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिमन्त्रगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसंपन्नगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिमहासिद्धगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिविद्यागुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिमन्त्रगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसंपन्नगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिमहासिद्धगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिविद्यागुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिमन्त्रगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसंपन्नगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिमहासिद्धगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिविद्यागुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिमन्त्रगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसंपन्नगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिमहासिद्धगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिविद्यागुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिमन्त्रगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसंपन्नगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिमहासिद्धगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिविद्यागुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिमन्त्रगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसंपन्नगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिमहासिद्धगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिविद्यागुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिमन्त्रगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसंपन्नगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिमहासिद्धगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिविद्यागुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिमन्त्रगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसंपन्नगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिमहासिद्धगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिविद्यागुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिमन्त्रगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसंपन्नगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिमहासिद्धगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिविद्यागुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिमन्त्रगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसंपन्नगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिमहासिद्धगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिविद्यागुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिमन्त्रगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसंपन्नगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिमहासिद्धगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिविद्यागुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिमन्त्रगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसंपन्नगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिमहासिद्धगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिविद्यागुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिमन्त्रगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसंपन्नगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिमहासिद्धगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिविद्यागुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिमन्त्रगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसंपन्नगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिमहासिद्धगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिविद्यागुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिमन्त्रगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसंपन्नगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिमहासिद्धगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिविद्यागुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिमन्त्रगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसंपन्नगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिमहासिद्धगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिविद्यागुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिमन्त्रगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसंपन्नगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिमहासिद्धगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिविद्यागुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिमन्त्रगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसंपन्नगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिमहासिद्धगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिविद्यागुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिमन्त्रगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धिसिद्धगुरुभ्यो नमः ॐ सिद्धसिद्धि

ཀླུ་ཀླུ་ཀླུ་

ਸਲੋਕ ॥ ਸਲਲੈ ਸੰਜਮੁ ਨਾ ਟੂਟੈ ਧਾਨ ॥ ਅੰਨੁ ਨ ਜੂਠਾ ਹੋਵੈ ਕਾਨ ॥ ਪਵਨ ਅਪਵਿਤੁ ਨਹੀ ਕਹਨਾ ॥ ਅਗਨਿ ਸਭ ਸੁਧਾਕਰਿ ਲਹਨਾ ॥ ਦੇਵ ਪੂਜ ਨੈਵੇਦ ਕਰਾਵੈ ॥ ਤਾ ਕਉ ਦੋਖੁ ਨ ਕੋਊ ਲਾਵੈ ॥ ਸਭ ਤੇ ਊਚ ਪਾਕ ਕਰਿ ਮਾਨਹਿ ॥ ਤਿਨ ਕੀ ਗਤਿ ਕਛੂ ਏਕ ਨ ਜਾਨਹਿ ॥ ਜੋ ਜੋ ਕਹੈ ਸੁ ਆਖਿ ਵਖਾਨੈ ॥ ਤਿਸ ਕਾ ਕੀਆ ਸਭ ਕਿਛੁ ਹੋਇ ॥ ਨਾਨਕ ਜਾਨੈ ਸਚਾ ਸੋਇ ॥ ੧ ॥ ਅਸਟਪਦੀ ॥ ਜਿਹਵਾ ਏਕ ਉਸਤਤਿ ਅਨੇਕ ॥ ਦਾਤਿ ਤੇਰੀ ਨੇਤ ਏਕ ॥ ਕੋਊ ਪੁਨਹਚਰਨ ਕਰੈ ॥ ਕੋਊ ਪੂਜਾ ਅਰਚਾ ਬਿਸਥਰੈ ॥ ਕੋਊ ਇਸਨਾਨ ਸਰਬ ਤੀਰਥ ਕਰੈ ॥ ਕੋਊ ਅਨਿਕ ਪਰਕਾਰ ਕਰਮ ਕਰੈ ॥ ਕੋਊ ਓਹਟੈ ਨਰਾਇਣ ਮੂਲ ॥ ਕੋਊ ਪਾਵੈ ਪਰਮ ਗਤੀ ਅਸਥੂਲ ॥ ਕੋਊ ਮਾਗੈ ਸਗਲ ਸੰਸਾਰੁ ॥ ਕੋਊ ਤਿਆਗੈ ਗਰਬ ਬਿਕਾਰ ॥ ਕੋਊ ਮਹਿ ਬੈਸੰਤਰ ਹੋਮੈ ਦੇਹ ॥ ਕੋਊ ਜੀਵਨ ਕੀ ਕਰੈ ਉਪਦੇਹ ॥ ਕੋਊ ਪੜੈ ਵਖਿਆਨ ਬੇਦ ॥ ਕੋਊ ਨਿਰੰਕਾਰੀ ਨਿਰਬੇਦ ॥ ਕੋਊ ਨਖ ਸਿਖ ਸਗਲ ਸੀਗਾਰੈ ॥ ਕੋਊ ਮੁਖ ਤੇ ਅਨਲ ਪਰਜਾਰੈ ॥ ਕੋਊ ਓਪਤਿ ਪਰਲਉ ਸਭ ਦੇਖੈ ॥ ਕੋਊ ਹੋਆ ਚਾਹੈ ਸਗਲ ਅਲੇਖੈ ॥ ਜਿਤੁ ਜਿਤੁ ਲਾਵਹਿ ਤਿਤੁ ਤਿਤੁ ਲਗਨਾ ॥ ਨਾਨਕ ਏਕੁ ਤੂ ਹੋਰਨਾ ਸਗਨਾ ॥ ੧ ॥ ਕੋਊ ਬੋਲੈ ਬਿਦਿਆ ਬੀਚਾਰ ॥ ਕੋਊ ਲੇਖੈ ਆਵਤ ਜਾਤ ਸੰਸਾਰ ॥ ਕੋਊ ਬਾਧਿਓ ਮੋਹ ਫਾਸ ॥ ਕੋਊ ਉਦਾਸੀ ਸਦਾ ਉਦਾਸ ॥ ਕੋਊ ਜਾਨੈ ਮੈ ਜੋਗ ਜੁਗਤਿ ॥ ਕੋਊ ਭੋਗੀ ਭੋਗ ਭੋਗਤ ਬਿਭੂਤਿ ॥ ਕੋਊ ਮਾਨੈ ਮਾਨ ਅਭਿਮਾਨ ॥ ਕੋਊ ਦੇਖੈ ਸਭ ਸਮਾਨ ॥ ਕੋਊ ਕਹਤ ਹਉ ਦੇਵਨ ਮਹਿ ਦੇਉ ॥ ਕੋਊ ਕਹਤ ਹਉ ਕਿਛੂ ਕਰਤ ਨ ਕੇਉ ॥ ਕੋਊ ਕਹਤ ਹਉ ਕਰਤ ਕਰਾਇਆ ॥ ਕੋਊ ਕਹਤ ਹਉ ਸਭ ਤੇ ਪਰਾਇਆ ॥ ਜਿਉ ਜਿਉ ਤੇਰੀ ਤੂ ਜਾਣਹਿ ਤਿਵ ਤਿਵ ਤੂ ਵਰਤਹਿ ॥ ਨਾਨਕ ਏਕੁ ਤੂ ਹੋਰਨਾ ਸਗਨਾ ॥ ੨ ॥ ਕੋਊ ਕਰਤ ਪਾਖੰਡ ॥ ਕੋਊ ਅਹੰਬੁਧਿ ਮਹਿ ਪ੍ਰਚੰਡ ॥ ਕੋਊ ਲੋਭੀ ਲੋਭ ਮਾਹਿ ॥ ਕੋਊ ਕਾਮੀ ਕਾਮ ਧਾਹਿ ॥ ਕੋਊ ਕਿਰਪਨ ਮਹਾ ਕਠੋਰ ॥ ਕੋਊ ਨਿੰਦਕ ਨਿੰਦਾ ਕਰਤ ਚਕੋਰ ॥ ਕੋਊ ਪਰ ਦੂਖਨ ਕਉ ਧਾਵੈ ॥ ਕੋਊ ਪਰ ਦਰਬ ਹਿਰਨ ਕਉ ਚਾਵੈ ॥ ਕੋਊ ਪਰ ਦਾਰਾ ਪੇਖਿ ਬਿਹਾਵੈ ॥ ਕੋਊ ਮਾਇਆ ਕਾਰਨਿ ਧਾਵੈ ॥ ਕੋਊ ਪਰ ਹਿਰਦੈ ਸਾਚਾ ਨਾਮ ॥ ਕੋਊ ਮੁਗਧ ਜਾਨੈ ਸਭ ਹਮਾਰ ਕਾਮ ॥ ਜਿਉ ਜਿਉ ਤੇਰੀ ਤੂ ਜਾਣਹਿ ਤਿਵ ਤਿਵ ਤੂ ਵਰਤਹਿ ॥ ਨਾਨਕ ਏਕੁ ਤੂ ਹੋਰਨਾ ਸਗਨਾ ॥ ੩ ॥ ਕੋਊ ਪਰ ਅਪਵਾਦ ਮਹਿ ਰਾਤ ॥ ਕੋਊ ਪਰ ਦੋਖ ਦੇਖੈ ਅਰੁ ਹਸਾਤ ॥ ਕੋਊ ਪਰ ਕੀ ਕਢਾਵੈ ਖਾਲ ॥ ਕੋਊ ਪਰ ਕਉ ਬਿਗੂਤੀ ਚਾਲ ॥ ਕੋਊ ਪਰ ਕੀ ਪੰਚ ਲਾਵੈ ਆਗ ॥ ਕੋਊ ਪਰ ਕਉ ਦੇਖਿ ਸੀਤਲ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः सङ्कर्षणाय प्रद्युम्नायानिरुद्धाय नमो नमो भगवते महापुरुषाय सर्वगुणसम्पन्नायानन्ताय सात्वतां कुलाचार्याय नमो वेदगर्भाय बृहते नमो नमो धर्मदमसत्यशौचतपः परायणेभ्यः शान्तेभ्यः समचित्तेभ्यो मुनिभ्यो नमो नमो विचरद्भ्यो विविधगतिभिर्दिवि भुवि सत्त्वेन नमो नमो ब्रह्मण्यदेवाय गोब्राह्मणहिताय च जगद्धिताय कृष्णाय गोविन्दाय नमो नमः शान्तिकामाय शान्तायोपरतानात्मवृत्तयेऽनुशिक्षितात्मन उपासितमहापुरुषाय नमो नमो मन्दचरणारविन्दरजोऽभिमृष्टसकलनिजभुवनाय महाविभूतिपतये नमो नमो जगत्परायणायाखिलसत्त्वनिकेतनायाशेषगुणवृत्तिदेहायामृताय नमो नमो नमः परमकल्याणाय परमकारुणिकाय केवलात्मानुभावायाद्वितीयाय नमो नमः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः सङ्कर्षणाय प्रद्युम्नायानिरुद्धाय नमो नमो भगवते महापुरुषाय सर्वगुणसम्पन्नायानन्ताय सात्वतां पतये नमस्ते वासुदेव धर्मपत्नीसुदेवीसुतायानघ नमस्ते स्त्रीकुमारऋषभाय विश्वतनवे सर्वजगद्विदेकनारायणाय नमो नमस्ते केवल नमस्ते सर्वसत्त्वावलम्बन नमस्ते सर्वसत्त्वावलम्बन नमस्ते सर्वसत्त्वावलम्बन

ॐ नमो भगवते वज्रकुमाराय महाबलपराक्रमाय महाप्रतिसराय महाविद्याराजाय महाकारुणिकाय महाप्रज्ञप्तिविद्याराजाय महाविद्यानुगताय महाविद्यानुचारिणे महाविद्यानुपालिताय महाविद्यानुरक्षिताय महाविद्यानुगतमहिताय महाविद्यानुगतमहिताय महाविद्यानुगतमह

ཀཱཏྱཱཡནཱཡ ཨཱཙཱརྱཱཡ ཨུཔཱདྷྱཱཡ

ཀཱཀཱཀཱ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीमद्भागवतमहापुराणस्य प्रथमस्कन्धे प्रारभ्यते ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ཀུ་ཀུ་ཀུ་

ಲಲ್ಲಿ ಸಾಸಾಸಾ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः सङ्कर्षणाय प्रद्युम्नायानिरुद्धाय नमो नमो भगवते महापुरुषाय सर्वगुणसम्पन्नायानन्ताय सात्वतां पतये नमस्ते वासुदेव धर्मपत्नीषु तनुषु तासां तनूरुभयोरपि प्रजासर्गरक्षणनिमित्तं बिभर्षि हंसस्वयोगनरनारायणकपिलदत्तात्रेयादिषु तत्तत्प्रधानपुरुषशक्तिं बिभर्षि कालेन चानुरूपेण धर्मस्य ग्लानिमौर्ध्वदेहिकीं च गतिं विधत्से तत्तत्कालोचितं स्वयं पुरुषशक्तिरूपेण धर्मं बिभर्षि तथा लोकस्य च विद्यां बिभर्षि

ਸਲੋਕੁ ॥ ਨਾਮੁ ਖਜਾਨਾ ਨਾਮੁ ਰਤਨੁ ਨਾਮੁ ਨਿਧਾਨੁ ਨਿਰਮੋਲੁ ॥ ਨਾਮੁ ਸਾਹੁ ਸਉਦਾ ਨਾਮੁ ਨਾਮੁ ਵਖਰੁ ਨਾਮੁ ਅਮੋਲੁ ॥ ਨਾਮੁ ਵਣਜਹਿ ਨਾਮੁ ਜੰਞ ਨਾਮੁ ਗੁਣ ਨਾਮੁ ਵਰੋਲੁ ॥ ਨਾਮੁ ਪਲੈ ਸਭ ਕਿਛੁ ਪਵੈ ਨਾਮੁ ਕਰੇ ਨਿਹਕੇਵਲੁ ॥ ਨਾਮੁ ਸਲਾਹੇ ਸੋ ਭਗਤੁ ਨਾਮੁ ਸੁਖਦਾਈ ਸੋਇ ॥ ਨਾਮੁ ਧਿਆਵੈ ਸੋ ਸੁਖੀ ਨਾਮੁ ਨਿਧਾਨੁ ਨਾਨਕ ਨਾਮੁ ਸੁ ਪਰਗਟੁ ਹੋਇ ॥ ੧ ॥

ਅਸਟਪਦੀ ॥ ਨਾਮੁ ਧਨੁ ਨਾਮੁ ਧਰਮੁ ਨਾਮੁ ਪਾਵੈ ਨਾਮੁ ਸੋਭਾ ॥ ਨਾਮੁ ਹਾਟੁ ਨਾਮੁ ਵਾਪਾਰੁ ਨਾਮੁ ਲਾਭੁ ਨਾਮੁ ਲਾਹਾ ॥ ਨਾਮੁ ਪੂੰਜੀ ਨਾਮੁ ਰਾਸਿ ਨਾਮੁ ਸਚਾ ਸਾਬਾਹਾ ॥ ਨਾਮੁ ਵਖਰੁ ਨਾਮੁ ਧਨੁ ਨਾਮੁ ਸਚਾ ਵਣਜਾਰਾ ॥ ਨਾਮੁ ਤਿਸੁ ਜਿਸੁ ਨਦਰਿ ਕਰੇ ਹੋਰੁ ਨਾਹੀ ਦੂਜਾ ਦਰਾ ॥ ਨਾਮੁ ਜਿਸੁ ਮਨਿ ਵਸੈ ਸੋ ਜਨੁ ਨਿਹਚਲੁ ਨਾਮੁ ਤਿਸੁ ਜਾਇ ਨ ਕਤਹੂ ਡੋਲੈ ॥ ਨਾਮੁ ਜਿਸੁ ਰਿਦੈ ਸੋ ਜਨੁ ਸਚਾ

ꠀ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः सङ्कर्षणाय प्रद्युम्नायानिरुद्धाय नमो नमः ॥

ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सः सिद्धेभ्यो नमः स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सः सूरिभ्यो नमः स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सः पाठकेभ्यो नमः स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सः साधुभ्यो नमः स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सः सम्यग्दर्शनाय नमः स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सः सम्यग्ज्ञानाय नमः स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सः सम्यक्चारित्राय नमः स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सः सम्यक्तपसे नमः स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सः सम्यग्विनयाय नमः स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सः सम्यक्शीलव्रतेभ्यो नमः स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सः सम्यगावश्यकेभ्यो नमः स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सः सम्यक्क्षणलवध्यानाभ्यां नमः स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सः सम्यक्संवेगाय नमः स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सः सम्यक्वैयावृत्याय नमः स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सः सम्यक्प्रवचनभक्तये नमः स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सः सम्यक्प्रवचनवात्सल्याय नमः स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सः सम्यक्प्रवचनप्रभावनायै नमः स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सः सम्यक्प्रवचनाभिवृद्धये नमः स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सः सम्यक्प्रवचनसमाधये नमः स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सः सम्यक्प्रवचनश्रुताय नमः स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सः सम्यक्प्रवचनदेवतायै नमः स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सः सम्यक्प्रवचनतीर्थाय नमः स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सः सम्यक्प्रवचनकुशलाय नमः स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सः सम्यक्प्रवचनविद्यायै नमः स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सः सम्यक्प्रवचनसिद्धये नमः स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सः सम्यक्प्रवचनसिद्धेभ्यो नमः स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सः सम्यक्प्रवचनसाधुभ्यो नमः स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सः सम्यक्प्रवचनसाधुसाधुभ्यो नमः स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सः सम्यक्प्रवचनसाधुसाधुसाधुभ्यो नमः स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सः सम्यक्प्रवचनसाधुसाधुसाधुसाधुभ्यो नमः स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सः सम्यक्प्रवचनसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुभ्यो नमः स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सः सम्यक्प्रवचनसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुभ्यो नमः स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सः सम्यक्प्रवचनसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुभ्यो नमः स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सः सम्यक्प्रवचनसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुभ्यो नमः स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सः सम्यक्प्रवचनसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुभ्यो नमः स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सः सम्यक्प्रवचनसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुभ्यो नमः स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सः सम्यक्प्रवचनसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुभ्यो नमः स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सः सम्यक्प्रवचनसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुभ्यो नमः स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सः सम्यक्प्रवचनसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुभ्यो नमः स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सः सम्यक्प्रवचनसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुभ्यो नमः स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सः सम्यक्प्रवचनसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुभ्यो नमः स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सः सम्यक्प्रवचनसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुभ्यो नमः स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सः सम्यक्प्रवचनसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुभ्यो नमः स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सः सम्यक्प्रवचनसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुसाधुभ्यो नमः स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सः सम्यक्प्रवचनसाधु

ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय भूरिभयभैरवभीषणकराय उग्रविषविषमदुष्टग्रहविनायकविद्युत्कुलिशदण्डाभिहतये टः टः टः ठः ठः ठः हूं हूं हूं फट् फट् फट् स्वाहा ॥

ಕಾಲಜ್ಞಾನವೆಂಬ ಸಾಮಾನ್ಯಶಾಸ್ತ್ರವು ಸಾಮಾನ್ಯಜ್ಞಾನವು ಸಾಮಾನ್ಯಜ್ಞಾನವೆಂಬ ಸಾಮಾನ್ಯಶಾಸ್ತ್ರವು ಸಾಮಾನ್ಯಶಾಸ್ತ್ರವೆಂಬ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो विष्णवे प्रभविष्णवे ॥ नमः श्रीवत्सधारिणे शाश्वतायाव्ययाय हरये सर्वभूतात्मने सर्वभूतोद्भवाय सर्वभूतसंस्थानाय सर्वभूतसंस्थितये सर्वभूतसंस्थानाय सर्वभूतसंस्थितये सर्वभूतसंस्थानाय सर्वभूतसंस्थितये

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ ओं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ओं नमो नारायणाय ॥ ओं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ओं नमः पुरुषोत्तमाय ॥ ओं नमः कमलनयनाय ॥ ओं नमो
भगवते महापुरुषाय महाविभूतिपतये ॥ ओं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ओं नमो विश्वरूपाय विश्वाय विश्वसंभवाय ॥ ओं नमो भगवते
वासुदेवाय ॥ ओं नमो विश्वकर्मणे मनोजवाय ॥ ओं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ओं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ओं नमो भगवते
वासुदेवाय ॥ ओं नमो भगवते वासुदे

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः सङ्कर्षणाय प्रद्युम्नायानिरुद्धाय नमो नमः परमकल्याणाय परमसुखाय परमशान्ताय परमसत्त्वाय परमकारुणिकाय परमपुरुषाय परमपुरुषपरायणाय परमपुरुषोपासकाय परमपुरुषप्रियाय परमपुरुषभक्ताय परमपुरुषसेवकाय परमपुरुषाराधकाय परमपुरुषाराधनाय परमपुरुषाराधनपराय परमपुरुषाराधनतत्पराय परमपुरुषाराधनतत्परायणाय परमपुरुषाराधनतत्परायणपराय परमपुरुषाराधनतत्परायणपरायणाय परमपुरुषाराधनतत्परायणपरायणपराय परमपुरुषाराधनतत्परायणपरायणपरायणाय परमपुरुषाराधनतत्परायणपरायणपरायणपराय परमपुरुषाराधनतत्परायणपरायणपरायणपरायणाय परमपुरुषाराधनतत्परायणपरायणपरायणपरायणपराय परमपुरुषाराधनतत्परायणपरायणपरायणपरायणपरायणाय परमपुरुषाराधनतत्परायणपरायणपरायणपरायणपरायणपराय परमपुरुषाराधनतत्परायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणाय परमपुरुषाराधनतत्परायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपराय परमपुरुषाराधनतत्परायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणाय परमपुरुषाराधनतत्परायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपराय परमपुरुषाराधनतत्परायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणाय परमपुरुषाराधनतत्परायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपराय परमपुरुषाराधनतत्परायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणाय परमपुरुषाराधनतत्परायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपराय परमपुरुषाराधनतत्परायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणाय परमपुरुषाराधनतत्परायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपराय परमपुरुषाराधनतत्परायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणाय परमपुरुषाराधनतत्परायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपराय परमपुरुषाराधनतत्परायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणाय परमपुरुषाराधनतत्परायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपराय परमपुरुषाराधनतत्परायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणाय परमपुरुषाराधनतत्परायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपराय परमपुरुषाराधनतत्परायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणाय परमपुरुषाराधनतत्परायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपराय परमपुरुषाराधनतत्परायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणाय परमपुरुषाराधनतत्परायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपराय परमपुरुषाराधनतत्परायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणाय परमपुरुषाराधनतत्परायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपराय परमपुरुषाराधनतत्परायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणाय परमपुरुषाराधनतत्परायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपराय परमपुरुषाराधनतत्परायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणाय परमपुरुषाराधनतत्परायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपराय परमपुरुषाराधनतत्परायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणाय परमपुरुषाराधनतत्परायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपरायणपराय परमपुरुषाराधनतत्परायणाय परमपुरुषाराधनतत्परायणपर

ઋષભદેવસ્વામિનઃ પ્રથમગણધરસ્ય પુણ્ડરીકસ્વામિનઃ પ્રથમગણધરસ્ય દત્તસ્વામિનઃ પ્રથમગણધરસ્ય શાન્તિસ્વામિનઃ પ્રથમગણધરસ્ય કુમ્ભસ્વામિનઃ પ્રથમગણધરસ્ય વરદત્તસ્વામિનઃ પ્રથમગણધરસ્ય ધર્મસ્વામિનઃ પ્રથમગણધરસ્ય નન્દિષેણસ્વામિનઃ પ્રથમગણધરસ્ય ચક્રાયુધસ્વામિનઃ પ્રથમગણધરસ્ય સ્વયમ્ભુવસ્વામિનઃ પ્રથમગણધરસ્ય કુમ્ભસ્વામિનઃ પ્રથમગણધરસ્ય વિશાખસ્વામિનઃ પ્રથમગણધરસ્ય મલ્લિસ્વામિનઃ પ્રથમગણધરસ્ય સોમિલસ્વામિનઃ પ્રથમગણધરસ્ય વરદત્ત

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ श्रीमद्भागवतम् ॥

॥ द्वादशस्कन्धे ॥

॥ प्रथमोऽध्यायः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीसरस्वत्यै नमः ॥

॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥

॥ हरिः ॐ ॥

॥ अथ द्वादशस्कन्धे प्रथमोऽध्यायः ॥

॥ श्रीशुक उवाच ॥

कलेर्दोषनिधेरेकं महान्गुणः ॥ कीर्तनादेव कृष्णस्य मुक्तसङ्गः परं व्रजेत् ॥ १ ॥

॥ कृते यद्ध्यायतो विष्णुं त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ २ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ ३ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ ४ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ ५ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ ६ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ ७ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ ८ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ ९ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ १० ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ ११ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ १२ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ १३ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ १४ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ १५ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ १६ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ १७ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ १८ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ १९ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ २० ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ २१ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ २२ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ २३ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ २४ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ २५ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ २६ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ २७ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ २८ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ २९ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ ३० ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ ३१ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ ३२ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ ३३ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ ३४ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ ३५ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ ३६ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ ३७ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ ३८ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ ३९ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ ४० ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ ४१ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ ४२ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ ४३ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ ४४ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ ४५ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ ४६ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ ४७ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ ४८ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ ४९ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ ५० ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ ५१ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ ५२ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ ५३ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ ५४ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ ५५ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ ५६ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ ५७ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ ५८ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ ५९ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ ६० ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ ६१ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ ६२ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ ६३ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ ६४ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ ६५ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ ६६ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ ६७ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ ६८ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ ६९ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ ७० ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ ७१ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ ७२ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ ७३ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ ७४ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ ७५ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ ७६ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ ७७ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ ७८ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ ७९ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ ८० ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ ८१ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ ८२ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ ८३ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ ८४ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ ८५ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ ८६ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ ८७ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ ८८ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ ८९ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ ९० ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ ९१ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ ९२ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ ९३ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ ९४ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ ९५ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ ९६ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ ९७ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ ९८ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ ९९ ॥

॥ कृते विष्णुं स्मरन्ध्यायन्त्रेतायां यजतो मखैः ॥ द्वापरे परिचर्यायां कलौ तद्धरिकीर्तनात् ॥ १०० ॥

ાદ્ધ ા ગાગાગા

ཀཱཏྱཱཡནཱིཡཱཏྱཱཡནཱིཡཱཏྱཱཡནཱིཡ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः सङ्कर्षणाय प्रद्युम्नायानिरुद्धाय नमो नमो वराहाय प्रभविष्णवे नमो नमो नरसिंहाय नमस्तेजस्तेजसे
ऐन्द्रियाणामनिराकृतविहारप्रसक्तिरात्मनो जगतस्तदुपलम्भनमात्मतन्त्रो नियमः प्रमाणमविकल्पं प्रत्यक्षमनाभासमनुमानं च यथारूपमर्थावगमस्तत्प्रमाणं
तावदेव यथेन्द्रियाणि स्वयमसमर्थानि न विचलन्ति विकारमनपोहितानि सन्निधानमात्रेण गन्धादिषु वर्तन्त इति नास्ति तत्र कारणमीश्वरः
सन्निधानाभावादचेतनत्वात्स्वयमसमर्थत्वाच्च न प्रधानं तदुभयमात्मा तु सन्निधावसन्निधौ च निमित्तमात्रमनपेक्षत्वात्तस्मात्सन्निधानमात्रेण
गन्धादिषु वर्तन्त इति नास्ति तत्र कारणमीश्वरः सन्निधानाभावादचेतनत्वात्स्वयमसमर्थत्वाच्च न प्रधानं तदुभयमात्मा तु सन्निधावसन्निधौ च
निमित्तमात्रमनपेक्षत्वात्तस्मात्सन्निधानमात्रेण गन्धादिषु वर्तन्त इति नास्ति तत्र कारणमीश्वरः सन्निधानाभावादचेतनत्वात्स्वयमसमर्थत्वाच्च
न प्रधानं तदुभयमात्मा तु सन्निधावसन्निधौ च निमित्तमात्रमनपेक्षत्वात्तस्मात्

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ श्रीशुक उवाच ॥ एवं स्वभर्तर्युपशिक्षितास्ता
मन्दोदरी प्रीतिविषादरोषैः ।
अज्ञानविज्ञानविदोऽपि तस्य
पादौ ग्रहीतुं प्रणयादसज्जत ॥ ३ ॥
तं शोभनं स्फटिकहेमरत्न
स्तम्भैर्विचित्रं भवनं प्रविष्टम् ।
सभाजितं तत्र तया च देवीं
ददर्श कान्तां जनकात्मजेति ॥ ४ ॥
तां वीक्ष्य सीतापि पतिं दुरन्त
भावा तमाशङ्कितचित्तवृत्तिः ।
उवाच कस्त्वं कुत आपतेह
मनोविकारं कुरुषे न मेऽत्र ॥ ५ ॥
अथाह तां राजसभाजितः सन्
प्रश्रयावनतां रावणः ।
मां विद्धि पौलस्त्यमुपेत्य वीरं
त्रैलोक्यनाथं दयितां यतोऽसि ॥ ६ ॥
त्वं मानुषीषु कमलेव रूपौदार्य
शीलगुणसम्पदुत्तरा ।
तदर्हसे मय्यनुराग मीक्षितुं
विधेहि कामं त्वयि मेऽनुरागम् ॥ ७ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः सङ्कर्षणाय प्रद्युम्नायानिरुद्धाय नमो नमो भगवते महापुरुषाय सर्वगुणसम्पन्नायानन्ताय सात्वतां पतये नमो नमो विश्वस्य बीजनिधानायाव्यक्तायाकूतायाभिव्यक्तायानन्तमहाविभूतिपतये नमो नमो विज्ञानमात्रपरमानन्दस्वरूपायाशेषक्लेशविलापनायानन्तायाव्यक्तमूलायानिमित्तायाश्रितवत्सलायाश्रयायाजायाक्षयायाप्रमेयायानन्तशक्तये नमो नमो नमः परस्मै ब्रह्मणे नमः परस्मै पुरुषाय नमः परस्मै कलायै नमः परस्मै तत्त्वाय नमः परस्मै धाम्ने नमः परस्मै ज्योतिषे नमः परस्मै आत्मने नमः परस्मै ईश्वराय नमः परस्मै नमः परस्मै नमः परस्मै

ಕ್ಷಮಾಪಣಾಸ್ತೋತ್ರಂ ಸಮಾಪ್ತಂ ॥ ಅಥ ಪ್ರಭಾತಸ್ಮರಣಂ ಪ್ರಾತರ್ಭವಾಮಿ ವಸುದೇವಸುತಂ ದೇವಂ ಕಂಸಚಾಣೂರಮರ್ದನಂ ದೇವಕೀಪರಮಾನಂದಂ ಕೃಷ್ಣಂ ವಂದೇ ಜಗದ್ಗುರುಂ ॥ ಪ್ರಾತರ್ನಮಾಮಿ ಚತುರಾನನವಂದ್ಯಮಾನಮವ್ಯಕ್ತಮೂಲಮನಂತಗುಣಸ್ವರೂಪಂ ।
ಲೋಕೇಶಧರ್ಮಹರದಕ್ಷಮಖಾಪಹಾರಂ ನಾರಾಯಣಂ ನರಕಭೋಜಹರಂ ಪರೇಶಂ ॥ ಪ್ರಾತರ್ಭಜಾಮ್ಯಹಮವಿದ್ಯಮನಂತಪಾರಮಾನಂದಕಂದಮನಘಂ ಪರಮಾತ್ಮತತ್ತ್ವಂ ।
ಸಂಸಾರವೃಕ್ಷಕುಠಾರಮಮೇಯಮಾದ್ಯಂ ನಾರಾಯಣಂ ಪರಮಹಂಸಗತಿಂ ತುರೀಯಂ ॥ ಪ್ರಾತರ್ಭಜಾಮ್ಯಜಮನಂತಮನಂತಮಾದ್ಯಂ ಯಜ್ಞೇಶ್ವರಂ ಯಜ್ಞಫಲಪ್ರದಂ ತಂ ।
ಯಜ್ಞಾಂಗಕಂ ಯಜ್ಞಭುಜಂ ಯಜ್ಞಸಾಧ್ಯಂ ನಾರಾಯಣಂ ಯಜ್ಞಸಮೂಹಮೂರ್ತಿಂ ॥ ಪ್ರಾತರ್ಭಜಾಮ್ಯಖಿಲಲೋಕಮಹೇಂದ್ರಲಕ್ಷ್ಮೀ ಸಂಪತ್ಪ್ರದಾನನಿರತಾಕೃತಿಮಾದಿದೇವಂ ।
ಲೋಕತ್ರಯಾಭಯಕರಂ ಪರಮಾರ್ಥಭೂತಂ ನಾರಾಯಣಂ ಸುರವರಂ ಸುಖಮಾನಮೇಯಂ ॥ ಪ್ರಾತರ್ಭಜಾಮ್ಯಹಮಶೇಷಜಗತ್ಪ್ರತಿಷ್ಠಾಂ ದೇವರ್ಷಿಭೂಮಿಸುರಗೋಪಿತೃರಕ್ಷಣಾರ್ಥಂ ।
ಧರ್ಮಾಭಿರಕ್ಷಣಪರಂ ಪರಮಾತ್ಮರೂಪ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः सङ्कर्षणाय प्रद्युम्नायानिरुद्धाय नमो नमो वराहाय प्रभविष्णवे सर्वलोकमहाकल्पोपसंहतये हन्यक्षायजगत्प्रतिसंचरोदारघोणायधरैकदंष्ट्रोत्क्षपितनिमग्नपुष्करक्षितये कृतकठोरघोरघर्घरारावायनमस्तेमन्त्रमूर्तयेयज्ञक्रतवेस्वाहाकारायनमस्तेदीक्षितायनमस्तेसदस्यऋत्विग्यजमानरूपिणेसर्वात्मनेसर्वदेवतालिङ्गसर्वद्रव्यसदसत्कारायनमस्तेसर्वप्रायश्चित्तायसर्वतन्त्रसमाधयेमहापुरुषायनमस्तेसकलजगदुदयविलयस्थितिहेतवेत्रयीमयायत्रिवृतेत्रिगुणायनमस्तेदमदानदयाविद्यातपःसत्यसंतोषक्षमाऽलोभशमादिलक्षणधर्मपरमकाष्ठयाभक्तियोगेनपरिगतयाभागवतपथानुसवनमात्मन्यधोक्षजेनितरामनावृतक्षणेनावेशितविशदधियोवाङ्मनोवपुर्भिरनाविष्कृतकरणेनयथावदुपलभमानायनमस्तेसकलजगत्स्थितिलयोदयनिमित्तायानिर्वचनीयाप्रतर्क्यमायाविजृम्भितनानाशक्तिगुणव्यवहारायापरिमितविभवायानन्तायनमस्तेसुविशुद्धसत्त्वधामसंस्थयाऽवधृतनिजबृहत्तमतयाऽनवरतपरमानन्दसमनुभवेनात्यन्तोपशमानभिमतसकलद्वैतदृशाऽद्वितीयेनकेवलेनात्मनिविश्वोदयाद्युपलक्षणाभिधानाभिधेयविभवायानन्त

ઉપાસનાયાનાવર્ષ્યાયાનાવ્યાપારાવ્યાપારાવ્યાપાર

ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཨཱཿཧཱུྃ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः श्रीमद्भक्तिवेदान्त

ॐ नमो गणेशाय ॥ नमस्तुङ्गशिरश्चुम्बिचन्द्रचामरचारवे ॥ त्रैलोक्यनगरारम्भमूलस्तम्भाय शम्भवे ॥ १ ॥
जगन्मोहनिद्रासंभेदनाय स्फुरदिन्दिरावक्षोजकुम्भद्वयीकुङ्कुमाङ्कायितोरस्काय विष्णवे ॥ २ ॥
ब्रह्मेन्द्रमरुदग्निवरुणकुबेरयमसूर्यसोमाद्यनेकदिक्पालमौलिमालाप्रभाप्रोतपादपीठाय ॥
सकलसुरासुरसेवितचरणाय श्रीमते महागणाधिपतये नमः ॥ ३ ॥

ꣳ ꣳ ꣳ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः सङ्कर्षणाय प्रद्युम्नायानिरुद्धाय नमो नमः श्रीमते नारायणाय नमः पुरुषोत्तमाय नमः
अच्युताय नमः अनन्ताय नमः वासुदेवाय नमः श्रीलक्ष्मीनृसिंहाय नमः श्रीगुरुभ्यो नमः हरिः ॐ
अथ श्रीमद्भगवद्गीता लिख्यते ॥ तत्र प्रथमोऽध्यायः ॥ धृतराष्ट्र उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ।
मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सञ्जय ॥ १ ॥ सञ्जय उवाच ॥ दृष्ट्वा तु पाण्डवानीकं व्यूढं दुर्योधनस्तदा ।
आचार्यमुपसङ्गम्य राजा वचनमब्रवीत् ॥ २ ॥ पश्यैतां पाण्डुपुत्राणामाचार्य महतीं चमूम् ।
व्यूढां द्रुपदपुत्रेण तव शिष्येण धीमता ॥ ३ ॥ अत्र शूरा महेष्वासा भीमार्जुनसमा युधि ।
युयुधानो विराटश्च द्रुपदश्च महारथः ॥ ४ ॥ धृष्टकेतुश्चेकितानः काशिराजश्च वीर्यवान् ।
पुरुजित्कुन्तिभोजश्च शैब्यश्च नरपुङ्गवः ॥ ५ ॥ युधामन्युश्च विक्रान्त उत्तमौजाश्च वीर्यवान् ।
सौभद्रो द्रौपदेयाश्च सर्व एव महारथाः ॥ ६ ॥ अस्माकं तु विशिष्टा ये तान्निबोध द्विजोत्तम ।
नायका मम सैन्यस्य संज्ञार्थं तान्ब्रवीमि ते ॥ ७ ॥ भवान्भीष्मश्च कर्णश्च कृपश्च समितिञ्जयः ।
अश्वत्थामा विकर्णश्च सौमदत्तिस्तथैव च ॥ ८ ॥ अन्ये च बहवः शूरा मदर्थे त्यक्तजीविताः ।
नानाशस्त्रप्रहरणाः सर्वे युद्धविशारदाः ॥ ९ ॥ अपर्याप्तं तदस्माकं बलं भीष्माभिरक्षितम् ।
पर्याप्तं त्विदमेतेषां बलं भीमाभिरक्षितम् ॥ १० ॥ अयनेषु च सर्वेषु यथाभागमवस्थिताः ।
भीष्मं एवाभिरक्षन्तु भवन्तः सर्व एव हि ॥ ११ ॥ तस्य सञ्जनयन्हर्षं कुरुवृद्धः पितामहः ।
सिंहनादं विनद्योच्चैः शङ्खं दध्मौ प्रतापवान् ॥ १२ ॥ ततः शङ्खाश्च भेर्यश्च पणवानकगोमुखाः ।
सहसैवाभ्यहन्यन्त स शब्दस्तुमुलोऽभवत् ॥ १३ ॥ ततः श्वेतैर्हयैर्युक्ते महति स्यन्दने स्थितौ ।
माधवः पाण्डवश्चैव दिव्यौ शङ्खौ प्रदध्मतुः ॥ १४ ॥ पाञ्चजन्यं हृषीकेशो देवदत्तं धनञ्जयः ।
पौण्ड्रं दध्मौ महाशङ्खं भीमकर्मा वृकोदरः ॥ १५ ॥ अनन्तविजयं राजा कुन्तीपुत्रो युधिष्ठिरः ।
नकुलः सहदेवश्च सुघोषमणिपुष्पकौ ॥ १६ ॥ काश्यश्च परमेष्वासः शिखण्डी च महारथः ।
धृष्टद्युम्नो विराटश्च सात्यकिश्चापराजितः ॥ १७ ॥ द्रुपदो द्रौपदेयाश्च सर्वशः पृथिवीपते ।
सौभद्रश्च महाबाहुः शङ्खान्दध्मुः पृथक्पृथक् ॥ १८ ॥ स घोषो धार्तराष्ट्राणां हृदयानि व्यदारयत् ।
नभश्च पृथिवीं चैव तुमुलो व्यनुनादयन् ॥ १९ ॥ अथ व्यवस्थितान्दृष्ट्वा धार्तराष्ट्रान्कपिध्वजः ।
प्रवृत्ते शस्त्रसम्पाते धनुरुद्यम्य पाण्डवः ॥ २० ॥ हृषीकेशं तदा वाक्यमिदमाह महीपते ।
अर्जुन उवाच ॥ सेनयोरुभयोर्मध्ये रथं स्थापय मेऽच्युत ॥ २१ ॥ यावदेतान्निरीक्षेऽहं योद्धुकामानवस्थितान् ।
कैर्मया सह योद्धव्यमस्मिन्रणसमुद्यमे ॥ २२ ॥ योत्स्यमानानवेक्षेऽहं य एतेऽत्र समागताः ।
धार्तराष्ट्रस्य दुर्बुद्धेर्युद्धे प्रियचिकीर्षवः ॥ २३ ॥ सञ्जय उवाच ॥ एवमुक्तो हृषीकेशो गुडाकेशेन भारत ।
सेनयोरुभयोर्मध्ये स्थापयित्वा रथोत्तमम् ॥ २४ ॥ भीष्मद्रोणप्रमुखतः सर्वेषां च महीक्षिताम् ।
उवाच पार्थ पश्यैतान्समवेतान्कुरूनिति ॥ २५ ॥ तत्रापश्यत्स्थितान्पार्थः पितॄनथ पितामहान् ।
आचार्यान्मातुलान्भ्रातॄन्पुत्रान्पौत्रान्सखींस्तथा ॥ २६ ॥ श्वशुरान्सुहृदश्चैव सेनयोरुभयोरपि ।
तान्समीक्ष्य स कौन्तेयः सर्वान्बन्धूनवस्थितान् ॥ २७ ॥ कृपया परयाविष्टो विषीदन्निदमब्रवीत् ।
अर्जुन उवाच ॥ दृष्ट्वेमं स्वजनं कृष्ण युयुत्सुं समुपस्थितम् ॥ २८ ॥ सीदन्ति मम गात्राणि मुखं च परिशुष्यति ।
वेपथुश्च शरीरे मे रोमहर्षश्च जायते ॥ २९ ॥ गाण्डीवं स्रंसते हस्तात्त्वक्चैव परिदह्यते ।
न च शक्नोम्यवस्थातुं भ्रमतीव च मे मनः ॥ ३० ॥ निमित्तानि च पश्यामि विपरीतानि केशव ।
न च श्रेयोऽनुपश्यामि हत्वा स्वजनमाहवे ॥ ३१ ॥ न काङ्क्षे विजयं कृष्ण न च राज्यं सुखानि च ।
किं नो राज्येन गोविन्द किं भोगैर्जीवितेन वा ॥ ३२ ॥ येषामर्थे काङ्क्षितं नो राज्यं भोगाः सुखानि च ।
त इमेऽवस्थिता युद्धे प्राणांस्त्यक्त्वा धनानि च ॥ ३३ ॥ आचार्याः पितरः पुत्रास्तथैव च पितामहाः ।
मातुलाः श्वशुराः पौत्राः श्यालाः सम्बन्धिनस्तथा ॥ ३४ ॥ एतान्न हन्तुमिच्छामि घ्नतोऽपि मधुसूदन ।
अपि त्रैलोक्यराज्यस्य हेतोः किं नु महीकृते ॥ ३५ ॥ निहत्य धार्तराष्ट्रान्नः का प्रीतिः स्याज्जनार्दन ।
पापमेवाश्रयेदस्मान्हत्वैतानाततायिनः ॥ ३६ ॥ तस्मान्नार्हा वयं हन्तुं धार्तराष्ट्रान्स्वबान्धवान् ।
स्वजनं हि कथं हत्वा सुखिनः स्याम माधव ॥ ३७ ॥ यद्यप्येते न पश्यन्ति लोभोपहतचेतसः ।
कुलक्षयकृतं दोषं मित्रद्रोहे च पातकम् ॥ ३८ ॥ कथं न ज्ञेयमस्माभिः पापादस्मान्निवर्तितुम् ।
कुलक्षयकृतं दोषं प्रपश्यद्भिर्जनार्दन ॥ ३९ ॥ कुलक्षये प्रणश्यन्ति कुलधर्माः सनातनाः ।
धर्मे नष्टे कुलं कृत्स्नमधर्मोऽभिभवत्युत ॥ ४० ॥ अधर्माभिभवात्कृष्ण प्रदुष्यन्ति कुलस्त्रियः ।
स्त्रीषु दुष्टासु वार्ष्णेय जायते वर्णसङ्करः ॥ ४१ ॥ सङ्करो नरकायैव कुलघ्नानां कुलस्य च ।
पतन्ति पितरो ह्येषां लुप्तपिण्डोदकक्रियाः ॥ ४२ ॥ दोषैरेतैः कुलघ्नानां वर्णसङ्करकारकैः ।
उत्साद्यन्ते जातिधर्माः कुलधर्माश्च शाश्वताः ॥ ४३ ॥ उत्सन्नकुलधर्माणां मनुष्याणां जनार्दन ।
नरकेऽनियतं वासो भवतीत्यनुशुश्रुम ॥ ४४ ॥ अहो बत महत्पापं कर्तुं व्यवसिता वयम् ।
यद्राज्यसुखलोभेन हन्तुं स्वजनमुद्यताः ॥ ४५ ॥ यदि मामप्रतीकारमशस्त्रं शस्त्रपाणयः ।
धार्तराष्ट्रा रणे हन्युस्तन्मे क्षेमतरं भवेत् ॥ ४६ ॥ सञ्जय उवाच ॥ एवमुक्त्वार्जुनः सङ्ख्ये रथोपस्थ उपाविशत् ।
विसृज्य सशरं चापं शोकसंविग्नमानसः ॥ ४७ ॥ ॐ तत्सदिति श्रीमद्भगवद्गीतासूपनिषत्सु ब्रह्मविद्यायां योगशास्त्रे
श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुनविषादयोगो नाम प्रथमोऽध्यायः ॥ १ ॥ ॥ श्रीकृष्णार्पणमस्तु ॥ ॥ शुभं भवतु ॥

ཨཱཿཧཱུྃ། ཨཱཿཧཱུྃ། ཨཱཿཧཱུྃ།

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः सङ्कर्षणाय प्रद्युम्नायानिरुद्धाय नमो नमः परमकारणाय परमपुरुषाय सत्त्वाय शान्ताय योगपतये योगाय योगविदां प्रधानाय नमस्ते सांख्ययोगाधिपतये नारायणाय हंसाय दत्ताय गुह्याय प्रश्निगर्भाय सहस्रशीर्षाय क्षेत्रज्ञाय सहस्रपादाक्षिभ्रूनासादन्तोष्ठबाहवे सहस्रनाम्ने पुरुषायाशेषाय सहस्रकोटिवरवारणायुतायुतसाहस्रप्रशमनाय विचित्रदिव्यनानागतयेऽनेकाद्भुतैश्वर्यशक्तिसुखविशेषसंस्थानाय क्षराक्षरात्मने सकलभुवनसन्निवेशायाकूतायाकूतविदे विज्ञानमात्रैकघनानन्दायाविद्यापगमापादितपरमात्मभावेन दुरवबोधाय नमः प्रमाणमूलाय कवये शास्त्रयोनये प्रवचनाय नमस्ते पवित्रायामलायानन्तशक्तये अनन्तायाव्यक्तमूर्तये मूर्तिमते सकलकारणायाकारणाय नमस्ते अचिन्त्याद्भुतस्वरूपाय सुसूक्ष्मसुमङ्गलसुविज्ञेयसुसुखप्रपञ्चायाप्रपञ्चाय निष्प्रपञ्चाय नमः परमकल्याणगुणगणात्मने कल्याणधर्मणे ब्रह्मणे प्रणवाय सत्याय पुरुषाय महानुभावाय नमस्ते

ꣳ ꣳ ꣳ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः सङ्कर्षणाय प्रद्युम्नायानिरुद्धाय नमो नमो भगवते महापुरुषाय सर्वगुणसम्पन्नायानन्ताय सात्वतां कुलाचार्याय नमस्ते सुदर्शन दिशो रोचिषा दशः प्रदिशो रोचिषा स्वरोचिषा क्षत्रियं क्षत्रियं रक्ष रक्ष ज्वल ज्वल प्रज्वल प्रज्वल तपतपानुतपानुतापय तापय ज्वालामालिनि ज्वालामालिनि ज्वलितप्रतापनाभिरामाभिरामे ज्वलितप्रतापनाभिरामाभिरामे ज्वलितप्रतापनाभिरामाभिरामे

ાાા

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ಕಿಂಚಿತ್ಕಾಲಾನಂತರದಲ್ಲಿ ಅವರಿಗೆ ಮಗನೊಬ್ಬನು ಜನಿಸಿದನು. ಅವನಿಗೆ ಅವರು ಸಿದ್ಧಾರ್ಥನೆಂಬ ಹೆಸರಿಟ್ಟರು. ಸಿದ್ಧಾರ್ಥನು ಬೆಳೆದು ದೊಡ್ಡವನಾಗಿ ಸಕಲ ವಿದ್ಯೆಗಳನ್ನೂ ಕಲಿತನು. ಅವನಿಗೆ ಯಶೋಧರೆಯೆಂಬ ಸುಂದರಿಯೊಡನೆ ವಿವಾಹವಾಯಿತು. ಅವರಿಗೆ ರಾಹುಲನೆಂಬ ಮಗನು ಜನಿಸಿದನು. ಸಿದ್ಧಾರ್ಥನು ಸಂಸಾರದಲ್ಲಿ ಸುಖವಾಗಿದ್ದನು. ಅವನಿಗೆ ಯಾವ ಕೊರತೆಯೂ ಇರಲಿಲ್ಲ. ಅವ

ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་བྱང་ཆུབ་ཏུ་ཡོངས་སུ་སྨོན་ལམ་བཏབ་ཅིང་། ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་བྱང་ཆུབ་ཏུ་ཡོངས་སུ་སྨོན་ལམ་བཏབ་ནས

ा।।।

ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཞེས་བྱ་བ་ཐེག་པ་ཆེན་པོའི་མདོ་ལས་ཐེག་པ་ཆེན་པོ་ཡི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཕྱག་རྒྱ་ཞེས་བྱ་བ

ས་ཡི་ཁམས་ཀྱི་ཁམས་ཀྱི་ཁམས་ཀྱ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो नारायणाय

ગુણાનાકરેણેવોક્તં ગુણાનાકરેણેવોક્તં ગુણાનાકરેણેવોક્તં

ાન્યુવારીમાં ૧૯૯૦ના વર્ષમાં ૧૯૯૦ના વર્ષમાં ૧૯૯૦ના વર્ષ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः सङ्कर्षणाय प्रद्युम्नायानिरुद्धाय नमो नमो भगवते महापुरुषाय सर्वगुणसम्पन्नायानन्ताय सात्वतां कुलाचार्याय नमस्ते सुदर्शन दंष्ट्रा कराल दुर्निरीक्ष्यायुतायुत प्रलयानलोद्दाम सुदूरनिसृत सकल दिक्चक्रवाल सकल भुवनमण्डल सकल सङ्कर्षणकुलाद्रिकुलिशायुत सहस्रवरायुध हर हर दह दह मथ मथ विध्वंसय विध्वंसय विद्रावय विद्रावय चूर्णय चूर्णय सकल दिग्बन्धन यक्षराक्षसभूतप्रेतपिशाचडाकिनीशाकिनी कूष्माण्डवेतालब्रह्मराक्षसगरुडगन्धर्वकिन्नरकिंपुरुषमहोरगादीन् सकलान् ग्रस ग्रस भक्षय भक्षय त्रासय त्रासय सकलभयोपद्रवेभ्यो रक्ष रक्ष सकलदुष्टान्तकाय सकलदुष्टनिवारणाय सकलदुष्टविनाशनाय सकलदुष्टोपद्रवेभ्यो रक्ष रक्ष

॥ श्रीशुक उवाच ॥

इति विश्वेश्वरो देवो भगवान्नारदेरितः ।
दक्षमालोक्य तद्भावं विश्वं तदवशं ह्यजः ॥ १ ॥
उवाच तान्महाबाहो देवान्ब्रह्मसभासदः ।
समुद्वीक्षन्भगवतो दक्षस्य च तदन्तरम् ॥ २ ॥
ब्रह्मोवाच ॥
यूयं च नाविदुः कूटं योगमायाविनो विभोः ।
यद्वशे वर्तते लोको देवश्चाहं चराचरः ॥ ३ ॥
तं सर्वभूतात्मभावं भूतेशं विश्वसंभवम् ।
अजं सर्वनमस्कारेण प्रपद्येऽभिगतो हरिम् ॥ ४ ॥